ॐ
شری پنچانگ
महेश्वरनाथदर कुन्दमुरा
श्री.क.
ब्राह्मणमहामण्डल कश्मीर (रजि०)

سہابجی	مہاراج کرشن	توتی لال
۱	۱	۱
مورش لال	سوبنتہ	کاکا جی
۱	۱	۱

5 + 3 = ۸

گڑوای

۵۰۱

श्रीपञ्चाग

सप्तर्षि संवत् ५०६२
विक्रमी संवत् २०४३

ईस्वी संवत् १९८६-८७
शाका १९०८

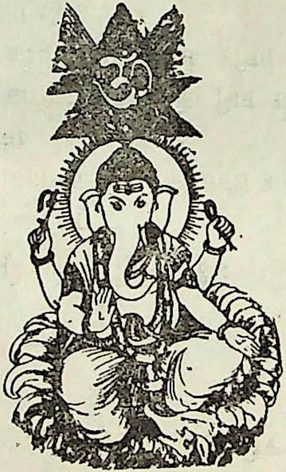

संयोजक :

डाक्टर बदरीनाथ कल्ला
शास्त्री
एम.ए.एम.ओ.एल.बी.एड.
मन्त्री विद्वत परिषद,

गणितकर्ता :

श्री ओंकारनाथ
ज्यो० विशारद
श्रीनगर, काश्मीर

सम्पादक तथा प्रकाशक :

ब्राह्मण महामण्डल काश्मीर श्रीनगर

रजि. नं० ११५

— आय व्यय चक्र :—

काश्मीर के गणितानुसार लाभ तथा खर्च (व्यय) का चक्र

(विक्रमी २०४२— ईस्वी १९८६-८७ के लिए)

राशि	मेष	वृष	मिथु.	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
लाभ	२	११	२	११	१४	२	११	२	१४	८	८	१४
व्यय	५	११	११	५	२	११	११	५	८	११	११	८
पुंधा.चं	१	५	९	२	६	१०	३	७	४	८	११	१२
घा. बार	रवि	शनि	सोम	बुध	शनि	शनि	गुरु	शुक्र	शुक्र	मंगल	गुरु	शुक्र
घा. नक्षत्र	मं	ह	स्वा	ऽनू	मू	शत	शत	रे	भर	रो	आर्द्रा	आश्ले
स्त्री धात चं	१	८	७	९	४	३	६	२	१०	११	५	१२

—लाभ व्यय का तरीका अगले पृष्ठ पर पढ़ें—

आय व्यय देखने का तरीका

लाभ और व्यय के अंकों को इकट्ठा करके एक कम करें। शेष को आठ पर भाग देवें। यदि एक शेष रहे तो सुख शान्ति एवं व्यापार में उन्नति मिले। यदि २ बचे तो मनोकामना पूर्ण तथा सवारी का सुख मिले। यदि ३ बचे तो धन का लाभ और हानि बराबर रहे। चिन्ता भीं रहे। शरीर में रोग और गुप्त रूप से शत्रुओं का भय रहे। यदि ४ रहे तो स्थान परिवर्तन, घरेलू चिन्ता, धन का व्यय, मान हानि और शरीर कष्ट भी रहे। ५ बचें तो कारोबार में अचानक रुकावट, संतानों की चिन्ता, शत्रु भय और वर्ष का प्रथम भाग हानिकारक रहे। ६ बचें तो भूमि एवं जायदाद का लाभ, राजदरबार में मान, धन का लाभ तथा संबंन्धियों की ओर से प्रसन्नता मिले। यदि ७ बचे तो कारोबार एवं व्यवसाय में वृद्धि, स्त्री पक्ष से शुभ, नवीन योजना बने। मित्रों का उदय और शत्रुनाश हो। अगर शून्य हो तो यह वर्ष आपत्तियों एवं झगड़ों का वर्ष होगा। वर्ष में दौड़-धूप करनी पड़ेगी। धन का अपव्यय रहेगा। मन में चंचलता तथा चोरों का भय रहेगा। जिन राशि वालों को वर्ष मध्यम रहता हो उन्हें नियमपूर्वक भगवती इन्द्राक्षी का पाठ करना चाहिए तथा शुक्लपक्ष की अष्टमी को व्रत रखना चाहिए और मंगलवार के दिन वैष्णव रहना आवश्यक है।

व्रत, पर्व, त्योहार आदि विषय एक दृष्टि में, सं. २०४३, ई. १९८६-८७

९ अप्रैल थालबरून, श्री भट्टदिवस
१० ,, श्री नवदुर्गारंभ, नववर्ष भी
१३ ,, वैसाखी
१४ ,, संक्रान्ति व्रत
१५ ,, कुमार ६ व्रत
१७ ,, श्री राम नवमी
२२ ,, महावीर जयन्ती
२४ ,, संकट ४
२८ ,, अगस्त अस्त श्री पंचमी
मंगलेश्वर भैरव जयन्ती।
२९ ,, बेताल ६. ऋषि पीर श्राद्ध
३ मई लक्षमी नारायण यज्ञ
५ मई स्वामी लक्ष्मणजी जन्म दिवस
८ ,, वल्लभाचार्य जन्म
११ ,, परशुराम जयन्ती, रोज़ा आरंभ
१४ ,, कुमार ६
१५ ,, संक्रांति व्रत

२० मई नारद ११, माधवी ११
२२ ,, गणेश १४
२३ ,, बुध पूर्णिमा
२४ ,, नारद जयन्ती
२६ ,, संकट ४
३१ ,, शीतला ७
३ जून रथा ११, भद्रकाली जयंती
५ ,, शबेकदर
६ ,, ब्रह्मयज्ञ जयन्ती
७ ,, वट सावित्री व्रत
१० ,, ईदुल्लफित्तर
१३ ,, कुमार ६
१५ ,, संक्रांति व्रत
१५ ,, ज्येष्ठ अष्टमी क्षीरभवानी यात्रा
१७ ,, गंगा ७
२१ ,, दक्षिणायण में सूर्य

२२ जून माता रूप भवानी जयंति
२३ ,, गुरु गोविन्द जन्म
२५ ,, संकट ४
२ जुलाई योगिनी ११
७ जुलाई सोमा अमावसी
१२ जुलाई कुमार ६ और स्वामी
स्वयंआनन्द जन्म
१५ जुलाई आषाढ़ अष्टमी और नवमी
१८ जुलाई हरिस्वाप, भगवान गोपी-
नाथ जयंती
२० जुलाई ज्वाला १४ रिव्रव यात्रा
२१ जुलाई आषाढ़ पूर्णिमा
२४ जुलाई संकट ४
१ अग. कमला ११
५ अग. हरियाली अमावस
९ अग. वरद गणेश ४

१० अग. नाग पंचमी
११ अग. कुमार ६
१२ अग. बुधाष्टमी
१६ अग. श्रावण १२, झुप्यण यात्रा
१७ अग. संक्रान्ति व्रत सिंगह,
ईद जुहा (बकरीईद)
१९ अग. रक्षाबन्धन, अमरनाथ दर्शन,
गायत्री जयं.
२२ अग. कूर्म तृतीया
२३ अग. संकट ४, नवदल यात्रा
२५ अग. चंदन षष्ठी व्रत
२७ अग. जन्माष्टमी एक
४ सितं. कुषा अमावसी
७ ,, हरतालिका ३
८ ,, विनायक ४
९ ,, कुमार ६
११ ,, गंगा ८ यज्ञ उमा भगवती
१४ ,, नारायणी११गौतम नागयात्रा

१५ सितं. वामन १२
१७ ,, संक्रान्ति व्रत और
अनन्त १४
१८ ,, पितृ पक्षारम्भ
२१ ,, संकट ४
२५ ,, साहिब ७
२९ ,, ऐन्द्रा ११
२ अक्तू. गान्धी जयन्ती
३ ,, पितृ अमावसी
४ ,, श्री नवदुर्गा आरम्भ
८ ,, कुमार ६
११ ,, दुर्गा अष्टमी, महा ९
१२ ,, विजय दशमी
१७ ,, शरद पूर्णिमा, चन्द्र ग्रहण
१८ ,, संक्रान्ति व्रत
२० ,, कर्वा ४, संकट ४
२६ ,, शुक्र अस्त

१ नवं. दीपावली, हनुमान जयंती,
कमला जयंती
३ ,, अन्न कूट गोवर्धन पूजा,
भाई दूज
५ ,, शुक्र उदय
७ ,, कुमार ६
९ ,, गोपाल ८
१६ ,, संक्रांति व्रत, कार्तिक पूर्णिमा
गुरुनानक जन्म दिवस
२० ,, संकट ४
२३ ,, सूर्य ७
२४ ,, महाकाल भैरव ८
२७ ,, उत्पन्ना ११
१ दिसं. सोमा अमावसी
६ ,, कुमार ६
८ ,, भैरवी ८
११ ,, मोक्षदा ११, गीता जयंती
१६ ,, संक्रान्ति सिंगह

१७ दिसं. मातृका पूजन
२० ,, संकट ४
२१ ,, उत्तरायण में सूर्य
२२ ,, वेताल ६
२४ ,, महाकाली जन्म
२६ ,, आनन्देश्वर भैरव जन्म
३० ,, यज्ञा अमावसी
५ जन. कुमार ६
६ ,, गुरु गोविन्द जन्म
७ ,, बुधा ८
१४ ,, संक्रान्ति व्रत, शिशर संक्रां.
१८ ,, संकट ४
२१ ,, साहिब ७

२८ जन. शिव १४ माघ की
३० ,, गान्धी अन्तर्ध्यान दिवस
१ फर्व. गौरी ३
२ ,, त्रिपुरा ४
३ ,, वसन्त ५ कुमार ६
६ ,, भीष्म ८
९ ,, भीम सेन ११
१२ ,, यक्षणी १४
१३ ,, संक्रान्ति व्रत, माघ पूर्णिमा
१७ ,, संकट ४
२१ ,, होरा ८ चक्रेश्वर यात्रा
२४ ,, विजया १२

२५ फर्व. शिवरात्रि
२६ ,, शिव १४
५ मार्च कुमार ६
७ ,, तँला अष्टमी
८ ,, होला ८
१२ ,, ब्रह्म स्वाप
१४ ,, मासान्त और थाल बरून
१५ ,, संक्रान्ति व्रत, सोंथ, होली, गुरु अस्त
१८ ,, संकट ४
२१ ,, नवरोज़
२३ ,, शीतला ७

—: इति शुभम् :—

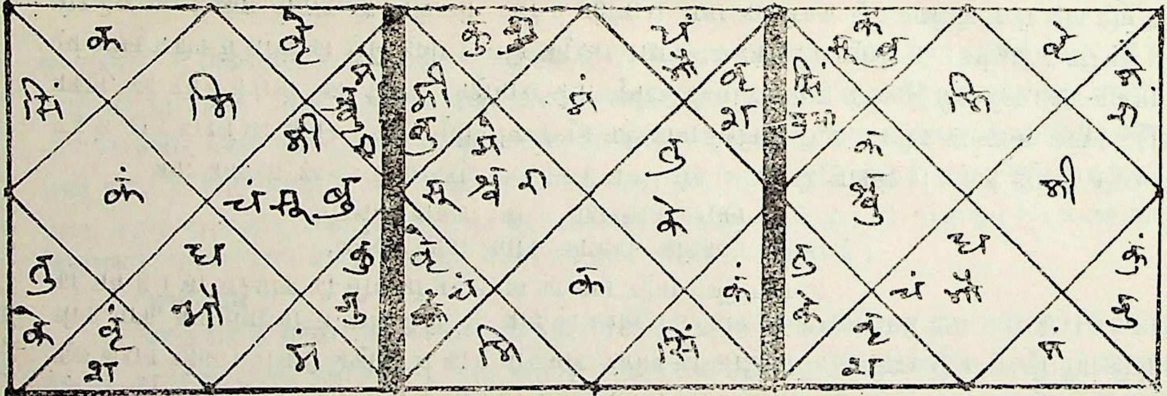

ज्योतिष शास्त्र के आधार पर संवत् २०४३ विक्रमी में आकाशी कौंसिल का संसार पर प्रभाव

सर्वशक्तिममात्री भगवती महामाया की कृपा याचना कर ज्योतिष शास्त्र के आधार पर विक्रमी संवत् 2043 में ग्रह परिषद् का संसार पर प्रभाव उस प्रकार व्यक्ति किया जाता है ।

इस वर्ष ग्रह-परिषद् के निर्माण में प्रधान पद बुद्ध देवता को और मन्त्री सूर्य को तथा रक्षा मन्त्री का पद भी सूर्य को प्राप्त हुआ है । परिषद् के दस अधिकारों में पांच अधिकार शुभ ग्रहों को और पांच अधिकार क्रूर ग्रहों को प्राप्त हुए हैं । जगत लग्न मकर राशि का है । लग्न का स्वामी शनि मंगल के घर मे ग्यारवें भाव में पड़ा है

जबकि स्वयं मंगल बारहवें घर में बुद्ध और सातवें घर को देख रहा है। वर्ष के मध्य भाग में शनि और मंगल वक्री हो रहे हैं। वर्ष लग्न कर्मचक्र तथा ग्रहों के वेद्य एवं परस्पर युति होने के कारण यह ज्ञात होता है कि इस वर्ष भी विश्व रंग-मंच का वातावरण विक्षुब्ध एवं तनाव पूर्ण रहेगा। वर्षा तथा गर्मी क्रमशः अधिक होगी। भ्रष्टाचार तथा तस्करी में प्रायः लोग प्रवृत होंगे। बारहवां मंगल होने के कारण बड़ी शक्तियां शान्ति सन्धि करने के उपरान्त भी हथियारों की दौड़ जारी रखेंगे। दक्षिणी एशिया के कई राष्ट्रों जैसे भारत पाकिस्तान चीन आदि के भी एटमी हथियारों की दौड़ में सम्मिलित होने की संभावना है। वर्ष के मध्य भाग में गुरू वक्री हो रहा है और शनि भी वृश्चिक राशी के अग्रिम अंश को छोड़ कर अति वक्री के रूप में आता है जिससे नक्षत्र वैद्य आरम्भ हो रहा है। इस कारण अमेरिका, चीन, कम्यूचिया, ईरान, ईराक, लेबनान तथा पाकिस्तान का आन्तरिक वातावरण कुछ खराब रहेगा। दक्षिणी अफ्रीका में काले और गोरे रंगभेद की नीति के विरुद्ध विश्व में नाराज़गी पैदा होगी। चीन, पाक, बर्मा तथा भारत आदि देशों में बाड़ की स्थति पैदा होने की सम्भावना है तथा खेती बाड़ी को हानि का भय है। भारत, पाक की सीमाओं पर तनाव का योग रहेगा। जैसे कहा है :

"अनुरधां गतः सौरि ज्येष्टयां परिवर्तते ।
परिश्रमे दारूणो घोरः संहारस्यत्र जायने ॥

अतः जनवरी, १९८७ से फरवरी, १९८७ तक शुक्र और शनि की आपसी युति भेद होने से संसार में युद्ध के काले बादल छा जायेंगे। परन्तु तृतीय विश्व युद्ध नहीं होगा अपितु दुर्भिक्ष, जमीन का फटना भूकम्प, प्रकृति प्रकोप, कई प्रमुख नेताओं का निधन, महामारी जैसी दुर्घटनायें एशिया तथा यूरोप में पैदा होंगे। रेल-वायुयान एवं अग्नि प्रकोप से लोगों की हानि होगी। शनि अनुरधा नक्षत्र पर वक्री हो रहा है और कर्मचक्र में पश्चिम की ओर देख रहा है अतः संसार के पश्चिमी देशों में महामारी तथा आकस्मिक दुर्घटनाओं से भारी क्षति होने की

सम्भावना है । मिडल ईस्ट के छोटे बड़े राष्ट्र आपसी झगड़ों में उलझ कर रह जायेंगे । विश्व के विभिन्न भागों में उलझ कर रह जायेंगे । विश्व के विभिन्न भागों में जाति भेद रंग नसल के झगड़े पैदा होंगे । इस वर्ष वर्षा भगवती कायालिनी और संवत्सर का वाहन दोला होने के कारण जीव जन्तुओं की हानि रक्तपात धर्म सम्बन्धी संप्रदायक झगड़े संसार के प्रधान राष्ट्रों में राज्यनैतिक तनाव, सूखा तथा चोरी की वृद्धि होगी । इसका अधिकतर प्रभाव तिब्त, नेपाल, पाकिस्तान, लंका, भूटान, ईरान एवं अरव देशों में विशेष रूप से होने की सम्भावना है । प्रचण्ड वायु विनाशकारी चक्रवात तथा आकाशी उत्पातों से जन-धन हानि का भी योग बनता है ।

भारतवर्ष :

ग्रह-संचार के अनुसार वर्ष का राष्ट्रपति वृहस्पति तथा प्रधान मन्त्री और रक्षा मन्त्री सूर्य होने के कारण इस वर्ष भारत का मस्तक ऊंचा रहेगा । भूमि खेती बाड़ी मज़दूर वर्ग तथा खानों और खनिज पदार्थों एवं उत्पादन के लिए यह वर्ष उत्तम फल दायक है । वर्ष लग्न का स्वामी बुद्ध सूर्य के साथ है जो मुंथा का स्वामी भी है, शनि छटे घर में मंगल से पीड़ित है । वर्षा का कुल बल ५०% के ऊपर से आया है । अतः भारतवर्ष आर्थिक पक्ष में कुछ कमज़ोर ही रहेगा । सरकार को महंगाई बेरोज़गारी सांप्रदायक तोड़ फोड़ की घटनाओं का सामना करना पड़ेगा । पंजाब, जम्मू काश्मीर, उत्तर प्रदेश तथा दिल्ली जैसे प्रदेशों से सरकार को विशेष चिन्ताग्रस्त होना पड़ेगा । पंजाब में जून, १९८६ से लेकर नवम्बर, १९८६ तक का समय कुछ अशान्त बना रहेगा । आंधी तूफान भारी वर्षा के कारण फसलों की हानि तथा बाढ़ आदि से जन धन की हानि होने की सम्भावना है किन्तु व्यापारिक दृष्टि कोण से यह वर्ष उत्तम फलदायक है । चतुर्थ शुक्र होने के कारण विदेशी नीति में सुधार आयेगा । राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा उड़ीसा में इस वर्ष अधिक गर्मी तथा पीने के पानी की समस्या और सूखा पड़ने से जनता पीड़ित रहेगी । इन राज्यों के प्रमुख नेताओं में शारीरिक कष्ट की आशंका बनी रहेगी । केन्द्र में चन्द्रमा के साथ मंगल

होने के कारण कम्पयूटर तथा अन्य उपयोयी यन्त्रों का विकास होगा। शिक्षा में परिवर्तन तथा विज्ञान आदि क्षेत्रों में नई टैकनीकी विधियों का उपयोग होगा। भारती कलाओं के प्रति अधिक ध्यान दिया जायेगा और धन का व्यय किया जायेगा। बर्ष के मध्य काल में किसी प्रमुख राज्यनीतिज्ञ अथवा विद्वान् के मृत्यु का योग भी बनता है।

प्रधान मन्त्री श्री राजीव गांधी का भविष्य उज्जवल रहेगा। अपने कुशल नेतृत्व के कारण आप भारत की उलझी गुथियों को सुलझाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अन्तर्राष्ट्रीय जगत् में भी आप लोकप्रिय होंगे। शपथ-कालीन कुण्डली के ग्रहों के आधार पर आप अपना पूरा कार्यकाल सफलतापूर्वक निभायेंगे। देश में भ्रष्टाचार को कम करने तथा इसे प्रगृति के मार्ग पर अग्रसर करने में आप सफल रहेंगे। क्योंकि स्व राशि का गुरू बलवान् होकर लग्न में पड़ा है। चन्द्रमा उच्चाभिलाषी हैं। आप आतंवाद, उग्रवाद को समाप्त करने में भरसक प्रयत्न करेंगे। सम्भव है कि बर्ष के अगले छः मास में आप अपने मन्त्रिमण्डल में कुछ विशेष परिवर्तन लायेंगे। इस वर्ष गुटनिरपेक्ष देशों के संगठन के प्रति भारत का विशेष योगदान रहेगा। फ्रांस, जापान, नाइजीर्या, अर्जनटाईना, मैकसिको, आदि देशों के साथ भारत के अच्छे सम्बन्ध रहेंगे। पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश तथा चीन के साथ कुछ समस्याएं विवादास्पद होते हुए भी परस्पर सम्बन्धों में सुधार होगा।

वर्ष का राजा ब्रहस्पति होने के कारण अनाज, फल, गन्ना, तेल, चाय, कपड़ा, दूध, घी तथा अन्य पीले रंग की पदार्थों कीं उपज अच्छी रहेगी और व्यापार भी उत्तम रहेगा परन्तु सूर्य के मन्त्री होने के कारण जनता प्राय: रोग पीड़ित रहेगी। गर्मी मामूल से अधिक पड़ेगी और वर्षा भी अधिक होगी। जन साधारण वस्तुओं में महंगाई रहेगी।

काश्मीर :

काश्मीर के गोचर चक्र में लग्न का स्वामी चन्द्रमा सातवें घर में शनि के साथ मंगल की युक्ति हैं। केन्द्र में गुरू शनि के स्थान में ठहरा हुआ है। संवत्सर का नाम और वर्षा भगवती कापालिना तथा संवत्सर का वाहन झूला एवं वसंत का वाहन शेर होने के कारण यहां की वर्तमान सरकार को अनेक कठिनाइयों का सामना करना होगा। वर्ष का पूर्वार्द्ध कुछ अशान्तरूप से गुज़रेगा। तोड़-फोड़ एवं हिंसक घटनाओं से लोगों के मन कुछ अशान्त रहेंगे। मुख्यमन्त्री का स्वास्थ्य कुछ ढीला रहेगा। शासक वर्ग के अधिकारियों में आपसी खींचातानी रहेगी और संभव है कि वर्ष के मध्य में शनि मंगल तथा शुक्र के अस्त के प्रभाव से काश्मीर की आन्तरिक स्थिति में कुछ सुधार आयेगा और कोई गम्भीर स्थिति पैदा न होगी अपितु गुरू के प्रभाव से अगस्त तक पूर्ण शान्ति प्राप्त होगी।

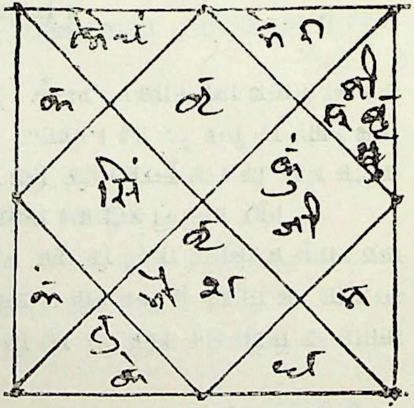

पाकिस्तानी गुप्तचर काश्मीर में प्रवेश करके यहां के वातावरण को खराब करने में तत्पर रहेंगे परन्तु मीन में उच्चस्थ शुक्र के प्रभाव से वे विफल हो जायेंगे। यह गति विधियां अप्रैल से अगस्त तक अधिक रहेंगी और

राष्ट्र विरोधी गतिविधियां, सीमा अतिक्रमण, तस्करी तथा सम्प्रदायक तनाव आदि की आशंकायें बनी रहेंगी जिसका दमन केन्द्र के हस्तक्षेप से होगा। इसके साथ ही चीन एवं पाकिस्तान इस प्रदेश के कुछ भागों पर अधिकार जमाने का प्रयत्न करेंगे जो केन्द्र के कुशल राजनीनि के प्रभाव से असफल होंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में यहां के मन्त्रिमण्डल में विशेष परिवर्तन होने की सम्भावना है एवं राजनीतिक क्षेत्रों में क्रान्तिकारी योग भी मिलते हैं। विपक्षी गुट के नेता केन्द्र के साथ अपना प्रभाव जमाने में प्रयत्न शील रहेंगे।

रक्षामन्त्री सूर्य होने के कारण यहां के सरकार तथा जनता को इस वर्ष अनेक कठिनाईयों का सामना होगा। वादी के पश्चिमी तथा उत्तरी भागों में कहीं अतिवृष्ट कहीं अनावृष्टि के योग बनते हैं जिससे जन साधारण को कुछ हानि उठाने की सम्भावना है। दसवें घर में गुरू होने के कारण यहां की शिक्षा प्रणाली में सुधार तथा यात्रियों को अच्छी प्रकार की सुविधा मिलेगी परन्तु जनता में संतोष कम रहेगा। मज़दूर चिन्तित रहेंगे।

बारहवें घर में राहू होने के कारण कृषक वर्ग को प्रायः चिन्ता बनी रहेगी परन्तु धान की उपज संतोष-जनक होगी। जनसाधारण वायु रोग पेट तथा अमाशय की पीड़ा से कष्ट उठायेंगे। इस वर्ष वर्षा का वाहन झूला होने के कारण और यूनानी मत से बकरी होने के कारण आकाशी दुर्घनायें, भूकम्प, चक्रवात तथा असामयिक वर्षा होने से कई कठिनाइयों के होने की संभावना है क्योंकि कहा है—

यस्याब्दे वाहनं दोला हा हा भूता च मेदिनी।
दुर्भिक्षं सर्व देशेषु संग्रामं खण्ड खण्डयो॥

फलों का स्वामी शनि एवं मेघ का स्वामी भी शनि होने के कारण यहां की जनता रसीले पदार्थों से कम लाभ उठायेगी। जौ, चना, चावल एवं धान का उत्पादन अच्छा होगा। वर्षा की कमी के कारण तृण, घास

शाकम्बरी की उपज सामान्य होगी। आषाढ़ नवमी मंगलवार होने के कारण किसानों को हर प्रकार की राज्यकीय सुविधा सिंचाई के कार्यों में प्रगति तथा विविध वस्तुओं के संग्रह में प्राप्त होगी। कच्चे पदार्थ मूंग, मक्की राजमाश की उपज संतोष जनक होगी। सेब, बदाम, आढ़ू, आदि फल की उपज मध्यम रहेगी। वर्ष के मध्य में किसी विख्यात व्यक्ति का निधन होगा।

अन्त में जगत् अम्बा महामाया से प्रार्थना है—

स्वहित प्रजाभ्यः परिपालयन्तां न्यायेन मार्गेण मही महीपाः
गो ब्राह्मणेभ्यो शुभमस्तु नित्यं लोका समस्ता सुखिनो भवन्तु ॥

ग्रहण निर्णय वर्ष १९८६-८७

संवत् २०४३ तदानुसार १९८६-८७ में पृथ्वी पर कुल दो चन्द्र ग्रहण तथा दो सूर्य ग्रहण होंगे, परन्तु भारत वर्ष तथा कश्मीर में केवल दो चन्द्र ग्रहण ही दिखाई देंगे।

१. खग्रास चन्द्र ग्रहण २४ अप्रैल, १९८६ ब्रहस्पति वार।

२. खग्रास सूर्य ग्रहण ३ अक्तूबर, १९८६ शुक्रवार।

३. खग्रास चन्द्र ग्रहण २२ अक्तूबर, १९८६ शुक्रवार।

४. खण्ड ग्रास सूर्य ग्रहण २९ मार्च, १९८७ रविवार।

इनमें खग्रास सूर्य ग्रहण तथा खण्ड ग्रहण सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगें अतः इन ग्रहणों का भारत वर्ष पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

खग्रास चन्द्र ग्रहण—चैत्र शुक्ल पक्ष पूर्णमाशी ब्रहस्पति बार तदानुसार २४ अप्रैल, १९८६ भारत में ग्रहण उदय दिखाई देगा यह ग्रहण शाम ४-३३ पर आरम्भ होकर रात को ७-५६ मिनट पर समाप्त होगा। इस का पर्व काल ३ घण्टे २३ मिनट होगा और स्वाति नक्षत्र पर आरम्भ होता है। यह ग्रहण स्वाति नक्षत्र तथा कर्क, वृश्चिक और मीन राशी वालों के लिए अशुभ फलदायक हैं वृ० मि० कन्या और कुम्भ राशी वालों के लिये मध्यम फलदायक हैं।

खग्राम् चन्द्र ग्रहण—यह गृहण १७/१८ अक्तूबर, १९८६ तदानुसार असूज़ पूर्णमाशी शुक्रवार को रात के १२-२ मि० पर आरम्भ होकर २-३८ मिनट रात को समाप्त होगा यह ग्रहण रेवती और अश्वनी नक्षत्र अर्थात् मीन तथा मेश राशी में लगता है। अतः इन राशी वालों के लिये विषेशकर अशुभ फलदायक रहेगा। यह ग्रहण भारतवर्ष के अतिरिक्त नैपाल, बंगला देश, लंका, पाकिस्तान तथा बर्मा आदि देशों में भी दिखाई देगा। इस ग्रहण का सूतक १७ अक्तूबर शुक्रवार को दिन के २ बज कर ५ मिनट से आरम्भ होगा यह ग्रहण मीन, मेष, कर्क तथा कन्या राशी वालों के लिये अशुभ फलदायक होगा। शेष राशी वालों के लिए शुभ फलदायक है।

उपरोक्त दो चन्द्र ग्रहणों का संसार पर प्रभाव—सोना, तांबा, पीतल, जस्त, लोहा, और चांदी का भाव तेज रहेगा गेहू माश, घी, तेल, काली मिर्च के भाव भी तेज रहेंगे। संसार के कई स्थानों पर आकाशी घटनायें बाढ़, भूकम्प और तूफान की दुर्घटनायें होंगी। दो सूर्य ग्रहणों का प्रभाव अमेरिका के कई प्रदेशों पर पड़ेगा जिसके कारण सैनिक विद्रोह, अग्निकाण्ड, तथा अन्य हिंसक घटनायें होने की सम्भावना है।

बारह राशियों का वार्षिक तथा मासिक फल सं० 2043

मेष राशि

मेष राशि वालों को इस वर्ष लग्न में शुक्र चन्द्रमा तथा राहू और लग्न का स्वामी मंगल त्रिकोण में है ग्यारवें घर में गुरु केन्द्र को देख रहा है। शनि वृश्चक राशि का आठवें घर में बैठा हुआ है, जोकि दरबार और दूसरे घर को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है। अतः मेश राशी वालों को इस वर्ष के मध्य में गुरु और शनि वक्री हो रहे हैं जो एक बुरा योग बनता है। ग्रहों की युति भेद और कुछ योग होने से मेश राशि वालों को यह वर्ष मध्यम फल दायक होगा। शनि की ढाइया भी चल रही है इस कारण स्त्री पक्ष और बच्चों की ओर से कुछ चिंता बनी रहेगी। वर्ष के आखिर में धन का व्यर्थ व्यय होगा कि सम्बन्धी के प्रति चिंता और शत्रु भय भी बना रहेगा। यद्यपि बृहस्पति ग्यारवें घर में है फिर भी कुछ दुःख सुख योग बना रहता है। मित्रों से बिगाड़ और व्यवसाय में असंतोष रहेगा। सातवें घर में केतु होने से मित्र वर्ग नाराज़, स्त्री को कमर दर्द और चोट का भय रहेगा। स्त्री वर्ग के लिये प्रायः यह वर्ष कम फलदायक होगा। वह खून की बीमारी से ग्रस्त होंगी। विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष लाभ प्रद रहेगा। अगस्त के बाद मेष राशी वालों को धन लाभ और रोज़गार में वृद्धि होगी तथा परिवार में सुख शांति बनी रहेगी, शुभ कामों में धन लगेगा। इस राशि वालों को शनिवार के दिन भगवान शंकर पर जल चढ़ाना चाहिये और हनुमान जी की पूजा करनी चाहिये।

मासिक फल

अप्रैल—इस मास के पहिले पख में धन का व्यर्थ व्यय। किसी संबन्धी की चिंता और आखिर में घर कार्यों में प्रसन्नता, शुभ कार्यों में धन का व्यय, यात्रा से लाभ, मान बढ़ेगा। कारोबार में नई योजना। शरीर में कुछ गरमी। 17, 18, 19, 26 तथा 27 तिथि खराब।

मई—इस मास में धन का लाभ। सवारी का सुख, भाग्य उदय, घरेलू समस्याओं में सुधार, मित्रों और सम्बन्धियों से प्रसन्नता। मास के मध्य में कुछ चिंता और यात्रा से मन परेशान, चोट का भय, स्वास्थ्य ढीला रहेगा।

जून—राज्य दरबार में सुख, बिगड़ा काम बनेगा, शुभ कार्यों में धन व्यय, भाग्य चमकेगा, यात्रा से लाभ परन्तु स्वास्थ्य ढीला रहेगा। 2, 10, 11, 12, 13, 19, 20 तारीख खराब।

जुलाई—इस मास मध्यम फल रहेगा, कारोबार में कुछ रुकावट और मन में चिंता, घरेलु झंझट के कारण धन का व्यर्थ व्यय, मास के आखिर में किसी योजना से मन में प्रसन्नता, मित्रों से प्रेम, माता-पिता को पीड़ा।

अगस्त—धन का व्यर्थ व्यय, शुभ कार्य करने होंगे, पर स्त्री पक्ष से कुछ चिंता होगी, काम काज सुधरेगा, सवारी का लाभ, शत्रुओं का नाश होगा, सुख और मान बढ़ेगा।

सितम्बर—इस मास में काम काज में मान बढ़ेगा, धन लाभ होगा, किसी प्रेमी से मिलाप, भाग्य उदय होगा, संतान की ओर से प्रसन्नता, मास के आखिर में मन में कुछ चिंता पैदा होगी। 5, 12 तथा 18 तारीक ठीक नहीं।

अक्तूबर—इस मास में लाभ की वृद्धि, स्वारी में सुख मान, लेन देन से लाभ, परन्तु किसी मित्र की ओर से विश्वासघात के कारण मन में दुःख होगा। अच्छे पुरुषों से मिलाप।

नवम्बर—धन का लाभ उत्तम रहेगा। शुभ कार्यों में मन लगेगा। शत्रु भय कम, मित्र लाभ अधिक स्वास्थ्य मध्यम। 3, 4, 12, 13, 22, 25 खराब।

दिसम्बर—स्वास्थ्य इस मास में ठीक नहीं रहेगा। यात्रा से लाभ कम होगा, मन में चिंता और धन अपव्यय अधिक, संतान पक्ष से कुछ चिंता, शत्रु विनाश।

जनवरी—इस मास का मध्य भाग अच्छा है, नई योजनाओं से सुख, काम काज सुधरेगा, स्त्री सुख अच्छा, स्वास्थ्य में सावधानी बरतें। चोट का भय।

फरवरी—यह मास अच्छा लाभ प्रद है। धन लाभ रहेगा और यात्रा में सुख लाभ, काम काज में वृद्धि, शत्रु भय कम, परिवार सुखी पर स्वास्थ्य कुछ ढीला रहेगा।

मार्च—स्वास्थ्य में गरमी, घरेलू सुख अच्छा, लेन देन में लाभ, सम्बन्धियों से सुख, काम काज में वृद्धि, स्त्री तथा सन्तान सुख। 1, 2, 3, 11, 12 तथा 24 तारीक खराब।

वृष राशि का वार्षिक फल

वृष राशी वालों को लग्न का स्वामी शुक्र गोचर लग्न से बाहरवें घर में राहू के साथ बैठा है। शनि और मंगल में युति भेद है। दरबार का स्वामी शनि सातवें घर में है तथा बृहस्पति केन्द्र में पड़ा है। ग्याहरवें घर में सूर्य और बुध त्रिकोन को देख रहा है। शनि लग्न और केन्द्र को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है इस कारण वृष

राशि वालों को वर्ष का आखिरी भाग सुखमय होगा । मध्य वर्ष कुछ चिंता पूर्ण बना रहेगा । केन्द्र में गुरू होने से कारोबार में वृद्धि होगी । धन लाभ रहेगा । पर स्वास्थ्य बिगड़ेगा और चोट का भय रहेगा । स्त्री को खून की बीमारी पैदा होने से आप्रेशन का भय बना रहेगा । फलतः परिवार अशांत बना रहेगा । वर्षारम्भ में व्यर्थ धन का व्यय और काफी दौड़ धूप रहेगी परन्तु काम काज अच्छा बना रहेगा, शत्रु भय रहेगा और बिरादरी में असंतोष बाहरवें घर में शुक्र और राहू होने से धन के शुभ कार्यों में खर्च होगा । वर्ष के आखिर में किसी नई योजना से से धन लाभ होगा । किसी सम्बन्धी की ओर से चिंता और बुरा समाचार मिलने का योग भी बनता है । माता पिता का सेहत बिगड़ेगा । स्त्री वर्ग के लिये यह वर्ष मध्यम फलदाई है । विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष उत्तम है । उन्हें विद्यालाभ मिलेगा वृष राशि वालों को इस वर्ष दूर की यात्रा नहीं करनी चाहिये । चोट का भय है । मंगलवार के दिन वैष्णव रहना चाहिये और इन्द्राक्षी का पाठ प्रति दिन करने चाहिये । संभव हो तो शुक्ल अष्टमी का व्रत रखें, उत्तम फलदायक होगा ।

वृष राशि वालों का मासिक फल

अप्रैल --इस मास में धन का उत्तम लाभ रहेगा । घरेलू सुख शांति बनी रहेगी । दरबार और सवारी का सुख मिलेगा । लेन देन में लाभ, सम्बन्धियों से कुछ नराज़गी, गुप्त रूप से शत्रुओं का भय ।

मई - काम काज में लाभ, सुख शांति और दरबार में मान, शुभ कार्यों में मन लगेगा किसी नई योजना से धन लाभ, शत्रुओं से सतर्क रहें, यात्रा लाभ, स्त्री सुख मध्यम ।

जून—यह मास मध्यम फलदायक और धन का व्यय, खेती बाड़ी और लेन देन में कुछ लाभ, प्रत्येक काम विचार कर करें. यात्रा से हानि, किसी से अपमान का भय।

जुलाई—इस मास में घरेलू सुख अच्छा रहेगा, परन्तु किसी अभियोग का भय रहेगा, धन लाभ मध्यम रहेगा, स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। 1, 2, 10, 20 तारीक अशुभ हैं।

अगस्त—कोई नया काम हाथ में न लें, कोई रूकावट पैदा होगी, गुप्त रूप से शत्रुओं का भय बना रहेगा, काम काज संतोषजनक रहेगा, सम्बन्धियों तथा अफसर से अपमान का भय, जायदाद की चिंता।

सितम्बर—मास का पहला पक्ष लाभप्रद, मास के आखिर में कुछ चिंता और स्वास्थ्य ढीला, स्त्री पक्ष से चिंता, घरेलू कार्यों में धन का अधिक व्यय।

अक्तूबर—स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा, धन का व्यर्थ व्यय, किसी प्रेमी से नाराज़गी, यात्रा से परेशानी, अभियोग का भय, हर काम सोच समझ कर करें।

नवम्बर—काम काज की हालत सुधर जायेगी और धन का लाभ उत्तम रहेगा, सवारी का सुख मिलेगा, शुभ कार्यों में धन व्यय, चोरी होने से सावधान रहें।

दिसम्बर यात्रा से लाभ, धन लाभ मध्यम, लेन देन में लाभ कम, स्त्री पक्ष ढीला रहेगा, स्वास्थ्य में गरमी रहेगी, किसी से झगड़े की संभावना, शत्रुओं से सावधान रहें।

जनवरी—सोच समझ कर काम करें, बने काम बिगड़ने का भय है, लेन देन में कम लाभ, मित्रों से कुछ लाभ और सुख शांति का योग है।

फरवरी—शुभ कार्यों में धन का व्यय अच्छे आदमियों से सम्पर्क, मित्रों और सम्बन्धियों से लाभ, सन्तान का सुख शांति, बड़ों से सहायता।

मार्च—यह मास आप को हर प्रकार से सुखदायक है, अचानक धन लाभ, पर शत्रुओं से सावधान रहें, बच्चों का सुख, वाहन सुख, किसी प्रेमी से मिलाप।

मिथुन राशि का वार्षिक फल

मिथुन राशी वालों को गोचर चक्र में लग्न का स्वामी बुध केन्द्र में बृहस्पति त्रिकोण में पड़ा है। शनि मंगल के घर में और दरबार का स्वामी मंगल सातवें घर में है। सूर्य दसवें घर से केन्द्र को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है। इस कारण मिथुन राशी वालों को हरपाल योग बनता है। फलत इनके लिये यह वर्ष बहुत उत्तम फलदायक है। धन का अचानक लाभ और नई योजनाओं में धन लगेगा। भाग्य का उदय होना। कोई अभियोग हो तो विजय होगी। सम्बन्धियों से मेल-मिलाप होगा। कुछ चिंता बच्चों तथा स्त्री पक्ष की ओर रहेगी। स्त्री की सेहत कुछ ढीला रहेगा। वर्ष के प्रथम भाग में स्त्री के प्रति सावधान रहे, उसे जलने तथा चोट का भय है, कारोबारी व्यक्ति को सफेद और लाल वस्तुओं के व्यवसाय से अच्छा लाभ होगा। धर्म कार्यों के प्रति झुकाव रहेगा। वर्ष के अन्त में कुछ भूमि की चिंता रहेगी। सोच समझ कर काम करें और दूर की यात्रा न करें, किसी किसी सम्बन्धी के प्रति चिंता रहेगी। अप्रैल, अक्तूबर तथा जनवरी के मास में कुछ कठिनाई रहेगी। आप के लिये मंगलबार का व्रत शुभ फलदायक रहेगा। विद्यार्थी वर्ग के लिये यह वर्ष मध्यम फलदायक है। स्त्री वर्ग के लिये भी कुछ फलदायक नहीं, उन्हें रक्त रोग तथा आग से भय रहेगा।

मिथुन राशि वालों का मासिक फल

अप्रैल—स्वास्थ्य ढीला, बीमारी का भय चोरों से हानि, गुप्त रूप से शत्रु भय, मित्रों तथा सम्बन्धियों से लाभ, काम काज में धन लाभ कम, यात्रा से भय, 12, 13, 23, 24 तारीक खराब।

मई—धन का व्यय अधिक, काम काज अच्छा, शुभ कार्यों में मन लगेगा, यात्रा से लाभ, स्त्री पक्ष से सुख, बच्चों से प्रसन्नता और लाभ।

जून—धन का लाभ उत्तम, काम काज अच्छा, सम्बन्धियों का सुख, वाहन सुख, शत्रु भय तथा घरेलू चिंता।

जुलाई—काम काज अच्छा, धन लाभ, लेन देन में लाभ, मित्रों से मेल जोल तथा मान, मास के मध्य में कुछ घरेलू चिंता, सम्बन्धियों के प्रति चिंता।

अगस्त-नये काम की योजना, वाहन का सुख, अच्छे पुरुषों से मेल जोल, धर्म कार्यों के प्रति झुकाव, बड़ों से लाभ, स्त्री पक्ष से सुख।

सितम्बर—नये कारोबार में वृद्धि, महापुरुषों से मेल मिलाप, कुछ घरेलू परेशानियां, यात्रा में भय. 5, 6, 14, 15 तथा 27 तारीक बुरे हैं।

अक्तूबर—मित्रो तथा सम्बन्धियों से लाभ की आशा, काम काज की हालत कुछ सुधर जायेगी पर शत्रुओं का भय रहेगा। यात्रा से दूर रहें।

नवम्बर—इस मास का प्रथम भाग उत्तम रहेगा। मास के दूसरे भाग में शत्रु भय रहेगा। धन का व्यर्थ व्यय होगा। मित्रों से सहयोग और धन लाभ।

दिसम्बर - यात्रा से लाभ और काम काज की हालत अच्छी रहेगी । स्त्री पक्ष से सुख । वाहन का सुख । संतान पक्ष से प्रसन्नता और संतोष ।

जनवरी स्वास्थ्य अचानक खराब होगा । संतान पक्ष की ओर से कुछ चिंता । ऋण लेने से बचें, झगड़ों से दूर रहें, यात्रा से लाभ कम, काम काज मध्यम रहेगा ।

फरवरी —यह मास भी मध्यम फलदायक है. परन्तु सेहत में सुधार होगा, काम-काज में भी सुधार होगा, यात्रा लाभ और वाहन सुख मिलेगा ।

मार्च --काम काज अच्छा रहेगा. लेन देन से लाभ, स्त्री पक्ष शांति प्रद, धन लाभ, सम्बन्धियों से सुख मान, 7, 15, 24, 25 तारीक अशुभ हैं ।

कर्क राशि वालों के लिए वार्षिक फल

कर्क राशी वालों को गोचर चक्र में शनि पांचवें भाव अर्थात् त्रिकोण में सूर्य और बुध को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है । दरबार का स्वामी मंगल बृहस्पति के घर में और बृहस्पति केन्द्र में पड़ा है । मंगल लग्न को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है । इस कारण कर्क लग्न वालों को इस वर्ष का पहला भाग शुभ फलदायक और दूसरा भाग कुछ चिन्ता पूर्ण होगा । कर्क राशी वालों के लिए यह वर्ष मध्यम फलदायक है । वर्ष के पहले छः महीनों में दरबार में उत्तम वृद्धि होगी और नई योजनाओं में धन लाभ और मान प्राप्त होगा । शुभ कार्यों में धन व्यय होगा परन्तु माता-पिता के स्वास्थ्य में ढीलापन आएगा । वर्ष के मध्य में स्वास्थ्य में गर्मी तथा रक्त तथा पेशाब में कुछ खराबी पैदा होगी और गृहस्थ का सुख अच्छा नही रहेगा । शत्रु भय कम रहेगा । धर्म कार्यों में कुछ

रुकावट आएगी। किसी सम्बन्धी से अनिष्ट और अभियोग का भय है। कर्क राशी वालों को दूर की यात्रा सोच विचार कर करनी चाहिए। चोर और हानि का भय है। भूमि विषयक कार्य लाभप्रद होंगे और मित्र लाभ होगा। किसी सम्बन्धी की चिन्ता सारे वर्ष बनी रहेगी। वर्ष के दूसरे भाग में धन का व्यय अधिक रहेगा। यह भाग चिन्ता पूर्ण रहेगा। सूझबूझ से काम करना चाहिए। कर्क राशि वालों को प्रति दिन महा गायत्री का पाठ करना शुभ फलदायक होगा। स्त्री वर्ग के लिए यए वर्ष अति उत्तम है। विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष मध्यम फलदायक है। उनको चाहिए कि वह शनिवार को वैष्णव रहें।

कर्क राशि वालों के लिए मासिक फल

अप्रैल—कर्क राशी वालों के लिए यह मास मध्यम फलदायक होगा। शत्रुओं का भय कम। दरबार में मान। वाहन का सुख मित्रों से सुख। नये काम की योजना परन्तु सेहत कमजोर।

मई—काम-काज में अनायास लाभ मान बढ़ेगा लेन-देन लाभ-प्रद। गृहस्थ से सुख घरेलू तथा धर्म कार्यों में धन का व्यय। यात्रा से दूर रहे।

जून—इस मास में काम-काज और दरबार में वृद्धि होगी, सेहत ढीला यात्रा करने से बचें। चोट का भय है। हर काम सोच समझ कर करें।

जुलाई यह मास गत मास से अधिक अच्छा स्वास्थ्य का भी सुधार होगा। परन्तु धन का व्यय होगा। कोई शुभ कार्य करना होगा। दरबार में सुख, स्त्री पक्ष से सुख मिलेगा।

अगस्त—मित्रों से कुछ नाराजगी होगी किसी से झगड़ा धन का व्यय। काम-काज उत्तम, धन लाभ, वाहन सुख मास के अन्त में किसी सम्बन्धी की चिन्ता।

सितम्बर—स्वास्थ्य ढीला रहेगा रक्त की खराबी। मित्रों से अनबन। काम-काज मध्यम, गुप्त रूप से शत्रु भय, चोरी की सम्भावना, घरेलू चिन्ता।

अक्तूबर दरबार संतोषप्रद, काम-काज में लाभ। वाहन सुख, दूर की यात्रा न करें। गृहस्थ का सुख परन्तु बच्चों की ओर से चिन्ता।

नवम्बर यह मास बहुत उत्तम रहेगा। शुभ कार्यों की ओर रुचि, नये काम की योजना में धन व्यय होगा। मित्रों से सुख, यात्रा में लाभ होगा, मान बढ़ेगा।

दिसम्बर—यह मास कुछ मध्यम फलदायक है। दरबार अच्छा रहेगा और वाहन सुख परन्तु सेहत कुछ ढीला रहेगा। गृहस्थी का सुख प्राप्त होगा, शुभ कार्यों में धन व्यय।

जनवरी—इस मास में प्रत्येक काम सोच समझ कर करें। गुप्त रूप से शत्रु का भय रहेगा, मन चिन्तत रहेगा, सम्बन्धियों से अच्छा मेल-मिलाप रहेगा।

फरवरी—यह मास भी मध्यम फलदायक है परिवार से सुख लाभ होगा, नये काम की योजना में धन का व्यय और मास के आखीर में अनायास धन लाभ होगा।

मार्च—घरबार की हालत कुछ ढीली मित्रों से झगड़ा, व्यर्थ व्यय होगा। स्त्री पक्ष तथा सन्तान की ओर से सुख, मास के आखीर में यात्रा से धन लाभ और काम-काज सुधरेगा।

सिंह राशि वालों के लिए वार्षिक फल

सिंह राशी वालों के गोचर चक्र में चन्द्रमा और वृहस्पति का पूर्ण दृष्टि योग बनता है। चौथे घर में शनि दरबार के घर को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है। आठवें घर में सूर्य और बुध दूसरे घर को देख रहा है, शनि की

ढाइया इस वर्ष पूरी रहेगी, राहू का प्रभाव भी इस वर्ष बना रहेगा। सातवें घर में गुरु के प्रभाव से दरबार और बिरादरी के लिए एक मिला-जुला योग बनता है। इस कारण सिंह राशी वालों को यह वर्ष हर प्रकार से लाभ-प्रद है। वाहन सुख मिलेगा, उद्योग धन्धों में धन का व्यय होगा, वर्ष के आरम्भ में मन में कुचंचलता रहेगी। कुछ दौड़ धूप और गृहस्थ की चिन्ता भी रहेगी, किसी मित्र अथवा सम्बन्धी से नराजगी होगी, स्वास्थ्य पेशाब में गर्मी तथा जोड़ों में दर्द के कारण कुछ ढीला रहेगा। सन्तान तथा स्त्री पक्ष से यह वर्ष मध्यम फल दायक है। सिंह राशी वालों को इस वर्ष दूर की यात्रा नहीं करनी चाहिए। व्यर्थ धन का व्यय होगा, अभियोग में सफलता रहेगी। जनवरी के बाद प्रत्येक कार्य में सफलता और सुख प्राप्त होगा। धन का उत्तम योग है और मन की कामनायें पूर्ण होगी, सिंह राशी वालों को इस वर्ष संक्राति ब्रत रखना लाभदायक होगा। स्त्रियों के लिए यह वर्ष उत्तम फलदायक है, उन्हें हर काम में सफलता होगी, विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष मध्यम फलदायक है, उनके लिए इन्द्रक्षी का पाठ करना आवश्यक है, शुभ फल प्राप्त होगा।

सिंह राशि वालों के लिए मासिक फल

अप्रैल — धन का लाभ, वाहन सूख, किसी प्रेमी से मिलाप, कारोबार की हालत अच्छी, सम्बन्धियों से सुख। नये काम का विचार, यात्रा से लाभ, शुभ कार्य में धन का व्यय।

मई — काम-काज ठीक, गृहस्थ का सुख मध्यम, कुछ चिन्ता बनी रहेगी मन अशान्त। लेन-देन में लाभ, स्वास्थ्य कुछ ढीला रहेगा।

जून – धन लाभ, उद्योग धन्धों में धन व्यय, भूमि लाभ, मित्रों तथा सम्बन्धियों से सुख। काम-काज अच्छा रहेगा पर स्त्री पक्ष से कुछ चिन्ता।

जुलाई—इस मास में प्रत्येक काम में सफलता और सुख प्राप्ति होगी, मान बढ़ेगा, मित्रों से सुख, यात्रा में लाभ स्त्री तथा संतान की ओर से प्रसन्न चित, समाज में मान बढ़ेगा।

अगस्त—घरेलू सुख शांति संतान तथा स्त्री पक्ष से संतोष, शुभ कार्यों के प्रति मन लगेगा, किसी अच्छे पुरुष से धन लाभ, यात्रा सुख, स्वास्थ्य अच्छा।

सितम्बर—दरबार अच्छा, समाज में मान, अनायास धन लाभ, शत्रु नष्ट काम-काज उत्तम, परिवार में सुख शांति 1-2-8-9 तथा 20 तारीक कुछ खराब।

अक्तूबर—काम-काज ठीक रहेगा पर मन में कुछ अशांति पैदा होगी, कारोबार के प्रति लगाव रहेगा और मान अच्छा होगा, मित्रों से नराज़गी।

नवम्बर—इस मास का आख़िरी भाग आपके लिए ठीक रहेगा, काम-काज मध्यम रहेगा, गृहस्थ की हालत सन्तोष जनक नहीं रहेगी, शत्रुओं का भय और किसी से अपमान की सम्भावना।

दिसम्बर—इस मास का फल भी मध्यम रहेगा और काम-काज ढीला, यात्रा करनी हो तो सावधान रहें और प्रत्येक काम सोच समझ कर करें।

जनवरी—काम-काज की हालत सुधर जायेगी, सम्बन्धियों तथा मित्रों से प्रेम, स्त्री तथा वाहन का सुख प्राप्त होगा, पर सेहत कुछ ढ़ीला रहेगा और धन का व्यय रहेगा।

फरवरी—यह मास कम फलदायक है। काम सोच समझ कर करें, हो सके यात्रा टाल दें। धन का व्यर्थ व्यय रहेगा परिवार का सुख कम। गुप्त रूप से शत्रु भय

मार्च—मास का पहला भाग कम फलदायक, मास के दूसरे पक्ष में मनोकामनायें पूर्ण, गृहस्थी का खर्च बढ़ जाएगा। किसी सम्बन्धी से अनबन होने पर मन अशांत।

कन्या राशि वालों के लिए वार्षिक फल

इस वर्ष कन्या राशि वालों के गोचर चक्र में लग्न का स्वामी बुध सूर्य के साथ केन्द्र में वड़ा है। आठवें घर में शुक्र के साथ राहू का योग है। बृहस्पति दरबार और दूसरे घर को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है, शनि वर्ष राशि को तीसरी दृष्टि से देख रहा है। कन्या राशि वालों को इस वर्ष शनि तांबे के पाये पर है इसलिए इनके लिए इस वर्ष के प्रथम भाग बहुत उत्तम है। काम-काज में वृद्धि। विद्या में वृद्धि। मित्रों और सम्बन्धियों से मेल-मिलाप और यात्रा से लाभ। यदि भूमि विषय कोई काम करना हो तो वर्ष के प्रथम भाग में अक्तूबर 15 तक करें। माता-पिता के लिए यह वर्ष मध्यम फलदायक है। घरेलू सुख कुछ सन्तोष जनक न रहेगा। यात्रा अधिक दूर नहीं करनी चाहिए और चोर से सावधान रहें। अक्तूबर तक धन का लाभ और नई योजना में सफलता अक्तूबर बाद सेहत के प्रति विशेष ध्यान रखें और शत्रुओं से सावधान रहें। छटे भाव में गुरु के पड़ने से पेशाब में गरमी तथा हड्डियों में दर्द की संभावना है। स्त्री वर्ग के लिए यह वर्ष संतोष जनक है। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष शुभ है उन्हें विद्या में सफलता प्राप्त होगी। कन्या राशि वालों को अष्टमी का व्रत तथा मगल के के दिन वैष्णव रहना चाहिए।

कन्या राशि वालों का मासिक फल

अप्रैल—धन लाभ उत्तम, लेन-देन सन्तोष जनक, वाहन सुख, कुछ शत्रु भय रहेगा। और धन का खर्च रहेगा, यात्रा से कम लाभ मन चंचल।

मई—नये काम की योजना, सुख लाभ और मान वृद्धि, स्त्री तथा सन्तान की ओर से सुख, यात्रा से कुछ हानि, चोट से सावधान रहें।

जून—उद्योग-धन्धों में धन का अव्यय, भूमि सुख, वाहन सुख, काम-काज अच्छा, विद्या लाभ, यात्रा से लाभ, परिवार सुख सन्तोषप्रद।

जुलाई—इस मास में कन्या राशि वालों को अधिक दौड़-धूप होगी, मन कुछ चंचल रहेगा। यात्रा से लाभ, गुप्त रूप से शत्रु भय, अपमान से सम्भावना, संतान तथा स्त्री का सुख लाभ।

अगस्त—गृहस्थी में सुख शान्ति, लेन-देन में लाभ, काम-काज अच्छा, मित्रों तथा सम्बन्धियों से सुख, स्वभाव में कुछ तेजी आयेगी। 7, 8, 16, 17 तथा 25 तारीख अशुभ।

सितम्बर—धन का व्यय अधिक, किसी से झगड़ा, लेन देन में कम लाभ, मन में कुछ अशान्ति। परिवार का सुख, स्त्री पक्ष ढीला, चोट का भय, परिश्रम अधिक करना होगा।

अक्तूबर—यह मास गत मास की अपेक्षा अच्छा रहेगा। काम-काज में वृद्धि, दरबार में मान, सम्बन्धियों से कुछ बिगाड़ रहेगा।

नवम्बर—यह मास भी कुछ अच्छा रहेगा, दरबार में मान रहेगा, स्त्री पक्ष से सुख, शत्रु भय कम, यात्रा से लाभ परन्तु स्वास्थ्य कुछ ढीला रहेगा।

दिसम्बर—धन लाभ, मान अच्छा, स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा, काम-काज ठीक रहेगा पर धन का व्यय अधिक रहेगा, यात्रा में सावधान रहें।

जनवरी—यह मास मध्यम फलदायक है। काम-काज अच्छा रहेगा, किसी महापुरुष से मिलाप, संतान सुख, परन्तु स्वास्थ्य ढीला रहेगा।

फरवरी—गत मास की अपेक्षा यह मास अधिक लाभप्रद होगा। लेन-देन में लाभ, मन में प्रसन्नता रहेगी, अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान रखें।

मार्च घरेलू सुख शान्ति बनी रहेगी, काम-काज अच्छा रहेगा, शत्रु भय कम, स्त्री पक्ष से सुख, किसी सम्बन्धी से नाराजगी, दूर यात्रा न करें, चोट का भय है।

तुला राशि वालों के लिए वार्षिक फल

तुला राशि वालों को गोचर चक्र में लग्न का स्वामी शुक्र सातवें घर में राहू के साथ पड़ा है दूसरे घर में शनि वक्री होकर आठवें घर को तीव्र दृष्टि से देख रहा है। चन्द्रमा लग्न में केतू के साथ वेद करता है। वृहस्पति त्रिकोण में नवें घर को देख रहा है। इस वर्ष तुला राशि वालों को साढ़साती का प्रभाव दिसम्बर से लाभप्रद रहेगा, तब तक शनि का प्रभाव कर्त्री भेद में है। इस कारण तुला राशि वालों को इस वर्ष का प्रथम भाग कुछ अच्छा नहीं। कारोबार में कुछ अटकाव, सेहत में गर्मी, कुछ अभियोग का भय लगा रहेगा, मित्र वर्ग से नाराजगी और गुप्त रूप से शत्रु भय बना रहेगा, यदि यात्रा करें तो व्यर्थ होगी, किसी प्रेमी से विश्वासघात होगा।

स्त्री का स्वास्थ्य ढीला रहेगा, आलस्य का प्रभाव अधिक रहेगा। वर्ष के दूसरे भाग में काम-काज में कुछ परिवर्तन होगा और सम्बन्धियों से सुख प्राप्त होगा। राज्य दरबार में मान होगा और यात्रा से लाभ प्राप्त होगा परन्तु सितम्बर तक स्वास्थ्य में गरमी रहेगी, आमाशय में पीड़ा, स्त्री को खून की कमी और मन चंचल रहेगा। विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष लाभप्रद है, उन्हें विद्या लाभ उत्तम होगा। स्त्री वर्ग के लिए यह वर्ष फलदायक है। प्रायः हड्डियों की कमज़ोरी रहेगी और आलस्य बना रहेगा, तुला राशि वालों को इन्द्राक्षी का पाठ प्रतिदिन करना और शुक्ल अष्टमी का वृत शुभ फलदायक रहेगा। कुत्तों को तेल की रोटियाँ डालनी चाहिए।

तुला राशि वालों के लिए मासिक फल

अप्रैल—कुछ मात्रा में धन लाभ, वाहन सुख, यात्रा का विचार आयेगा, पर विशेष लाभदायक न रहेगा, स्त्री का सुख, सम्बन्धियों से मेल-मिलाप पर गुप्त रूप से शत्रु भय रहेगा।

मई—कारोबार में चिन्ता, अधिक दौड़-धूप, व्यर्थ व्यय, स्त्री को पीड़ा तथा बच्चों की ओर से चिन्ता, किसी नये काम का विचार आयेगा, कोई शुभ समाचार से तनिक प्रसन्नता।

जून—प्रायः प्रत्येक काम में सफलता, मित्रों तथा सम्बन्धियों से प्रसन्नता, वाहन का सुख, यात्रा से लाभ, धन प्राप्ति, धन का व्यय अधिक रहेगा, स्त्री से सुख मिले।

जुलाई—इस मास का पहला पक्ष अति उत्तम रहेगा, राज्य दरबार से सुख और मान, नये काम से लाभ, लेन-देन में लाभ, संतान सुख, मास के दूसरे पक्ष में मन में कुछ चिन्ता बनी रहेगी।

अगस्त—काम-काज मध्ययम, कोई नया काम हाथ में न लें, रुकावटें पैदा होंगी, किसी सम्बन्धी से झगड़ा, बड़ों की ओर से नाराज़गी, स्त्री पक्ष सुखदायक।

सितम्बर —गृहस्थ का सुख उत्तम, परन्तु सेहत ढीली रहेगी और चोरी का भय भी बना रहेगा, और मन में चिन्ता पैदा होगी, धन लाभ कुछ मध्यम रहेगा।

अक्तूबर –किसी व्यक्ति से झगड़ा, मन चिन्तित रहेगा और चंचलता पैदा होगी, स्वास्थ्य भी ढीला रहेगा और धन का व्यय अधिक होगा, परन्तु मास के आखिर में कुछ लाभ प्राप्त होगा।

नवम्बर—यह मास भी मध्यम फलदायक है, धन का व्यर्थ व्यय, गृहस्थ की चिन्ता, गुप्त रूप से शत्रु भय, मास के अन्त में काम-काज अच्छा, अच्छे पुरुषों से सम्पर्क और लाभ, संतान सुख।

दिसम्बर—काम-काज अच्छा, स्त्री का सुख, मान उत्तम, शुभ कार्यों की ओर रुचि पर स्वास्थ्य में तनिक गर्मी रहेगी, सन्तान सुख यात्रा से लाभ होगा।

जनवरी - किसी व्यक्ति से झगड़ा होने से मन में चंचलता, यात्रा से लाभ कम, अभियोग का भय। प्रत्येक काम सोच कर करें, स्वास्थ्य में गर्मी रहेगी।

फरवरी - यात्रा से लाभ होगा, काम-काज की हालत अच्छी रहेगी, मान बढ़ेगा, परन्तु गृहस्थ का सुख मध्यम रहेगा, गुप्त रूप से शत्रु भय, पेशाब में कुछ गर्मी रहेगी।

मार्च—स्वास्थ्य ढीला बना रहेगा और धन का व्यय होगा, काम-काज मध्यम रहेगा, लेन-देन में लाभ कम, स्त्री पक्ष कमज़ोर सम्बन्धियों में मेलमिलाप, यात्रा सुख।

वृश्चक राशी वालों का वार्षिक फल

वृश्चक राशी वालों को गोचर चक्र में लग्न में शनि चन्द्रमा के साथ सातवें घर को पूरी दृष्टि से देख रहा है, चौथे केन्द्र में बृहस्पति दसवें घर को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है, लग्न का स्वामी मंगल ...

को देखता है, वर्ष के मध्य भाग में शनि वक्री रूप में रहेगा। जिससे कुछ परेशानियां पैदा होंगी। वृश्चक राशी वालों को इस वर्ष का पहला और आखिरी भाग अच्छा फलदायक रहेगा। धन का लाभ उत्तम होगा, उद्योग-धन्धों में धन का व्यय होगा, वर्ष के मध्य में अनायास स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी अमाशय और आंखों में पीड़ा पैदा होगी। किसी व्यक्ति से झगड़ा होगा और अभियोग का भी भय रहेगा इस राशी वालों को इस वर्ष सेहत के प्रति विशेष ध्यान रखना चाहिए। प्रत्येक कार्य सावधानी से करना चाहिए नहीं तो अनिष्ट की सम्भावना है। स्त्री पक्ष में यह वर्ष अच्छा रहेगा, यदि कोई उद्योग धन्धा करना हो तो अप्रैल से जुलाई तक करें। यदि यात्रा करनी हो तो वर्ष के आखिर में करें, लाभ होगा। इस वर्ष घरेलू सुख कुछ मध्यम रहेगा, सम्बन्धियों की ओर से चिन्ता बनी रहेगी, बृहस्पति के प्रभाव से इस वर्ष कुछ मंगल कार्य भी होंगे, सन्तान सुख मिलेगा। स्त्री वर्ग के लिए यह वर्ष कम फलदायक है : उन्हें रक्त और हड्डियों में शिकायत रहेगी, आंखें भी कुछ पीड़ित रहेंगी, विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष अच्छा फलदायक है, उन्हें विद्या लाभ होगा। वृश्चक राशी वालों को इस वर्ष श्री गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। सम्भव हो तो मंगलवार के दिन मीठा भोजन करें।

वृश्चक राशि वालों के लिए मासिक फल

अप्रैल—धन का लाभ, वाहन का सुख, शुभ कार्यों में धन व्यय, लेन-देन में लाभ, काम-काज में मान। गुप्त रूप से शत्रु भय, मित्रो से झगड़ा।

मई—यात्रा से दूर रहें, शत्रु भय से मन में चिन्ता, वाहन सुख कम, काम-काज मध्यम, धन का व्यय रहेगा और स्वभाव कुछ तेज रहेगा।

जून—गत मास की अपेक्षा काम-काज में उन्नति होगी, धन का व्यय अधिक बना रहेगा और स्वास्थ्य ढीला रहेगा। संतान सुख, किसी अच्छे पुरुष से मिलाप, स्त्री को सुख प्राप्त होगा।

जुलाई—स्वास्थ्य में सुधार आएगा, राज्य दरबार में सुख मान, धन लाभ, शुभ कार्यों के प्रति रुचि। सन्तान तथा स्त्री से भी सुख, खेती लाभ, धरेलू सुख।

अगस्त—धन का व्यय अधिक रहेगा, किसी व्यक्ति से झगड़ा होगा और मन में चिन्ता पैदा होगी। गुप्त रूप से शत्रुओं का भय है, प्रत्येक काम सूझबूझ से करें।

सितम्बर—कारोबार में सुधार आयेगा, वाहन का सुख होगा, राज्य दरवार में अनायास सुख मान, संतान की ओर से कुछ चिंता, स्त्री सुख कम, शत्रु भय कम होगा।

अक्तूबर—यह मास अच्छा फलदायक है, प्रायः प्रत्येक काम में धन लाभ होगा, मित्र वर्ग से धर्म के कार्यों में धनव्यय होगा, यात्रा दूर की न करें, भय रहेगा।

नवम्बर—धन का व्यय अधिक स्वभाव में कुछ तेज़ी आयेगी, घरेलू हालत में कुछ परिवर्तन आयेगा, यात्रा में भय रहेगा, मित्रों से लाभ, पर स्वास्थ्य कुछ ढीला रहेगा।

दिसम्बर—परिवार में सुख शांति बनी रहेगी, स्त्री पक्ष से अच्छा सुख प्राप्त होगा, संतान की ओर से प्रसन्नता, किसी अपरिचित व्यक्ति से मिलाप, बड़ों का सहयोग, पर स्वास्थ्य ढीला।

जनवरी—धन का कुछ लाभ, मित्रों से मेल मिलाप, घरेलू सुख, यात्रा से लाभ होगा, शुभ कार्यों में धन व्यय, कारोबार की हालत सुधर जायेगी।

फरवरी—स्वास्थ्य ढीला रहेगा और धन का अपव्यय, स्वभाव में तेज़ी आयेगी, काम काज कुछ मध्यम रहेगा, शत्रुओं का भय बना रहेगा, स्त्री पक्ष से सुख प्राप्त होगा।

मार्च—काम काज की हालत सुधर जायेगी, शुभ कार्यों के प्रति रुचि, बड़ों से लाभ प्राप्त होगा, स्त्री पक्ष से सुख लाभ, शत्रु भय जाता रहेगा, विद्या लाभ होगा बच्चों के प्रति कुछ चिंता रहेगी।

धन राशि वालों के लिए वार्षिक फल

धन राशी वालों को इस वर्ष के गोचर चक्र के लग्न का स्वामी बृहस्पति तीसरे घर में पड़ा है, जो ग्याहरवें घर को देख रहा है, बारहवें घर में शनि बक्री रूप में पड़ा है, सूर्य और बुध केन्द्र में तथा शुक्र और राहू त्रिकोण में पड़े हैं, लग्न में मंगल चन्द्रमा के साथ होकर एक प्रकार का मिश्रित योग बनता है। अतः धन राशी वालों को इस वर्ष का प्रथम भाग कुछ अच्छा नहीं। स्वास्थ्य में बिगाड़ और दिमागी परेशानियां अधिक और यादाश्त कम बना रहेगा। पेशाब और रक्त तथा आमाशय में गड़बड़ रहेगा, किसी सम्बन्धी से विश्वासघात होगा, धन का अपव्यय रहेगा, वर्ष के प्रथम भाग में यात्रा न करें, चोट का भय है, मित्रों से सुख और लाभ पहुंचेगा, गृहस्त सुख सितम्बर तक कुछ कम रहेगा। वर्ष के दूसरे भाग में उद्योग धन्धों में धन का व्यय होगा, घरेलू सुख और भूमि लाभ प्राप्त होगा, काम काज भी अच्छा रहेगा, यात्रा से लाभ और वाहन सुख, धन राशी वालों को इस वर्ष किसी अभियोग में उलझने का भी भय है। गुप्त रूप से शत्रुओं का भय बना रहेगा, स्त्री वर्ग के लिये यह वर्ष कठिन समस्याओं का वर्ष है, उन्हें प्रायः रक्त पीड़ा, हड्डियों में दर्द रहेगा और आलस्य बना रहेगा, विद्यार्थी वर्ग के लिये यह वर्ष मध्यम फलदायी है, धन राशी वालों को इस साल साढ़सती का अधिक प्रभाव रहेगा, जिससे

प्रायः मन चंचल रहेगा और परिवार सुख अस्थिर, धन राशी वालों को इस वर्ष अमावसी का व्रत रखना चाहिये और गुरुवार के दिन गाय को रोटी खिलाना चाहिये।

धनराशि वालों के लिए मासिक फल

अप्रैल—धन का व्यय अधिक, काम काज रुका रहेगा, मित्रों से लाभ, सवारी का सुख, स्वास्थ्य ढीला रहेगा, मास के आखिर में काम काज कुछ सुधरेगा।

मई—काम काज कुछ अच्छा रहेगा और नये काम की योजना बनेगी। स्त्री सुख और संतान की ओर से प्रसन्नता। स्वास्थ्य ढीला रहेगा, शुभ कार्यों में धन का व्यय।

जून—नये काम की योजना, मित्रों से लाभ तथा मेल मिलाप, राज्य दरबार में मान, यात्रा से कुछ लाभ, मन में प्रसन्नता का योग, चोरों से सावधान रहें।

जुलाई—प्रत्येक काम में लाभ, नये काम का विचार, उद्योग-धन्धों के प्रति मन का झुकाव, संतान के प्रति चिंता, शत्रुओं का भय, चोट का भय।

अगस्त—भूमि सुख, धर्म कार्यों के प्रति रुचि, वाहन सुख, काम काज अच्छा रहेगा पर स्वास्थ्य ढीला रहेगा, मन चिंतित, अच्छे पुरुषों से संपर्क।

सितम्बर—गृहस्थी में सुधार, धन लाभ कम, काम काज मध्यम, यात्रा से कुछ लाभ पर शत्रु भय बना रहेगा और शरीर ढीला रहेगा।

अक्तूबर—कारोबार अच्छा, धन का व्यय कम, पड़ौसियों से प्रेम बढ़ेगा, स्त्री पक्ष से सुख, परिवार सुख, परन्तु मित्रों से कुछ झगड़ा रहेगा।

नवम्बर —काम अच्छा रहेगा, स्वास्थ्य में सुधार आयेगा, वाहन का सुख, विद्या में वृद्धि, यात्रा से लाभ और अच्छे , पुरुषों से सम्पर्क, धन का लाभ ।

दिसम्बर -शत्रु नष्ट होंगे, वाहन का सुख होगा, राज दरबार में मान, शुभ कार्यों की ओर रुचि, स्त्री पक्ष से सुख, कोई नया काम हाथ में आयेगा ।

जनवरी —इस मांस का प्रथम भाग बुरा, यात्रा से दूर रहें, चोट का भय रहेगा, स्वभाव में तेज़ी आयेगी, मन चंचल रहेगी, मास के दूसरा भाग लाभप्रद होगा, कोई प्रसन्नता का समाचार मिलेगा ।

फरवरी —धर्म के कार्यों में रुचि रहेगी, परिवार में सुख शांति रहेगी, शुभ कार्यों में धन का व्यय, संतान पक्ष से सुख, मान बढ़ेगा, किसी सम्बन्धी की चिंता ।

मार्च —बरादरी में मान बढ़ेगा, धर्म के कार्यों में धन व्यय होगा, भाग्य का उदय होगा, मास का आखिरी भाग अच्छा नहीं, स्वास्थ्य ढीला होगा, यात्रा न करें ।

मकर राशि वालों के लिये वार्षिक फल

इस वर्ष मकर राशी वालों के गोत्रर चक्र में लग्न का स्वामी शनी मंगल के घर में है और त्रिकोण में पड़ा लग्न को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है, राहू के साथ पड़ा शुक्र दरबार को देख रहा है, मंगल बारहवें घर में, तीसरा सूर्य और बुध सातवें घर को देख रहा हैं, शनी वर्ष के मध्य में वक्री हो रहा है, इस कारण मकर राशी वालों के लिये यह वर्ष प्रायः उत्तम फलदायक है, राज्य दरबार में मान बढ़ेगा और वाहन का सुख प्राप्त होगा ।

नये सम्पर्क बढ़ेंगे और उद्योग धन्धों में धन का व्यय होगा। मित्रों से लाभ प्राप्त होगा, परन्तु भाइयों को कष्ट का मामना होगा। वर्ष के मध्य में सेहत बिगड़ने का भय है और चोट लगने ला भी भय है, मकर राशी वालों को मंगल बाहरवें होने से स्त्री पक्ष कमजोर रहेगा और वच्चों की ओर से चिंता बनी रहेगी। जुलाई से लेकर अक्तूबर का समय परेशानी का समय रहेगा और शत्रु का भय अधिक रहेगा। अक्तूबर से वर्ष के आखिर तक लेन देन का लाभ अच्छा रहेगा और धन लाभ होगा और यात्रा में सुख प्राप्त होगा किसी से नई मैत्री होगी। दूसरे घर में गुरु के होने से धर्म के कार्यो में अधिक रुचि तथा लाभ होगा। वर्ष के मध्य में किसी सम्बन्धी का मृत्यु योग बनता है, जुलाई, नवम्बर तथा मार्च के महीने कुछ अच्छे नहीं, विद्यार्थी वर्ग के लिये यह वर्ष उत्तम है, उन्हें विद्या में वृद्धि होगी, स्त्री वर्ग के लिये यह वर्ष मध्यम फलदायक है। वह प्रायः दिल की बीमारी तथा रक्त की कमी के कारण पीड़ित रहेंगी। मकर राशी वालों को इस वर्ष मंगलवार का व्रत रखना चाहिये तथा भगवान शंकर पर प्रतिदिन जल छढ़ाना चाहिये। बुधवार के दिन पीले चावल जानवरों को डालना शुभ फलदायक होगा।

मकर राशि वालों का मासिक फल

अप्रैल— धन का व्यय अधिक धर्म के कार्यों में कुछ रुकावट काम काज की हालत कुछ मध्यम स्वास्थ्य ढीला यात्रा से हानि सम्बन्धियों से सुख लाभ।

मई— स्वास्थ्य ढीला, आंखों में पीड़ा किस से झगड़ा, कारोबार की हालत मध्यम, धन का मध्यम लाभ, यात्रा न करें चोट का भय है। किसी प्रेमी से मिलाप, वाहन सुख।

जून -धन लाभ उत्तम, नये काम का विचार, काम काज में वृद्धि, तथा मान, स्वास्थ्य सुधर जायेगा, स्त्री पक्ष से लाभ मानसिक सुख शत्रु भय कम ।

जुलाई—विद्या का लाभ, सेवकों से सुख, कुछ सन्तान पक्ष से चिन्ता, यात्रा विचार, धन का अपव्यय, सम्बन्धियों से सुख लाभ, काम काज अच्छा रहेगा ।

अगस्त -- धन का लाभ होगा पर किसी व्यक्ति से झगड़ा होगा, बिरादरी में नार जगी, अधूराकाम पूरा होगा । मास के आखीर में किसी से विश्वास घात, स्वास्थ्य ढीला रहेगा ।

सितम्बर -यह मास हर प्रकार से अच्छा है । काम काज में वृद्धि होगी, भाग्य का उदय होगा । वाहन सुख, शत्रु कमज़ोर, स्त्री पक्ष ढीला रहेगा और व्यय अधिक होगा ।

अक्तूबर —किसी शुभ समाचार की सम्भावना, लेन देन में लाभ काम काज अच्छा रहेगा, बिरादरी का सुख, यात्रा से लाभ, स्त्री सुख प्राप्त होगा, मित्रों तथा सम्बन्धियों से प्यार ।

नवम्बर—धर्म के कार्यों में रुचि, कारोबार अच्छा, शुभविचार, स्त्री तथा संतान का सुख मध्यम रहेगा, यात्रा से लाभ होगा, कुछ शत्रुभय ।

दिसम्बर —यह मास मध्यम फलदायक है, काम काज में न्यूनता आयेगी, कोई चिन्ता बनी रहेगी, शत्रु का भय भी रहेगा, स्वास्थ्य ढीला, मित्रों से सुख लाभ बड़ों से सहानुभूति होगी ।

जनवरी —बड़ों से लाभ, काम काज अच्छा रहेगा, धन का लाभ होगा पर संतान पक्ष से चिन्ता रहेगी, यात्रा से लाभ होगा, मन में प्रसन्नता का योग है ।

फरवरी—अधिक यात्रा करने से बच कर रहें, स्वास्थ्य में कुछ गरमी पैदा होगी, किसी सम्बन्धी की चिंता बनी रहेगी, किसी प्रेमी से अनबन, घरेलू दायत्व में बढ़ौती होगी ।

मार्च—परिवार में अशांति, बिरादरी से नाराज़गी, मन में चिंता तथा आलस्य पैदा होगा, मास के अन्त में अनायास कुछ लाभ प्राप्त होगा, स्वभाव तेज़ रहेगा ।

कुम्भ राशि वालों का वार्षिक फल

कुम्भ राशि वालों के गोचर चक्र के लग्न का स्वामी केन्द्र में पड़ा है, जो चौथे और बारहवें घर को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है, दूसरे घर में सूर्य और तीसरे घर में राहु के साथ शुक्र भाग्य स्थान को देख रहा, लग्न का स्वामी शनी व क्री होकर अंशों से हीन है । फलत: कुम्भ राशी वालों को इस वर्ष में किसी नये काम में धन का व्यय होगा, जिससे कारोबार तथा घरेलू सुख शांति स्थिर रहेंगी, लेन देन में लाभ और मान का उदय होगा, वर्ष के प्रथम भाग में आपकी मनोकामना पूर्ण होकर रहेगी, कारोबार के लिये भी यात्रा करनी होगी, विद्या तथा नौकरी में वृद्धि की सम्भावना है, गृहस्ती तथा स्त्री सुख भी उत्तम रहेगा, शादी आदि शुभ कार्यों में धन का व्यय संतान पक्ष की ओर से प्रसन्ता का योग है, माता के पक्ष से अच्छा सुख प्राप्त होगा पर पिता के लिए यह वर्ष कम फलदायक है । वर्ष मध्य में आमाशय में पीड़ा होने से स्वास्थ्य कुछ ढीला रहेगा । बृहस्पति की दृष्टि सातवें घर पर पूर्ण रूप से होने के कारण गृहस्थी का पूर्ण सुख तथा शुभ कार्यों में धन व्यय अधिक होगा । वर्ष के अन्त में पेट की पीड़ा रहेगी और कुछ शत्रु भय रहेगा । मित्रों का सुख प्रप्त होगा, विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा है. उन्हें विद्या में सफलता मिलेगी, स्त्री वर्ग के लिए भी यह वर्ष अच्छा है वर्ष के मध्य में दिल तथा आमाशय में

कुछ दर्द बना रहेगा। कुभ रांशी वालों को इस वर्ष शुक्ल अष्टमी का व्रत रखना लाभ प्रद होगा शनी के दिन कुत्तों को माश की रोटी डालें।

कुम्भ राशि वालों का मासिक फल

अप्रैल –शुभ कार्यों के प्रति रुचि धन का लाभ काम काज सुधर जायेगा, वाहन सुख, मन प्रसन्न, घरेलू सुख, संतान सुख, यात्रा सफल।

मई —प्रत्येक काम सोच समझ कर करें, शत्रुओं का भय, काम काज अच्छा, लेन देन में बाधा यात्रा का भय धन का व्यय अधिक मित्र लाभ।

जून घरेलू चिंता पैदा होगी, स्त्री पक्ष से परेशानी माता पिता की चिंता धन का व्यय अधिक, काम काज मध्यम वाहन का सुख प्राप्त होगा।

जुलाई—झगड़ों से दूर रहें, किसी से विश्वास घात, काम काज में बाधा रहने के कारण मन में चंचलता, और धन का अपव्यय, काम सोच विचार कर करें।

अगस्त —लेन देन तथा व्यवसाय में बाधा धन का लाभ कम, शत्रुओं से सावधान रहे, स्वास्थ्य में गरमी, स्त्री पक्ष ढीला यात्रा को टाल दें।

सितम्बर—मित्रों तथा सम्बन्धियों से मेल मिलाप कारोबार में सुधार आयेगा, यात्रा में लाभ होगा, गृहस्थी का सुख अच्छा, संतान पक्ष से लाभ।

अक्तूबर—कुछ चोरी होने का भय, आय कम और व्यय अधिक रहेगा, मित्रों से लाभ परन्तु किसी व्यक्ति से झगड़ा होगा, क्रोधी स्वभाव रहेगा, तथा सेहत ढीला रहेगा।

नवम्बर—कारोबार अच्छा रहेगा, मन में शांति और मित्रों से लाभ, संतान सुख, वाहन सुख तथा यात्रा लाभ स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

दिसम्बर—काम काज अच्छा, धन का लाभ शत्रु भय बहुत कम, बड़ों से सहानुभूति, पड़ौसियों में लाभ, मित्रों से सुख, स्त्री पक्ष ढीला रहेगा, धन का लाभ होगा।

जनवरी—धन का व्यर्थ व्यय, मन में अशान्ति, स्वास्थ्य ढीला, मित्रों का लाभ, काम-काज मध्यम, घरेलू सुख मध्यम, सन्तान पक्ष से संतोष।

फरवरी—आय व्यय सम, किसी से अनबन, गृहस्थ सुख अच्छा, काम-काज मध्यम, शत्रु भय, मन चंचल, सन्तान पक्ष सन्तोष जनक, स्त्री पक्ष मध्यम।

मार्च—काम-काज़ अच्छा, धन का कुछ लाभ रहेगा, यात्रा में सुख, परिवार में शान्ति, सन्तान पक्ष से सन्तोष, स्त्री पक्ष ढीला रहेगा।

मीन राशि वालों का वार्षिक फल

मीन राशि वालों को गोचर चक्र के लग्न का स्वामी ब्रहस्पति बारहवें घर में शत्रु के घर पड़ा है साथ ही सूर्य और बुध भी लग्न में पड़ा है। दूसरे घर में शुक्र तथा राहू केन्द्र में मंगल त्रिकोण में तथा शनि वक्री रूप है इस कारण मीन राशि वालों को यह वर्ष मध्यम फलदायक रहेगा। कारोबार में लाभ हानि सम रहेगी। स्त्री का सुख कम रहेगा घरेलू सुख में अशान्ति रहेगी। जिस कारण मन में चिन्ता रहेगी और कुछ धन का अपव्यय भी होगा, यात्रा करने से लाभ की संभावना है, परन्तु दौड़-धूप अधिक रहेगी। वर्ष का प्रथम भाग लाभप्रद है. वाहन

सुख अच्छा मिलेगा, इस वर्ष मीन राशि वालों को प्रायः सन्तान की ओर से चिन्ता रहेगी। स्वास्थ्य भी कुछ-कुछ ढीला रहेगा, वर्ष के अन्त में धन लाभ होगा, भूमि लाभ होगा, निर्माण सम्बन्धी कार्यों में अधिक रुचि रहेगी। काम-काज में वृद्धि होगी, मीन राशि वालों को इस वर्ष स्वास्थ्य के प्रति अधिक सावधान रहना चाहिए चोट आदि से भी सावधान रहना चाहिए, बारहवें घर में ब्रहस्पति होने से जोड़ों में दर्द और पेशाब में कुछ गरमी रहेगी। राज्य दरबार से मान और मित्र लाभ सन्तोषप्रद होगा। इस तरह का योग **10** सितम्बर के पश्चात् बनता है, अगस्त, नवम्बर के मास मध्यम रहेंगे, स्त्री वर्ग के लिए यह बर्ष कम लाभकारी है, उन्हें प्रायः पेट पीड़ा तथा आग से भय बना रहेगा, विद्यार्थियों के लिए भी यह वर्ष मध्यम है, वह आलसी होंगे, वर्ष के अन्त में कुछ अच्छा रहेगा, मीन राशि वालों को इस वर्ष शुक्ल अष्टमी का व्रत रखना चाहिए और शनिवार के दिन पीला चावल पक्षियों को डालना चाहिए।

मीन राशि वालों के लिए मासिक फल

अप्रैल—काम-काज में लाभ, विद्या लाभ, नये काम में रुचि, भूमि से लाभ प्राप्त होगा, गृहस्थ का सुख, मित्रों से सुख, परन्तु धन का व्यय, अधिक रहेगा।

मई—धन का लाभ, मान वृद्धि, किसी शुभ समाचार से प्रसन्नता का योग बनता है, काम-काज अच्छा रहेगा, किसी सम्बन्धी से विश्वास घात, स्त्री सुख कम।

जून—घरेलू सुख मिलेगा, कोई अभियोग हो तो जीत होगी, स्त्री पक्ष से सुख परन्तु शरीर ढीला रहेगा, और शत्रु भय बना रहेगा, काम विचार कर करना चाहिए।

जुलाई—भूमि माल का सुख, भाग्य उदय होगा, संतान पक्ष से सुख, स्त्री का सुख भी होगा, काम-काज उत्तम, यात्रा लाभ, महापुरुषों के सतसंग से मन की शान्ति।

अगस्त—स्वास्थ्य ढीला रहेगा, जोड़ों में कुछ दर्द पैदा होगा, मन चिन्तित रहेगा, बिरादरी से अनबन। मास के आखिर में धन लाभ, वाहन सुख, शत्रु भय कम।

सितम्बर—काम-काज में वृद्धि धन का लाभ, किसी से मेल-मिलाप, घरेलू सुख मध्यम, यात्रा से हानि तथा धन का अपव्यय।

अक्तूबर—नए काम धन्धे से लाभ, काम-काज की हालत सुधरेगी, सन्तान पक्ष से प्रसन्नता, मन प्रसन्न, वाहन सुख, परिवार में शान्ति, गृहस्थ अच्छा।

नवम्बर—धन का लाभ, काम-काज में वृद्धि सम्बन्धियों का सुख, मन प्रसन्न रहेगा, वाहन का सुख मिलेगा, मान वृद्धि तथा मित्र ल.भ प्राप्त होगा।

दिसम्बर—चोरों से सावधान रहें, किसी की ओर से अपमान की सम्भावना तथा धन की हानि, काम काज मध्यम, अधिक परिश्रम करने पर भी लाभ मध्यम, संतान की चिन्ता।

जनवरी—किसी से झगड़ा होगा, गुप्त रूप से शत्रु भय, मन चिन्तित रहेगा, यात्रा अच्छी नहीं, चोट का भय हैं, स्त्री पक्ष अशान्ति।

फरवरी इस मास में धन का लाभ रहेगा, वाहन सुख मिलेगा, काम-काज अच्छा बना रहेगा, नये काम की रुचि रहेगी, घरेलू सुख प्राप्त होगा, शुभ कार्यों में धन व्यय।

मार्च—मन को शान्ति रहेगी, घरेलू चिन्ता कम, परन्तु स्त्री पक्ष से चिन्ता रहेगी यात्रा सन्तोषप्रद न होगी, मित्रों से लाभ, धन का व्यय रहेगा, प्रत्येक काम सोच कर करें॥

इति शुभम्।

यात्रा महूर्त विवरण

ज्योतिष शास्त्र अनुसार यात्रा के लिए ध्यान में रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बातें :

सं० १ : दिशम वार नक्षत्र योगिनी तथा चन्द्रमा जो यात्रा के लिए निषेध हैं।

१. **पूर्वदिशा** वार-सोम शनि ; नक्षत्र-ज्येष्ट, सम्मुख योगिनी प्रतिपदा तथा नवमी, दायें ओर की योगिनी-पंचमी तथा त्रयोदशी, पीछे का चन्द्रमा-मिथुन तुला और कुंभ, बाया चन्द्रमा-कर्कट वृश्चिक और मीन।

२. **पश्चिमदिशम** वार-रवि, शुक्र मंगल, नक्षत्र-सेहिनी, सम्मुख योगिनी-षष्टी तथा दशमी, पीछे का चन्द्रमा-मेष सिंह और धनु, बायां चन्द्रमा मकर कन्या और वृष।

३. **दक्षिणदिशा** वार-रवि गुरु, नक्षत्र-पूका, सम्मुख योगिनी पंचमी तथा त्रयोदशी, दायें ओर की योगिनी-षष्टी तथा चतुर्दशी, पीछे का चन्द्रमा-कर्क, वृश्चिक और मीन, वायां चन्द्रमा-मेष सिंह और धनु।

४. **उत्तर दिशा** वार-मंगल बुध गुरु, नक्षत्र-उफा, सम्मुख योगिनी-द्वितीया तथा दशमी, दायें ओर की योगिनी-प्रतिपदा तथा नवमी, पीछे का चन्द्रमा-मकर कन्या और वृष, बायां चन्द्रमा-मिथुन तुला और कुम्भ।

नोट :—इसके अतिरिक्त मातांत, अमावस्या, संक्राति तथा अपनी राशि से चौथे आठवें और बारवें चन्द्रमा पर यात्रा निषेध कही गई है।

सं० २. : दिशा वार योगिनी तथा चन्द्रमा जो यात्रा के लिए शुभ हैं।

१. **पूर्व दिशा :** वार-रवि मंगल, बुध गुरु शु, बांये ओर की योगिनी-द्वितीया तथा दशमी, पीछे की योगिनी-षष्टी तथा चतुर्दशी, सम्मुख चन्द्रमा-मेष सिंह और धनु, दायां चन्द्रमा-मकर कन्या और वृष।

२. **पश्चिम दिशा :** वार-सोम बुध गुरु शनि, बायें ओर की योगिनी-पंचमी तथा त्रयोदशी, पीछे की योगिनी-प्रतिपदा तथा नवमी, सम्मुख चन्द्रमा-मिथुन तुला और कुम्भ, दायां चन्द्रमा-कर्क वृश्चिक और मीन।

३. **दक्षिण दिशा :** वार सोम मंगल बुध शु० शनि, बायें ओर की योगिनी-प्रतिपदा तथा नवमी, पीछे की योगिनी-द्वितीया तथा दशमी, सम्मुख चन्द्रमा-मकर कन्या और वृष, दायां चन्द्रमा-मिथुन तुला और कुम्भ।

४. **उत्तर दिशा :** वार-सोम, गुरु शनि, रवि, बायें ओर की योगिनी-षष्टी तथा चतुर्दशी, पीछे की योगिनी-पंचमी तथा त्रयोदशी, सम्मुख चन्द्रमा-कर्क वृश्चिक और मीन, दायां चन्द्रमा-मेष सिंह और धनु।

नोट :— प्रतिकूल महूर्त होने की अवस्था में यदि यात्रा करनी आवश्यक हो तो अगाऊ रूपेन किसी निजी वस्तु को शुभ महूर्त पर घर से निकालने की भी व्यवस्था कही गई है। प्रस्थान वस्तु यात्री यात्रा पर जाने के समय धारण कर पावे। प्रस्थान का प्रभाव पूर्व की ओर ७ दिन, दक्षिण की ओर ५ दिन, पश्चिम की ओर ३ दिन तथा उत्तर की ओर २ दिन तक रहता है।

साढ़सती 'वृहत्कल्याणी' का विचार तुला, वृश्चिक और धनु राशि वालों के लिए वि. २०४३, ई. १९८६-८७

राशि	समय	अन्तर समय	नियुत समय	अंग	कब आरंभ	फल	उपाय
तुला	४ माघ २०४१	१ वर्ष ८ मास	४ असू २०४३	पांवों पर	२४असू २०३६	कारोबार मध्यम, खून की कमी, धन का अपव्यय, सफर।	भवानी सहस्र नाम का पाठ करें, मंगलवार को मीठा भोजन खावें, शनिवार के दिन कुत्तों को रोटी डालें।
	४असू. २०४३	६ मास २०दिन	२४ चै. २०४३	दाएं हाथपर	,,	कारोबार अच्छा, कामों में सुधार धन लाभ, शरीर सुख उत्तम।	
वृश्चि.	२६फग २०४२	१ वर्ष १ मास १० दि.	६ वैसा २०४४	बाएं हाथपर	२६पौ. २०३८	जायदाद का लाभ, प्रतिष्ठा वड़े, कमजोरी, मानसिक अशान्ति, शुभ कामों में खर्च, यात्रा लाभ।	मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पढ़ें और वैष्णव रहें, अष्टमी का व्रत रखें।
धनु	६कतक २०४२	६ मास २०दि.	२६वैस २०४३	गुह्य स्थान	६ पौष २०४१	कारोबार मध्यम, सफर, चिन्ता, माता-पिता को कष्ट, शत्रुभय।	प्रतिदिन इन्द्राक्षी का पाठ किया करें और संक्रन्ति का व्रत अवश्य रखें पीला चावल कुत्तों को डालें।
	२६वैस २०४३	१०मा.	२६फग २०४३	सिर पर	,,	शरीर में पीड़ा, विवाद से बचें, स्त्री पक्ष कमजोर, चोटभय।	
	२६फग २०४३	६ मास २०दि.	६असू. २०४४	नेत्रों पर	,,	धन का लाभ, सफर से लाभ, कारोबार अच्छा, मान अच्छा।	

नोट :—साढ़ सती का फल हर एक मानव के लिए हानिकारक होता है। जो कि हर मनुष्य को ३०-५९-९० वर्षों के बाद आती है। अगर जन्म कुण्डली में शनि नवांश और बलों से अच्छा हो तथा अष्टक वर्ग से

—शेष पृष्ठ अगले पर

लघु कल्याणी, ढंया का विचार, १२ राशियों में शनि का विचार

विक्रमी २०४३ ईस्वी १९८६-८७ के लिए ।

राशि	पाया	फल	राशि	पाया	फल
मेष	तांबा	कारोबार ठीक, प्रतिष्ठा वढ़े ।	तुला	सोना	भ्रमण, चिन्ता, मान हानि ।
वृष	स्वर्ण	वैर, चोट का भय ।	वृश्चिक	लोहा	विरोध, शरीर कष्ट ।
मिथुन	चांदी	धन का लाभ, सुख ।	धन	सोना	धन लाभ, मान अच्छा ।
कर्कट	लोहा	व्वर्थ भ्रमण, अपयश ।	मकर	तांबा	यश प्राप्ति, सुख ।
सिंह	तांबा	मन चंचल, रोगभय ।	कुंभ	चांदी	परिवार सुख, धन लाभ ।
कन्या	चांदी	राज्य सुख, शरीर कष्ट ।	मीन	लोहा	स्वजनों से बैर, धन हानि, रोग भय, सफर ।

—पिछले पृष्ठ का शेष

भी ठीक निकले तो वृहत्कल्याणी मध्यम फलदायक होती है । नहीं तो साढ़ सती का फल जायदाद और शरीर की हानि करती है । सफर में रुकावट, मुकदमें का भय, सज्जनों से वैर रहता है । अतः जिन राशि वालों को साढ़ सती हो वह शनि का दान, छाया दान, जन्म दिन पर तुला दान करें तथा मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें । हनुमान चालीसा पढ़ें और मंगलवार एवं शनिवार के दिन वैष्णव रहें ।

व्रत, पर्व एक दृष्टि में संवत् २०४३ विक्रमी, ईस्वी १९८६-८७ के लिए

कुमार षष्ठी व्रत	संकट चतुर्थी व्रत	अष्टमी व्रत	पूर्णिमा व्रत	अमावसी व्रत	संक्रान्ति व्रत
१५ अप्रै. मंगलवार	२७ अप्रै. रविवार	१७ अप्रै. गुरुवार	२४ अप्रै. गुरुवार	९ अप्रै. बुधवार	१४ अप्रै. सोमवार
१४ मई बुधवार	२६ मई सोमवार	१७ मई शनिवार	२३ मई शुक्रवार	८ मई गुरुवार	१५ मई गुरुवार
१३ जून शुक्रवार	२५ जून बुधवार	१५ जून रविवार	२२ जून रविवार	७ जून शनिवार	१५ जून रविवार
१२ जुला. शनिवार	२४ जुला गुरुवार	१५ जुल. मंगलवार	२१ जुल. सोमवार	७ जुल. सोमवार	१७ जुल. गुरुवार
११ अग. सोमवार	२३ अग. शनिवार	१३ अग. बुधवार	१९ अग. मंगलवार	५ अग. मंगलवार	१७ अग. रविवार
९ सितं मंगलवा	२१ सितं रविवार	११ सितं. गुरुवार	१८ सितं. गुरुवार	४ सितं. गुरुवार	१७ सितं. बुधवार
८ अक्तू. शुक्रवार	२१ अक्तू. मंगलवार	११ अक्तू. शनिवार	१७ अक्तू. शुक्रवार	३ अक्तू. शुक्रवार	१८ अक्तू. शनिवार
७ नवं. शुक्रवार	२० नवं. गुरुवार	९ नव. रविवार	१६ नवं. रविवार	२ नवं. रविवार	१६ नवं. रविवार
६ दिसं. शनिवार	२० दिसं. शनिवार	८ दिसं. सोमवार	१६ दिसं. मंगलवार	१ दिसं. सोमवार	१६ दिसं. मंगलवार
५ जन. सोमवार	१८ जन. रविवार	७ जन. बुधवार	१५ जन. गुरुवार	३१ दिसं. बुधवार	१४ जन. बुधवार
३ फर्व. मंगलवार	१७ फर्व. मंगलवार	६ फर्व शुक्रवार	१३ फर्व. शुक्रवार	२९ जन. गुरुवार	१६ फर्वरी शुक्रवार
५ मार्च गुरुवार	१८ मार्च बुधवार	८ मार्च रविवार	१५ मार्च रविवार	२७ फर्व. शुक्रवार	१५ मार्च रविवार
				२९ मार्च रविवार	

शुभ कार्यों के लिए निषेध समय और मुहूर्त प्रकरण, सप्तर्षि संवत् ५०६२, विक्रमी २०४३, ईस्वी १९८६-८७।

निषेध समय १९८६-८७ के लिए :—

(१) १७ अगस्त १९८६ ई० से ३ अक्तूबर तक सिंह में सूर्य, पितृपक्ष, सिंगह।

(२) २६ अक्तूबर से ७ नवम्बर तक शुक्र अस्त।

(३) १३ दिसम्बर से १४ जनवरी १९८७ तक धनु में सूर्य।

(४) १४ मार्च ८७ से २९ मार्च तक गुरु अस्त और वर्ष का अन्त।

यथ यज्ञोपवीत मुहूर्त :

वैशाख कृष्णपक्ष

२७ अप्रैल रविवार तृतीया प्रातः ८-५० से १०-५० तक मि. लं. सम।

वैशाख शुक्लपक्ष

११ मई रविवार द्वितीया दिन १-४० से २-४८ दिन तक मि. लं. सम।

२-५० दिन से ३-३० दिन तक कं. लं. सम।

१२ मई सोमवार तृतीया प्रातः ५-५९ से ७-३० तक वृष लं. सम।

२१ मई बुधवार द्वादशी, दिन २-१० से ४-२० दिन तक कं. लग्न सम।

२२ मई गुरुवार त्रयोदशी प्रातः ५-१० से ५-५७ तक वृष ल.।

ज्येष्ट कृष्णपक्ष

२५ मई रविवार द्वितीया प्रातः ६-५० से ८-५९ मिथु. ल.।

११-३० दिन से १-४० दिन तक सिह ल. सम ।

२८ मई बुधवार पंचमी ११-२० दिन से १-३६ दिन तक सिह्न ल. सम ।

ज्येष्ट शुक्लपक्ष

१८ जून बुधवार एका. ९-५८ दिन से १२-१० दिन तक सिह ल. ।

आषाढ़ कृष्णपक्ष

२६ जून गुरुवार पंचमी ९-१५ प्रातः से ११-४० दिन तक सिंह ल. सम ।

आषाढ़ शुक्लपक्ष

९ जुलाई द्वितीया बुधवार ६-२ प्रातः से ८-१५ प्रातः तक मिथुन ल. सम ।

आश्विन शुक्लपक्ष

५ अक्टूबर रविवार द्वितीया प्रातः ।

७-४१ से १०-३ दिन तक तुला लग्न ।

६ अक्तूबर सोमवार तृतीया ७-५० प्रातः से१०-२ दिन तक तुला ल. ।

८ अक्तूबर बुधवार पचमी १२-१८ दिन से २-१० दिन तक धनु ल. ।

कार्तिक कृष्णपक्ष

२२ अक्तू. बुधवार पंचमी ११-२५ दिन से १-२६ दिन तक धनु ल. ।

२३ अक्तू गुरुवार पंचमी ९-२ दिन से ११-१० दिन तक वृश्चिक ल. सम ।

११-२६ दिन से १-१५ दिन तक धनु ल. ।

कार्तिक शुक्लपक्ष

१४ शुक्र त्रयोदश्यां ९-५९ दिन से ११-५० दिन तक धनु ल. ।

मार्ग कृष्णपक्ष

१९ नवं. बुधवार तृतीया ९-५६ दिन से ११-३० दिन मक मकर ल. ।

मार्ग शुक्लपक्ष

११ दिसं. गुरुवार एकादशी १०-१० दिन से११-३६ दिन तक मकर ल. ।

१२ दिसं. शुक्रवार द्वा. १०-१ दिन से ११-२६ दिन तक मकर ल.।

माग शुक्लपक्ष

४ फर्वरी बुधवार षष्ठी ९-१२ दिन से १०-२० दिन तक मीन ल.।

९ फर्वरी सोमवार एका. ८-५० प्रातः से १०-५० प्रातः तक मीन ल. :

११ फर्वरी बुधवार त्रयो. ८-५० प्रातः से ९-५४ प्रातः तक मीन ल. सम।

११-२८ दिन से १-१० दिन तक वृष ल.।

फाल्गुण शुक्लपक्ष

२ मार्च सोमवार तृतीया १-५ दिन से २-१८ दिन तक मिथुन ल.।

४ मार्च बुधवार पंचमी ११-५५ दिन से २-५० दिन तक मिथुन ल. सम।

अथ विवाह मुहूर्त

चैत्र शुक्लपक्ष

१९ अप्रैल शुक्रवार दशमी ४-१६ दिन से ६-३० दिन तक कन्या ल. सम।

रात ११-२९ से १-३० रात तक धनु ल.।

२० अप्रैल रविवार एकादशी ९-१५ दिन से ११-१० दिन तक मिथुन ल.।

११-२० दिन से १-४० तक कर्कट ल. सम।

२१ अप्रैल सोमवार द्वा. रात ११-२० में १-१७ रात तक धनु ल.।

२३ अप्रैल बुधवार चतुर्दशी ९-५९ प्रातः से ११-१ दिन तक मिथुन ल.।

वैशाख कृष्णपक्ष

२८ अप्रैल सोमवार चतुर्थी ९-३ दिन से १०-४० दिन तक मि. ल. मम।

रात ११-५० से १२-४३ रात तक धनु ल. सम।

३० अप्रैल बुधवार सप्तमी ८-३२ प्रातः से १०-३० दिन तक मि. ल. सम।

रात १०-५० से १२-३० तक धनु ल. सम।

५ मई सोमवार द्वादशी ३-७ दिन से ५-२० दिन तक कन्या ल. ।

रात १०-२२ मिनट से १२-१९ तक धनु ल. ।

वैशाख शुक्लपक्ष

११ मई रविवार द्वितीया १-१५ दिन से २-४२ दिन तक सिंह ल. ।

२-५६ दिन ५-३ दिन तक कन्या ल. ।

रात १-३६ से २-५० रात तक कुम्भ ल. सम ।

१२ मई सोमवार तृतीया २-३६ दिन से ४-५९ दिन तक कन्या ल. ।

१६ मई शुक्रवार सप्तमी रात १०-१५ से ११-२५ रात तक मं. ल. ।

रात ११-४० से १-१४ तक कुंभ ल. ।

१७ मई शनिवार, अष्टमी ९-४० दिन से ११-५० दिन तक कर्कट ल. सम ।

४-५६ दिन से ७-१ दिन तक तुला ल. सम ।

१८ मई रविवार नवमी रात १-१५ से २-३०रात तक कुम्भ ल. ।

१९ मई सोमवार दशमी २-२० दिन से ४-१६ दिन तक कं० ल. ।

रात २-३० से ३-४० तक मीन ल. ।

२२ मई गुरुवार त्रयो. २-१५ दिन से ४-३० दिन तक कं० ल. ।

ज्येष्ट कृष्णपक्ष

२५ मई रविवार द्वितीया १-५९ दिन से ३-५९ दिन तक कंन्या तक ल. सम ।

रात १२-५८ से २-० रात तक कुंभ लग्न ।

२६ मई सोमवार तृतीया ९-१० प्रातः से ११-१६ दिन तक मि. ल. सम ।

१ जून रविवार नवमी १-३० दिन से ३-४० दिन तक कं० ल. ।

रात १-४६ से २-४६ रात तक मीन ल. सम ।

२ जून सोमवार दशमी १-२० दिन से ३-३० दिन तक कं० ल. ।

रात १-३६ से २-४० रात तक मीन ल.

ज्येष्ट शुक्लपक्ष

१३ जून शुक्रवार षष्ठी १२-४० दिन से २-५० दिन तक कं० ल. ।

रात १२-५४ से २-१ रात तक मीन ल.

श्रावण कृष्णपक्ष

२६ जुलाई शनिवार पंच. ५-५९ प्रातः से ७-१० प्रातः तक कर्कट ल. ।

९-५० दिन से ११-४९ दिन तक कन्या ल. सम।

रात ९-५९ से ११-० तक मीन ल. ।

२७ जुलाई रविवार षष्ठी ।

९-५६ दिन से ११-५१ दिन तक कन्या ल. सम: ।

रात ९-५७ से ११-२ तक मीन ल. ।

३१ जुलाई गुरुवार दशमी ।

९-३६ दिन से ११-२० दिन तक कन्या ल. सम ।

रात ९-३९ से ११-१५ तक मीन लग्न सम ।

१ अगस्त शुक्रवार एकादशी ।

५-५९ दिन से ६-४७ दिन तक कर्कट ल. ।

९-२० दिन से ११-३० दिन तक कन्या ल. ।

श्रावण शुक्लपक्ष

७ अगस्त गुरुवार द्वितीया ८-५० दिन ११-१० दिन तक कन्या ल. ।

९ अगस्त शनिवार चतुर्थी ८-४९ दिन से ११-१८ दिन तक कन्या ल. सम ।

रात ९-३७ से १०-१० रात तक मीन ल. ।

१० अगस्त रविवार पंचमी ८-४० प्रातः से ९-३७ प्रातः तक कन्या ल. सम ।

११ अगस्त सोमवार षष्ठी ८-४१ दिन से १०-१७ दिन तक कन्या ल. सम ।

रात ८-५१ से १०-१ तक मीन ल. ।

१५ अगस्त शुक्रवार दशमी रात ८-४० से ९-५० तक मीन ल. ।

आश्विन शुक्ल पक्ष

५ अक्तूबर रविवार द्वितीया रात १०-२५ से १२-२६ तक मिथुन ल. ।

६ अक्तूबर सोमवार तृतीया ७-५० प्रातः से १०-१ दिन तक तुला ल. सम।

९ अक्तूबर गुरुवार षष्ठी ७-३७ दिन से ९-५० दिन तक तुला ल. सम।

रात १०-२ से १२-१० तक मि. ल.।

१५अक्तूबर बुधवार त्रयो. रात ९-५६ से ११-४१ रात तक मिथु. ल. सम।

१६ अक्तूबर गुरुवार चतुर्दशी ११-५६ दिन से १-४० दिन तक धनु ल. सम।

रात ९-५० से ११-४० तक मिथु. लग्न सम।

कार्तिक कृष्णपक्ष

२२ अक्तू. बुधवार पंचमी ११-२७ दिन से १-१६ दिन तक धनु ल.।

रात ९-१२ से ११-१० तक मिथुन ल.।

२३ अक्तू. गुरुवार षष्ठी ९-२ दिन से ११-१ दिन तक वृश्चिक ल. सम।

कार्तिक शुक्लपक्ष

१२ नवं. बुधवार एका. १२-१० से १-४० दिन तक मकर ल. सम।

रात ७-५६ से १०-१ तक मिथु. ल. सम।

१३ नवं. गुरुवार द्वादशी १२-२ दिन से १-३० दिन तक मकर ल.।

रात ८-२० से ९-५० रात तक मिथु. ल.।

मार्ग कृष्णपक्ष

१९ नवं. बुधवार तृतीया ११-५० दिन से १-१३ दिन तक मकर ल. सम।

२४ नवं. सोमवार अष्टमी १-१५ दिन से २-१० दिन तक कुम्भ ल. सम।

रात ७-६ मिनट से ९-१० रात तक मिथु. ल.।

२६ नवं. बुधवार दशमी १२-५० दिन से २-६ दिन मक मकर ल.।

रात ९-१० से ११-२० तक कर्कट ल. सम।

२७ नव. गुरुवार एकादशी ९-११ दिन से ११-१ दिन तक धनु ल.।

रात ७-२ से ९-१ रात तक मिथु. ल. सम।

२९ नवं. शनिवार त्रयोदशी ८-५९ दिन से १०-५० दिन तक धनु ल.।

रात ६-४२ से ८-५०. तक मिथु. ल.।

मार्ग शक्लपक्ष

३ दिसं. बुधवार द्वितीया १०-५० दिन से १२-१ दिन तक मकर ल. सम।

५ दिसम्बर शुक्रवार चतुर्थी १०-३० दिन से १२-१ दिन तक मकर ल. सम।

१० दिसम्बर बुधवार दणमी १०-१६ दिन से ११-४० दिन तक मकर ल. सम।

११ दिसं. गुरुवार एकादशी १०-२० दिन से ११-३० तक मं. ल. सम।

१४ दिसम्बर रविवार त्रयोदशी रात १२-३६ से २-५० तक कन्या ल.।

मार्ग कृष्णपक्ष

१८ जनवरी रविवार तृतीया २-५९ दिन से ५-१० दिन तक मिथु. ल. सम।

१९ जनवरी सोमवार चतुर्थी रात १२-३० से २-४० रात तक तुला ल. सम।

२३ जनवरी शुक्रवार अष्टमी ८-५६ दिन से ९-० दिन तक कुंभ ल. सम।

२५ जनवरी रविवार एकादशी ८-३१ दिन से ९-४० दिन तक कुम्भ ल. सम।

माघ शुक्लपक्ष

२ फर्वरी सोमवार चतुर्थी २-१ दिड से ४-६ दिन तक मि. ल.।

७ फर्वरी शनिवार नवमी १-४१ दिन से ३-४६ दिन तक मिथु. ल. सम।

९ फर्वरी सोमवार एकादशी १-३० दिन से ३-४० दिन तक मिथु. ल. सम।

फाल्गुण कृष्णपक्ष

१६ फर्वरी सोमवार तृतीया १२-५९ दिन से ३-१० दिन तक मिथु. ल.।

१९ फर्वरी गुरुवार षष्ठी ७-१६ दिन से ८-१० दिन तक कुम्भ ल.।

१२-५० दिन से २-५९ दिन तक मिथु. ल. सम।

फाल्गुण शुक्लपक्ष

१ मार्च रविवार द्वितीया रात १२-२ से २-३० दिन तक वृश्चि. ल. सम।

२ मार्च सोमवार तृतीया १२-१० दिन से २-४० दिन तक मिथु. ल.।

८ मार्च रविवार अष्टमी ११-५६ दिन से १-४९ दिन गक मिथु. ल. सम।

अथ वाग्दान मुहूर्त

(गण्डुन)

चैत्र शुक्लपक्ष

२० अप्रैल रविवार एका.

२१ अप्रैल सोमवार द्वादशी ४ बजे दिन से।

२३ अप्रैल बुधवार चतुर्दशी १ बजे दिन।

वैशाख कृष्णपक्ष

२५ अप्रैल शुक्रवार प्रातः दिन १०-१ तक।

२७ अप्रैल रविवार तृतीया ९-० तक।

३० अप्रैल बुधवार सप्तमी।

वैशाख शुक्लपक्ष

११ मई रविवार द्वितीया।

१२ मई सोमवार तृतीया १२ बजे दिन तक।

१९ मई सोमवार दशमी।

२१ मई बुधवार द्वादशी ४-३० दिन से। २२ मई गुरुवार त्रयो. ११-० दिन तक।

ज्येष्ट कृष्णपक्ष

२५ मई रविवार द्वितीया २-० दिन से। २६ मई सोमवार तृतीया ४-० दिन तक। २८ मई बुधवार पंचमी १०-० दिन तक।

ज्येष्ट शुक्लपक्ष

८ जून रविवार प्रतिपदा २-० दिन तक। १३ जून शुक्रवार षष्ठी।

आषाढ़ शुक्लपक्ष

१८ जुलाई शुक्रवार द्वादशी ९-० दिन तक। २१ जुलाई सोमवार पूर्णिमा।

श्रावण शुक्लपक्ष

७ अगस्त गुरुवार द्वितीया।
१० अगस्त रविवार पंचमी।
१४ अग. गुरुवार नवमी ३-० दिन से।
१५ अग. शुक्रवार दशमी २-० दिन से।

आश्विन शुक्लपक्ष

५ अक्तू. रविवार द्वितीया २-२० दिन से।
६ अक्तूबर सोमवार तृतीया १०-० दिन तक।
९ अक्तू. गुरुवार षष्ठी।
१६ अक्तू. गुरुवार चतुर्दशी।

कार्तिक कृष्णपक्ष

२२ अक्तूबर बुधवार पंचमी।
२३ अक्तूबर गुरुवाद पंचमी।

कार्तिक शुक्लपक्ष

१४ नवं शुक्रवार त्रयोदशी।

मार्ग कृष्णपक्ष

१९ नवं. बुधवार तृतीया।

मार्ग शुक्लपक्ष

३ दिसंबर बुधवार द्वितीया।
५ दिसंबर शुक्रवार चतुर्थी ११ बजे से।
११ दिसंबर गुरुवार एकादशी २-० दिन से।

माघ कृष्णपक्ष

१८ जनवरी रविवार तृतीया १-० दिन तक।
२१ जनवरी बुधवार षष्ठी।

माघ शुक्लपक्ष

२ फर्वरी सोमवार चतुर्थी १-० दिन से।
८ फर्वरी रविवार दशमी।
९ फर्वरी सोमवार एका.।

फाल्गुण कृष्णपक्ष

१९ फर्वरी गुरुवार षष्ठी।

फाल्गुण शुक्लपक्ष

२ मार्च सोमवार तृतीया ।
४ मार्च बुधवार पंचमी ।

जातकर्म (काहनेथर) मुहूर्त

चैत्र शुक्लपक्ष

१४ अप्रैल सोमवार पंचमी ।
१६ अप्रैल बुधवार सप्तमी १२-१० दिन से ।
१७ अप्रैल गुरुवार अष्टमी ।
२० अप्रैल सोमवार द्वादशी २-५० दिन से ।

वैशाख शुक्लपक्ष

१२ मई सोमवार तृतीया ९-० प्रातः तक ।
१४ मई बुधवार पंचमी ।
१५ मई गुरुवार षष्ठी ११-५० दिन से ।
१९ मई सोमवार दशमी ।
२१ मई बुधवार द्वादशी ।

ज्येष्ट कृष्णपक्ष

२५ मई बुधवार पंचमी ।

ज्येष्ट शुक्लपक्ष

१८ जून बुधवार एका. ।
२० जून शुक्रवार त्रयोदशी १-५० दिन तक ।

आषाढ़ कृष्णपक्ष

२६ जून गुरुवार पंचमी १-० दिन तक ।

आषाढ़ शुक्लपक्ष

९ जुलाई बुधवार द्वितीया ।
१४ जुलाई सोमवार सप्तमी ।
१८ जुलाई शुक्रवार द्वादशी ।

श्रावण कृष्णपक्ष

२३ जुलाई बुधवार द्विती. १२-० दिन तक ।

श्रावण शुक्लपक्ष

११ अगस्त सोमवार षष्ठी ।
१४ अगस्त गुरुवार नवमी ।

आश्विन शुक्लपक्ष

६ अक्तू. सोमवार तृतीया ।
१३ अक्तू. सोमवार एकादशी ।

कार्तिक कृष्णपक्ष

२२ अक्तूबर बुधवार पंचमी ।

२३ अक्तूबर गुरुवार पंचमी ।

कार्तिक शुक्लपक्ष

१३ नवं. गुरुवार द्वादशी १२ बजे दिन से ।

१४ नवं. शुक्रवार त्रयोदशी २-० दिन तक ।

मार्ग कृष्ण पक्ष

१९ नवं. बुधवार तृतीया ।

२१ नवं. शुक्रवार पंचमी ।

मार्ग शुक्लपक्ष

५ दिसं. शुक्रवार चतुर्थी १-२ दिन से ।

११ दिसं. गुरुवार एकादशी १-० दिन से ।

१२ दिसं. शुक्रवार द्वादशी ३-० तक ।

माघ कृष्णपक्ष

१६ जनवरी शुक्रवार प्रतिपदि १-० दिन से ।

माघ शुक्लपक्ष

२ फर्वरी सोमवार चतुर्थी १-५० दिन से ।

४ फर्वरी बुधवार षष्ठी ।

५ फर्वरी गुरुवार सप्तमी १०-१० दिन से ।

९ फर्वरी सोमवार एका. ३-० दिन तक ।

११ फर्वरी बुधवार त्रयो. २-० दिन तक ।

फाल्गुण कृष्णपक्ष

१६ फर्वरी सोमवार तृतीया ।

१८ फर्वरी बुधवार पंचमी ।

फाल्गुण शुक्लपक्ष

४ मार्च बुधवार पंचमी ।

११ मार्च बुधवार एकादशी ।

चूड़ाकरण (जरह कासय)

(मुहूर्त ।)

चैत्र शुक्लपक्ष

१६ अप्रैल बुधवार सप्त १-५९ दिम से ४-५ दिन तक सिंह ल. ।

वैशाख शुक्लपक्ष

१२ मई सोमवार तृतीया ७-५ प्रातः से ९-४०, प्रातः तक मिथुन ल. ।

२१ मई बुधवार द्वादशी ११-५० दिन से २-६ दिन तक सिंह ल. सम।

ज्येष्ठ शुक्लपक्ष

१८ जून बुधवार एकादशी ९-५९ दिन से १२-१ दिन तक सिंह ल.।

आषाढ़ शुक्लपक्ष

९ जुलाई बुधवार द्वितीया १०-४५ दिन से १-६ दिन तक कन्या ल.।

१४ जुलाई सोमवार सप्तमी १०-३० दिन से १२-४० दिन तक कन्या ल.।

आश्विन शुक्लपक्ष

६ अक्तू. सोमवार तृतीया।

१०-१५ दिन से १२-१० दिन तक वृश्चिक ल.।

८ अक्तू. बुधवार पंचमी २-२५ दिन से ३-१५ दिन तक मकर ल.।

कार्तिक कृष्णपक्ष

२२ अक्तू. बुधवार पंचमी। ११-३० दिन से १-२६ दिन तक धनु ल. सम।

मार्ग कृष्णपक्ष

१९ नवं बुधवार तृतीया १-२० दिन से २-२६ दिन तक कुम्भ ल. सम।

२१ नवं. शुक्रवार पंचमी १-१० दिन से २-२९ दिन तक कुंभ ल.।

माघ शुक्लपक्ष

४ फर्वरी बुधवार षष्ठी ११-५९ दिन से १-५६ दिन तक वृष ल.।

९ फर्वरी सोमवार एका. ११-४० दिन से १-२० दिन तक वृष ल.।

११ फर्वरी बुधवार त्रयो. १-२० दिन से ३-३० दिन तक मिथु. ल.।

फाल्गुण शुक्लपक्ष

११ मार्च बुधवार एका. ९-५० दिन से १०-३० दिन तक वृष ल. सम।

अथ (विद्यारम्भ) मुहूर्त

चैत्र शुक्लपक्ष

२० अप्रैल रविवार एकादशी ४-० बजे से ।

वैशाख कृष्णपक्ष

२७ अप्रैल रविवार तृतीया ७-० प्रातः तक ।

वैशाख शुक्लपक्ष

११ मई रविवार द्वितीया २-० बजे दिन से ।
२१ मई बुधवार द्वादशी ।

ज्येष्ठ कृष्णपक्ष

२५ मई रविवार द्वितीया २-० से ।
२८ मई बुधवार पंचमी ।

ज्येष्ठ शुक्लपक्ष

२८ मई बुधवार एकादशी ।
३० मई शुक्रवार त्रयोदशी ।

आषाढ़ कृष्णपक्ष

२६ जून गुरुवार पंचमी १-० दिन तक ।

आषाढ़ शुक्लपक्ष

९ जुलाई बुधवार द्वितीया ।
१३ जुलाई रविवार षष्ठी ।
१७ जुलाई गुरुवार त्रयोदशी ।
१८ शुक्रवार द्वादशी ।

श्रावण कृष्ण पक्ष

२३ जुलाई बुधवार द्वितीया २ बजे दिन तक ।

श्रावण शुक्लपक्ष

८ अगस्त शुक्रवार तृतीया ।
१० अगस्त रविवार पंचमी ।
१४ अगस्त गुरुवार नवमी २-० दिन से ।
१५ अगस्त शुक्रवार दशमी ।

आश्विन शुक्लपक्ष

५ अक्तूबर रविवार द्वितीया ।
९ अक्तूबर गुरुवार षष्ठी ११ बजे दिन तक ।
१२ अक्तूबर रविवार दशमी ।

कार्तिक कृष्ण पक्ष

२२ अक्तूबर पंचमी ।

कार्तिक शुक्लपक्ष

७ नवंबर शुक्रवार षष्ठी ।

१३ नवं. गुरुवार द्वादशी १२-१० दिन से ।

१४ नवं. शुक्रवार त्रयो. १ बजे तक ।

मार्ग कृष्ण पक्ष

३ दिसं. बुधवार द्वितीया ।

४ दिसं गुरुवार तृतीया ३ बजे दिन तक ।

५ दिसं. शुक्रवार चतुर्थी १२-० दिन से ।

११ दिसं. गुरुवार एकादशी ।

१२ दिसं. शुक्रवार द्वादशी ।

माघ शुक्लपक्ष

४ फर्वरी बुधवार षष्ठी ।

८ फर्वरी रविवार दशमी ।

११ फर्वरी बुधवार त्रयोदशी ।

फाल्गुण कृष्णपक्ष

१८ फर्वरी बुधवार पंचमी ।

फाल्गुण शुक्लपक्ष

४ मार्च बुधवार पंचमी ।

११ मार्च बुधवार एकादशी ।

पन देने के मुहूर्त

भाद्र शुक्लपक्ष

७ सितं. रविवार तृतीया ।

८ सितं. सोमवार चतुर्थी ।

१० सितं. बुधवार सप्तमी ।

१४ सितं. रविवार एकादशी ।

१५ सितं सोमवार द्वादशी ।

अथ दीपदान मुहूर्त

कार्तिक शुक्लपक्ष

१४ नवं. शुक्रवार त्रयो. २ बजे तक ।

माघ कृष्णपक्ष

१६ जनवरी शुक्रवार प्रतिपदि ।

१९ जनवरी सोमवार चतुर्थी २ बजे दिन से ।
२१ जनवरी बुधवार षष्ठी ।
२३ जनवरी शुक्रवार अष्टमी १० बजे तक ।
२६ जनवरी सोमवार द्वादशी ।

माघ शुक्लपक्ष

४ फर्वरी बुधवार षष्ठी ।
९ फर्वरी सोमवार एका ।

फाल्गुण कृष्णपक्ष

१८ फर्वरी बुधवार पंचमी ।
२३ फर्वरी सोमवार दशमी ।

फाल्गुण शुक्लपक्ष

४ मार्च बुधवार पंचमी ।
११ मार्च बुधवार एका. ।

दूध देने के मुहूर्त

चैत्र शुक्लपक्ष

२२ अप्रैल मंगलवार षोडशी ।

वैशाख कृष्णपक्ष

२७ अप्रैल रविवार तृतीया ९ बजे प्रातः तक ।

वैशाख शुक्लपक्ष

१३ मई मंगलवार चतुर्थी ४ बजे से ।
१५ मई गुरुवार षष्ठी १-० दिन से ।
२० मई मंगलवार एकादशी ।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

२५ मई द्वितीया २-० से ।
८ जून रविवार प्रतिपदा ।
१० जून मंगलवार तृतीया ।
२२ जून रविवार पूर्णिमा ।

आषाढ़ कृष्णपक्ष

२४ जून मंगलवार तृतीया ५ बजे से ।

आषाढ़ शुक्लपक्ष

८ जुलाई मंगलवार प्रतिपदि ।
१३ जुलाई रविवार षष्ठी २-० दिन से ।

१७ जुलाई गुरुवार एका. १०-० दिन से ।

श्रावण कृष्णपक्ष

२२ जुलाई मंगलवार प्रतिपदा ।

श्रावण शुक्लपक्ष

१० अगस्त रविवार पंचमी ।

१० अगस्त रविवार पंचमी ।

१४ अगस्त गुरुवार नवमी ।

आश्विन शुक्लपक्ष

९ अक्तूबर गुरुवार षष्ठी ।

१२ अक्तूबर रविवार दशमी ।

फाल्गुण शुक्लपक्ष

१० मार्च मंगलवार दशमी ।

अथ प्रवेश मुहूर्त

(नए मकान में प्रवेश)

चैत्र शुक्ल पक्ष

१७ अप्रैल गुरुवार अष्टमी १२-१५ दिन से १-५ दिन तक कर्कट लग्न ।

२१ अप्रैल सोमवार द्वादशी ९-११ दिन से ११-५ दिन तक मिथु. ल. ।

वैशाख शुक्लपक्ष

१२ मई सोमवार तृतीया ७-५० प्रातः से ९-४० प्रातः तक मिथु. ल. सम ।

१९ मई सोमवार दशमी ७-२० प्रातः से ९-१० मिथु. ल. ।

२१ मई बुधवार द्वादशी ७-२६ प्रातः से ९-६ दिन तक मिथु. ल. ।

९-५० दिन से ११-४० तक कर्कट ल. ।

ज्येष्ठ कृष्णपक्ष

२९ मई गुरुवार षष्ठी ८-५० प्रातः से ११-२ दिन तक कर्कट ल. सम ।

ज्येष्ठ शुक्लपक्ष

१८ जून बुधवार एकादशी २-४० दिन ५-० दिन तक तुला ल. ।

आषाढ़ शुक्लपक्ष

९ जुलाई बुधवार द्वितीया ५-८ प्रातः से ८-१० प्रातः तक मिथु. ल.।

१२ जुलाई शनिवार पंचमी १२-५९ दिन से३-१६ दिन तक तुला ल.।

१४ जुलाई सोमवार सप्तमी १२-५० दिन से ३-४ दिन तक तुला ल.।

आश्विन शुक्लपक्ष

६ अक्तूबर सोमवार तृतीया १२-३० दिन से २-२० दिन तक धनु ल. सम।

मार्ग कृष्णपक्ष

१९ नवं. बुधवार तृतीया १-१५ दिन से २-२० दिन तक कुंभ ल.।

मार्ग शुक्लपक्ष

११ दिसं. गुरुवार एकादशी।

११-५६ दिन से १-३ दिन तक कुम्भ ल.।

फाल्गुण कृष्णपक्ष

१६ फर्वरी सोमवार तृतीया।

१२-५९ दिन से ३-१० दिन तक मिथु. ल.।

शिशुर लग्न मुहूर्त

पौष कृष्णपक्ष

१८ दिसं गुरुवार द्वितीया।

१९ दिसं. शुक्रवार तृतीया।

२४ दिसं. बुधवार अष्टमी।

२६ दिसं. शुक्रवार दशमी।

२८ दिसं. रविवार द्वादशी।

पौष शुक्लपक्ष

२ जनवरी शुक्रवार तृदीया।

१२ जनवरी सोमवार त्रयोदशी।

दहन वास्तु मुहूर्त
(चूल्हा बनाने या तपाने का)

चैत्र शुक्लपक्ष

१७ अप्रैल गुरुवार अष्टमी।

२१ अप्रैल सोमवार द्वादशी।

वैशाख कृष्ण पक्ष

२५ अप्रैल शुक्रवार प्रतिपदि ४ बजे दिन से ।

वैशाख शुक्लपक्ष

१२ मई सोमवार तृतीया १०-० तक ।

२१ मई बुधवार द्वादशी ४-५ दिन से ।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

२८ मई बुधवार पंचमी ।

ज्येष्ठ शुक्लपक्ष

१८ जून बुधवार एकादशी ।

२० जून शुक्रवार त्रयोदशी ।

आषाढ़ शुक्लपक्ष

९ जुलाई बुधवार द्वितीया ।

११ जुलाई शुक्रवार चतुर्थी ३-५० दिन से ।

१४ जुलाई सोमवार सप्तमी ।

१८ जुलाई शुक्रवार एका. ।

श्रावण कृष्ण पक्ष

२३ जुलाई बुधवार द्वितीया १२·१ तक ।

श्रावण शुक्लपक्ष

८ अगस्त शुक्रवार तृतीया २-१८ दिन से ।

१४ अगस्त गुरुवार नवमी २-५० दिन से ।

१५ अगस्त शुक्रवार दशमी ३-० दिन से ।

आश्विन शुक्लपक्ष

६ अक्तूबर सोमवार तृतीया ।

८ अक्तूबर बुधवार पंचमी ।

१३ अक्तूबर सोमवार एका. ११ बजे दिन तक ।

कार्तिक कृष्ण पक्ष

२२ अक्तू. पंचमी १२-० दिन से ।

मार्ग कृष्ण पक्ष

१९ नवं. बुधवार तृतीया ।

२१ नवं. शुक्रवार पंचमी ।

मार्ग शुक्लपक्ष

५ दिसं. शुक्रवार चतुर्थी १२-० से दिन से ।

माघ शुक्लपक्ष

२ फर्वरी शुक्रवार एकादशी ३ बजे दिन तक ।

११ फर्वरी बुधवार त्रयोदशी ४-० दिन तक ।

फाल्गुण कृष्णपक्ष

१६ फर्वरी सोमवार तृतीया ।

फाल्गुण शुक्लपक्ष

११ मार्च बुधवार एकादशी ।

शंकु प्रतिष्ठा (बुनियाद मकान)

(पूर्व पश्चिम मुख)

श्रावण कृष्णपक्ष

२३ जुलाई बुधवार द्वितीया १२-२२ दिन से २-२ दिन तक तुला ल. ।

श्रावण शुक्लपक्ष

११ अगस्त सोमवार षष्ठी ।

११-३ दिन से १-२ दिन तक तुला ल. सम ।

भाद्र शुक्लपक्ष

६ सितं. शनिवार द्वितीया ।

९-३० दिन से ११-४६ दिन तक तुला ल. सम ।

२-१० दिन से ४-० दिन तक धनु ल. ।

८ सितं. सोववार चतुर्थी ।

९-१० दिन से ११-१ दिन तक तुला ल. सम ।

१-५६ दिन से ३-४९ दिन तक धनु ल. सम ।

१५ सितं. सोमवार द्वादशी ।

४-१४ दिन से ५-११ दिन तक मकर ल. सम ।

माघ शुक्लपक्ष

९ फर्वरी सोमवार एकादशी ।

८-५५ प्रातः से ९-५ तक मीन ल. ।

११-४० दिन से १-२० दिन तक वृष ल. ।

११ फर्वरी बुधवार त्रयोदशी ।

११-३० से १-२० दिन तक वृष ल. सम ।

फाल्गुण कृष्णपक्ष

१६ फर्वरी सोमवार तृतीया ।

१२-५९ दिन से ३-५१ दिन तक मिथु. ल. सम ।

१९ फर्वरी गुरुवार षष्ठी ।

१२-५० दिन से २-५९ दिन तक मिथु. ल. सम ।

(शंकु प्रतिष्ठा उत्तर दक्षिण मुख)

चैत्र शुक्लपक्ष

१६ अप्रैल बुधवार सप्तमी ।

१०-५० दिन से ११-४१ दिन तक मिथु. ल. सम ।

१७ अप्रैल गुरुवार अष्टमी ।

९-५६ दिन से ११.२० दिन तक मिथु. ल. ।

२१ अप्रैल सीमवार द्वादशी ।

१-४० दिन से ४-७ दिन तक सिंह ल. सम ।

वैशाख शुक्लपक्ष

१२ मई सोमवार तृतीया ।

५-५१ प्रातः से ७-३० प्रातः तक वृष ल. ।

७-५० प्रातः से ९-४० मिथु. ल ।

१९ मई सोमवार दशमी ।

११-५६ दिन से २-२० दिन सिंह ल. ।

२१ मई बुधवार द्वादशी ।

११-५० दिन से २-१ दिन तक सिंह ल. ।

कार्तिक कृष्णपक्ष

२२ अक्तू. बुधवार पंचमी ।

११-५६ दिन से १-२० तक धनु ल. सम ।

२३ अक्तू. गुरुवार पंचमी ।

९-२ दिन से ११-१ दिन तक वृश्चिक ल. ।

कार्तिक शुक्लपक्ष

१४ नवं. शुक्रवार त्रयोदशी ।

७-२३ प्रातः से ८-५६प्रातः तक वृश्चिक ल. सम ।

मार्गकृष्ण पक्ष

१९ नवं. बुधवार तृतीया ।

११-५१ दिन से १-१० दिल तक मकर ल. सम ।

२१ नवं. शुक्रवार पंचमी ।

११-३२ दिन से १-६ दिन तक मकर ल. सम ।

मार्ग शुक्लपक्ष

११ दिसंबर गुरुवार एकादशी ।

८-१० दिन से १०-१ दिन तक धनु ल. सम ।

–:– समाप्त मुहूर्त पत्रम् –:–

हर प्रकार की शुद्ध सूक्ष्म गणित, जातक, वर्षफल तथा फलादेश आदि जानने के लिए ज्यो. ओंकारनाथ भट्ट बहोरी कदल श्रीनगर काश्मीर से संपर्क करें ।

गणित कर्ता :—

ज्यो. ओंकार नाथ ।

राहु। धनु में मंगल। कुंभ में गुरु। वृश्चिक में शनि। तुला में केतु। शाका १९०८ हिजरी १४०६ उत्तरायण, दक्षिण गोल

ग्रह संचार बजे मिनटों में

	रा.	चैत्र	अप्रैल	वार	नक्षत्र	घड़ी	पल	तिथि	घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	
१४	६	२७	९	बु	रे प्र	४	८	अं दि	१३	५४	९	५१	८-३० सायं मेष में च., पंचक समाप्त, २-३ दिन से ३-१ रात तक A
	४	२८	१०	गु	अ प्र	९	२४	प्र प्र	१९	२८	८	५२	९-१ प्रात: उदय चं, ६-५७ प्रात: मीन में बुध, गुरु मास, चं. दर्शन B
	१	२९	११	शु	भ शे	१८	४४	द्वि प्र	२१	५६	७	५३	मुदगरम्। B श्रीनवदुर्गा आरंभ, नववर्ष आरंभ, नवरेह, मानसम्।
१३	५८	३०	१२	श	कृ शे	१२	३५	तृ प्र	२६	५६	६	५४	७-४३ प्रात: वृष में चं., ध्वज:। C वैसाखी प्रजापत्य:।
	५६	वै १	१३	र	रो शे	६	५	च दि	३२	५	५	५५	३-१३ रात से संक्रांति मेष राशि में सूर्य मुहू ४५ नदी में C
	५३	२	१४	चं	रो दि	०	२२	पं प्र	४	४५	४	५६	६-३२ सायं मिथुन में चं., संक्रां. व्रत, प्रवर्धा:।
	५१	३	१५	मं	मृ दि	६	१९	ष प्र	८	५२	३	५७	कुमार ६ व्रत, क्षय:। D भगवती जयं. उन्मूलम्।
	४८	४	१६	बु	आ दि	११	२१	स प्र	१२	४	२	५८	गज:।
	४५	५	१७	गु	पू दि	१५	४४	अ शे	१५	३१	१	५९	५-५७ प्रात: कर्क में चं., श्रीदुर्गाष्टमी. श्री भवानी जन्म, सिद्ध।
	४३	६	१८	शु	ति दि	८	४५	न शे	१३	२४	60	70	श्रीराम नवमी उमा भगवती जयं.। श्रारि आंगन यात्रा, शिवा D
	४०	७	१९	श	अ दि	२०	३६	द शे	१२	३२	59	71	२-१४ दिन सिंह में चं., ८-५ प्रात: से ८-४२ सायं तक गतांत, E
	३८	८	२०	र	मं दि	२१	९	ए शे	१२	४४	५९	१	कामदा ११, मुद्गरम। E मानसम्।
	३६	९	२१	चं	पू दि	२०	३२	द्वा प्र	९	४२	५८	२	८-१ सायं कन्या में चं., ५-५६ प्रात: वृष में शुक्र, ध्वज:।
	३४	१०	२२	मं	उ दि	१८	५४	त्र प्र	५	५०	५७	३	जैन महावीर जयं., प्रजापत्य:।
	३२	११	२३	बु	ह दि	१६	२६	चं प्र	१	६	५५	५	११-५४ रात तुला में चं. ११-१३ रात पूर्णिमा में चं., आनन्द:।
	२९	१२	२४	गु	चि दि	१३	८	पूं दि	१८	४९	५४	६	हनुमान जयंती, शबे बारात, चं. ग्रहण. चर:।
													A गंडांत विचार नागयात्रा श्रीभट्टदिवस, थालबरून, उन्मूलम्।

श्राद्ध—प्रति. से चतुर्थी तक पहले ही दिन शेष अपने दिन। १० अप्रैल नवदुर्गारम्भ, नववर्ष भी।

मध्यान्ह—अपने २ दिनों पर। १८ ,, रामनवमी।

सप्तर्षि संवत्५०६२ विक्रमी२०४३ ई. १९८६वैशाख कृष्णपक्ष,२३-६मेष में सूर्य,राहु । धनु में मंगल । मीन में बुध
कुंभ मे गुरु । वृष में शुक्र । वृ में शनि । तुला में केतु ।
शाके १९०८ ।।

	राशि	वैशाख	अप्रैल	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१३	२७	१३	२५	शु	स्वा	दि	९	८	त्र	दि	२३	१०	५३	७	२-३५ रात वृश्चिक म चं., मुसलम् । Tसमाप्त१०-५३ दिनS
	२५	१४	२६	श	वि	दि	५	४२	द्वि	दि	१७	१३	५३	७	शूलम् । Sअस्त,श्री पंचमी, मंगलेश्वर भैरव जन्म, अलापक: ।
	२३	१५	२७	र	अं	दि	१	३५	तृ	दि	११	११	५२	८	११-१५रात से गंगांत आरंभ, संकट४व्रत,४-१३रात धनु में चं.A
	२१	१६	२८	चं	मू	शे	२	२६	च	दि	५	२१	५१	९	द्व्यह:,दिन कम,१ -३१दिन से गंडांत समाप्त, ३-२४रात मूलT
	१९	१७	२९	मं	पू	शे	६	५	ष	शे	०	१०	५०	१०	वेताल६,श्री ऋषिपरि श्राद्ध, ऐन्द्रम् । Aतथा मूल आरंभ,मृत्यु: ।
	१७	१८	३०	बु	उ	शे	९	१७	स	शे	५	१२	४९	११	७-५० प्रात: मकर में चं., वज्रम् ।
	१४	१९	म१	गु	श्र	शे	११	५०	अ	शे	९	३८	४[illegible]	१[illegible]	४-४३ दिन मेष में, बुध । मजदूर दिवस. ध्वज: ।
	१२	२०	२	शु	धं	प्र	१२	१२	न	शे	१३	९	४७	१[illegible]	१२-२ दिन से कुंभ में चं., पंचक आरंभ, ७-१४ सायं बुध,W
	१०	२१	३	श	श	प्र	१२	३९	द	प्र	९	२५	४६	१४	श्रीलक्ष्मीनारायण यज्ञ बुलबुलशंकर आनन्द: । Wअस्त प्रजापत्य: ।
	८	२२	४	र	पू	शे	१३	४४	ए	प्र	९	[illegible]	४५	१५	वर्थिनी ११, ६-२७ दिन मीन में चं., चर: ।
	६	२३	५	चं	उ	शे	२१	५७	द्व	प्र	१०	३१	४४	१६	स्वामी शैवाचार्य लक्ष्मणजी जन्म दिवस । मुसलम् ।
	४	२४	६	मं	रे	शे	८	५५	त्र	प्र	१२	५५	४४	१६	९-२२ साय गंडांत आरंभ, ३-५१ रात मेष में चं., पंचकM
	२	२५	७	बु	अ	शे	४	४१	चं	शे	१३	१२	४३	१७	१०-२१ दिन गंडांत समाप्त, मृत्यु : Mसमाप्त शूलम् ।
१३	०	२६	८	गु	अ	दि	०	२९	अं	शे	९	४२	४२	१८	१२-१४ दिन चं. अस्त मानसम् ।

२९ अप्रैल बेताल ६ ऋषिपीर श्राद्ध ।

तक पहिले दिन शेष अपने दिन ।

मंगल। कुंभ में गुरु। वृष में शुक्र। वृश्चिक में शनि। तुला में केतु।

	राधं	वैशाख	मई	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१२	५७	२७	९	शु	भ	दि	६	२९	प्र	शे	५	१८	४१	१९	२-५४ दिन वृष में चं., १-१२रात उदय च. मुद्गरम।
	१५	२८	१०	श	कृ	दि	१२	५५	द्वि	शे	०	२०	४०	२०	त्रिस्पृक, दिन अधिक, चं. दर्शन, शनिमास, ध्वजः।
	५३	२९	११	र	रो	दि	१९	२४	द्वि	दि	४	४३	३९	२१	परशुराम जयं., रोजा मुस्लिम प्रारंभ, १२-४१रात मिथुन में चं., T
	५१	३०	१२	चं	मृ	दि	२५	२८	तृ	दि	९	२९	३९	२१	अक्षया ३, आनंदः। Sमें चं. शंकराचार्य जयंती, मुसलम्।
	४९	३१	१३	मं	आ	दि	३०	५३	च	दि	१३	३९	३८	२२	सूरदास जयंती, १-२३ रात मासांत आरंभ, चरः। Tप्रजापत्यः।
	४७	जे १	१४	बु	पु	प्र	०	५६	पं	दि	१६	४६	३७	२३	१-२३रात संक्रांति, वृष में सूर्य, मुहूर्त ३० सिन्धौ, १-२० दिन कर्कS
	४५	२	१५	गु	ति	प्र	४	११	ष	दि	१८	४८	३६	२४	संक्रान्ति व्रत, ५-६ प्रातः मिथुन में शुक्र शूलम्।
	४३	३	१६	शु	अ	प्र	६	२५	स	दि	१९	३७	३५	२५	९-५९ रात सिंह में चं, ३-४३ दिन से ४-०रात तक गंडांत, A
	४०	४	१७	श	मं	प्र	६	५९	अ	दि	१९	११	३४	२६	९-३४ सायं वृष राशि में बुध, काम्यः। Aगंगा ७, मृत्युः।
	३८	५	१८	र	पू	प्र	६	३४	न	दि	१७	२९	३३	२७	३-५६ रात कन्या में चं., छत्रम्। Cराशि में भौम, स्थिरः।
	३६	६	१९	चं	उ	प्र	५	३	द	दि	१४	३६	३२	२८	श्री वत्सः। Kचं., बुद्ध जयंती, बुद्ध पूर्णिमा मातंगः।
	३४	७	२०	मं	ह	प्र	२	४२	ए	दि	१०	४६	३२	२८	माधवी ११, नारद ११, सौम्यः।
	३३	८	२१	बु	चि	दि	३४	३२	द्वा	दि	६	१३	३१	२९	८-१५ प्रातः तुला में चं, कालदण्डः।
	३२	९	२२	गु	स्वा	दि	३०	५५	त्र	दि	०	५९	३०	३०	त्र्यहः, दिन कम, गणेश १४, नृसिंह १४, २-५८ रात मकरC
	३१	१०	२३	शु	वि	दि	२६	५९	पू	शे	४	४५	३०	३०	१०-४२दिन वृश्चिक राशि में चं., ६-१० प्रातः पूर्णिमा मेंK

श्राद्ध तृतीया से १४ तक पहले ही दिन शेष अपने दिन। २२ मई गणेश चतुर्दशी (गणपतियार)

मध्यान्ह – तृतीया से पंच. और दश. से १४तक पहले दिन शेष अपने दिन। २३ मई बुद्ध पूर्णिमा।

सप्तर्षि संवत् ५०६२ विक्रमी २०४३ शाका १९०८ ईस्वी १९८६ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष ३५।० वृष में सूर्य,बुध । मकर में मगल । मिथुन में शुक्र । कुंभ में गुरु । वृश्चिक में शनि । मेष में राहु । तुला में केतु ।

		ज्येष्ठ	मई	वार	नक्षत्र	घड़ी	पल	तिथि	घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१२	३०	११	२४	श	अं दि	२४	१८	प शे	१०	५१	३०	३०	नारद जयंती, अमृतम् । F६-३६ सायं तक गडांत काण्डा:
	२९	१२	२५	र	ज्ये दि	१९	५२	द्वि प्र	:	४	२९	३१	१-२ दिन धनु में चं. तथा मूल आरंभ, ७-२६ प्रातः से F
	२९	१३	२६	चं	मू दि	१५	३	तृ दि	२१	२७	२९	३१	सकट ४ व्रत, ११-३३ दिन मूल समाप्त, अलापक: ।
	२८	१४	२७	मं	यू दि	११	४४	च दि	२६	२२	२९	३१	३-५३ दिन मकर में चं., मैत्रम् ।
	२७	१५	२८	बु	उ दि	९	०	पं दि	२१	५२	२९	३१	वज्रम् ।
	२७	१६	२९	गु	श्र दि	७	६	ष दि	१८	१६	२९	३१	८-४ सायं कुंभ में चं., पंचक आरंभ, ध्वज: ।
	२६	१७	३०	शु	धं दि	६	१३	स दि	१५	४२	२८	३२	प्राजापत्य: । Lतक गंडांत रथा११,भद्रकाली जयंती शूलम् ।
	२५	१८	३१	श	श दि	१	४९	अ दि	१४	१५	२८	३२	शीतला अष्टमी, २-२२ रात मीन में चं., आनन्द: ।
	२४	१९	जू १	र	यू दि	९	११	न दि	१४	४	२७	३३	चर: ।
	२३	२०	२	चं	उ दि	१०	३६	द दि	१५	१२	२७	३३	१०-३८ रात मिथुन में बुध मुसलम् ।
	२२	२१	३	मं	रे दि	१४	२९	ए दि	१७	३०	२९	३३	११-१५ दिन मेष में चं , पंचक समाप्त, ४-४८ प्रात:५-४१ दिनL
	२१	२२	४	बु	अ दि	१९	२५	द्वा दि	२०	४४	२६	३४	मृत्यु: । Eशबेकदर काम्य: ।
	२१	२३	५	गु	भ दि	२४	२१	त्र दि	२५	४	२६	३४	१०-४रात वृष में चं , ५-३२ प्रात: पश्चिम में उदय बुध,E
	२०	२४	६	शु	कृ दि	२६	३२	चं दि	२९	५३	२६	३४	११-१८ दिन से च अस्त, जुमा तुलविदा, छत्रम् ।
	१९	२५	७	श	रो प्र	२	३६	अं दि	३४	५१	२६	३४	शनैश्चरी अमावसी,वटु सावित्री व्रत, नन्दिकेश्वर यात्रा, सुम्बलD Dयात्रा तथा सार जागीर यात्रा, हरीश्वर यात्रा, श्रीवत्स: ।

बुध शुक्र। मकर में मंगल। कुंभ में गुरु। वृश्चिक में शनि। मेष में राहु। तुला में केतु ॥

		ज्येष्ठ	जून	वार	नक्षत्र		घ०	पल	तिथि		घ०	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१२	१८	२६	८	र	मृ	प्र	८	४७	प्र	प्र	४	१०	२५	३५	६-५९ प्रातः मिथुन में चं.,४-५५ दिन उदय चं., सौम्यः।
	१७	२७	९	च	आ	शे	१५	४६	द्वि	प्र	८	१४	२५	३५	चं.मास,चं.दर्शन, कालदंडः। Jप्रताप जयं.इदुल्लफित्तर-स्थिरः।
	१६	२८	१०	मं	मु	शे	१०	१४	तृ	प्र	११	२५	२५	३५	८-३५ सायं कर्क में चं., ५-४८ प्रातः कर्कंट राशि में शुक्रJ
	१५	२९	११	बु	ति	शे	५	३२	च	शे	१३	६	२४	३६	मातंगः। Kभवानी यात्रा, मंजग्राम यात्रा, छत्रम्।
	१५	३०	१२	गु	अ	शे	२	८	पं	शे	११	५	२४	३६	११-२२ रात गंडांत आरंभ, अमृतम्। Wषष्टी मृत्युः।
	१४	३१	१३	शु	अ	दि	०	२०	ष	शे	१०	१५	२४	३६	११-४० दिन गंडांत समाप्त, ५-२२प्रातःसिंह में चं., कुमारW
	१३	३२	१४	श	मं	दि	१	२८	स	शे	१०	३९	२३	३७	मासान्त, काम्यः।
	१२	ह१	१५	र	यू	दि	१	१९	अ	प्र	९	८	२३	३७	११-४९दिन कन्या में चं.,११-१९दिन संक्रांति मिथुन राशि मेंT
	१२	२	१६	च	उ	दि	०	७	न	प्र	५	१६	२३	३७	श्रीवत्सः। Tसूर्य, मुहू ४५तटे,संक्रांतिव्रत,ज्येष्ठ अष्टमी,क्षीरK
	११	३	१७	मं	चि	शे	०	०	द	प्र	०	३४	२२	३८	श्रीगंगा जन्म, ४-१ दिन तुला में चं. ध्वांक्षः।
	१०	५	१८	बु	स्वा	शे	४	५४	ए	दि	३०	५३	२२	३८	निर्जला११, धौम्यः।
	९	५	१९	गु	वि	शे	८	२२	द्वा	दि	२५	१०	२२	३८	६-५२ सायं वृश्चिक में चं, प्रवर्धः।
१२	८	६	२०	शु	अं	प्र	७	५७	त्र	दि	१९	१४	२१	३९	क्षयः। Oसूर्य,७-४५ सायं से२-४६रात तक गंडांत,गजः।
	८	७	२१	श	ज्ये	प्र	३	४९	चं	दि	१३	१	२१	३९	९-११सायं धनु में चं., मूल आरंभ, ८-३७दिन दक्षिणायण मेंO
	६	८	२२	र	मू	दि	३५	४१	पू	दि	६	५७	२२	३८	माता रूपभवानी जयंती, कबीर जयंती, ९-२२दिन कर्कंट मेंM
															Mबुध, ७-३८ सायं मूल समाप्त, सिद्धः।

श्राद्ध—द्वा. से पूर्णि. तक पहले ही दिन शेष अपने दिन।
मध्यान्ह—चतुर्दशी और पूर्णि. का पहले दिन शेष अपने दिन।

१५ जून संक्रां. व्रत, ज्येष्ठ अष्टमी।
२२ जून माता रूपा भवानी जयन्ती।

सप्तर्षि संवत ५०६२ विक्रमी २०४३ ईस्वी १९८६ शाका १९०८ आषाढ़ कृष्णपक्ष ३५-४० मिथुन में सूर्य । कर्क में बुध, शुक्र । मकर मे भौम । कुंभ में गुरु । वृश्चिक में शनि । मेष मे राहु तुला में केतु ।

ग्रह संचार बजे मिनटों में

	राष्ट्र	आषाढ़	जून	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	
१८	१०	९	२३	चं	पू	दि	३२	२२	पं	दि	१	१४	२२	३८	त्र्यहः दिन कम, ११-५५रात मकर मे चं., ५-२२ प्रातःA
	११	१०	२४	मं	उ	दि	२९	२०	तृ	शे	४	१	२३	३७	मानसम् । Aहीन चं. गुरु गोविन्दसिंह जन्म, उन्मूलम् ।
	१२	११	२५	बु	श्र	दि	२७	१४	च	शे	८	३७	२३	३७	संकट, ४ व्रत, ४-० रात कुंभ मे चं.,पंचक आरम्भ, छत्रम् ।
	१२	१२	२६	गु	ध	दि	२६	३	पं	प्र	९	१७	२३	३७	११-२ दिन मीन में गुरु, श्री वत्सः ।
	१३	१३	२७	शु	श	दि	२५	५८	ष	प्र	७	४४	२३	३७	सौम्य
	१४	१४	२८	श	पू	दि	२७	३	स	प्र	७	२७	२३	३७	१०-२३ दिन मीन में चं., कालदंडः ।
	१५	१५	२९	र	उ	दि	२९	२६	अ	प्र	८	२५	२३	३७	स्थिरः । Bरात तक गंडांत, मातंगः ।
	१६	१६	३०	चं	रे	दि	३३	१	न	प्र	१०	३८	२४	३६	७-० सायं मेष में चं., पंचक समाप्त, १२-१३ दिन से १९-५९B
	१७	१७	जु१	मं	अ	प्र	२	१७	द	शे	१३	५९	२४	३६	अमृतम् ।
	१८	१८	२	बु	भ	प्र	७	५१	ए	शे	१०	४२	२४	३६	योगिनी११, काण्डः ।
	१८	१९	३	गु	कृ	शे	१६	४९	द्वा	शे	६	३१	२४	३६	५-१८ प्रातः वृष में चं., अलापकः ।
	१९	२४	४	शु	रो	शे	१०	३१	त्र	शे	६	४१	२५	३५	त्रिस्पृक, दिन अधिक, मैत्रम् ।
	२०	२१	५	श	मृ	शे	४	६	त्र	दि	३	६	२५	३५	५-३ दिन से मिथुन में चं. वज्रम् ।
	२१	२२	६	र	मृ	दि	२	१३	चं	दि	७	५२	२६	३४	८-१० सायं चं. अस्त, ७-३३प्रातः सिंह राशि में शुक्र सौम्यः ।
	२२	२३	७	चं	आ	दि	७	५५	अं	दि	११	५७	२६	३४	सोम अमावसी, सोमवार यात्रा, ४-७ रात कर्कट में चं.,D Dकालदंडः ।

श्राद्ध—प्रति. द्विती. तथा चतुर्दशी और अमा का पहले दिन शेष अपने दिन ।

सप्तर्षि संवत् ५०६२ विक्रमी २०४३ ईस्वी १९८६ शाका १९०८ आषाढ़ शुक्लपक्ष, ३५-१४ मिथुन में सूर्य । कर्क में बुध । सिंह में शुक्र । वृश्चिक में शनि । मकर में भौम । मीन में गुरु । मेष में राहु । तुला में केतु ।

ग्रह संचार बजे मिनटों में

	राष्ट्र	आषाढ़	जुलाई	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू. उ ५	सू. अ ७
१२	२३	२४	८	मं	पु	दि	१२	४५	प्र	दि	१५	६	२७	३३
	२४	५	९	बु	ति	दि	१६	३२	द्वि	दि	१७	१०	२८	३२
	२५	२६	१०	गु	अ	दि	१९	९	तृ	दि	१८	४	२८	३२
	२६	२७	११	शु	मं	दि	२०	३१	च	दि	१७	४१	२८	३२
	२६	२८	१२	श	पू	दि	२०	४१	पं	दि	१६	२	२८	३२
	२७	२९	१३	र	उ	दि	१९	४१	प	दि	१३	१६	२९	३१
	२८	३०	१४	चं	ह	दि	१७	४	स	दि	९	२१	२९	३१
	२९	३१	१५	मं	चि	दि	१४	५७	अ	दि	४	५३	३०	३०
	२९	श्र	१६	बु	स्वा	दि	११	३१	द	शे	०	२३	३०	३०
	३०	२	१७	गु	वि	दि	७	५२	ए	शे	६	५	३०	३०
	३१	३	१८	शु	अं	दि	३	४३	द्वा	शे	१२	१०	३०	३०
	३२	४	१९	श	मू	शे	०	२५	त्र	प्र	०	३९	३१	२९
	३३	५	२०	र	पू	शे	४	२६	चं	दि	२९	५२	३१	२९
	३४	६	२१	चं	उ	शे	८	०	पूं	दि	२४	३६	३२	२८

७-१९प्रात: उदय च., चं.दर्शन, स्थिर: । Aगंडांत अमृतम् ।
बुध मास, ७-५२ प्रात: बुध अस्त, जगदीश रथोत्सव मातंग: ।
१-७ दिन सिंह में चं., ६-५५ प्रात: से ७-२० सायं तकA
काण्ड: । Bजयंती, चक्रेश्वर यात्रा ध्वांक्ष: ।
७-४२ सायं कन्या में चं., कुमार ६ अलापक: ।
शहीद दिवस, जन्म दिन स्वामी स्वयमानन्द जी, मैत्रम् ।
१२-६रात तुला में चं., आषाढ़७ वज्रम् । C४५ तटे धौम्य: ।
त्र्यह:,दिन कम, आषाढ़ अष्टमी, आषाढ़नवमी शारिका भगवतीB
३-०रात वृश्चिक में चं., २-२९ रात संक्रांति कर्क में सूर्य मुहू.C
संक्रांति व्रत,देवशयनी ११प्रवर्ध: । Kगोपीनाथ जयंती क्षय: ।
११-४६ गंडांत आरम्भ, हरिस्वाप, लोकभवन यात्रा, भगवानK
१०-५१ दिन गंडांत समाप्त, ५-२१ प्रात: धनु में चं., मूलD
३-४५रात मूल समाप्त ज्वाला१४रिन्नयात्रा शूलम् ।
८-२ प्रात: मकर में चं. आषाढ़ पूर्णिमा, व्यास पूजन, गुरुF
Fपूर्णिमा, मृत्यु: ।
Dआरम्भ, ११-३ रात धनु राशि में हीनचारी मंगल,मुसलम् ।

श्राद्ध—प्रति. से नवमी तक और पू. का पहले दिन शेष दिन ।
मध्यान्ह—प्रति. से नवमी तक पहले दिन शेष अपने दिन ।

१३ जुलाई जन्म स्वामी स्वयंमानंद जी ।
१८ जुलाई भगवान गोपीनाथ जयन्ती ।

सप्तर्षि संवत् ५०६२ विक्रमी २०४३ शाका १००८ ईस्वी १९८६ श्रावण कृष्णपक्ष, ३४।५० कर्क में सूर्य । सिंह में शुक्र । तुला में केतु । वृश्चिक में शनि । धनु में हीनचारी भौम । मिथुन में हीनचारी बुध । मीन में गुरु । मेष में राहु

	राशि	श्रावण	जुलाई	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१२	३५	७	२२	मं	श्र	शे	११	५	प्र	दि	१९	५९	३२	२८	९-४ प्रातःहीन चं., ४-२८प्रातः मिथुन में हीन बुध, अलापकः ।
	३७	८	२३	बु	धं	प्र	१०	२४	द्वि	दि	१६	९	३३	२७	११-५३ दिन कुंभ में चं. पंचक आरम्भ, मैत्रम् ।
	३९	९	२४	गु	श	प्र	१०	६	तृ	दि	१३	३३	३४	२६	संकट ४, वज्रम् ।
	४१	१०	२५	शु	पू	प्र	१०	५९	च	दि	११	४०	३४	२६	५-४४ दिन मीन में चं. ११-२८ दिन उदय बुध, ध्वांक्षः ।
	४३	११	२६	श	उ	शे	१४	३०	पं	दि	११	१४	३५	२५	धौम्यः ।
	४५	१२	२७	र	रे	शे	१२	२२	ष	दि	१२	५	३६	२४	७-३९ सायं गंडांत आरम्भ, २-१रात मेष में चं., पंचकQ
	४७	१३	२८	चं	अ	शे	९	३	स	दि	१४	१०	३७	२३	८-२६ प्रातः गंडांत समाप्त, क्षयः । Qसमाप्त, प्रवर्धः ।
	४९	१४	२९	मं	भ	शे	४	३५	अ	दि	१७	१८	३८	२२	गजः ।
	५१	१५	३०	बु	भ	दि	०	४७	न	दि	२१	२०	३९	२१	१२-३८ दिन वृष चं., काण्डः ।
	५३	१६	३१	बृ	कृ	दि	६	५३	द	दि	२६	१	४०	२०	अलापकः । Gमें शुक्र, वज्रम् ।
	५६	१७	अ१	शु	रो	दि	१३	१८	ए	दि	३०	५५	४०	२०	कमला ११, १२-१८ रात मिथुन में चं., मैत्रम् ।
	५८	१८	२	श	मृ	दि	१९	३६	द्वा	प्र	१	३८	४२	१८	१२-५९ दिन कर्कट में स्वचारी बुध, १२-३० दिन कन्या राशिG
१३	०	१९	३	र	आ	दि	२५	२७	त्र	प्र	५	५३	४२	१८	ध्वांक्षः । Wकुंभ राशि मे हीनचारी गुरु, प्रवर्धः ।
	२	२०	४	चं	पुं	दि	३०	३३	चं	प्र	९	१५	४३	१७	११-२७ दिन कर्क मे चं. ३-१०रात चं. अस्त, धौम्यः ।
	५	२१	५	मं	ति	प्र	०	४४	अ	प्र	११	३३	४४	१६	व्यतीपात योग, हरियाली अमावस, भौम अमावस्या, १२-५४ रातW

श्राद्ध—प्रति. से एका. पहले ही दिन शेष अपने दिनों पर । २४ जुलाई संकट ४ ।

मध्यान्ह—तृतीया से अष्टमी तक पहले ही दिन शेष अपने दिन । [illegible] कर्क में मार्ग बुध । धन में

हीन भौम। कुंभ में हीनचारी गुरु। कन्या में शुक्र।
वृश्चिक में शनि। मेष में राहु। तुला में केतु।

	राष्ट्रीय	श्रावण	अगस्त	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू. उ. ५	सू. अ. ७
१३	६	२२	६	बु	अ	प्र	३	४३	प्र	प्र	१२	३९	४४	१६
	८	२३	७	गु	मं	प्र	५	२४	द्वि	प्र	१२	२४	४५	१५
	१०	२४	८	शु	यू	प्र	५	३५	तृ	प्र	१०	५३	४६	१४
	१३	२५	९	श	उ	प्र	५	११	च	प्र	८	१५	४७	१३
	१५	२६	१०	र	ह	प्र	३	२८	पं	प्र	४	३१	४८	१२
	१६	२७	११	चं	चि	प्र	०	५४	ष	प्र	०	२	४९	११
	१९	२८	१२	मं	स्वा	दि	३१	३	स	दि	२८	१६	५०	१०
	२१	२९	१३	बु	वि	दि	२७	२०	अ	दि	२२	३३	५०	१०
	२३	३०	१४	गु	अं	दि	२३	१६	न	दि	१६	३२	५१	९
	२५	३१	१५	शु	ज्ये	दि	१९	९	द	दि	१०	२४	५२	८
	२७	३२	१६	श	मू	दि	१५	५	ए	दि	४	१९	५३	७
	२९	भ१	१७	र	यू	दि	११	२३	द्वा	शे	१	२८	५४	६
	३१	२	१८	चं	उ	दि	८	९	चं	शे	६	४५	५५	५
	३३	३	१९	मं	श्र	दि	५	३९	पू	शे	११	२५	६६	४

८-४५ सायं सिंह में चं. २-२९ दिन से २-५६ रात कत गंडांत, ×
चं. दर्शन, गजः। ×१२-२० रात उदय चं., क्षयः।
शुक्र मासः, हरियाली ३, ३-२१ रात कन्या में चं., सिद्धः।
श्री वरदगणेश ४ उन्मूलम्।
नागपंचमी मानसम्। Tशुपियन यात्रा कृष्ण पं. अंतर्धानदिवस, H
८-६ प्रातः तुला में चं., कुमार ६, मुद्गरम्। Hमुसलम्।
गोस्वामी तुलसीदास जयंती, ध्वजः। Uशाह हमदान प्राजापत्यः।
११-८ दिन वृश्चिक में चं., दूर्वा ८, बुधाष्टमी, तारा जयंती, उर्स U
आनन्दः। Kसायं तक गंडांत भारत स्वतंत्र दिवस चरः।
१-३२ दिन धनु में चं., मूल आरम्भ, ७-५६ प्रातः से ७-६K
त्र्यहः दिन कम, ११-५६ दिन मूल समाप्त, पवित्रा ११ श्रावण १२T
४-६ दिन मकर में चं., १-५७ दिन संक्रांति सिंह में सूर्यM
मृत्युः। Mमुहू. ४५ पर्वते, सिंगह आरम्भ, संक्रान्ति व्रत, २-२६N
७-४६ सायं कुंभ में चं., पंचक आरम्भ, रक्षा बन्धन, अमरS
Sनाथ दर्शन, थजिवार यात्रा, श्रावण पूर्णमासी, श्री गायत्रीR
Rजयन्ती, भौम प्रदोष, अलापकः।
Nदिन मीन में राहु कन्या में केतु शूलम्।

श्राद्ध—अष्टमी से द्वा. तक पहले ही दिन शेष अपने दिन। १२ अगस्त बुधाष्टमी
मध्यान्ह—दशमी से द्वा. तक पहले ही दिन शेष अपने दिन। १९ ,, रक्षाबन्धन, अमरनाथ यात्रा

सप्तर्षि संवत ५०६२ विक्रमी२०४३ ईस्वी १९८६ शाका १९०८ भाद्र कृष्णपक्ष ३२।५० सिंह में सूर्य । धनु में हीन भोम । कर्क में बुध । कन्या में शुक्र केतु । वृश्चिक में शनि । मीन में राहु । कुंभ में हीनचारी गुरु ।

	राशि	भाद्रीन	अगस्त	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१३	३५	४	२०	बु	ध	दि	३	५९	प्र	प्र	९	२	५७	३	६-५३ दिन हीन चं , मैत्रम् ।
	३८	५	२१	गु	श	दि	३	२१	द्वि	प्र	७	२७	५८	२	१-३० रात मीन में चं., वज्रम् ।
	४०	६	२२	शु	पू	दि	३	५२	तृ	प्र	९	३	५९	१	कूर्म ३, ध्वांक्षः ।
	४२	७	२३	श	उ	दि	५	३१	च	प्र	६	५७	५९	१	संकट ४ व्रत, नवदलयात्रा, ३-६ रात गंडांत आरम्भ, धौम्यः ।
	४५	८	२४	र	रे	दि	८	४०	पं	प्र	१०	४	600	700	९-२८प्रातः मेष में चं ,पंचक समाप्त, ३-५२दिन गंडांत समाप्त,J
	४७	९	२५	चं	अ	दि	१२	५२	ष	प्र	१३	१९		59	चंदन षष्टी व्रत, चं. उदय रात १०-० क्षयः । Jप्रवर्धः ।
	५०	१०	२६	मं	भ	दि	१८	१	स	शे	१४	२१	२	५८	शीतला७, २-४५दिन सिंह में बुध, ७-४८सायं वृष में चं.,गजः ।
	५२	११	२७	बु	कृ	दि	२३	५९	अ	शे	१०	१२	३	५७	दूर्वाष्टमी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एक, चं. उदय १२-७ सिद्धः ।
	५५	१२	२८	गु	रो	दि	३०	२०	न	शे	५	३०	४	५६	८-३० प्रातः बुध अस्त, उन्मूलम् ।
	५७	१३	२९	शु	मृ	प्र	४	३८	द	शे	०	३०	५	५५	त्रिस्पृक, दिन अधिक, ७-३०प्रातः मिथुन में चं., मानसम् ।
१४	०	१४	३०	श	आ	प्र	१०	४८	द	दि	४	२०	६	५४	मुदगरम् ।
	२	१५	३१	र	पु	शे	१७	१९	ए	दि	८	३७	७	५३	६-७ दिन कर्क में चं., अजा११, गोवत्स पूजन, ध्वजः ।
	५	१६	१	चं	ति	शे	३	३	द्वा	दि	११	५९	८	५२	१०-३० दिन तुला राशि में शुक्र, प्राजापत्यः ।
	८	१७	२	मं	अ	शे	९	४१	त्र	दि	१४	१८	९	५१	१०-१ रात गंडांत आरंभ, ४-२०रात सिंह में चं., कलियुगY
	१०	१८	३	बु	म	शे	४	४०	चं	दि	१५	२३	१०	५०	१०-२४ दिन गंडांत समाप्त, ४-२१दिन चं. अस्त, चरः ।
	१३	१९	४	गु	पू	शे	२	४६	अं	दि	१५	१३	११	४९	कुशा अमावसी, गुण्डकी यात्रा, पिठोरी अमावस, मुसलम् । Yजन्म आनंदः ।

सप्तर्षि संवत ५०६२ विक्रमी २०४३ शाका १९०८ ई. १९८६ भाद्र शुक्लपक्ष ३१।३० सिंह में सूर्य, बुध. धनु में मंगल तुला में शुक्र। वृश्चक में शनि। कन्या में केतु। कुंभ में हीनचारी गुरु। मीन में राहु।

ग्रह संचार बजे मिनटों में

	राघो	भाद्रोन	सितम्बर	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ	सू अ
१४	१५	२०	५	शु	उ	शे	२	४	प्र	दि	१३	४८	१२	४८
	१८	२१	६	श	ह	शे	२	३७	द्वि	दि	११	१	१३	४७
	२१	२२	७	र	चि	शे	४	१२	तृ	दि	७	३४	१४	४६
	२३	२३	८	चं	स्वा	शे	६	३८	च	दि	३	०	१५	४५
	२६	२४	९	मं	वि	शे	९	४४	प	शे	१	५९	१६	४४
	२८	२५	१०	बु	अं	शे	१३	२५	स	शे	७	२६	१७	४३
	३१	२६	११	गु	ज्ये	प्र	७	२७	अ	शे	१३	३९	१८	४२
	३४	२७	१२	शु	मू	प्र	७	३९	न	प्र	३	२७	२०	४०
	३६	२८	१३	श	पू	दि	३०	३१	द	दि	१८	३८	२१	३९
	३९	२९	१४	र	उ	दि	२७	१०	ए	दि	२३	२२	२२	३८
	४१	३०	१५	चं	श्र	दि	२४	३०	द्वा	दि	१८	४६	२३	३७
	४४	३१	१६	मं	धं	दि	२२	३७	त्र	दि	१४	५९	२४	३६
	४६	अ१	१७	बु	श	दि	२१	१४	चं	दि	१२	९	२५	३५
	४९	२	१८	गु	पू	दि	२२	०	पू	दि	१०	२६	२६	३४

११-२२दिन कन्या में चं.,५-३२दिन उदय चं.,चं.दर्शन,शूलम्।
मृत्यु:। +जयन्ती, कलंक चतुर्थी, काम्य:।
४-६ दिन तुला में च., सूर्य मास:, हरतालिका ३, वराह+
त्र्यह:, दिन कम, त्रिनायक ४, वराह ५ करकतीर्थ श्राद्ध, ऋषिG
कुमार ६, ७-१७ रात वृश्चिक में चं., सूर्य ६, श्री वत्स:।
ब्रह्मसरोवर श्राद्ध, सौम्य:। Fगंडांत,गंगा८,राधा८ कालदंड:।
९-४०रात धनु में चं, मूल आरंभ, ४-४दिन से३-२४रात तकF
९-४०रात मूल समाप्त,८-७प्रात.मकर में स्वचारी भौम,५-३०D
१२-११रात मकर में चं.,मातंग:। Dदिन कन्या में बुध,स्थिर:।
नारायणी११,गौतम नागयात्रा,अमृतम्।Cचं.,पंचकआरंभ काम्य:।
श्रवण१२,इन्द्रा१२,वामन१२,भुवनेश्वरी जयं.,३-४४रात कुंभ मेंC
वितस्ता १३, विथवत्री यात्रा, मासान्त आरंभ, उन्मूलम्।
२-२३ दिन से संक्रांति, कन्या में सूर्य, मुहू १५ सागर:, अनंतB
९-१३ दिन मीन राशि में चं., पितृपक्ष आरम्भ, मुदगरम्।
B१४, अनंत नाग यात्रा, मानसम्।
G५ छत्रम्।

८ सितंबर विनायक चतुर्थी।

श्राद्ध —प्रति से पंचमी और एका. से पू. तक पहले दिन शेष अपने दिन।

मध्यान्ह—प्रति. से पंचमी तक और १४ से पू. तक पहले दिन शेष अपने दिन। १८ पितृपक्षआरम्भ।

सप्तर्षि संवत् ५०६२ विक्रमी २०४३ ईस्वी १९८६ शाका १९०८ आश्विन कृष्णपक्ष ३०-१६, कन्या में सूर्य बुध, मकर में स्वचारी भौम । तुला में शुक्र । वृश्चिक में शनि । कुंभ में हीन गुरु । मीन में राहु । कन्या में केतु ।

	राष्ट्र	असूज	सितम्बर	वार	नक्षत्र		घं०	पल	तिथि		घं०	पल	सू उ ६	सू अ ६	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१४	५२	३	१९	शु	उ	दि	२३	३७	प्र	दि	९	५९	२९	३३	श्री वत्सः । + रात तक गंडांत, प्राजापत्यः ।
	५४	४	२०	श	रे	दि	२६	९	द्वि	दि	१०	५१	२८	३२	४-५५दिन मेष में चं., पंचक समाप्त, ११-२दिन से ११-१४+
	५७	५	२१	र	अ	प्र	०	१	तृ	दि	१२	५६	२९	३१	संकट ४, ८-३१ सायं अगस्त मुनि उदय आनंदः ।
	५६	६	२२	चं	म	प्र	५	२	च	दि	१६	७	३०	३०	३-३ रात वृष में चंद्रमा, चरः ।
१५	१	७	२३	मं	कृ	प्र	१०	५१	पं	दि	२०	१८	३०	३०	दिन रात सम, ८-१४ दिन से विश्वपद में सूर्य, मुसलम् ।
	४	८	२४	बु	रो	शे	१९	२१	ष	दि	२५	५	३२	२८	शूलम् ।
	६	९	२५	गु	मृ	शे	१२	५४	स	प्र	०	२१	३३	२७	२-४३ दिन मिथुन में चं., साहिब सप्तमी, शूलम् ।
	९	१०	२६	शु	आ	शे	६	३१	अ	प्र	५	२१	३४	२६	महालक्ष्मी ८, काम्यः ।
	१२	११	२७	श	पुं	शे	०	२५	न	प्र	९	५१	३५	२५	२-८ रात कर्क में च., छत्रम् । Gआरम्भ प्राजापत्यः ।
	१४	१२	२८	र	पु	दि	५	३	द	प्र	१३	२८	३६	२४	ध्वजः । Bसंन्यासियों का श्राद्ध, आनंदः ।
	१७	१३	२९	चं	ति	दि	९	३३	ए	शे	१७	६	३७	२३	१०-५१ रात तुला राशि में बुध इन्दिरा११, ५-२३रात गंडांतG
	१९	१४	३०	मं	आं	दि	१२	५९	द्वा	शे	१४	३३	३८	२२	६-७ दिन गंडान्त समाप्त, ११-५० दिन सिंह में चं.B
	२२	१५	अ१	बु	मं	दि	१५	१४	त्र	शे	१३	२१	३९	२१	चरः । Q चं., ४-३६ रात चं. अस्त, मुसलम् ।
	२५	१६	२	गु	पू	दि	१६	८	चं	शे	१३	१९	४०	२०	जन्म दिन महात्मा गान्धी, शास्त्री का भी, ७-९ सायं कन्या मेंQ
	२७	१५	३	शु	उ	दि	१५	५२	अं	शे	१४	३७	४१	१९	पितृ अमावसी, पितृ तर्पण, विजयेश्वर यात्रा, शूलम् ।

श्राद्ध—प्रति. से षष्ठी तक पहले दिन शेष अपने दिन । २१ सितंबर संकट ४

सप्ताष संवत्५०८२विक्रमी२०४३ शाकी १९०८ इस्वी १९८६ आश्विन शुक्ल पक्ष २९।० कन्या में सूर्य, केतु तुला

में बुध । मकर में मौम । तुला में शुक्र । वृश्चिक में शनि । कुंभ में हीनचारी गुरु । मीन में राहु ।

गाघं	अमूज	अक्त.	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१५	३०	१८	४	श	ह	दि	१४	२९	प्र	प्र	१०	१०	४३	१७	१२-१८रात तुला में च., शरद् नवदुर्गारंभ,घटस्थापन, मृत्यु: ।
	३२	१९	५	र	चि	दि	१२	१५	द्वि	प्र	५	२०	४३	१७	९-३१ प्रात: चं. उदय, चन्द्रदर्शन, काम्य: ।
	३५	२०	६	चं	स्वा	दि	९	१५	तृ	प्र	०	५०	४४	१६	३-२५ रात वृश्चिक में चं., छत्रम् ।
	३८	२१	७	मं	वि	दि	५	४४	च	दि	२४	५	४५	१५	भौम मास, श्री वत्स: । +गंडांत समाप्त, धौम्य: ।
	४१	२२	८	बु	अं	दि	१	४८	पं	दि	१८	११	४६	१४	१२-१५रात गंडांत आरंभ, कुमार षष्टी,ललिता पंचमी सौम्य: ।
	४३	२३	९	बृ	मू	शे	२	२०	ष	दि	१२	१२	४७	१३	५-५१प्रात: धनु में चं. मूल आरंभ, कुमार जन्म,११-२५दिन +
	४६	२४	१०	शु	पू	शे	६	३२	स	दि	६	१६	४८	१२	प्रवर्ध: । ४-१२रात मूल समाप्त । Aआरंभ, शूलम् ।
	४८	२५	११	श	उ	शे	१०	३४	अ	दि	०	३६	४९	११	त्र्यह: दिन कम, ८-१९ प्रात: मकर में चं., श्री दुर्गा अष्टमीP
	५१	२६	१२	र	श्र	शे	१३	५७	द	शे	४	३६	५०	१०	अपराजिता पूजन, विजय दशमी, दशहरा, मुसलम् ।
	५४	२७	१३	चं	धं	प्र	१२	५८	ए	शे	९	१२	५२	८	पापांकुषा एकादशी, जया११, ११-४४ दिन कुंभ में चं., पंचकA
	५६	२८	१४	मं	श	प्र	११	५२	द्वा	शे	१२	५९	५३	७	मृत्यु: । Pमहा नवमी । ताराजयन्ती, भद्रकाली जयंती क्षय: ।
	५९	२९	१५	बु	पू	प्र	११	५७	त्र	शे	१५	५३	५४	६	४-५२ दिन मीन में चं., काम्य: ।
१६	२	३०	१६	गु	उ	प्र	१३	१४	चं	प्र	१४	२५	५५	५	११-१५ दिन पूर्णिमा में चं., छत्रम् ।
	४	क१	१७	शु	रे	प्र	१५	४६	पू	प्र	१५	२८	५६	४	११-३५रात मेष में चं., पंचक समाप्त,६-६सायं से६-५० प्रात.E
															Eतक गंडांत,लवंग पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा, वाल्मीकी जयंती,F
															Fखग्रास चं.ग्रहण, १-४७ संक्रांति । तुला में सूर्य मुहूर्त ३०H
															Hसिन्धौ, मासान्त श्रीवत्स: ।

श्राद्ध– पचमी से नवमी तक का पहले दिन शेष अपने दिन । ४ अक्तूबर नव दुर्गा आरम्भ ।

मध्यान्ह—सप्तमी से नवमी तक पहले दिन शेष अपने दिन । ११ श्री दुर्गा अष्टमी महा नवमी ।

सप्तर्षि सं.५०६२ विक्रमी२०४३ईस्वी १९८६ कार्तिक कृष्णपक्ष २७।४६ तुला में सूर्य, बुध, शुक्र । मकर में भौम । मीन में राहु । वृश्चिक में शनि: । कुंभ में हीन गुरु । कन्या में केतु ।

राशि	कातक	अक्ट.	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	ग्रह संचार बजे मिनटों में
					शे	१६	२७	प्र	शे	१६	४८	५७	३	संक्रांति व्रत, ९-१ सायं हीन चं., सौम्य: ।
१६ ७	२	१८	श	अ	शे	१२	४४	द्वि	शे	१४	२९	५८	२	कालदण्ड: ।
१०	३	१९	र	भ	शे	७	५७	तृ	शे	११	१०	५९	१	१०-२१ दिन वृष में चं. स्थिर: ।
१२	४	२०	चं	कृ	शे	२	२०	च	शे	६	५६	7 1	6 5 9	संकट चतुर्थी, करवा ४, मातंग: ।
१५	५	२१	मं	रो	दि	३	५२	पं	शे	१	५९	२	५८	त्रिस्पृक, दिन अधिक, ९.५१ रात मिथुन में चं., शूलम् ।
१८	६	२२	बु	रो	दि	१०	१९	पं	शे	३	१३	३	५७	मृत्यु: ।
२०	७	२३	गु	मृ	दि	१६	३१	ष	दि	८	१५	३	५७	काम्य: ।
२३	८	२४	शु	आ	दि	२२	८	स	दि	१२	४१	४	५६	७-२२प्रात: कर्क में चं., ८-१८ प्रात: वृश्चिक में बुध, छत्रम् ।
२५	९	२५	श	मृ	दि	२२	८	स	दि	१६	१६	५	५४	अहोई ८, ४-३० रात पश्चिम में शुक्र अस्त, श्रीवत्स: ।
२७	१०	२६	र	ति	प्र	२६	५५	अ	दि	१६	१६	५	५४	८-३२ प्रात: सिंह में चं., १-. दिन मे१-४१रात गंडांत सौम्य: ।
२९	११	२७	चं	मं	प्र	३	३७	न	दि	१८	४५	६	५४	कालदण्ड: ।
३१	१२	२८	मं	पू	प्र	६	१२	द	दि	२०	४	७	५३	रमा११,उर्स मकदूम साहिब,२-५६ रात कन्या में चं.,स्थिर: ।
३४	१३	२९	बु	पू	प्र	७	३३	ए	दि	१९	५९	८	५२	मातंग: । Aमहालक्ष्मी पूजन, दीपावली, कमला जयन्तीB
३६	१४	३०	गु	उ	प्र	९	३७	द्वा	दि	१८	४४	८	५२	घन त्रयोदशी अमृतम । Bमहावीर जयंती,अनर्क१४हनुमानC
३८	१५	३१	शु	ह	प्र	६	३६	त्र	दि	१६	१७	९	५१	८-६ प्रात: तुला में चं., ४-८ दिन से चन्द्रास्त, दीपमाला A
४०	१६	न१	श	चि	प्र	४	३३	चं	दि	१२	४८	१०	[illegible]	६-२४ प्रात. तुला राशि में हीनचारी बुध, अलापद: ।
४३	१७	२	र	स्वा	प्र	१	४७	अ	दि	८	९	११	४९	Cजयंती काण्ड: ।

	राशि	कतक	नवंबर	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५
१६	४५	१८	३	चं	वि	दि	२६	५६	प्र	दि	:	२८	१२	४८
	४७	१९	४	मं	अं	दि	२१	३	तृ	शे	२	१	१:	४७
	४९	२०	५	बु	ज्ये	दि	१६	५७	च	शे	७	५१	१४	४६
	५१	२१	६	गु	मू	दि	१२	४९	पं	शे	१:	४	१५	४५
	५३	२२	७	शु	पू	दि	८	५३	ष	प्र	८	३३	१६	४४
	५६	२३	८	श	उ	दि	५	७	स	प्र	३	३३	१६	४४
	५८	२४	९	र	श्र	दि	२	१६	अ	दि	२५	१८	१७	४३
१७	०	२५	१०	चं	धं	दि	०	१	न	दि	२१	३	१८	४२
	२	२६	११	मं	यू	शे	१	३	द	दि	१९	६	१९	४१
	५	२७	१२	बु	उ	शे	१	४३	ए	दि	१७	३७	२	४०
	७	२८	१३	बृ	रे	शे	१	४८	द्वा	दि	१	२४	२१	३९
	९	२९	१४	शु	रे	दि	१	२६	त्र	दि	१८	२८	२२	३८
	११	३०	१५	श	अ	दि	४	४९	चं	दि	२०	४९	२३	३७
	१३	म१	१६	र	भ	दि	९	२०	पू	दि	२४	१६	२३	३७

ग्रह संचार बजे मिनटों में

व्यहः, दिन कम, ११-३२दिन वृश्चिक में चं., ७-३२ सायं +
वज्रम्। Cतक गंडांत १०-५०रात शुक्र उदय, ध्वांक्षः।
२-१दिन धनु में चं. मूल आरंभ, ८-५० प्रातः से ७-३५ सायंC
१२-२४ दिन मूल समाप्त, वृहस्पति मास, धौम्यः।
४-२६ दिन मकर में चं., कुमार षष्टी, प्रवर्धः।
क्षय.।
गोपाल अष्टमी। ७-४१सायं कुंभ में चं., पंचक आरंभ,मुसलम्।
अक्षया ९, कृतयुग जन्म, शूलम्। Tनेहरु बालदिवस, २-४४K
१२-३४रात मीन मे चं.,काण्डः। Kरात पूर्णिमा में चं.श्रीवत्सः।
२-८ दिन कुंभ राशि में मंगल, हरिबोधिनी११ काम्यः।
शिवस्वाप, १-३८ रात गंडांत आरंभ, मैत्रम्।
०-६प्रातः मेष में चं., पंचक समाप्त,२-१५दिनगंडांत समाप्तT
१०-२७दिन शनि अस्त. वैकुण्ठ१४; ईदमिलाद,मासांत,सौम्यः।
५-३८ सायं वृष में चं., ११-३४रात संक्रांति, वृश्चिक में सूर्यN
Nमुहू ३० समुद्र में. संक्रान्ति व्रत, कार्तिक पू० गुरु नानकS
Sजन्म, निम्बार्काचार्य जन्म—कालदण्डः।
+ उदय चं.अन्नकूट,गोवर्धन पू० भाई दूज, चं. दर्शन मैत्रम्।

श्राद्ध—प्रति. द्वि. और नवमी से पूर्णिमा तक पहले दिन शेष अपने दिन। ३ नवं. अन्नकूट, भाई दूज।
मध्यान्ह प्रतिप्रदा और द्वितीया का पहले दिन शेष अपने दिन। १६ नवं. संक्रां. व्रत, कार्तिक पूर्णिमा।

सप्तर्षि सं. ५०६२ वि. २०४३ शाका १९०८ ईस्वा १९८६ मार्ग कृष्णपक्ष २५-२८ वृश्चिक में सूर्य । कुंभ में मंगल तुला में बुध-हीन, शुक्र । वृश्चिक में शनि । कुंभ में हीन गुरु । मीन मे राहु । कन्या से केतु ।

	राशि	मार्ग	नवंबर	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१७	१६	२	१७	च	कृ	दि	१४	४६	प्र	प्र	३	११	२४	३६	२-३४ दिन हीन चं., स्थिर: ।
	१८	३	१८	मं	रो	दि	२०	५३	द्वि	प्र	८	१९	२५	३५	५-४ रात मिथुन में चं., मातंग: ।
	२०	४	१९	बु	मृ	प्र	१	५८	तृ	प्र	१३	३९	२६	३४	१०-२४ रात मार्गी बुध, अमृतम् ।
	२२	५	२०	बृ	आ	प्र	८	४४	च	शे	२१	८	२७	३३	संकट चतुर्थी व्रत, काण्ड: ।
	२५	६	२१	शु	पु	प्र	१४	१५	पं	शे	१५	५९	२८	३२	४-३८ दिन कर्क में चं., अलापक: ।
	२९	७	२२	श	ति	शे	२०	३५	ष	शे	११	२६	२९	३१	मैत्रम् । Cवज्रम् ।
	२७	८	२३	र	आ	शे	१५	३३	स	शे	७	४८	२९	३१	८-५१ रात सिंह में चं., ८-२३ सायं गंडांत आरम्भ, सूर्य ७C
	२८	९	२४	चं	मं	शे	११	३५	अ	शे	५	१७	२९	३१	९-९ दिन गंडांत समाप्त, महाकाल भैरव अष्टमी ध्वांक्ष: ।
	२९	१०	२५	मं	पू	शे	८	४१	न	शे	३	५९	३०	३०	४-२० रात कन्या में चं., धौम्य: ।
	३०	११	२६	बु	उ	शे	७	१५	द	शे	३	५९	३०	३०	प्रवर्ध: ।
	३१	१२	२७	गु	ह	शे	६	५९	ए	शे	५	१७	३०	३०	उत्पन्ना ११, क्षय: ।
	३२	१३	२८	शु	चि	शे	७	४८	द्वा	शे	७	४१	३१	२९	४-३दिन तुला में चं., ७-५५ प्रात: ज्येष्ठा नक्षत्र में शनि,गज: ।
	३२	१४	२९	श	स्वा	शे	९	३९	त्र	शे	११	९	३१	२९	सिद्ध: ।
	३३	१५	३०	र	वि	शे	१२	१९	चं	शे	१४	४५	३१	२९	७-३८ सायं वृश्चिक में चं., ३-२ रात चं. अस्त उन्मूलम् ।
	३४	१६	द१	चं	अं	शे	१५	३३	अं	प्र	९	१७	३२	२८	सोमावसी मानसम ।

श्राद्ध और मध्यान्ह अपने २ दिन ।   २० नवम्बर संकट चतुर्थी ।

सप्तर्षि स ५०६२वि. २०४३ शाका १९०८ ईस्वी १९८६ मार्ग शुक्लपक्ष २४।५० वृश्चिक में सूर्य, शनि। कुंभ में भौम। तुला में बुध, शुक्र। कुंभ में हीन गुरु मीन में राहु। कन्या में केतु।

ग्रह संचार बजे मिनटों में

	राष्ट्र	चान्द्र	दिसम्बर	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	
१७	३५	१९	२	मं	ज्ये	प्र	११	४७	प्र	प्र	३	३३	३२	२८	१०-१०रात से धनु में चं, मूलआरंभ, ४-३६दिन से३-५०B
	३६	१८	३	बु	मू	प्र	७	४१	द्वि	दि	२२	३२	३२	२८	८-३१ सायं मूल समाप्त, चं. दर्शन, ध्वज:।
	३७	१९	४	गु	पू	प्र	३	४१	तृ	दि	१६	४६	३३	२७	२-५७ रात मकर में चं., प्राजापत्य:।
	३८	२	५	शु	उ	प्र		६	च	दि	११	१७	३३	२	आनन्द:। D३-४१ रात कुंभ में चं., पंचक आरंभ, स्थिर:।
	३९	२	६	श	श्र	दि	२१	२२	प	दि	६	१८	३४	२६	शनि मास, ३-५०सायं वृश्चिक राशि में सचारी बध,कुमार षष्ठीD
	४०	२२	७	र	धं	दि	१९	१६	ष	दि	१	५७	३४	२६	त्र्यह:, दिन क्रम, मातंग:।
	४१	२३	८	चं	श	दि	१९	१	अ	शे	१	३३	३४	२६	भैरवी ८, अमृतम्।
	४२	२४	९	मं	पू	दि	१९	६	न	शे	४	०	३५	२५	८-२६ प्रात मीन में चं. काण्ड:।
	४२	२५	१०	बु	उ	दि	१९	४९	द	शे	५	२०	३५	२५	अलापक:। Sसमाप्त ९-१५दिन ९-४५रात तक गंडांत,मैत्रम्।
	४३	२६	११	गु	रे	दि	१९	४६	ए	शे	५	२४	३५	२५	मोक्षदा ११, श्रीगीता जयंती, ३-२९ दिन मेष में चं., पंचकS
	४४	२७	१२	शु	अ	दि	२२	५३	द्वा	शे	४	५	३६	२४	वज्रम्। Jत्रिपुर भैरवी जयन्ती क्षय:।
	४५	२८	१३	श	भ	प्र	२	३९	त्र	शे	१	३५	३६	२४	त्रिस्पृक, दिन अधिक, १२-५५ रात वृष चं. में ध्वांक्ष:।
	४६	२९	१४	र	कृ	प्र	७	५६	च	दि	२	५	३६	२४	३-५ रात पूर्णिमा में चं., उर्सपीर दस्तगीर धौम्य:।
	४७	३०	१५	चं	रो	प्र	१३	५५	चं	दि	६	३६	३७	२३	मासान्त, प्रवर्ध:। H३० तट पर, सक्रांन्ति व्रत, सिगह आरभJ
	४८	१	१६	मं	मृ	शे	२१	३८	पू	दि	११	४४	३७	२३	१२-१५मिथुन में चं., ११-२९दिन संक्रान्ति, धनु में सूर्य मुहूर्तH

Bरात तक गंडांत, ५-४४रात उदय चं., मृद्गरम्

श्राद्ध— तृतीया से षष्ठी तक और चतुर्दशी से पूर्णि. तक पहले दिन शेष अपने दिन। ६ दिस. कुमार षष्ठी।

मध्यान्ह— पंचमी से षष्ठी तक चतुर्दशी, पू. का पहले दिन शेष अपने दिन। ११ गीता जयन्ती।

सप्तर्षि सं ५०६२वि २०४३ ई०१९८६ शाका १९०८ पोष कृष्णपक्ष २४।२२ धनु में सूर्य । कुंभ में भौम । वृश्चिक मे बुध, शनि । तुला में शुक्र । कुंभ में गुरु । मीन मे राहु । कन्या में केतु ।

	राधं	पौष	दिसम्बर	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	स उ ७	सू अ ५	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१७	४६	२	१७	बु	आ	शे	१५	१३	प्र	दि	१६	४	३८	२२	१-२७ दिन हीन चं , मातृका पूजन, गजः ।
	५०	३	१८	गु	पु	शे	८	४	द्वि	दि	२२	८	३८	२२	११-५६ रात कर्क में चं , सिद्धः ।
	५१	४	१९	शु	ति	शे	२	५३	तृ	प्र	२	२२	३८	२२	उन्मूलम् । Xगंडांत आरंभ, संकट ४ मैत्रम् ।
	५३	५	२०	श	ति	दि	२	१६	च	प्र	६	१	३९	२१	१२-३२शनि उदय,९-४० मिनट दिन बुध अस्त । १२-५५रातX
	५२	६	२१	र	अ	दि	६	३२	पं	प्र	८	३३	३९	२१	१०-१६ दिन सिंह में चं., ४-३७ दिन गंडांत समाप्त, १०-३७B
	५२	७	२२	चं	मं	दि	९	३७	ष	प्र	९	४६	३९	२१	वेताल६, पूर्णराज भैरव जन्म (हवल) ध्वांक्षः ।
	५१	८	२२	मं	पू	दि	११	२९	स	प्र	९	४५	३८	२२	६-२२ सायं कन्या में चं., धौम्यः ।
	५०	९	२४	बु	उ	दि	१२	७	अ	प्र	८	२२	३८	२२	श्री महाकाली जन्म, प्रवर्धः । Bरात उत्तरायण में सूर्य वज्रम् ।
	४९	१०	२५	गु	ह	दि	११	३५	न	प्र	५	५३	३८	२२	१२-२ रात तुला में चं., क्रिसमस डे, क्षय ।
	४८	११	२६	शु	चि	दि	९	१९	द	प्र	२	२९	३७	२३	३-३७ दिन धनु में बुध, श्री आनन्देश्वर भैरव जन्म, गजः ।
	४७	१२	२७	श	स्वा	दि	७	३५	ए	दि	२२	१६	३७	२३	मफला११, ११-४४ रात वृश्चिक में चं., सिद्धः ।
	४६	१३	२८	र	वि	दि	४	२९	द्वा	दि	१९	१९	३६	२४	१०-२२ रात मीन राशि में भौम, उन्मूलम् । Oमानसम् ।
	४५	१४	२९	चं	अं	दि	०	४८	त्र	दि	१२	५	३६	२४	१-१७ रात गंडांत आरंभ, ६-२१ रात धनु में चं., मूलारंभO
	४४	१५	३	मं	मू	शे	३	८	च	दि	६	१९	३६	२४	४-४१ रात मूल समाप्त, १-५५ दिन चं. अस्त, ११-५६ दिनP
	४३	१६	३१	बु	पू	शे	७	१५	अं	दि		३०	३५	२५	त्र्यहः,दिन कम, ५-३०रात उदय चं., अमावसी व्रत श्रीवत्सः ।
															Pगंडांत समाप्त, लावस १४, यक्ष अमावसी, छत्रम् ।

श्राद्ध—प्रतिपदा, द्वि. और द्वा से अमा. तक पहले दिन शेष अपने दिन । २४ दिसं महाकाली जन्म ।

चतुर्दशी और अमावसी का पहले दिन शेष अपने दिन । ३० .. यक्षामावसी ।

सप्तर्षि सं ५०६२ वि. २०४३ ई० १९८७ शाका १९०८ पौष शुक्लपक्ष २४।३६ धन में सूर्य वध । मीन में भौम राहु ।
वृश्चिक में शुक्र, शनि । कुम्भ में हीन गुरु । कन्या में केतु ।

राष्ट्र	पौष	जनवरी	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घं०	मि	सू उ ७	सू अ ५	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१७ ४२	१६	१	गु	उ	शे	१५	१६	द्वि	शे	५	[illegible]	३५	२५	८-४१प्रात: मकर में च., १२-२२दिन वृश्चिक राशि में शुक्र,D
४१	१८	२	शु	श्र	शे	१५	७	तृ	शे	१०	४१	३४	२[illegible]	धौम्य । Dचं.दर्शन, जनवरी१९८७ प्रारम्भ,F
४१	१९	३	श	धं	प्र	१४	२८	च	शे	१५	३४	३४	२६	१?-८ दिन कुंभ में चं., पंचक आरंभ, प्रवर्ध: ।
४०	२०	४	र	श	प्र	१२	४२	पं	प्र	२	१५	३४	२६	क्षय: । Fविवेकानंद जयंती,सौम्य: ।
३९	२१	५	चं	पू	प्र	११	१६	ष	प्र	९	५३	३४	२६	४-१८ दिन मीन में चं., चं. मास, कुमार ६ व्रत, गज: ।
३८	२२	६	मं	उ	प्र	१२	१८	स	प्र	८	४२	३३	२७	गुरु गोविन्दसिंह जन्म,सिद्ध: । Cतक गंडांत, बुध८ उन्मूलम् ।
३७	२३	७	बु	रे	प्र	१३	५३	अ	प्र	६	४९	३३	२७	११-. रात मेष में चं., पंचक समाप्त, ४-५०दिन से५-११ रातC
३६	२४	८	गु	अ	प्र	१६	४४	न	प्र	१०	१२	३२	२८	मानसम् । Mआनन्द: ।
३५	२५	९	शु	भ	शे	१८	३०	द	प्र	१२	५	३२	२८	मुद्गरम् ।
३४	२६	१०	श	कृ	शे	१४	२३	ए	प्र	१६	२३	३२	२८	८-१८ प्रात: वृष में चं., पुत्रदा ११, ध्वज ।
३३	२७	११	र	रो	शे	९	१९	द्वा	शे	१८	३४	३१	२९	प्राजापत्य: Tसंक्रांतिव्रत, ८-३२ सायं पूर्णिमा,चं. गज: ।
३२	२८	१२	चं	मृ	शे	३	२०	त्र	शे	१३	५५	३१	२९	१०-२७ रात मिथुन में चं.,१०-४८दिन मकर राशि में बुधM
३२	२९	१३	मं	मृ	दि	३	२	च	शे	८	३३	३१	२९	मासान्त, क्षय: । Qमुहू. ४५ पर्वते, शिशिर संक्रांतिT
३१	म१	१४	बु	आ	दि	९	३०	पू	शे	३	२०	३०	३[illegible]	त्रिस्पृक, दिन अधिक, ७-१८ सायं संक्रांति । मकर में सूर्यQ
२९	२	१५	गु	पु	दि	१५	३६	पू	दि	१	५२	३०	३०	३-८ प्रात: कर्कट राशि में चं., शाकम्बरी देवी जयंती सिद्ध: ।

श्राद्ध और मध्यान्ह अपने २ दिन ।

६ जनवरी गुरु गोविन्द जन्म ।
१४ ,, संक्रां. व्रत, शिशिर संक्रांति ।

सप्तर्षि सं.५०६२वि.२०४३ शाका १९०८ ई० १९८७ माघ कृष्ण पक्ष २५।४ मकर में सूर्य बुध। कुंभ में हीन गुरु मीन में भौम राहु। वृश्चिक में शुक्र शनि। कन्या में केतु।

ग्रह संचार बजे मिनटों में

	राष्ट्र	माघ	जनवरी	वार	नक्षत्र		घ०	पल	तिथि		घ०	पल	सू उ ७	सू अ ५	
१७	२८	३	१६	शु	ति	दि	२१	१	प्र	दि	६	१७	२९	३१	१०-१ दिन से हीन च., उत्मूलम् ।
	२७	४	१७	श	अ	प्र	१	१०	द्वि	दि	९	५०	२९	३१	६-२ साय सिंह में चंद्रमा, ११-३७दिन से१२-२७रात तकH
	२६	५	१८	र	मं	प्र	३	५०	तृ	दि	१२	१४	२८	३२	संकट ४ व्रत, मुदगरम् । Hगंडांत मानसम् ।
	२५	६	१९	चं	यू	प्र	६	२	च	दि	१३	२१	२८	३२	२-७ रात कन्या में चं., ध्वज: ।
	२४	७	२०	मं	उ	प्र	६	५५	पं	दि	१३	१४	२७	३३	११-२दिन बुध उदय, प्राजापत्य: । Dस्वचारी गुरु छत्रम् ।
	२१	८	२१	बु	ह	प्र	६	३२	ष	दि	११	५०	२६	३४	साहिब सप्तमी आनन्द: ।
	१९	९	२२	गु	चि	प्र	४	५	स	दि	९	१४	२६	३५	७-५६ प्रात: तुला में चं., चर: ।
	१७	१०	२३	शु	स्वा	प्र	२	४९	अ	दि	५	४२	२५	३५	मुसलम् ।
	१५	११	२४	श	वि	दि	२४	३२	न	दि	१	२०	२४	३६	त्र्यह, दिन कम, ९-५० दिन से वृश्चिक में चं., शूलम् ।
	१३	१२	२५	र	अं	दि	२१	४१	ए	शे	३	४०	२३	३७	षट्तिला११, मृत्यु: । Nगंडांत भारत गणतंत्र,दिवस, काम्य: ।
	१०	१३	२६	चं	ज्ये	दि	१७	५०	द्वा	शे	९	४	२२	[illegible]	२-२० दिन धनु में चं. मूलारंभ, ८-५५ प्रात: ८-५ सायं तकN
	८	१४	२७	मं	मू	दि	१३	४५	त्र	शे	१४	५४	२१	३९	१२-५२दिन मूल समाप्त,भौम प्रदोष, १०-२५से मीन राशि मेंD
	६	१५	२८	बु	पू	दि	९	४६	चं	प्र	७	५०	२०	४०	४-५०दिन मकर राशि में चं., शिव चतुर्दशी, एक, ८-४०सायंW
	४	१६	२९	गु	उ	दि	५	५७	अं	प्र	२	२५	१९	४१	महोदय, मौनी अमावसी सौम्य: । Wसे चं., अस्त श्रीवत्स: ।

श्राद्ध— प्रतिपदा से दशमी तक पहले शेष अपने दिन ।

मध्यान्ह—प्रति. से तृती. तक और सप्तमी से दशमी तक पहले शेष अपने दिन ।

२१ जनवरी साहिब ७ ।

२८ शिव चतुर्दशी एक ।

सप्तर्षि संवत् ५०६२ विक्रमी२०४३ शाका१९०८ ई० १९८७ माघ शुक्लपक्ष २५।५८ मकर में सूर्य । मीन में भौम, गुरु, राहु । कुंभ मे बुध । धनु में शुक्र । वृश्चिक में शनि । कन्या में केतु ।

	राष्ट्र	माघ	जनवरी	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	ग्रह संचार बजे मिनटों में
	१	१७	३०	शु	श्र	दि	२	३८	प्र	दि	२३	३	१८	४२	९-३८रात कुंभ में च., पंचक आरम्भ, १२-५९दिन उदय चं.,
१६	५९	१८	३१	श	श	शे	०	१०	द्वि	दि	१९	२१	१८	४२	आनन्द: । A३-५२दिन कुंभ राशि में बुध, २-७ दिन धनुB
	५७	१९	फ१	र	पूभा	शे	२	३	तृ	दि	१६	७	१७	४३	गौरी तृतीया, १२-५ रात मीन में चं., चर: ।
	५५	२०	२	चं	उभा	शे	३	२	च	दि	१३	५४	१६	४४	त्रिपुरा ४, मुसलम् । Bराशि में शुक्र, चं. दर्शन,गाँधी अन्तर्धानC
	५२	२१	३	मं	रे	शे	२	५४	पं	दि	१२	५१	१५	४५	१ -२५रात गंडांत आरभ,बसन्त पंचमी । कुमार ६, शूलम् ।
	५०	२२	४	बु	अ	शे	१	३३	ष	दि	१३	४	१४	४६	१२-५० दिन गंडांत समाप्त, ६-३७ प्रात: मेष राशि में चं.,O
	४८	२३	५	गु	आ	दि	१	५	स	दि	१४	३५	१३	४७	मानसम् । Oपंचक समाप्त बुधमास और वर्ष भी, मृत्यु: ।
	४६	२४	६	शु	भ	दि	४	५५	अ	दि	१७	१९	१२	४८	३-३७दिन वृष में चं., भीष्म अष्टमी, मुद्गरम् ।
	४४	२५	७	श	कृ	दि	९	५१	न	दि	२१	११	११	४९	ध्वज: । C दिवस, बलिदान दिवस, धौम्य: ।
	४२	२६	८	र	रो	दि	१५	३५	द	दि	२५	४१	११	४९	२-३८ रात मिथुन में चं., प्राजापत्य: ।
	३९	२७	९	चं	मृ	दि	२१	५४	ए	प्र	४	२२	१०	५०	भीमसेन११, जया११,३-३७रात मेष राशि में भौम, आनन्द: ।
	३७	२८	१०	मं	आ	दि	१	३७	द्वा	प्र	६	४०	९	५१	वर: । V६-३९ सायं गंडांत आरम्भ मृत्यु: ।
	३५	२९	११	बु	पु	प्र	७	४९	त्र	प्र	१४	३९	८	५२	२-२२ दिन कर्क में चं., मुसलम् ।
	३२	फ१	१२	गु	ति	प्र	१३	२४	चं	शे	१७	२६	७	५३	ग्रक्षणी१४, गुरु रविदास जन्म, मासान्त शूलम् ।
	२९	२	१३	शु	अ	शे	१९	३४	पू	शे	१४	४	६	५४	५-५९प्रात: संक्रांति । कुंभ में सूर्य, मुहू.१५ तटे, संक्रांति व्रत,T
															T५-३६ प्रात: पूर्णिमा में चं., काक पूर्णिमा, माघ पूर्णिमा,U
															Uमाघ स्नान, ललिता जयन्ती, १-९ रात सिंह में चं.,V

श्राद्ध · प्रतिपदा से दशमी तक पहले शेष अपने दिन ।
मध्यान्ह—अपने अपने दिन ।

१ फर्वरी गौरी तृतीया ।
१३ ,, संक्रान्ति व्रत, माघ पूर्णिमा ।

सप्तर्षि सं. ५०६२ वि २०४३ शाका १९०८ ई० १९८७ फाल्गुण कृष्णपक्ष २७।४ कुंभ में सूर्य बुध, मीन में गुरु, राहु। मेष म भौम। धनु में शुक्र। वृश्चिक में शनि। कन्या में केतु।

	गाधै	फाल्गुन	फरवरी	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१६	२८	३	१४	श	म	शे	१४	५०	प्र	शे	१०	४०	५	५५	७-३० प्रात: गडांत समाप्त, काण्ड: ।
	२६	४	१५	र	यू	शे	११	१३	द्वि	शे	८	२२	५	५५	९-५३ प्रात: हीन चंद्र छत्रम् ।
	२३	५	१६	चं	उ	शे	८	३८	तृ	शे	७	२२	३	५९	९-४३ दिन कन्या में चं., श्रीवत्स: ।
	२१	६	१७	मं	ह	शे	७	२८	च	शे	७	३९	२	५८	संकट ४ सौम्य: ।
	१९	७	१८	बु	चि	शे	७	३२	पं	शे	४	१०	२	५८	३-२०दिन तुला राशि में चं., कालदण्ड: ।
	१६	८	१९	बृ	स्वा	शे	८	३६	ष	शे	११	५१	7 0	6 0	स्थिर: । Aतक गंडांत, काण्ड: ।
	१४	९	२०	शु	वि	शे	१०	४१	स	शे	१५	२९	०	०	७-५४ सायं वृश्चिक में चं., मातंग: ।
	११	१	२१	श	अं	शे	१३	२५	अ	प्र	७	१२	5 6 8	6 2	होरा, अष्टमी, सीता जयन्ती, चक्रेश्वर यात्रा, अमृतम् ।
	८	११	२२	र	ज्ये	प्र	११	३२	न	प्र	१	३६	५७	३	१०-३९ रात से धनु में चं., मूल आरंभ, ५-२दिन से४-५६रातA
	५	१२	२३	चं	मू	प्र	७	२४	द	दि	२३	३३	५६	४	९-१ रात तक मूल, ११-२०रात बुध अस्त, अलापक: ।
	३	१३	२४	मं	यू	प्र	३	१६	ए	दि	१७	४०	५५	५	विजया ११, १२-५१ रात मकर में चं., मैत्रम् ।
१६	०	१४	२५	बु	उ	दि	२७	२०	द्वा	दि	१२	१	५५	५	४-१ दिन मकर राशि में शुक्र, शिव रात्रि, एक, वज्रम् ।
१५	५७	१५	२६	गु	श्र	दि	२	५२	त्र	दि	६	४१	५४	६	शिव १४, एक, ३-४८ रात कुंभ में चं., पंचक आरंभ,२-२६D
	५५	१६	२७	शु	छं	दि	२१	१	चं	दि	१	४९	५	८	त्र्यह:, दिन कम, प्राजापत्य: । Dरात चं. अस्त ध्वज: ।

श्राद्ध — एका. से अमावसी तक पहले शेष अपने दिन ।

२५ फवरी शिव रात्रि, एक ।

सप्तर्षि ५०६२ वि. २०४३ शाका १९०८ ई० १९८७ फाल्गुण शुक्ल पक्ष २८।१६, कुंभ में सूर्य बुध । मीन में गुरु राहु । मेष मे भौम । वृश्चिक मे शनि । मकर में शुक्र । कन्या में केतु ।

	राष्ट्रं	फाल्गुन	फरवरी	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	ग्रह संचार बजे मिनटों में
१५	५२	१७	२८	श	श	दि	१८	५४	प्र	शे	२	१८	५१	६	११-१४ रात उदय चं., आनंद: ।
	४९	१८	म१	र	पू	दि	१७	४०	द्वि	शे	५	३४	५०	१०	८-१दिन मीन में चं., रामकृष्ण परमहंस जयंती, चं.दर्शन,चर: ।
	४७	१९	२	चं	उ	दि	१७	३५	तृ	शे	७	४८	४९	११	मुसलम् । Aसायं तक गडांत, शूलम् ।
	४४	२०	३	मं	रे	दि	१८	४०	च	शे	८	४९	४८	१२	२-१६ दिन मेष में चं., पंचक समाप्त, ८-६ प्रात: से ८-२४ A
	४१	२१	४	बु	अ	दि	२१	१	पं	शे	८	३	४६	१४	मृत्यु: । Pहोलिका दहन, चैतन्य प्रभु जयन्ती,छत्रम् ।
	३९	२२	५	गु	भ	दि	२४	३३	ष	शे	७	०	४६	१४	कुमार ६ व्रत, १०-५९ रात वृष में चं., काम्य: ।
	३६	२३	६	शु	कृ	प्र	०	२७	स	शे	४	८	४५	१५	शुक्र मास, छत्रम् । Sमासान्त, काम्य: ।
	३३	२४	७	श	रो	प्र	५	५४	अ	शे	०	१७	४३	१६	त्रिस्पृक्, दिन अधिक, तैलाष्टमी, श्री वत्स: ।
	३१	२५	८	र	मृ	प्र	१२	४	ग	दि	४	२१	४३	१६	९-५३ दिन मिथुन में चं., होला ८ सौम्य: । Tपूर्णिमा में चं. मृत्यु: ।
	२८	२६	९	चं	आ	शे	१८	५४	न	दि	९	३१	४२	१८	कालदण्ड: ।
	२५	२७	१०	मं	पु	शे	१२	२६	द	दि	१४	४६	४०	२०	९-३७ सायं कर्क में चं., स्थिर: । Nगडांत आरंभ, अमृतम् ।
	२३	२८	११	बु	ति	शे	६	३	ए	दि	१९	४४	४०	२०	अमला११, मातंग: ।
	२०	२९	१२	बृ	अ	शे	०	१४	द्वा	दि	२३	४९	३८	२२	११-३६ दिन उदय बुध, ब्रह्मस्वाप, गोविन्द१२, २-२९ रात सेN
	१७	३०	१३	शु	अ	दि	४	४२	त्र	दि	२७	१६	३७	२३	२-५५ दिन गडांत समाप्त, ८-२९ दिन सिंह में चं., १०-३०T
	१५	चै१	१४	श	मं	दि	८	४	चं	दि	२९	२३	३६	२४	१-२९रात संक्रान्ति,मीन राशि में सूर्य मूह. ३०समुद्रे,थाल बरूनS
	१२	२	१५	र	पू	दि	११	२९	पू	दि	०	३९	३५	२५	संक्रान्ति व्रत, सोंत सिंह पर वाहन, ५-२० दिन कन्या में चं.X
															X११-३६ दिन गुरु अस्त, होली पूर्णिमा, धर्म मनु जन्मP

श्राद्ध – नवमी से १४ तक पहले दिन शेष अपने दिन । ७ मार्च तैल अष्टमी ।

मध्यान्ह – नवमी तथा दशमी का पहले दिन शेष अपने दिन । १५ ,, संक्रा. व्रत, गुरु अस्त ।

सप्तर्षि संवत ५०६२ विक्रमी २०४३ शाका १९०८ ई० १९८७ चैत्र कृष्ण पक्ष २९।४२ मीन में सूर्य, गुरु, राहु । मेष में मंगल । कुम्भ में बुध । धनु में शुक्र । वृश्चिक में शनि । कन्या में केतु ।

	राशि	चैत्र	मार्च	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	ग्रह संचार बजे मिनटों में
	९	३	१६	चं	उ	दि	१२	५५	प्र	प्र	०	१०	३४	२६	श्री वत्सः ।
	७	४	१७	मं	ह	दि	१३	१ः	द्वि	दि	२८	९	३३	२७	११-५४ रात तुला में चं., ६-१४प्रातः हीन चं., सौम्यः ।
	४	५	१८	बु	चि	दि	१२	२३	तृ	दि	२५	२१	३२	२८	संकट ४ कालदण्डः । +कालदंडः ।
	१	६	१९	बृ	स्वा	दि	१०	३५	च	दि	२१	३६	३१	२९	३-५८रात वृश्चिक में चं., स्थिरः । Rकाण्डः ।
१५	०	७	०	शु	वि	दि	७	५१	र	दि	१६	५८	३	३०	४-४० दिन विश्वपद, दिन रात सम, मातंगः ।
१४	५७	८	२१	श	अं	दि	४	३४	ष	दि	११	४७	२९	३१	नवरोज आलम, डा. कर्णसिंह जन्म, १-१२ रात गंडांत आरंभ,W
	५४	९	२२	र	ज्ये	दि	०	५२	स	दि	६	१४	२८	३२	६-४८ प्रातः धनु में चं., मूलारंभ, १२-२४दिन गंडांत समाप्त,R
	५२	१०	२३	चं	यू	शे	३	७	अ	दि	०	२३	२	३३	त्र्यहः, दिन कम, ५-१३रात मूल समाप्त, १२-५२दिन कुम्भ मेंZ
	४९	११	२४	मं	उ	शे	७	१३	द	शे	५	९	२६	३४	९-१०दिन मकर में चं., मानसम् । Zशुक्र, शीतला ८ उन्मूलम्
	४६	१२	२.	बु	श्र	शे	११	१	ए	शे	११	१९	२५	३५	पाप मोचनी ११, छत्रम् । Wअमृतम ।
	४४	१३	२६	ग	धं	प्र	११	३९	द्वा	प्र	७	४३	२४	३६	११-५३ दिन कुंभ राशि में चं., पंचक आरम्भ, ७-२७ प्रातः L
	४१	१४	२७	शु	श	प्र	९	१५	त्र	प्र	३	३९	२३	३७	सौम्यः । Lवृष में भौम श्रीवत्सः ।
	३८	१५	२८	श	यू	प्र	७	४४	चं	प्र	.	१७	२२	३८	३-५४ दिन मीन में चं., ७-२७प्रातः चं. अस्त, वारुणी पर्व+
	३६	१६	२९	र	उ	प्र	७	१७	अं	दि	२८	४७	२१	३९	व्रत अमावसी, विचार नागयात्रा, श्री भट्ट दिवस, चं.Y
															Yसंवत्सर समाप्त स्थिरः । शुभं भवतु सर्व जगताम् । ओं ॥

श्राद्ध—तृतीया से नवमी तक पहले दिन शेष अपने दिन । १८ मार्च संकट ४

मध्यान्ह—पंच. से नवमी तक पहले दिन शेष अपने दिन । २९ .. व्रत अमावसी, संवत्सर समाप्त

(अ) ईश्वर, जीव तथा प्रकृति का ज्ञान होता है।

(आ) सत्य, प्रेम और न्याय के मार्ग दीखते हैं।

(३) माता-पिता तथा गुरु सेवा के कर्तव्य की शिक्षा प्राप्त होती है।

यज्ञोपवीत की बनावट के बारे में :—

(१) शुद्ध क्षेत्र से उपजी (कपस) कपास रुई को लगातार तीन दिन धूप में सुखायें।

(२) यदि कपस न मिले तो गो-माता के दुम के बालों, सफेद ऊन, दर्भा तथा रेशमी तारों का भी यज्ञोपबीत बनाये जाने की विधि है।

(३) यज्ञोपवीत मन्दिरों में, नदी के तट पर, गुरु गृह में, गोशाला, पाठशाला तथा एकान्त में बनाना चाहिए विशेषकर कन्या के हाथ से काता हुआ सूत उत्तम है।

(४) यज्ञोपवीत वनाने वाला स्नान तथा सन्ध्यावन्दन करके यज्ञोपवीत बना सकता है, तीन दिन पूर्व वह ब्रह्मचारी रहे और एक हजार गायत्री का जप करे। साथ ही वह सात्विक अन्न करे या फलाहारी रहे।

यज्ञोपवीत धारण करवाने का समय :—

ब्राह्मण वर्ण से जन्म प्राप्त बालक को सातवें वर्ष की आपु में (सप्तमे वर्षे ब्राह्मणस्य उपायनम्)।

क्षत्रिय वर्ण से जन्म जात बालक को नवें वर्ष की आयु में, और वैश्यवर्ण से जन्मजात बालक को ग्यारहवें वर्ष की आयु में यज्ञोपवीत संस्कार शास्त्रों में अंकित हैं।

यज्ञोपवीत मन्त्र :—धारण करने पर पढ़ना चाहिए।

यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं, प्रजापतेर्यत् सहजं पुरस्तात्।
आयुष्यमग्रयं प्रतिमुंचे शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥
यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य बा
उपवीतेन उपनह्यामि॥

भावार्थ :—यज्ञोपवीत परमपवित्र है। ईश्वर ने इसे सभी के लिए सहज बनाया है। इसके धारण करने से आयु और स्फूर्ति बढ़ती है। बल और तेज प्राप्त होता है और बन्धनों से मुक्ति मिलती हैं। ब्रह्मचारी का कथन है—

तुम यज्ञोपवीत हो मैं तुम्हें भावना से धारण करता हूँ।

प्रधान

१. चण्डीगाम महात्मा यज्ञ—चैत्र शु. प.—षष्ठी
२. स्वामी आत्मा राम गोसानी गुण्ड कार्तिक शु. पक्ष—एकादशी
३. श्री अशोकानन्द नाग दण्डी—पोष शु. प.—प्र.
४. श्री बौन काक श्रा. वैशाख कृ. प.—चु.
५. स्वामी कैलाश कौल बाना मुहल्ला—पौ. व. अमावस
६. स्वामी गोपी नाथ (बव) ज्येष्ट शु.—द्वि.
७. स्वामी नन्द लाल (बव) असूज शु. प.—त्रयो.
८. स्वामी केशव नाथ वडीपोरा—चैत्र. ब नवमी
९. स्वामी विद्याधर यज्ञ आषाड़ शु. प. त्रि
१०. स्वामी लाल जी जयन्ती श्रात्रण शु. प. तृ.
११. स्वामी प्रसाद कौल (ग्रटबब) सावन वदे बाह
१२. श्रीमती सती ददी असूज शु. बाह
१३. स्वामी राम शैव आश्रम, फतेहकदल माघ व चौदाह
१४. स्वामी गाश काक (गौतम नाग) चैत्र व. मावस
१५. ज्यो. केशवभट्ट पितृ पक्ष द्वि.
१६. श्री हरभट्ट शास्त्री आषाढ़ शुदि चौदाह
१७. श्री गोबिन्द कौल यज्ञ. भाद्र कृ. पक्ष चौदाह
१८. श्री शकर साहिब (भट्ट गुण्ड) असूज कृ. प. प्र.
१९. स्वामी हरे कृष्ण यज्ञ असूज शु. प. द्वि.
२०. स्वामी हरे कृष्ण जयन्ती कार्तिक शु. प. काह
२१. स्वामी सर्वानन्द यज्ञ मार्ग. कृ. प. त्रि.
२२. स्वामी जीवन साहिब यज्ञ मार्ग शु प. द्वि.
२३. स्वामी विद्याधर जयन्ती मार्ग शु. प. तृ.
२४. स्वामी नन्दलाल श्राद्ध माघ शु. प., तृ.
२५. स्वामी नन्दलाल जयन्ती फा. शु. अष्टमी
२६. स्वामी कश काक. चैत्र कृ प. नवमी
२७. स्वामी हरि काक जी (कुपवारा) चै. कृ. प. सप्तमी
२८. स्वामी हर काक जी जन्मदिन पितृ पक्ष त्रयोदशी
२९. स्वामी स्वयमानन्द जी जन्म दिन, आषाड़ शु. षष्ठी ।

मानव जीवन पर रत्नों का प्रभाव

रत्न अनेक प्रकार के होते हैं जिनका सम्बन्ध विशेष ग्रहों से होता है। उन रत्नों को जब मनुष्य धारता है तब वे ग्रहों की रश्मियों को मनुष्य शरीर में प्रविष्ट कर देते हैं जिसके फलस्वरूप रत्नधर्ना शुभ प्रभाव का पर्याप्त लाभ उठाता है। यह निम्न लिखित हैं :

विभिन्न अंग्रेजी महीनों में जन्म लेने वाले व्यक्तियों के लिए धारण करने के रत्न

महीनों के नाम		महीनों के नाम	
१ जनवरी	मूंगा (प्रवाल)	७ जुलाई	माणिक
२ फरवरी	एमेथिष्ट	८ अगस्त	गोमेद
३ मार्च	एक्वामरीप्र	९ सितम्बर	नीलम
४ अप्रैल	हीरा	१० अक्तूबर	चन्द्रकामा
५ मई	पन्ना	११ नवम्बर	पुखराज
६ जून	सुलेमान	१२ दिसम्बर	वैदूर्य

विभिन्न ग्रहों के रत्न और धातुएं

ग्रह	रत्न	धातुएं	ग्रह	रत्न	धातुएं
१ सूर्य	माणिक्य	स्वर्ण	६ शुक्र	हीरा	चांदी
२ चन्द्र	मोती	चांदी	७ शनि	नीलम	लोहा शीशा

यज्ञोपवीत संस्कार

तथा

गायत्री मंत्र का संक्षिप्त महत्त्व

"यज्ञोपवीत" जिसे काश्मीरी भाषा में "योन्यि" अथवा "मेखला" कहते हैं, इसे हमारे सनातन हिन्दू धर्म के संस्कारों में उत्तम स्थान प्राप्त है, "अत्रि" महर्षि का कथन है :—

"जन्मना जायते शूद्रः संस्कारात द्विज-उच्यते" अर्थात् कोई भी सनातनी व्यक्ति जन्म से ही द्विज नहीं होता है, माता के गर्भ से छूट कर सभी शूद्र रूप में ही जन्म लेते हैं, श्रेष्ठ संस्कारों को धारण करने से ही सभी का जन्मजात शूद्रभाव ब्रह्मभाव (द्विजभाव) में परिवर्तित हो जाता है, श्रेष्ठ संस्कारों से श्रेष्ठ बनाकर उत्तम कर्मों की ओर प्रवृत्त करने के लिए ही यज्ञोपवीत धारण करवाया जाता है।

यज्ञोपवीत को शास्त्रों में त्रिवृत, व्रतसूत्र तथा ब्रह्मसूत्र इन नामों से भी पुकारा गया है यज्ञोपवीत तीन लड़ियों का बना होता है, प्रत्येक तार (लड़ी) में तीन-तीन तारें और एक ब्रह्मग्रन्थि (ब्रहतगंड) हुआ करती हैं; नौ ही तारें क्यों होती हैं, इस बारे में सामवेदीय 'छन्दोग्यसूत्र" में कहा है :—

यज्ञोपवीतं कुर्वीत सूत्रेण नवतान्तकम् ।
देवताः तत्र वक्ष्यामि आनुपूर्वेण याः स्मृताः

ओंकारः प्रथमे तन्तौ द्वितीयेऽग्निः तथैव च ।
तृतीये नागादैवत्यं चतुर्थे सोमदेवता ।
पंचमे पितृदैवत्यं षष्टे चैव प्रजापतिः ।
सप्तमे मारुतश्चैव अष्टमे सूर्य एव च ।
सर्वे देवास्तु नवमे इत्येता तन्तु देवताः ॥

अर्थात् यज्ञोपवीत ही नौ तन्तुओं में नौ देवताओं का निवास है :—

(१) ओंकार ब्रह्म (२) अग्नि तेज (३) अनन्तधैर्य (४) चन्द्रशीतल प्रकाश (५) पितृगण (६) प्रजापति प्रजापालन (७) वायु (८) सूर्यप्रताप (९) सर्वदेवता समदर्शन ।

इन्हीं नौ देवताओं के नौ गुणों का धारण करना भी नौ तन्तुओं के होने का अभिप्राय है, वे हैं :—

धैर्य, क्षमा, दम, अस्तेय, शौच, इन्द्रियनिग्रह, बुद्धि, विद्या, सत्य, अक्रोध। ये ही धर्म के भी दस लक्षण हैं।

भगवान श्रीराम परशूराम जी से कहते हैं :—

"यस्मादेकगुणं शरासनमिदं सुव्यक्तमुर्वीभुजाम् ।
अस्माकं, भवतो यतो नवगुणं यज्ञोपतीतं वलम् ।

सुशोभित है । हम कैसे हीन बल हीन के कारण ... प्रमाणित होती हैं ।

उपरोक्त "छन्दोग्य सूत्र" में यह भावधारा भी प्रवाहित हुई है :—

"ब्रह्मणोव्यादितं सूत्रं विष्णुना त्रिगुणीकृतम् ।
कृतो ग्रन्थि ! त्रिनेत्रेण गायत्रया चाभिमंत्रितम् ॥"

अर्थ - ब्रह्मा जी ने तीन वेदों से तीन लड़ियों का एक सूत्र बनाया, नारायण ने कर्म-उपासना और ज्ञान से बनाया, महादेव ने गायत्री मंत्र से अभिमंत्रित कर ब्रह्मगांठ से (यज्ञोपवीत को) शक्तिमान बनाया ।

गायत्री मंत्र—

शास्त्रों में गायत्री कल्पवृक्ष मानी गई है । गायत्री मंत्र २४ अक्षरों और नौ पादों की एक अलौकिक शब्द श्रृंखला है, मंत्र यों है :—

ओं भूर्भुवः स्वः तत् सवितुः वरेण्यं,
भर्गोदेवस्य धीमहि धियो योनः प्रचोदयात् (यजु. अ. ३६ । मंत्र ३ ॥)

विशेष अर्थ :— ओं का अर्थ ईश्वर, भूः— आत्मज्ञान, भुवः— कर्मयोग, स्वः—समाधि, तत्—जीवन, सवितुः—शक्ति संचय, वरेण्यं—श्रेष्ठता, भर्गः—निर्मलता, देवस्य—दृष्टि, धीमहि—सद्गुण, धिया—विवेक, योनः—संयम्, प्रचोदयात्—सेवा ॥

गायत्री मंत्र गुरुमंत्र माना जाता है। यज्ञोपवीत धारण कराते समय जो वेदारम्भ किया जाता है। वह (100 गायत्री मंत्र से ही आरम्भ होता है। जैसे यज्ञोपवीत में तीन लड़ियाँ होती हैं वैसे ही गायत्री मंत्र के भी तीन चरण है, वे हैं :—

तत् सतितुः वरेण्यं—पहिला चरण, भर्गो देवस्य धीमहि—दूसरा चरण, धियो यो नः प्रचोदयात् - तीसरा चरण।

गायत्री मंत्र में तीन व्याहृतियाँ हैं, वे हैं—भूः, भुवः, स्वः और एक प्रणव ओंकार है।

(ओं) प्रणव (ओंकार) को गुरुस्थान प्राप्त है, प्रणव का सन्देश है ईश्वर सम्पूर्ण जगत् में व्याषक है, मानव को निष्काम करना चाहिए तथा मन उदार और शान्त रखना चाहिए।

(भूः) का तात्पर्य है :—शरीर पर कोई विश्वास न रखकर, आत्मबल बढ़ाने का मार्ग पकड़ना चाहिए और सत्कर्मों की ओर ध्यान देना चाहिए।

(भुवः) से सन्देश मिलता है—पवित्र आदर्श अपनाने चाहिएं, पाप कर्मों का निवारण करना चाहिए।

(स्वः) से अभिप्राय है :—विचार और शुद्ध बुद्धि द्वारा सत्य का परिचय प्राप्त करना चाहिए।

यही चतुर्मुखी नीति यज्ञोपवीत से झलकती है। जिससे यज्ञोपवीतधारी को निम्नांकित लाभ प्राप्त हैं :—

वार	हो १	हो. २	हो. ३	हो. ४	हो. ५	हो. ६	हो. ७	हो. ८	हो. ९	हो. १०	हो. ११	हो. १२	हो. १३	हो १४	हो. १५	हो १६	हो. १७	हो. १८	हो १९	हो. २०	हो. २१	हो. २२	हो. २३	हो. २४
र.	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु
चं.	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	म	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु
मं.	मं	र	श	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु
बु.	बु	चं	श	गु	म	र	शु	बु	च	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श
गु.	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र
शु	श	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	चं	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	चं
श	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं	र	शु	बु	र	श	गु	मं	र	शु	बु	चं	श	गु	मं

बिना सारणी के किसी वार को अभीष्ट होरा निकालने का नियम :

किसी भी वार का प्रथम होरा वारेश (उसी वार) से प्रारम्भ होता है। उस वार से विपरीत क्रम से वारों को एक-एक के अन्तर से गिनें। जैसे, बुधवार को प्रथम होरा बुध का तत्पश्चात् विपरीत क्रभ से मंगल को छोड़ कर सोम (चन्द्र) का होरा होगा एवं रवि को छोड़ कर शनि का होरा होगा। इसी क्रम से आगे शेष २१ होरा उस दिन व्यतीत होंगे।

श्राद्ध संकल्प

शुक्लाम्बरधरं बिष्णुं शशिवणं चतुर्भुजम् । प्रसन्न वदन ध्यायेत् सर्वविघ्नोपशान्तथे । अभिप्रेतार्थं सिद्धयर्थं पूजितो यः सुरैरपि सर्वविघ्नच्छिदे तस्मै श्री गणाधिपतये नमः ॥

गुरुः ब्रह्मा गुरुः विष्णुः गुरुः साक्षात् महेश्वरः
गुरुः एव जगत् सर्वं तस्मै श्री गरवेनमः ॥
गुरवेनमः, परमगुरवे नमः आदि सिद्धिभ्योनमः

(अपने पैरों ओर मुंह को जल से छिड़कते हुए पढ़ें)

तीर्थे स्नेयं तीर्थमेव समानानां भवति मानः शंस्योः अरुरुषोः धूर्तिः प्राणङ् मर्त्यस्य रक्षाणो ब्राह्मणस्पते ॥

(पवित्र पहनते हुए पढ़ें)

वसोः पवित्रमसि शतधारं वसूनां पवित्रमसि सहस्रधारं अयक्ष्मा वः प्रजया संसृजामि रायस्पोषेण बहुला भवन्तीः ।

(अपने आप को तिलक और फूल लगाते हुए पढ़ें)

परमात्मने पुरुषोतमाय पंचभूतात् मकाय विश्वात्मने मन्त्रनाथाय आत्मने नारायणाय आधारशक्त्यै" समालबन्धं गन्धोनमः अर्घोनमः पुष्पंनमः

(दीप को तिलक और फूल लगाते हुए पढ़ें)

स्वप्रकाशो महादीपः सर्ववस्तुतिमिरापहः ।
प्रसीद मम गोविन्द दीपोयं प्रतिकल्पितः ॥

(धूप को तिलक और फूल लगाते हुए पढ़ें)

वनस्पतिरसोदिव्यो गन्धाढ्यो गन्धवत्तमः ।
आधारः सर्व देवानां धूपोयं परिकल्पितः ॥

(सूरज भगवान का ध्यान करते हुए उसकी तरफ या निर्माल्य में तिलक और फूल लगाते हुए पढ़ें)

नमोधर्म निधानाय नमः स्वकृतसाक्षिणे ।
नमः प्रत्यक्षदेवाय भास्कराय नमो नमः ॥

(किसी पात्र से निर्माल्य में जल डालते हुए पढ़ें)

यत्रास्ति माता न पिता न बन्धुः भ्रातापि नो यत्र सुहृत् जनः च । न ज्ञायते यत्र दिनं न रात्रिः तत्रात्मदीपं शरणं प्रपद्ये ॥ आत्मने नारायणाय आधार

शक्तयै धूपदीपसंकल्पात् सिद्धिरस्तु दीपोनभः धूपोनमः ॥

ओं तत् सत् ब्रह्म अद्यतावत् तिथौ अद्य......मासस्य ......पक्षस्य, तिथौ......,......वासरान्वितायां सर्वे देवाः सन्तोषणार्थं धूपदीपसंकल्पात् सिद्धिरस्तु दीपोनभः ॥

नमः पितृभ्यः प्रेतेभ्यो, नमोधर्माय विष्णवे ।
नमो यमाय रुद्राय, कान्तारपतये नमः ॥

ओं तत् सत् ब्रह्म अद्य तावत् तिथौ अद्य......मासस्य ...पक्षस्य तिथौ...,...वासरान्वितायाम् (नाम ले) पित्रे, पितामहाय, प्रपितामहाय, मात्रे, पितामह्यै, प्रपितामह्यै, मातामहाय प्रमातामहाय वृद्ध प्रामतामह्यै, (और भी कोई हो सब का नाम लेते रहे) समस्त माता पितृभ्यो द्वादश देवताभ्यः, पितृभ्यः नित्यकर्म निमित्ते दीपः स्वधाः धूपः स्वधा ॥

इस प्रकार तर्पण करके अब जिस के निमित्त संकल्प करना हो,चाहे वार्षिक श्राद्ध हो या कन्यार्क गत केवल उसी का नाम गोत्र समेत इस प्रकार लेते हुए संकल्प का जल दान वस्तु पर डालते रहें और पढ़ते रहें :—

ॐ तत् सत् ब्रह्म अद्य तावत् तिथौ अद्य...मासस्य ......पक्षस्य तिथौ......वासरान्वितायां पितुः...... जिसका श्राद्ध हो)... तस्य सांवत्सरिके श्राद्धे (या कन्यार्कगत के अपरपक्षके श्राद्धे) परलोके वैकुण्ठ पदवी प्राप्त्यर्थं आत्मनः पुण्यवृद्धयर्थं इदं अन्नं सवस्त्रंफलमूलदक्षिणादिसहितं सर्वोपस्कारयुतं संकल्पयामि संकल्पयामि संकल्पयामि ।

(फिर दायें बाजू में यज्ञोपवीत रखकर तर्पण करें)

नमो ब्रह्मणे नमो अस्तु अग्नये नमः पृथिव्यै नमः औषधिभ्य नमोवाचे नमो वाचस्पतये नमो विष्णवे बृहते कृणोमि । इति एतासामेव देवतानां सार्ष्टिं सायुज्यं सलोकतां सामर्थ्यं आप्नोति यः एवं विद्वान् स्वाध्यायं अधीते । ओ३म् शान्तिः ३॥

(इस प्रकार तर्पण करके तर्पण के जल के छींटे मुंह पर डाल कर सूरज भगवान को नमस्कार करें)

।अथ नैवेद्य मन्त्रा: ।

(दोनों हाथों से नैवेद्य ग्रहण कहते हुए पढ़ें ।) (112

अमृतेशमुद्रयाऽमृतीकृत्य अमृतमस्तु अमृतायतां नैवेद्यं सावित्राणि सावित्रस्य देवस्य त्वा सवितु: प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्यामददे, महागणपतये कुमाराय श्रियै सरस्वत्यै लक्ष्म्यै विश्वकर्मणे द्वारदेवताभ्य: प्रजापतये ब्रह्मणे कलशदेवताभ्य: ब्रह्मविष्णुमहेश्वरदेवताभ्य: चातुर्वेदेश्वराय ऋतुपतये नारायणाय दुर्गायै त्र्यम्बकाय वरुणाय तत्पुरुषाय अग्निष्वात्तादिभ्य: पितृगणदेवताभ्य: ॐ भगवते वासुदवाय लक्ष्मीसहिताय नारायण, भवाय देवाय पार्वतीसहिताय परमेश्वराय विनायकाय बल्लभासहिताय श्रीगणेशाय क्लीं क्रां कुमाराय भगवते ह्रां ह्रींस: सूर्याय प्रभासहिताय आदित्याय भगवत्यै अमायै कामायै चर्वङ्ग्यै टंकधारिण्यै तारायै पार्वत्यै यक्षिण्यै श्रीशारिकाभगवत्यै श्रीशारदाभगवत्यै श्रीमहाराज्ञीभगवत्यै श्रीज्वालाभगवत्यै व्रीडाभगवत्यै वैखरीभगवत्यै गंगाभगवत्यै यमुनाभगवत्यै कालिकाभगवत्यै सिद्धलक्ष्म्यै महालक्ष्म्यै महात्रिपुरसुन्दर्यै सहस्रनाम्न्यै देव्यै भवान्यै अभयकरीदेव्यैं क्षेमंकरीभगबत्यै सर्वशत्रघातिन्यै इहराष्ट्राधिपतयें अमुरूभैरवाय इन्द्रादिभ्यो दशलोकपालस्य: आदित्यादिभ्यो नवग्रहदेवताभ्य: ब्रह्मध्रुवाभ्यां अनन्तागस्त्याभ्याँ ब्रह्मणे कूर्माय ध्रुवाय हरये लक्ष्म्यै कमलायै शिक्षादिभ्य: पञ्चवत्वारिंशिद्वास्तोष्पतियागदेवताभ्य ब्रह्मादिभ्य: मातृभ्य: गौर्यादिभ्य: मातृभ्य:, ललितादिभ्य: मातृभ्य दुर्गाक्षेत्रगणेश्वरदेवताभ्य: राकादेवताभ्य: त्रिकादेमताभ्य: सिनीवालीदेवताभ्य: यामीदेवताभ्य: रौद्रीदेवताभ्य: वारुणीदेवताभ्य: वार्हस्पत्यदेवताभ्य: । ॐ भूर्देवताभ्य: ॐभुवो देवताभ्य: ॐस्वदेताभ्य: ॐ भूर्भुवस्वर्देवताभ्य: अखण्डब्रह्माण्डयागदेवताभ्य: महागायत्र्यै सावित्र्यै सरस्वत्यै हेरकादिभ्य: वटुकादिभ्य उत्पन्नममृतं दिस्यं प्राक्क्षीरोदधिमन्यवात् अन्नममृतरूपेण नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम (इष्ट देवता का ध्यान करते हुए पढ़ें) ओं तत्सद् ब्रह्म यद्यतावात तिथौ अद्य अमुक मासस्य-अमुकपक्षस्य, तिथौ अमुकायां, आत्मनो वाङ्मन: कायोपार्जितपापनिवारणार्थं ॐ नमो नैवेद्यं निवेदयामि नम: । (चूटू रखते हुए पढ़ें) या काचित् योगिनी रौद्रा सौम्य घोरतरा परा, खेचरी भूचरी रामा तुष्टा भवन्तु मे सदा, आकाशमातृभ्य: अन्नं नम: समालंबन्धं गन्धो नम: अर्घो नम: पुष्पं नम: ।

आकाश में चमकते हुए तारे सितारे हमारे लिए आश्चर्य का विषय हैं। आकाश में छाए हुए तारे दो प्रकार के हैं। एक वे हैं जो अपने स्थान पर स्थिर रहते हैं तथा टिमटिमाते रहते हैं। इस प्रकार के तारों को नक्षत्र कहते हैं यह संख्या में २८ हैं। दूसरे वे हैं जो चलते हैं इन के चलने में एक निश्चित चाल है तथा एक निश्चित मार्ग है। यह संख्या में ९ है। इन्हें ग्रह कहते है। सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा लगाते रहते हैं। हमारी पृथ्वी भी उन्हीं ग्रहों में से एक है। सारे ग्रह अपनी धुरी के ऊपर भी परिभ्रमण करते हैं। कुछ तारे ऐसे हैं जो इन ग्रहों के चारों ओर चक्कर लगा रहे हैं। इन्हें उपग्रह कहते हैं। आकाश में छाए असंख्य तारों में से सूर्य ग्रहों तथा उपग्रहों को सौर मण्डल कहते हैं। ज्योतिष शास्त्र के निर्माताओं जैसे – आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त वसुगुप्त, वराहमिहरादि आचार्यों ने जो कुछ भी लिखा है उस का विवरण इस प्रकार से है।

ग्रहों के बारे में उपयोगी जानकारी

ग्रह	सूर्य से दूरी कि मीटर	ग्रह का व्यास कि० मी०	परिभ्रमण का समय दिन	सूर्य की परिक्रमा का समम दिन	उपग्रह
बुध	५.८ करोड़	४.९ हजार	८८ दिन	८८	—
शुक्र	१०.८ ,,	१२.४ ,,		२२५	—
पृथ्वी	१५.० ,,	१२.८ ,,	२३.९ घंटे	३६५.२५	१
मंगल	२२.८ ,,	६.८ ,,	२४.६ दिन	६८७.२८	२
गुरु	७७.७ ,,	१४२.७ ,,	९.९ ,,	११.९ वर्ष	१२
शनि	१३८.२ ,,	११५.१ ,,	१०.४ ,,	२९.५ वर्ष	९
यूरेनस	२८६.८ ,,	५१.५ ,,	१०.७ ,,	८४.०० ,,	५
नेपचुन	४४९.७ ,,	४४.६ ,,	१५.८ ,,	१६४.८ ,,	२

पृथ्वी के बारे में उपयोगी जानकारी

यह पृथ्वी भी उन नौ ग्रहों में से एक है जो सूर्य की परिक्रमा लगा रहे हैं। इस पृथ्वी पर हम रह रहे हैं। अतः इस के विषय में आप को बता रहे हैं।

१. पृथ्वी के धरातल का क्षेत्रफल ५१.२ करोड़ वर्ग किलोमीटर है। २. पृथ्वी के दोनों किनारे ध्रुव कहलाते है। एक उत्तरी ध्रुव दूसरा दक्षिणी ध्रुव हैं। पृथ्वी का ध्रुवीय अर्ध व्यास ६३५७ किलोमीटर है। ३. पृथ्वी की ध्रुवीय परिधि ४००२४ किलोमीटर है। ४. पृथ्वी की पूर्व से पश्चिम की ओर रेखाओं की कल्पना की गई है जिसे विषुग्रत वृत्तीय रेखा का नाम दिया गया है। इससे पथ्वी के किसी भी स्थान की जानकारी आसानी से की जा सकती है। इस विषुवत वृत्तीय का अर्धव्यास (पूर्व से पच्छिम का अर्धव्यास) ६३७८ किलोमीटर है। ५. इस विषुवृत वृतीय की परिधी (पूर्व से पच्छिम की) ४००७५ कि०मी० है। ६. अन्यग्रहों की तरह सूर्य की परिक्रमा पूरी करने में पृथ्वी को ९६ करोड़ कि०मी० का सफर पूरा करना पड़ता है। यह ९६ करोड़ कि०मी० का सफर ३६५ दिन ६ घंटे ९ मिन्ट में पूरा करती है। जिस प्रकार पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा कर रही है इसके साथ वह एक लट्टु की तरह अपनी धुरी पर अपने चारों ओर परिभ्रमण भी कर रही हैं अपनी धुरी के परिभ्रमण पर इसे १३ घंटे ५६ मिन्ट ४ सेकण्ड लगते हैं। यह परिभ्रमण पच्छिम से पूर्व की ओर घूम कर पूरा करती है।

गण्डमूल नक्षत्र विचार

अश्विनी, मघा तथा मूल नक्षत्र की आरम्भ की क्रम से ३, ४ तथा ९ घटी तथा रेवती, आश्लेषा तथा ज्येष्ठा की क्रमशः अन्त की ४, ११ तथा ६ घटी में कोई बालक उत्पन्न हो तो माता-पिता तथा परिवार के लिए हानिकारक होता है। जन्म से १२वें या २७वें दिन मूल शान्ति करनी चाहिए। शान्ति से पहले पिता लड़के का मुख न देखे। उपर्युक्त सभी नक्षत्रों में उत्पन्न बालक की मूल शान्ति करनी चाहिए। सुवर्ण तथा गोदान भी करना चाहिए।

मघा चरण फल

चरण	फल
१	माता को नेष्ट
२	पितृ को भय
३	सुख
४	धन विद्या सुख

ज्येष्ठा चरण-फल

चरण	फल
१	बड़े भ्राता को नेष्ट
२	छोटे भ्राता को नेष्ट
३	मातृ-नाश
४	स्वयं नाश

मूल पाद फल

आश्विन चरण-फल

चरण	फल
१	पिता को भय
२	सुख ऐश्वर्य
३	मन्त्री पद
४	राज सम्मान

आश्लेषा चरण-फल

चरण	फल
१	शांति से शुभ
२	धन-नाश
३	मातृ-नाश
४	पितृ-नाश

मूल चरण फल

चरण	फल
१	पितृ-नाश
२	मातृ-नाश
३	यश-नाश
४	शांति से सुख

रेवती चरण फल

चरण	फल
१	राज सम्मान-सुख
२	मंत्रित्व प्राप्ति
३	धन सुख प्राप्ति
४	अनेक कष्ट

सर्व कार्य सिद्धि के लिए होरा मुहूर्त

सर्व कार्य-सिद्धि के लिए होरा-मुहूर्त पूर्ण फलदायक और अचूक माने गए हैं। सात ग्रहों के सात होरा हैं जो दिन-रात के २४ घण्टों में घूमकर मनुष्य को कार्य-सिद्धि के लिए अशुभ समय में भी सुसमय सुअवसर प्रदान करते हैं। सूर्य का होरा राज-सेवा के लिए उत्तम है, प्रवास के लिए शुक्र का होरा, ज्ञानार्जन के लिए बुध का होरा, सर्व कार्य सिद्धि के लिए चन्द्रमा का होरा, द्रव्य-संग्रह के लिए शनि का, विवाह के लिए गुरु का तथा युद्ध कलह और विवाद के लिए मंगल का होरा, उत्तम होता है। प्रत्येक होरा १ घण्टे का होता है। जिस दिन जो 'वार' होता है उस वार के (सूर्योदय के समय) १ घण्टा तक उसी वार का होरा रहता है। उसके बाद १ घण्टे का दूसरा होरा उस वार से छठे वार का होता है। इसी प्रकार दूसरे होरे के वार से छठे वार का होरा तीसरे घंटे तक रहता है। इस क्रम से २४ घंटे में २४ होरा बीतने पर अगले वार के सूर्योदय-समय उसी (अगले) वार का होरा आ जाता है। जिस कार्य की सिद्धि के लिए ऊपर जो होरा श्रेष्ठ लिख आए हैं, किसी भी दिन उस होरा के १ घंटे-मुहूर्त में वह काम करेंगे तो सफलता आपके साथ रहेगी। प्रत्येक वार के २४ घण्टों का होरा चक्र नीचे भी दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए मान लीजिए, आज गुरुवार है, और आज ही आपको कहीं प्रवास करना (जाना) है। ऊपर प्रवास के लिए शुक्र का होरा श्रेष्ठ लिख आये है, अतः मालूम करना है कि आज गुरुवार के दिन शुक्र का होरा किस-किस समय रहेगा। चक्र के गुरुवार के सामने खाने में देखा तो चौथे, ग्यारहवें घंटे में शुक्र का होरा मिला।

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

वाल्मीकी रामायण 24 हजार श्लोकों का महान् ग्रन्थ है, उसमें वाल्मीकी जी ने एक हजार श्लोकों में गायत्री
मन्त्र के एक एक अक्षर की व्याख्या की है, ऐसे ही भागवत के 12 स्कन्दों में भी हर स्कन्द में गायत्री मन्त्र के दो दो अक्षरों
की व्याख्या है, इसी से ज्ञात होता है कि गायत्री मन्त्र का अर्थ कितना गम्भीर और विशाल होगा, तो भी मैं यहाँ एक दो
पंक्तियों में संक्षेप रूप से अर्थ लिखने का साहस करूंगा।

अर्थ :—मैं उस शक्ति का चिन्तन करता हूँ जो शक्ति ओ३म्=ब्रह्मरूप है। भूर्भुवः स्वः=जो शक्ति तीनों
लोकों में व्याप्त है। तत्=जिसको वेद "तत्" नाम से पुकारते हैं। सविता=जो शक्ति इस सृष्टि को बनाती है, पालन
करती है, नाश करती है। वरेण्यम्=जो वरण करने के योग्य है। भर्गः=जो तेजो रूप है। देवः=जो द्योतनशील है या
जो शक्ति ऐश्वय देने वाली है, ऐसी ही उस महान् शक्ति का, धीमहि=चिन्तन करता हूँ कि वह शक्ति, धियः=मेरी
बुद्धि को, प्रचोदयात्=सत् कर्मों में लगाए।

ब्राह्मी विद्या

गुरु अपने शिष्य को ब्रह्म सम्बन्धित जो
करता है ...

ॐ ॐ ॐ त्रिगुणपुरुष क्षेत्रचर मोहं भिन्धि रजस्तमसी भिन्धि प्राकृतपाशजालं सावरणं परिहर सत्वं ग्रहणपुरुषोत्तमोसि सोमसूर्यनल प्रवरपरमधामन् ब्रह्मविष्णुमहेश्वरस्वरूप सृष्टिस्थिति संहारकारक भ्रूमध्यनिलय तेजोसि धामासि-अमृतात्मन् ॐ तत्सत् हँसः शुचिषत् वसुरन्तरिक्षसत् होता वेदिषदतिथिर्दुरोणसत्। नृषत्-वरसदृतसद्व्योमसदब्जा गोजा ऋतजा अद्रिजा ऋतं परब्रह्म स्वरूप सर्वगत सर्वशक्ते सर्वेश्वर सर्वेन्द्रियग्रन्थिभेदं कुरु कुरु परमं पदं परामर्शय परमार्गं ब्रह्म द्वारं सर कुमार्गं जहि षट्-कोशिकं शरीरं त्यज शुद्धोसि बुद्धोसि विमलोसि क्षमस्व स्वपदमास्वादय-आस्वादय स्वाहा।

मुखप्रक्षालणविधिः—शौच आदि से निवृत होकर बायां पैर धोते हुए पढ़ें "नमोस्त्वनन्ताय सहस्रमूर्तये सहस्रपादाक्षि-शिरोरुबाहवे । सहस्र-नाम्ने पुरुषाय शाश्वते, सहस्रकोटी-युगधारिणे नमः ।। दायां पैर धोते हुए पढ़ें:- नमः कमल-नाभाय-नमस्ते जलशायिने । नमस्ते केशवानन्त-वासुदेव नमोस्तुते ।। मुख धोते हुए पढ़ें:—गङ्गा, प्रयाग, गयनैमिष-पुष्करादि-तीर्थानि यानि भुविसन्ति-हरिप्रसादात्, आयान्तु तानि करपद्मपुटे मदीये प्रक्षालयन्तु वदनस्य निशाकलङ्कम् । तीर्थे स्नेयं तीर्थमेव समानानां भवति मा नः शंस्यो अररुषो धूर्तिः प्रणक् मर्त्यस्य रक्षाणो ब्रह्मणस्पते । मुह धोकर यज्ञोपवीत धोते हुये तीन बार पढ़ें: "ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्" यज्ञोपवीत गले में फिर से धारण करते हुये पढ़ें:—यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत् सहजं पुरस्तात्-आयुष्यम्-अग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं, यज्ञोपवीतं बलम्-अस्तु तेजः । यज्ञोपवीतम्-असि, यज्ञस्यत्वा-उपवीतेन-उपनह्यामि ।। मुखप्रक्षा-लण करके स्नान कीजिए, हिन्दू जीवन का प्रारम्भ स्नान से ही होता है और अन्त भी स्नान से ही ।

* नित्यप्रार्थनाविधि *

पूर्व दिशा की ओर मुख करके धूपदीप जला कर शुद्ध आसन पर पद्मासन से बैठ कर आदिदेवभगवान गणेश का ध्यान करके पढ़ें:—शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम्, प्रसन्नवदनं ध्याये सर्वविघ्नोपशान्तये। अभिप्रेतार्थसिद्ध्यर्थं पूजितो यः सुरैर्-अपि, सर्वविघ्नच्छिदे तस्मै गणाधिपतये नमः ।१। बिभ्रत्-दक्षिणहस्तपद्म-युगले दन्ताक्षमाले शुभे, वामे मोदक-पूर्णपात्र-परशु नागोपवीती-त्रिदृक्, श्रीमान्-सिंहयुगासनः श्रुतियुगे शंखौ वहन, मौलिमान दिश्यात्-ईश्वरपुत्र-ईशभगवान् लम्बोदर शर्मनः ।२। सिन्दूर-कुंकुम-हुताशन-विद्रुमार्क-रक्ताब्ज-दाडिमनिभाय चतुर्भुजाय

हेरम्बवीरव-गणेश्वर-नायकाय, सर्वार्थसिद्धि-फलदाय। गणेश्वराय ।३। इत्युवं द्वादश-नामानि गणेशस्य महात्मनः । यः पठेत्-तु शिवोक्तानि स लभेत्सिद्धिम्-उत्तमाम् ।४। प्रथमं वक्रतुण्डं तु चैकदन्तं द्वितीयकम्, तृतीयं कृष्णपिंग तु चतुर्थं च कपर्दिनम्, लम्बोदरं पञ्चमं तु षष्ठं विकटम्-एव च सप्तमं विघ्नराजेन्द्र धूम्रवर्णं तथाष्टमम्, नवमं भालचन्द्र तु दशमं तु विनायकम्, एकादशं गणपतिं द्वादशं मन्त्रनायकम्-पठते शृणुते यस्तु गणेश- स्तवम्-उत्तमं, भार्यार्थी लभते भार्यां धनार्थी विपुलं धनम्, पुत्रार्थी लभते पुत्रं मोक्षार्थी परमं पदम्, इच्छाकामं तु कामार्थी धर्मार्थी धर्मम्-अक्षयम् ।५। सुमुखश्चैक-दन्तश्च कपिलो गजकर्णकः । लम्बोदरश्च विकटो विघ्नराजो गणाधिपः । धूम्र-केतु-र्गणाध्यक्षो भालचन्द्रो गजाननः द्वादशैस्तानि-नामानि गणेशस्य महात्मनः, यः पठेत्-शृणुयात्-वापि स लभेत्-सिद्धिम्-उत्तमाम् । विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा, संग्रामे संकटे चैव विघ्नस्तस्य न जायते ।

हेमजासुतं भजे गणेशं ईशनन्दनम्

श्रीगणेशस्तुतिः—एकदन्त-वक्रतुण्डनागयज्ञ सूत्रकम् । रक्तगात्र-धूम्रनेत्र शुक्लवस्त्र-मण्डितम्-कल्पवृक्ष-भक्तरक्ष ! नमोस्तु ते गजाननम् ।१। पाशपाणि-चक्रपाणि-मूषकादि- रोहिणम् । अग्निकोटि, सूर्य-ज्योति, वज्र-कोटिनिर्मलम् । चित्रमाल, भक्तिजाल, भालचन्द्रशोभितम् । कल्पवृक्ष, भक्तरक्ष, नमोस्तु ते गजाननम् २। भूतभव्य, हव्यकव्य-भृगुभार्गवार्चितम् । दिव्यवह्नि-कालज्वाललोकपाल-वन्दितम् । पूर्णब्रह्म-सूर्यवर्ण पूरषं पुरान्तकम् । कल्पवृक्ष, भक्तरक्ष, नमोस्तु ते गजाननम् ३। विश्ववीर्य, विश्वसूर्य, विश्वकर्म निर्मलम् । विश्वहर्ता, विश्वकर्ता यत्र तत्र पूजितम् । चतुर्मुखं चतुर्भुजं सेवितुं चतुर्युगम् । कल्पवृक्ष, भक्तरक्ष, नमोस्तु ते गजाननम् ४।

(नोट.– यह उपरलिखित गणेशस्तुति व्याकरण के अनुसार यद्यपि अशुद्ध भी है परन्तु काश्मीर में भगतजन प्रायः इस स्तुति

का बड़ी श्रद्धा से गायन करते हैं, श्रद्धा का फल विधि नधिधि पुष्टि बढ़ाने के लिये रामबाण का काम देता है। (१८)

* विष्णुप्रार्थना *

सप्तश्लोकीगीता—ओमित्येकाक्षरं ब्रह्म व्याहरन्माम्- अनुस्मरन् । यः प्रयाति त्यजन्-देहं स याति परमां गतिम् ।१। स्थाने हृषीकेश तव प्रकीर्त्या जगत्-प्रहृष्यत्यनुरज्यते च, रक्षांसि भीतानि दिशो द्रवन्ति, सर्वे नमस्यन्ति च सिद्धसंघाः ।२। सर्वतः पाणिपादं तत् सर्वतोक्षि-शिरोमुखम् । सर्वतः श्रुतिमल्लोके सर्वम्-आवृत्य तिष्ठति ।३। कविं पुराणम्-अनुशासितारम्-अणोरणीयान्सम्-अनु-स्मरेत्-यः । सर्वस्य धातारम्-अचिन्त्यरूपम्-आदित्यवर्णं तमसः परस्तात् ।४। ऊर्ध्वमूलम्-अधः शाखम्-अश्वत्थं प्राहुर्-अव्ययम् । छन्दांसि यस्य पर्णानि यस्तं वेद स वेदवित् ।५। सर्वस्य चाहं हृदि सन्निविष्टो मत्तः स्मृतिर्ज्ञानम्-अपोहनं च, वेदैश्च सर्वैर्-अहमेव वेद्यो, वेदान्तकृत्-वेदवित्-एव चाहम् ।६। मन्मना भव मत्-भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु । माम्-एवैष्यसि युक्त्वैवम्-आत्मानं मत्परायणः ।७। ओ३म् तत्-सत् इति श्रीमत्-भगवत्-गीता सूपनिषत्सु-ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुन-संवादे सप्तश्लोकी गीता समाप्ता ।

ध्येयः सदा सवितृमण्डलमध्यवर्ती नारायणः सरसिजासन-सन्निविष्टः। केयूरवान्-कनक-कुण्डलवान्-किरीटी हारी हिरण्मयवपु-धृ तशङ्खचक्रः ।१। नमामि नारायणपाद-पंकजं करोमि नारायणपूजनं सदा । वदामि नारायणनाम निर्मलं, स्मरामि नारायण-तत्त्वम्-अव्ययम् । करारविन्देन पदारविन्दं मुखारविन्दे विनिवेशयन्तम् । अश्वत्थपत्रस्य पुटे शयानं बालं मुकुन्दं मनसा स्मरामि ।३। कायेन वाचा मनसेन्द्रियैर्वा बुद्ध्यात्मना वा प्रकृतिस्वभावात्, करोमि यत् यत् सकलं परस्मै नारायणायेति समर्पयामि ।४। हा कृष्ण मनसि वासिन् क्वासि यादवनन्दन । इमाम्-अवस्थां संप्राप्तम् अनाथं किं न रक्षसि ।५। या त्वरा द्रौपदीत्राणे या त्वरा गजमोक्षणे । मयि दीने दीनबन्धो सा त्वरा क्व गता हरे ।

जय नारायण जय पुरुषोत्तम जय वामन कंसारे, उद्धर मामसुरेशविनाशिन् पतितोऽहं संसारे । घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं, माम् - अनुकम्पय दीनम् - अनाथं कुरु भवसागरपारम् ।१। जय जय देव जयासुर - सूदन जय केशव जय विष्णो । जय लक्ष्मीमुख-कमलमधुव्रत जय दशकन्धरजिष्णो घोरं हर० ।२। यद्यपि सकलम् अहं कलयामि हरे नहि किम्-अपि स सत्वम् । तद्-अपि न मुञ्चति मामिदम् - अच्युत पुत्रकलत्र ममत्वं घोरं हर० ।३। पुनर् - अपि जननं पुनर् - अपि मरणं पुनर् - अपि गर्भनिवासम् । सोढुम् - अलंपुनर् -अस्मिन्माधव माम्-उद्धर निजदासम् घोरं हर० ।४। त्वं जननी जनकः प्रभुर् -अच्युत त्वं सुहृद् - कुलमित्रम् । त्वं शरणं शरणागतवत्सल त्वं भवजलधि - वहित्रं घोरं हर० ।५। जनक - सुतापति-चरण-परायण शङ्कर-मुनिवरगीतं धारय मनसि कृष्णपुरुषं जय वारय संसृतिभीतिम् घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं-माम्-अनुकम्पय-दीनम्-अनाथं कुरुभव-सागर-पारम् ।६।

अच्युतं केशवं रामनारायणं कृष्णदामोदरं वासुदेवं हरिम् । श्रीधरं माधवं गोपिकावल्लभं जानकीनायकं रामचन्द्रं भजे ।१। अच्युतं केशवं सत्यभामाधवं श्रीधरं श्रीपतिराधिकाराधितम् । इन्दिरामन्दिरं चेतसा सुन्दरं देवकीनन्दनं नन्दजं सन्भजे ।२। अङ्गनाम्-अङ्गनाम्-अन्तरे माधवो, माधवं माधवं चान्तरेणाङ्गना इत्थमा - कल्पिते मण्डले मध्यगः, सञ्जगौ वेणुना देवकीनन्दनः ।३। बालिका - बालिका बाललीला - लयः संगसन्दर्शित-भ्रूलताविभ्रमः । गोपिका गीत-दत्ता-वदानः स्वयं सञ्जगौ वेणुना देवकी - नन्दनः ।४। जयतु जयतु देवो देवकीनन्दनोऽयं जयतु जयतु कृष्णो वृष्णिवंशप्रदीपः । जयतु जयतु मेघश्यामलः कोमलाङ्गो जयतु जयतु पृथ्वीभारनाशो मुकुन्दः ।५।

※ शङ्कर प्रार्थना ※

भगवान् शंकर का ध्यान करते हुए पढ़ें:--प्रणतोऽस्मि महादेव प्रपन्नोऽस्मि सदाशिव निवारय महामृत्युं मृत्युञ्जय
नमोऽस्तु ते ।१। मृत्युञ्जय महादेव पाहि मां शरणागतम्, जन्ममृत्यु-जरारोगैः पीडितं भवबन्धनात् ।२। कर्पूर-गौरं
करुणावतारं संसार–सारं भुजगेन्द्रहारम् । सदा रमन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानी सहितं नमामि ।३। हर शम्भो
महादेव विश्वेशामरवल्लभ । शिव शङ्कर सर्वात्मन् नीलकण्ठ नमोऽस्तु ते ।४। तव तत्त्वं न जानामि कीदृशोऽसि महेश्वर
यादृशोऽसि महादेव तादृशाय नमो नमः ।५। आधीनाम्-अगदं दिव्यं व्याधीनां मूलकृन्तनम् । उपद्रवाणां दलनं महादेवम्-
उपास्महे ।६। आत्मा त्वं गिरिजा मतिः परिजनाः प्राणाः शरीरं गृहं, पूजा ते विषयो - पभोगरचना निद्रा समाधि-
स्थितिः । सञ्चारोऽपि परिक्रमः पशुपते स्तोत्राणि सर्वा गिरो, यत् यत् कर्म करोमि देव भगवन् तत् तत् तवाग-
धनम् ।७। नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्माङ्गरागाय महेश्वराय । देवाधिदेवाय दिगम्बराय तस्मै नकाराय नमः
शिवाय ।८। मातङ्गचर्माम्बर-भूषणाय समस्तगीर्वाण-गणार्चिताय त्रैलोक्य–नाथाय पुरान्तकाय तस्मै मकाराय नमः
शिवाय ।९। शिवामुखाम्भोजविकासनाय दक्षस्य यज्ञस्य विनाशकाय,चन्द्रार्कवैश्वानरलोचनाय तस्मै शिकाराय नमः शिवाय
।१०। वशिष्ठकुम्भोत्- भवगौतमादि-मुनीन्द्रवन्द्याय गिरीश्वराय, श्रीनीलकण्ठाय वृषध्वजाय तस्मै वकाराय नमः शिवाय
।११। यज्ञस्वरूपाय जटाधराय पिनाकहस्ताय सनातनाय, नित्याय शुद्धाय निरञ्जनाय तस्मै यकाराय नमः शिवाय
।१२। वपुष्प्रादुर्भावात् अनुमितम्-इदं जन्मनि पुरा । पुरारे नैवाहं क्वचित्-अपि भवन्तं प्रणतवान । नमन्मुक्तः सम्प्र-
त्यतनुर्-अहम्-अग्रे-प्यनतिमान्-महेश क्षन्तव्यं तदिदमपराध-द्वयम्-अपि ।१३। करचरणकृतं वाक् कायजं कर्मजं वा श्रवण-
नयनजं वा मानसं वा पराधम् । विहितम्-अविहितं वा सर्वमेतत्क्षमस्व जय जय करुणाब्धे श्रीमहादेव शम्भो ।

* देवी प्रार्थना *

दुर्गे स्मृता हरसि भीतिम्-अशेषजन्तोः, स्वस्थैः स्मृता मतिम्-अतीव शुभां ददासि। दारिद्र्यदुःखभय-हारिणि का त्वत्-अन्या, सर्वोपकार-करणाय दयार्द्र चित्ता ।१। देवि प्रपन्नार्तिहरे प्रसीद प्रसीद मातर्जगतोखिलस्य, प्रसीद विश्वेश्वरि पाहि विश्वं त्वम्-ईश्वरी देवि चराचरस्य ।२। पृथिव्यां पुत्रास्ते जननि बहवः सन्ति सरलाः, परं तेषां मध्ये विरतरलोहं तव सुतः । मदीयोयं त्यागः समुचितम्-इदं नो तव शिवे, कुपुत्रो जायेत क्वचित्-अपि कुमाता न भवति ।३। जगत्-मातर्-मातः तव चरणसेवा न रचिता, न वा दत्तं देवि द्रविणमपि भूयस्तव मया । तथापि त्वं स्नेहं मयि निर्-उपमं यत्-प्रकुरुषे: कुपुत्रो जायेत क्वचित्-अपि कुमाता न भवति ।४। शरणागत-दीनार्त-परित्राणपरायणि । सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणि नमोस्तु ते ।

या देवी सर्वभूतेषु विष्णुमायेति शब्दिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः ।१। या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्य-भिधीयते नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः ।२। या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता० नमस्तस्यै ।३। या देवी सर्वभूतेषु निद्रारूपेण संस्थिता नमस्त० ।४। या देवी सर्वभूतेषु क्षुधारूपेण संस्थिता नमस्त० ।५। या देवी सर्वभूतेषु छायारूपेण संस्थिता नमस्त० ।६। या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।७। या देवी सर्वभूतेषु तृष्णारूपेण संस्थिता नमस्त० ।८। या देवी सर्वभूतेषु क्षान्तिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।९। या देवी सर्वभूतेषु जातिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१०। या देवी० लज्जारूपेण संस्थिता नमस्त० ।११। या देवी० शान्तिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१२। या देवी सर्वभूतेषु श्रद्धारूपेण संस्थिता नमस्त० ।१३। या देवी सर्वभूतेषु कान्तिरूपेण संस्थिता

नमस्त० ।१४। या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१५। या देवी...स्मृतिरूपेण संस्थिता नमस्त०
।१६। या देवी... दयारूपेण संस्थिता नमस्त० ।१७। या देवी सर्वभूतेषु तुष्टि रूपेण संस्थिता नमस्त० ।१८। या
देवीसर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१९। या देवी सर्वभूतेषु भ्रांतिरूपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै
।२०। आनन्दसुन्दर पुरन्दरमुक्तमाल्यं मौलौ हठेन निहितं महिषासुरस्य पादाम्बुजं भवतु मे विजयाय मञ्जु, मञ्जी-
रशिञ्जितमनोहरमम्बिकायाः ।२१। उत्तप्तहेमरुचिरे त्रिपुरे पुनीहि, चेतश्चिरन्तनमघौघवनं लुनीहिः कारागृहे निगड-
बन्धनपीडितस्य त्वत्संस्मृतौ झटिति मे निगडास्त्रुटयन्तु ।२२। माया कुण्डलिनी, क्रियामधुमती, कालीकला
मालिनी । मातङ्गी विजया जया भगवती देवी शिवा शाम्भवी । शक्तिः शङ्करवल्लभा त्रिनयना वाग्वादिनी
भैरवी ह्रींकारी त्रिपुरा परा परमयी माताकुमारीत्यसि ।२४। महाबले महोत्साहे महाभयविनाशिनि । त्राहि मां देवि
दुष्प्रेक्ष्ये शत्रूणां भयवर्धिनि ।२५। सर्वमङ्गलमङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके, शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते ॥

* इन्द्राक्षी *

इन्द्र उवाच—इन्द्राक्षी नाम सा देवी देवतैः समुदाहृता गौरी शाकंभरी देवी दुर्गानाम्नीति विश्रुता, कात्यायनी महादेवी चन्द्रघंटा महातपा, गायत्री सा च सावित्री ब्रह्माणी ब्रह्मवादिनी, नारायणी भद्रकाली रुद्राणी कृष्णपिंगला अग्निज्वाला रौद्रमुखी कालरात्रिस्तपस्विनी । मेघश्यामा सहस्राक्षी विष्णुमाया जलोदरी, महोदरी मुक्तकेशी घोररूपा महाबला आनन्दा भद्रजा नन्दा रोगहर्त्री शिवप्रिया शिवदूती कराली च प्रत्यक्षा परमेश्वरी, इन्द्राणी चन्द्ररूपा च इन्द्रशक्तिपरायणा। महिषासुर संहर्त्री चामुण्डा गर्भदेवता वाराही नारसिंही च भीमा भैरवनादिनी श्रुतिःस्मृति-धृतिर्मेधा विद्यालक्ष्मी सरस्वती आनन्दा विजयापूर्णा मानस्तोका अपराजिता भवानी पार्वती दुर्गा हैमवत्याम्बिका शिवा शिवा भवानी रुद्राणी शङ्करार्धशरीरिणी ॥

ورش کا راجہ بُدھ

ورش کا منتری سورج

رجسٹرڈ نمبر ۱۱۵

شری پنچانگ

سپت رشی سمت ۵۰۶۲
بکرمی ۲۰۴۳
شاکا سمت ۱۹۰۸
عیسوی سمت ۸۷-۱۹۸۶

گنت کرتا
جیوتشی شری اومکار ناتھ بٹ
جیوتش وشارد
سمپادک و شُدھ کرتا
برہمن مہامنڈل کشمیر

جملہ حقوق بحق برہمن مہامنڈل کشمیر محفوظ ہیں۔

کتابت: حاجی غلام رسول "شاہین رقم" سیدہ کدل

اُوم شری گنیشائے نمہ : اُوم شری آنند یشور بھروائے نمہ

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ شاکا سمت ۱۹۰۸ عیسوی سمت ۱۹۸۶۰۸۷ ھجری سمت ۱۴۰۶۰۷ ھ
شری کرشن جنم سمت ۵۲۲۱ یودھشٹر سمت ۵۱۲۳ کلہ یگ سمت ۵۰۸۷ آزاد بھارت سمت ۴۰
گاندھی سمت ۱۱۷ شری پنچانگ سمت ۴۸۔ براھمن مہامنڈل ستھاپت سمت ۸۸
شرلشٹی سمت ۱۹۵۵۸۸۵۰۸۷ ۔ کلپ گت سال سمت ۱۹۷۲۹۴۹۰۸۷ ۴۳۲۰۰۰۰۰۰۰
ورش کا شبھ نام: پرماتھی۔ مالک سُورج۔ ورش کا واہن وُولا یعنی جھُولا۔ یونان کے مت کے مطابق ورش کا واہن بکرا۔ ورش کا راشٹرپتی۔ برہسپت دیوتا۔ ورش کا راجا کشمیر کے گنت کے مطابق بُدھ دیوتا۔ پردھان منتری سُورج دیوتا۔ دھانیہ کے سوامی منگل دیوتا۔ سوکھے اناج کے سوامی بُدھ دیوتا۔ میگھ کے سوامی شنیچر دیوتا۔ رس کے سوامی شکر دیوتا۔ دھن دولت کے مالک بُدھ۔ پھلوں کے مالک شنیچر۔ فوج کے مالک سُریہ دیوتا۔ ورشا بھگتی کا پانی۔ بسنت کا واہن شیر ورش کا نواس ویش کے گھر میں۔ ورش وشواء ۱۲
آستارہ تومی منگلوار برہسپت رہنی
شنیچر کی ورشٹی اُتر پچھم میں۔ چاند

ورش وشوا۔
میگھ ۱۵۔ دانیہ ۷۔ گھاس ۷۔ سردی ۱۷۔ ہوا ۷۔ پرکاش ۹۔ برقی ۱۱۔ کھیتی ۹۔ وگرہ ۱۱ پیاس ۷۔ لالچ ۳۔ نیند ۹ آلس ۵۔ ترقی ۵۔ شانتی ۱۳ شرارت ۵۔ آچار ۱۱۔ موت ۵ جنم ۱۵۔ ویش اُپردو ۱۱۔ دمیک ۵ بمت ۱۱۔ چاند گرہن ۲۔

ورش چکر سمت ۲۰۴۳ ب

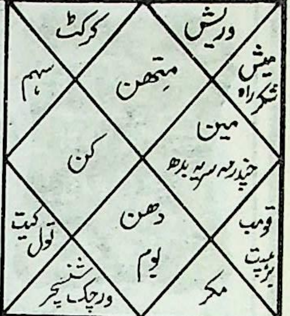

جگت لگن سمت ۲۰۴۳ ب

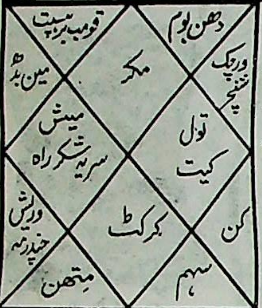

سوتنتر بھارت کا ورش چکر

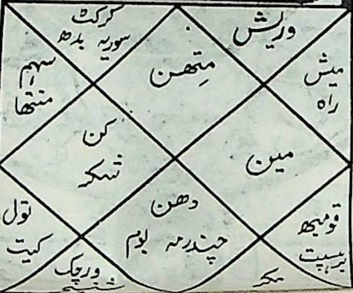

کشمیر کا گوچر چکر

آورا پردیش لگن

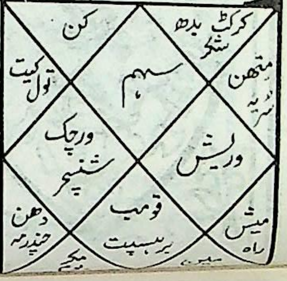

جوتش شاستر کے آدھار پر سموت ۲۰۴۳ بکرمی میں آکاشی کونسل کا سنسار پر پربھاؤ

ورش لگن

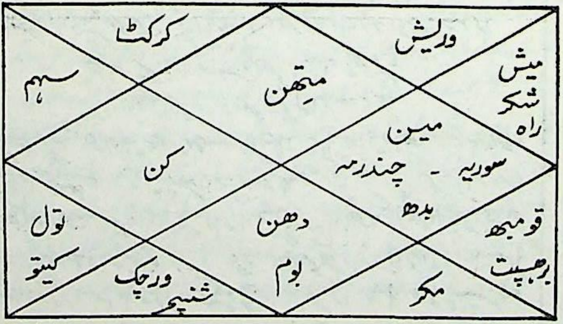

سرو شکتی ماتری بھگوتی مہامایا کی کرپا یا چنا کر جوتش شاستر کے آدھار پر بکرمی سموت ۲۰۴۳ میں گرہ پرشدھ کا سنسار پر پربھاؤ اس پرکار ظاہر کیا جاتا ہے۔
اس ورش گرہ پرشدھ کے ترمان میں پردھان پد بدھ دیوتا کو منتری سوریہ کو اور رکھشیا منتری کا پد بھی سوریہ کو پراپت ہوا ہے۔ پرشدھ کے دس ادھیکاروں میں پانچ ادھیکار شوبھ گرہوں کو اور پانچ ادھیکار کرور گرہوں کو پراپت ہوئے ہیں۔

جگت لگن

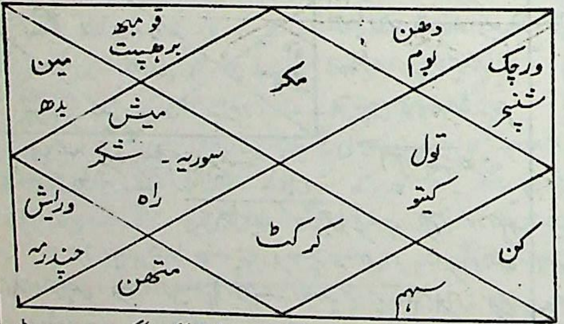

جگت لگن مکر راشی کا ہے۔ لگن کا سوامی شنیچر منگل کے گھر میں گیارویں بھاؤ میں پڑا ہے جبکہ خود منگل بارویں گھر میں بدھ اور ساتویں گھر کو دیکھ رہا ہے۔ ورش کے وسط میں شنیچر اور منگل وکری ہوئے ہیں۔ ورش لگن کو رمہ چکر تتھا گرہوں کے وید اور آلپسی پوتی ہونے کے کارن اس بات کی جانکاری ہوتی ہے کہ اس ورش بھی سنسار کے رنگ منچ کا ماحول تناؤ پورن رہے گا۔ لوگ اکثر رشوت ستانی اور چور بازاری میں لگے رہیں گے۔

باروان منگل ہونے کے کارن دُنیا کی بڑی طاقتیں آپس میں صلح کرنے پر بھی ہتھیاروں کی دوڑ جاری رکھیں گے۔ بارش بھی زیادہ ہوگی اور گرمی بھی۔ دکھنی ایشیا کے کئی ملک جیسے بھارت، پاکستان، چین وغیرہ کے بھی ایٹمی ہتھیاروں کی دوڑ میں شامل ہونے کی آشا ہے۔ ورش کے وسط میں برہسپتی وکری ہو رہا ہے اور شنی۔ بھی ورچک راشی کے اگلے امش کو چھوڑ کر اتی وکری کے رُوپ میں آتا ہے جس سے نکتہر وِیدُ شروع ہو رہا ہے۔ اس کارن امریکہ، چین، کم پوچیا، ایران، عراق، لبنان اور پاکستان کا اندرونی ماحول کچھ خراب رہیگا۔ دکھنی افریقہ میں کالے اور گورے رنگ بھید کی نیتی کے خلاف دنیا میں ناراضگی پیدا ہوگی۔ چین، پاکستان، برما اور بھارت وغیرہ ممالک میں باڑھ کے آثار پیدا ہونے کے امکانات ہیں۔ اور کھیتی باڑی کے نقصان کا بھی خطرہ ہے۔ بھارت اور پاکستان کی سرحدوں پر تناؤ ہی رہیگا۔ جیسے کہا ہے :۔

اُنو رادھا ام گتہ سوری جیشٹایام پری ورتیتے
پشچمی دارو نو گھورہ سمہ پارہ تنتر جایتے

اِس لئے جنوری ۱۹۸۷ء سے فروری ۱۹۸۷ تک شکر اور شنی کی آپسی یوتی بھید ہونے سے دنیا میں لڑائی کے کالے بادل چھائینگے۔ لیکن تیسرا وِشو یودھ (جنگ عظیم) نہیں ہوگا۔ بلکہ قحط، زمین کا پھٹنا، بھونچال، کئی بڑے لیڈروں کی مرتیو اور وبائی بیماریاں ایشیا اور یورپ میں پیدا ہونگی۔ ریلوں اور ہوائی جہازوں کے حادثے واقع ہونگے۔ آگ کی وارداتوں میں لوگوں کا بہت نقصان ہوگا۔ شنی انورادھا نکھتر پر وکری ہو رہا ہے اور کورمہ چکر میں پچھم کی طرف دیکھ رہا ہے۔ اس لئے سنسار کے مغربی ممالک میں وبائی بیماریوں کے پھیلنے کا اندیشہ ہے۔ مڈل ایسٹ کے چھوٹے بڑے ممالک آپسی جھگڑوں میں اُلجھ کر رہینگے۔ دنیا کے مختلف حصوں میں ذات پات، رنگ و نسل کے جھگڑے پیدا ہونگے۔ اس ورش ورشا بھگوتی کا پالنی اور سمو تسر کا واہن دھولا ہونے کے کارن جانداروں کا نقصان اور مرنے کا ڈر، مذہب کی بنیاد پر مختلف فرقوں میں جھگڑے، دنیا کے بڑے بڑے ممالک میں سیاسی تناؤ، سُوکھا اور چوری میں اضافہ ہوگا۔ اس کا زیادہ تر اثر تبت، نیپال، پاکستان، لنکا، بھوٹان، ایران اور عرب ممالک پر خاص طور سے پڑنے کا اندیشہ ہے۔ ہوائی طوفانوں اور قدرتی آفتوں سے لوگوں اور اِن کی جائداد کو بھی خطرہ لاحق ہے۔

.بھارت ورش

بسمو تنتر بھارت کا ورش چکر

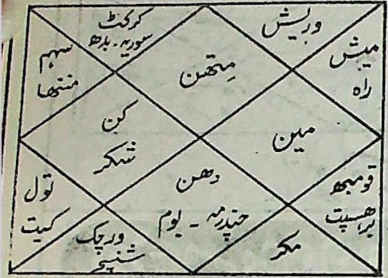

گرہ سنچار کے مطابق ورش کا راشٹر پتی برہسپتی اور پردھان منتری اور رکھیا منتری سُوریہ ہونے کے کارن اس ورش بھارت کا مستک اُونچا رہیگا۔ کھیتی باڑی، مزدور ورگ، کانوں سے معدنی اشیا اور پیداوار کیلئے یہ ورش اچھا ہے۔ ورش لگن کا سوامی بُدھ سُوریہ کے ساتھ ہے جو منتھا کا سوامی بھی ہے۔

شنی چھٹے گھر میں منگل سے پیڑت ہے۔ ورش کا کل بل پچاس فیصدی کے اوپر سے آیا ہے اس لئے بھارت ورش اقتصادی روپ میں کچھ کمزور ہی رہے گا۔ سرکار کو مہنگائی، بے روزگاری اور فرقہ وارانہ توڑ پھوڑ کے واقعات کا سامنا کرنا پڑے گا۔ پنجاب، جموں کشمیر اتر پردیش اور دہلی جیسے پردیشوں سے سرکار کو خاص پریشانی اٹھانی پڑے گی پنجاب کا ماحول جون ۱۹۸۶ء سے لے کر نومبر ۱۹۸۶ء تک کچھ اشانت بنا رہے گا۔ آندھی، طوفان بھاری ورشا کے کارن فصلوں کو اور سیلاب کے کارن جانداروں اور مال مویشی کو نقصان ہونے کا اندیشہ ہے۔ لیکن بیوپاری نظریہ کے مطابق یہ ورش اچھا پھل دایک ہے چوتھا شکر ہونے کے کارن بدیشی پالیسی میں کچھ سدھار آئے گا۔ راجستھان۔ مدھیہ پردیش اور اڑیسہ میں اس ورش زیادہ گرمی پڑے گی۔ اور پینے کے پانی کی کمی کے کارن تھا سوکھا پڑنے سے جنتا کو کافی پریشانی اٹھانی پڑے گی۔ ان راجیوں کے بڑے بڑے لیڈروں میں جسمانی تکلیف رہے گا۔ کیندر میں چندرمہ کے ساتھ منگل ہونے کے کارن کمپیوٹر اور دوسری مفید آلوں (مشینوں) میں ترقی ہوگی۔ طریقہ تعلیم میں تبدیلی اور سائنس میں نئے تکنیکی طریقوں کو استعمال میں لایا جائے گا۔ بھارتیہ کلاؤں پر زیادہ دھیان دیا جائے گا۔ اور ان پر اچھا خاصا رقم صرف کیا جائیگا۔

پردھان منتری راجیو گاندھی کا مستقبل بہت ہی روشن رہے گا۔ اپنی ذہین رہنمائی کے کارن آپ بھارت کی الجھی گتھیوں کو سلجھانے میں بہت حد تک کامیاب رہیں گے بین الاقوامی جگت میں آپ ہر دل عزیز ہونگے۔ شیشتہ کا لین کنڈلی کے گرہوں کے آدھار پر آپ اپنا پورا کاریہ کال کامیابی سے نبھائینگے۔ دیش میں رشوت ستانی کو کم کرتے اور اس کو ترقی کی راہ پر گامزن کرانے میں آپ کامیاب رہیں گے۔ کیونکہ سوراشی کا برہسپت بلوان ہو کر لگن میں پڑا ہے۔ چندرمہ بھی اوچا بھلا نتی ہے۔ آپ آتنک واد اور اگروادکو ختم کرنے میں کافی کوشش کریں گے۔ ممکن ہے کہ ورش کے اگلے چھ مہینوں میں آپ اپنے کابینہ میں خاص تبدیلی لائیں گے۔ اس ورش گٹ نرپیکھ ملکوں کو ایک دھاگہ میں پرونے کے لئے بھارت کا یوگ دان کافی ہوگا۔ فرانس۔ جاپان۔ نائجیریا۔ ارجن ٹائنا۔ میکسیکو وغیرہ ممالک کے ساتھ بھارت کے اچھے تعلقات رہیں گے۔ پاکستان۔ شری لنکا۔ بنگلہ دیش اور چین کے ساتھ کچھ حل طلب مسئلے ہوتے ہوئے بھی آپسی تعلقات میں سدھار ہوگا۔

ورش کا راجا برہسپتی ہونے کے کارن اناج۔ پھل۔ گنا۔ تیل۔ چائے۔ کپڑا۔ دودھ۔ گھی اور دوسری پیلی رنگ کی چیزوں کی اوپج اچھی رہیگی۔ اور بیوپار بھی اچھا رہے گا۔ لیکن سوریہ کے منتری ہونے کے کارن لوگ مختلف بیماریوں میں مبتلا رہیں گے۔ گرمی معمول سے زیادہ ہوگی اور بارش بھی زیادہ ہونگی۔ روزمرہ کی چیزیں مہنگی رہیں گی۔

کشمیر

کشمیر کے گوچر چکر میں لگن کا سوامی چندرما ساتویں گھر میں شنی کے ساتھ منگل کی پوتی ہے۔ کیندر میں برہسپت شنی کے ستھان میں ٹھہرا ہوا ہے۔ سموت سر کا نام پرماتھی اور ورشا بگھوتی کا پالنی اور سموت سر کا واہن جھولا اور وسنت کا واہن شیر ہونے کے کارن یہاں کی موجودہ سرکار کو بہت سی کٹھنائیوں کا سامنا کرنا ہوگا۔

کشمیر کا گوچر چکر

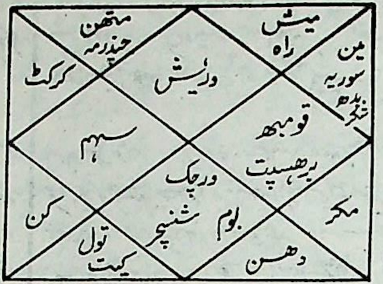

ورش کا پچھلا حصہ کچھ اشانت رہے گا۔ توڑ پھوڑ اور تشدد کے کے واقعات رونما ہونے سے لوگوں کے دل کچھ بے چین رہینگے وزیر اعلیٰ کا صحت کچھ ڈھیلا رہے گا۔ حکمران پارٹی میں ایسی کھینچا تانی رہے گی۔ ممکن ہے کہ ورش کے وسط میں شنی منگل اور شکر کے است کے پربھاؤ سے کشمیر کے اندرونی حالات کچھ سدھر جائینگے۔ یہاں کوئی گھمبیر ستھتی پیدا نہ ہوگی بلکہ برہسپت کے پربھاؤ سے اگست تک مکمل شانتی رہے گی۔

پاکستان کے دہشت پسند لوگ کشمیر میں داخل ہوکر یہاں کے ماحول کو خراب کرنے کی کوشش کریں گے۔ لیکن مین میں اُچ شکر کے پربھاؤ سے وہ لوگ اپنے مقصد میں کامیاب نہ ہوں گے۔ اس قسم کے واقعات اپریل سے اگست تک رونما ہوتے رہینگے قوم دشمن عناصر حالات کو بگاڑنے کی کوشش کریں گے۔ سرحدی جھگڑے اور چور بازاری کی آشنکائیں بنی رہیں گی۔ جنکو کیندر کی مداخلت سے دبایا جائیگا۔ اس کے ساتھ ہی چین اور پاکستان اس ریاست کے کچھ حصوں پر قبضہ جمانے کی کوشش کریں گے۔ لیکن وہ مرکزی حکومت کی کوشل راجیہ نیتی کے پربھاؤ سے کامیاب نہ ہوا گے۔

ورش کے پہلے حصے میں یہاں کے کابینہ میں کوئی خاص تبدیلی آنے کی بھی آشنکا ہے۔ حکومت کی مخالف پارٹیاں کیندر کے ساتھ اپنا پربھتو جماتے رہیں گے۔ رکھیا منتری شودیہ ہونے کے کارن یہاں کی سرکار اور جنتا کو اس ورش بہت سی کٹھنائیوں کا سامنا ہوگا۔ وادی کے مغربی اور جنوبی حصوں میں کہیں پر زیادہ بارش اور کہیں خشک سالی کے یوگ بنتے ہیں۔ جس سے عام لوگوں کو کچھ نقصان ہونے کا بھی اندیشہ ہے۔ دسویں گھر میں برہسپت ہونے کے کارن یہاں کے طریقہ تعلیم میں کئی سُدھار آنے کے اِمکانات بھی ہیں۔ یاتریوں کو ہر طرح کی آسائش میسر ہوگی۔ لیکن جنتا میں سنتوش کم رہے گا اور مزدور لوگ پریشان رہیں گے۔

بارویں گھر میں راہو ہونے کے کارن کِسان اکثر پریشان رہیں گے لیکن فصل اچھے ہوں گے عام لوگ وایو روگ اور پیٹ کی بیماری سے کشٹ اُٹھائیں گے۔ اس ورش ورش کا واہن "جھولا" ہونیکے کارن آکاشی دُرگھنائیں۔ بھونچال۔ طوفان اور بے وقت بارش ہونے سے لوگوں کو کئی کٹھنائیوں کا سامنا کرنا پڑے گا کیونکہ کہا ہے:۔ یسیا بدے واہنم دولا یاہا یُوتا چہ میدنی
دُربھیکھم سرو دیشیشو سنگرامم کھنڈ کھنڈیو

پھلوں کا سوامی شنی اور میگھ کا سوامی بھی شنی ہونیکے کارن یہاں کے رسیلے چیزوں سے کم فائدہ ہوگا۔ جو چنا، چاول اور شالی کی فصل اچھی ہوگی۔ بارش کی کمی کی وجہ سے گھاس پھوس کی فصل زیادہ اچھی نہ ہوگی۔ اشاڑھ لومی منگلوار ہونیکے کارن کسانوں کو ہر طرح کی سرکاری امداد ملنے کی آشا ہے۔ سینچائی کے اچھے منصوبے بنائیں جائینگے۔ مونگ ماش راجماش کے فصل اچھے ہوں گے۔ سیب بادام آڑو وغیرہ پھلوں کی فصل درمیانہ ہوگی۔ ورش کے وسط میں کسی مشہور شخص کی موت بھی واقع ہوگی۔ آخیر میں جگت امبا مہا مایا سے پرارتھنا ہے۔ سو سنہ پرجا بیہ پری پال نیتام ویاسن مارگنیہ مہی مہیا + گو برہمنیو شبم استو نیتیم لوکا سمتا سو کھنو بونتو۔

پچھم اُتر پورب دکھن

گرہن نرنئے بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۸۷/۱۹۸۶ کیلئے

پچھم اُتر پورب دکھن

بکرمی سمت ۲۰۴۳ مطابق سمت ۸۷/۱۹۸۶ عیسوی، پرتھوی پر کل ۲ دو چاند گرہن اور ۲ دو سورج گرہن ہونگے۔ لیکن بھارت اور کشمیر میں صرف ۲ دو چاند گرہن ہی دکھائی دینگے۔

(۱) کھگراس چندرمہ گرہن ۲۴ ، اپریل ۱۹۸۶ء برہسپت وار۔ (۲) کھگراس سورج گرہن ۳ ، اکتوبر ۱۹۸۶ء شکروار۔ (۳) کھگراس چندرمہ گرہن ۱۷ ، اکتوبر ۱۹۸۶ء شکر... اور (۴) کھنڈگراس سُریہ گرہن ۲۹ ، مارچ ۱۹۸۷ء آتوار کو ہوگا۔

اِن میں کھگراس سورج گرہن اور کھنڈگراس سُریہ گرہن بھارت میں دکھائی نہ دیں گے۔ اِس لئے ہمارے بھارت پر اِن ۲ دو سورج گرہنوں کا کوئی اثر نہ پڑے گا۔

(۱) **کھگراس چندرمہ گرہن۔** چیت شکلہ پکھ پورنماشی برہسپت وار بمطابق ۲۴ ، اپریل ۱۹۸۶ء کو بھارت میں گرہست اُودھے دکھائی دیگا۔ یہ گرہن شام ۴ بجکر ۳۳ م پر آرمبھ ہوکر رات کے ۷ بجکر ۵۶ م پر ختم ہوگا۔ اس کا پرو کال کل ۳ گھنٹے ۲۳ م کا ہوگا۔ یہ گرہن سوائی نکھتر پر آرمبھ ہو رہا ہے۔ اِسلئے سوائی نکھتر والوں اور کرکٹ ورچک اور مین راشی والوں کے لئے یہ اشُبھ پھل دایک ہے۔ ورِیش۔ مِتھن کنیا اور کومبھ راشی والوں کیلئے مدھم پھل دایک ہے۔

(۲) **کھگراس چندرمہ گرہن۔** یہ گرہن ۱۷ ، اکتوبر ۱۹۸۶ء بمطابق اسوج شکلہ پکھ پورنماشی ... کو رات کے ۱۱ بجکر ۱ م پر آرمبھ ہوکر ۲ بجکر ۲۸ م رات کو سماپت ہوگا۔ یہ گرہن ریوتی اشونی نکھتر اُترھات مین اور میش راشی میں ہو رہا ہے۔ اسلئے اِن راشی والوں کیلئے خاص ... اشُبھ پھل دایک رہیگا۔ یہ گرہن بھارت کے علاوہ نیپال۔ بنگلا دیش۔ لنکا۔ پاکستان برما ... دیشوں میں بھی نظر آئیگا۔ اس گرہن کا سُوتک ۱۷ ، اکتوبر شکروار کو دوپہر کے ۲ بجکر ۵ م سے آ... ہوگا۔ یہ گرہن مین میش کرکٹ کنیا راشی والوں کیلئے اشُبھ پھل دایک ہوگا۔ باقی راشی والوں کیلئے شبھ ...

اِن دو چندرمہ گرہنوں کا سمسار پر پربھاؤ ! سُونا۔ تانبا۔ پیتل اور جست۔ لوہا۔ سٹیل اور چاندی وغیرہ کا بھاؤ تیز رہیگا۔ گیہوں۔ ماش۔ گھی۔ تیل۔ کالی مرچ وغیرہ پدارتھ بھی ... ہونگے۔ دنیا کی بہت سی جگہوں پر آکاشی گھٹنائیں۔ بھاڑ۔ زلزلہ۔ اور تیز ہوائیں چلنے کے یوگ بنتے ہیں۔ کچھ انہونی آپدائیں ہونے کے اِمکان ہیں۔

۲ سورج گرہنوں کا پربھاؤ ! امریکہ کے بہت سے دیشوں پر پڑیگا۔ جس کے کارن فوجی بغاوت۔ آگ زنی۔ ہمسک گھٹنائیں پیدا ہو سکتی ہیں۔

(اُوم)
شبھ کاریہ مہورت پرکرن سال سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۸۷/۱۹۸۶ کیلئے نشید وقت

۱۷ر اگست سے ۳ر ماہ اکتوبر تک سنگھ و سہم راشی میں سُریہ اور پِتر پکھ۔ ۲۶ر اکتوبر سے ۷ر ماہ نومبر تک شکر است۔ ۱۶ر ماہ دسمبر سے ۱۴ر جنوری سنہ ۱۹۸۷ء تک دھن میں سُریہ۔ ۱۴ر ماہ مارچ سنہ ۱۹۸۷ء سے ۲۹ر مارچ تک برھت است اور سال کا آخری حِصّہ +

یگنو پوت مہورت

ویشاکھ کرشنہ پکھ۔

۲۷ر اپریل آتوار ترے ۸ بجے ۵۰م صبح سے ۱۰ بجے ۵۰م دن تک مِتھن لگن سم۔

ویشاکھ شکلہ پکھ

۱۱ر مئی آتوار دوئی ۱ بجے ۴۰م دن سے ۲ بجے ۴۸م دن تک مِتھن لگن سم۔

۲ بجے ۵۰م دن سے ۳ بجے ۳۰م دن تک کن لگن سم۔

۱۲ر مئی سوموار ترے ۵ بجے ۵۹م صبح سے ۷ بجے ۲۰م دن تک ورِیش لگن سم۔

۲۱ر مئی بدھوار باہ ۲ بجے ۱۰م دن سے ۴ بجے ۲۰م دن تک کن لگن۔

۲۲ر مئی بیروار تردواہ ۵ بجے ۲۰م صبح سے ۵ بجے ۵۷م دن تک ورِیش لگن۔

جیٹھ کرشنہ پکھ۔

۲۵ر مئی آتوار دوسے ۶ بجے ۵۰م صبح سے ۸ بجے ۵۹م صبح تک مِتھن لگن۔

۱۱ر بجے ۳۰م دِن سے ۱ بجے ۴۰م دن تک سہم لگن

۲۸ر مئی بدھوار پنچم ۱۱ بجے ۲۰م دِن سے ۱ بجے ۲۶م دِن تک سہم لگن سم۔

جیٹھ شکلہ پکھ۔

۱۸ر جون بدھوار کاہ ۹ بجے ۵۸م دن سے ۱۲ بجے ۱۰م دِن تک سہم لگن۔

آشاڑھ کرشنہ پکھ۔

۲۶ر جون بیروار پنچم ۹ بجے ۱۵م دِن سے ۱۱ بجے ۴۰م دِن تک سہم لگن سم۔

آشاڑھ شکلہ پکھ

۹ر جولائی دوئی بدھوار ۶ بجے ۲م صبح سے ۸ بجے

۱۵م صبح تک مِتھن لگن سم۔

اسوج شکلہ پکھ۔

۵ر اکتوبر آتوار دوئی ۷ بجے ۴۱م صبح سے ۱۰ بجے ۳م دِن تک تول لگن۔

۶ر اکتوبر سوموار ترے ۷ بجے ۵۰م صبح سے ۱۰ بجے ۲م دِن تک تول لگن۔

۸ر اکتوبر بدھوار پنچم ۱۲ بجے ۱۸م دِن سے ۲ بجے ۱۰م دِن تک دھن لگن۔

کارتک کرشنہ پکھ۔

۲۲ر اکتوبر بدھوار پنچم ۱۱ بجے ۲۵م دِن سے

۱ بجے ۲۶م دِن تک دھن لگن۔
۲۳، اکتوبر بیروار پنجم ۹ بجے ۲م دِن سے
۱۱ بجے ۱۰م دِن تک ورچک لگن سم۔
۱۱ بجے ۲۶م دِن سے ۱ بجے ۱۵م دِن تک
دھن لگن۔

کارتک شکلہ پکھ۔

۱۴، نومبر شکروار ترواہ ۹ بجے ۵۹م دِن سے
۱۱ بجے ۵۰م تک دھن لگن۔

مارگ کرشنہ پکھ۔

۱۹، نومبر بدھوار ترے ۹ بجے ۵۶م دِن سے
۱۱ بجے ۳۰ دِن تک دھن لگن۔
۲۱، نومبر شکروار پنجم ۱۱ بجے ۳۶م دِن سے
۱ بجے ۲م دِن تک مکر لگن۔

مارگ شکلہ پکھ۔

۱۱، دسمبر بیروار کاہ ۱۰ بجے ۱۰م دِن سے
۱۱ بجے ۳۶م دِن تک مکر لگن۔
۱۲، دسمبر شکروار باہ ۱۰ بجے ۱م دِن سے
۱۱ بجے ۲۶م دِن تک مکر لگن۔

ماگھ شکلہ پکھ۔

۴، فروری بدھوار اشٹم ۹ بجے ۱۱م دِن سے
۱۰ بجے ۲۰م تک مین لگن۔
۹، فروری سوموار کاہ ۸ بجے ۵۰م صبح سے
۱۰ بجے ۵۰م تک مین۔
۱۱، فروری بدھوار ترواہ ۸ بجے ۵۰م صبح سے
۹ بجے ۵۴م تک مین لگن۔
۱۱ بجے ۲۸م دِن سے ۱ بجے ۱۰م دِن تک ورش لگن

پھاگن شکلہ پکھ۔

۲، مارچ سوموار ترے ۱ بجے ۵۷م دِن سے
۲ بجے ۱۸م تک متھن۔
۴، مارچ بدھوار پنجم ۱۱ بجے ۵۵م دِن سے
۲ بجے ۵۰م تک متھن لگن سہم۔

وِواہ مہورت۔

چیت شکلہ پکھ۔

۱۹، اپریل سنیچروار دہم ۴ بجے ۱۶م دِن سے
۶ بجے ۳۰م دِن تک کنیا لگن سم
رات ۱۱ بجے ۲۹م سے ۱ بجے ۲۰م رات تک دھن لگن
۲۰، اپریل آتوار کاہ ۹ بجے ۱۵م دِن سے
۱۱ بجے ۱۰م دن تک متھن لگن۔
۱۱ بجے ۲۰م دِن سے ۱ بجے ۴۴م دِن تک کرکٹ لگن سم
۲۱، اپریل سوموار باہ رات ۱۱ بجے ۲۰م سے
۱ بجے ۱۷م رات تک دھن لگن۔
۲۳، اپریل بدھوار چوداہ ۸ بجے ۵۹م صبح سے
۱۱ بجے ۱م دِن تک متھن لگن۔

ویشاکھ کرشنہ پکھ۔

۲۸، اپریل سوموار چورم ۹ بجے ۳م دِن سے
۱۰ بجے ۴۴م دِن تک متھن لگن سم۔
رات ۱۱ بجے ۵۰م سے ۱۲ بجے ۳۴م رات تک
دھن لگن سم۔
۳۰، اپریل بدھوار ستم ۸ بجے ۲۳م صبح سے
۱۰ بجے ۳۰م دِن تک متھن لگن سم۔
رات ۱۰ بجے ۵۰م سے ۱۲ بجے ۳۰م تک
[illegible] لگن۔
۵، مئی باہ سوموار ۳ بجے ۷م دِن سے
۵ بجے ۲۰م دِن تک کنیا لگن۔
رات ۱۰ بجے ۲۲م سے ۱۲ بجے ۱۹م تک
دھن لگن۔

ویشاکھ شکلہ پکھ۔

۱۱، مئی آتوار دوئ ۱ بجے ۱۵م دِن سے
۲ بجے ۴۲م دِن تک سہم لگن سم۔
۲ بجے ۵۶م دِن سے ۵ بجے ۳م دن تک کنیا لگن
رات ۱ بجے ۳۶م سے ۲ بجے ۵۰م تک قومبھ لگن سم۔
۱۲، مئی سوموار ترے ۲ بجے ۳۶م دِن سے
۴ بجے ۵۹م دِن تک کنیا لگن۔
۱۶، مئی شکروار ستم رات ۱۰ بجے ۱۵م سے
۱۱ بجے ۲۵م تک مکر لگن۔
رات ۱۱ بجے ۴۴م سے ۱ بجے ۱۴م
تک قومبھ لگن۔

۱۷، مئی سنیچر وار اشٹم ۹ بجے ۴۰م [illegible]
۱۱ بجے ۵۰م دِن تک کرکٹ لگن سم ۔
۴ بجے ۵۶م دِن سے ۷ بجے ۱م دِن تک تول لگن سم ۔

ویشاکھ شکلہ پکھ ۔

۱۸، مئی آتوار نوم رات ۱ بجے ۱۵م سے ۲ بجے ۴م تک
قومبھ لگن ۔
۱۹، مئی سوموار دہم ۲ بجے ۲۰م دِن سے ۴ بجے
۱۶م دِن تک کنیا لگن ۔
رات ۲ بجے ۳۰م سے ۳ بجے ۴۰م تک میں لگن ۔
۲۲، مئی بیر وار ترواہ ۲ بجے ۱۵م دِن سے
۴ بجے ۳۰ دِن تک کن لگن ۔

جیٹھ کرشنہ پکھ ۔

۲۵، مئی آتوار دوئے ۱ بجے ۵۹م دِن سے
۳ بجے ۹ [illegible] دِن تک [illegible] لگن سم
رات ۱۲ بجے ۵۸م سے ۲ بجے ۰م تک قومبھ لگن ۔
۲۶، مئی سوموار ترے ۹ بجے ۱۰م صبح سے
۱۱ بجے ۱۶م دِن تک متھن لگن سم ۔

یکم جون آتوار نوم [illegible] بجے ۲۰م دِن سے ۳ بجے
۴۰م دِن تک کنیا لگن ۔ رات ۱ بجے
۴۶م سے ۲ بجے ۴۶م تک مین لگن سم ۔
۲، جون سوموار دہم ۱ بجے ۲۰م دِن سے ۳ بجے
۳۰م دِن تک کنیا ۔ رات ۱ بجے ۳۶م سے
۲ بجے ۴۰م تک مین لگن ۔

جیٹھ شکلہ پکھ ۔

۱۳، جون شکر وار شیئم ۱۲ بجے ۴۰م دِن سے
۲ بجے ۵۰م تک کنیا لگن ۔ رات ۱۲ بجے
۵۴م سے ۲ بجے ۱م تک مین لگن ۔

شراون کرشنہ پکھ ۔

۲۶، جولائی سنیچر وار پنجم ۵ بجے ۵۹م صبح سے
۷ بجے ۱م صبح تک کرکٹ ۔ ۹ بجے ۵۰م دِن
سے ۱۱ بجے ۴۹م دِن تک کنیا لگن سم ۔
رات ۹ بجے ۵۹م سے ۱۱ بجے ۰م تک مین لگن ۔
۲۷، جولائی آتوار شیئم ۹ بجے ۵۶م دِن سے ۱۱ بجے
۵۱م دِن تک کنیا لگن سم ۔ رات ۹ بجے ۵۰م سے

۱۱ بجے ۲م تک مین لگن ۔
۳۱، جولائی بیر وار دہم ۹ بجے ۳۶م دِن سے
۱۱ بجے ۲۰م تک کنیا لگن سم ۔ رات ۹ بجے
۳۹م سے ۱۱ بجے ۱۵م تک مین لگن سم ۔
یکم اگست شکر وار کاہ ۵ بجے ۵۹م دِن سے
۶ بجے ۴۷م دِن تک کرکٹ لگن ۔ ۹ بجے
۲۰م دِن سے ۱۱ بجے ۳۰م دِن تک کنیا لگن

شراون شکل پکھ ۔

۷، اگست بیر وار دوئی ۸ بجے ۵۰م دِن سے
۱۱ بجے ۱۰م دِن تک کنیا لگن ۔
۹، اگست سنیچر وار چورم ۸ بجے ۵۹م دِن سے
۱۱ بجے ۱۸م دِن تک کنیا لگن سم ۔ رات ۹ بجے
۳۷م سے ۱۰ بجے ۱۰م تک مین لگن ۔
۱۰، اگست آتوار پنجم ۸ بجے ۴۰م دِن سے
[illegible] بجے [illegible] دِن [illegible] کنیا لگن سم ۔
۱۱، اگست سوموار شیئم ۸ بجے ۴۱م دِن سے
۱۰ بجے ۱۷م دِن تک کنیا لگن سم ۔ رات

۸ بجے ۵۱م سے ۱۰ بجے ۱م تک مین لگن
۱۵، اگست شکر وار دہم رات ۸ بجے ۴۰م
۹ بجے ۵۰م رات تک مین لگن ۔

اسوج شکلہ پکھ ۔

۵، اکتوبر آتوار دوئی رات ۱۰ بجے ۲۵م
۱۲ بجے ۲۶م تک متھن لگن ۔
۶، اکتوبر سوموار ترے ۷ بجے ۵۰م دِن [illegible]
۱۰ بجے ۱م دِن تک تول لگن سم ۔
۹، اکتوبر بیر وار شیئم ۷ بجے ۴۷م دِن سے
۹ بجے ۵۰م دِن تک تول لگن سم
رات ۱۰ بجے ۲م سے ۱۲ بجے ۱۰م تک متھن [illegible]
۱۵، اکتوبر بدھوار ترواہ رات ۹ بجے ۵۶م [illegible]
۱۱ بجے ۱م تک متھن لگن سم ۔
۱۶، اکتوبر بیر وار چوداہ ۱۱ بجے ۵۶م دِن [illegible]
۱ بجے ۴۰م دِن تک دھن لگن سم [illegible]
رات ۹ بجے ۵۰م [illegible]
متھن لگن سم ۔

کارتک کرشنہ پکھ۔

۲۲، اکتوبر بدھوار پنچم ۱۱ بجے ۲۷ م دِن سے
۱ بجے ۱۶ م دِن تک دھن لگن۔
رات ۹ بجے ۱۲ م سے ۱۱ بجے ۱۰ م تک متھن لگن۔

۲۳، اکتوبر بیروار شَشٹم ۹ بجے ۲ م دِن سے
۱۱ بجے ۱ م دِن تک ورچِک لگن سم۔

کارتک شکلہ پکھ۔

۱۲، نومبر بدھوار کاہ ۱۲ بجے ۱۰ م سے ۱ بجے
۴۰ م دِن تک مکر لگن سم۔ رات ۷ بجے
۵۶ م سے ۱۰ بجے ۱ م تک متھن لگن

۱۳، نومبر بیروار باہ ۱۲ بجے ۲ م دِن سے
۱ بجے ۳۰ م دِن تک مکر لگن۔
رات ۸ بجے ۲۰ م سے ۹ بجے ۵۰ م تک متھن لگن۔

مارگ کرشنہ پکھ۔

۱۹، نومبر بدھوار ترے ۱۱ بجے ۵۰ م دِن سے
۱ بجے ۱۲ م دِن تک مکر لگن سم۔

۲۴، نومبر سوموار اشٹم ۱ بجے ۱۵ م دِن سے
۲ بجے ۱۰ م دِن تک قومبھ لگن سم۔
رات ۷ بجے ۶ م سے ۹ بجے ۱۰ م تک متھن لگن

۲۶، نومبر بدھوار دہم ۱۲ بجے ۵۰ م دِن سے
۲ بجے ۶ م دِن تک مکر لگن۔ رات ۶ بجے
۱۰ م سے ۱۱ بجے ۲۰ م تک کرکٹ لگن سم۔

۲۷، نومبر بیروار کاہ ۹ بجے ۱۱ م دِن سے ۱۱ بجے
۱ م دِن تک دھن لگن۔ رات ۷ بجے
۲ م سے ۹ بجے ۱ م تک متھن لگن سم۔

۲۹، نومبر سنیچروار ترواہ ۸ بجے ۵۹ م دِن سے
۱۰ بجے ۵۰ م دِن تک دھن لگن۔ رات ۶ بجے
۴۲ م سے ۸ بجے ۵۰ م تک متھن لگن

مارگ شکلہ پکھ۔

۳، دسمبر بُدھوار دوئی ۱۰ بجے ۵۰ م دِن سے
۱۲ بجے ۱ م دِن تک مکر لگن سم۔

۵، دسمبر شکروار چورم ۱۰ بجے ۳۰ م دِن سے
۱۲ بجے ۱ م دِن تک مکر لگن سم۔

۱۰ دسمبر بدھوار دہم ۱۰ بجے ۱۶ م دِن سے
۱۱ بجے ۴۰ م دِن تک مکر لگن سم۔

۱۱ دِسمبر بیروار کاہ ۱۰ بجے ۲۰ م دن سے
۱۱ بجے ۳۰ م دِن تک مکر لگن، سم

۱۲، دِسمبر آتوار ترواہ رات ۱۲ بجے ۳۶ م سے
۲ بجے ۵۰ م تک کنیا لگن۔

ماگھ کرشنہ پکھ۔

۱۸، جنوری آتوار ترے ۲ بجے ۵۹ م دِن سے
۵ بجے ۱۰ م دِن تک متھن لگن سم۔

۱۹ جنوری سوموار چورم رات ۱۲ بجے ۲۰ م سے
۲ بجے ۴۰ م تک تول لگن سم۔

۲۳، جنوری شکروار اشٹم ۸ بجے ۵۶ م
دِن سے ۹ بجے دِن تک قومبھ لگن سم۔

۲۵، جنوری آتوار کاہ ۸ بجے ۳۱ م دِن سے
۹ بجے ۴۰ م دِن تک قومبھ لگن سم۔

ماگھ شکلہ پکھ۔

۲، فروری سوموار چورم ۲ بجے ۱ م دِن سے
۴ بجے ۶ م دِن تک متھن لگن۔

۷، فروری سنیچروار نوم ۱ بجے ۴۱ م دِن سے
۳ بجے ۴۶ م دِن تک متھن لگن سم۔

۵ ف[illegible] ۱۰ [illegible] دن سے
۳ بجے ۴۰ م دِن تک متھن لگن سم

پھاگن کرشنہ پکھ۔

۱۶، فروری سوموار ترے ۱۲ بجے ۵۹ م
دِن سے ۳ بجے ۱۰ م دن تک متھن۔

۱۹، فروری بیروار شَشٹم ۷ بجے ۱۶ م دِن
۸ بجے ۱۰ م دِن تک قومبھ لگن۔
۱۲ بجے ۵۰ م دِن سے ۲ بجے ۵۹ م دِن تک متھن
لگن سم۔

پھاگن شکلہ پکھ۔

یکم مارچ آتوار دوئی رات ۱۲ بجے ۲ م سے
۲ بجے ۲۰ م تک ورچِک لگن سم۔

۲، مارچ سوموار ترے ۱۲ بجے ۱۰ م دِن سے
۲ بجے ۴۰ م دِن تک متھن لگن۔

۸، مارچ آتوار اشٹم ۱۱ بجے ۵۶ م دن سے

۱ بجے ۹م ۴م دِن تک متھن لگن سم۔

واکھدان (گنڈون) مہورت

چیت شکلہ پکھ۔
۲۰ ر اپریل آتوار کاہ ۲۱ ر اپریل سوموار باہ
۴ بجے دِن سے۔ ۲۸ ر اپریل بدھوار
چوداہ ۱ بجے دن سے
ویشاکھ کرشنہ پکھ۔
۲۵ ر اپریل شکروار اکدو ۱۰ بجے تک
۲۷ ر اپریل آتوار ترے ۹ بجے دِن تک
۳۰ ر اپریل بدھوار ستم۔
ویشاکھ شکلہ پکھ۔
۱۱ ر مئی آتوار دوئ۔
۱۲ ر مئی سوموار ترے ۱۲ بجے دِن تک۔
۱۹ ر مئی سوموار دہم۔
۲۱ ر مئی بدھوار باہ ۴ بجے ۳۰ م دِن سے
۲۲ ر مئی بیروار تروداہ ۱۱ بجے دِن تک۔

جیٹھ کرشنہ پکھ۔
۲۵ ر مئی آتوار دوئ ۲ بجے دِن سے
۲۶ ر ،، سوموار ترے ۴ بجے دِن تک
۲۸ ر ،، بدھوار پنچم ۱۰ بجے دِن تک
جیٹھ شکلہ پکھ۔
۸ ر جون آتوار اکدو ۲ بجے دِن سے
۱۳ ر ،، شکروار شیٹم۔
آشاڑہ شکلہ پکھ۔
۱۸ ر جولائی شکروار باہ ۹ بجے دن تک۔
۲۱ ر ،، سوموار نوم۔
شراون شکلہ پکھ۔
۷ ر اگست بیروار دوئے۔
۱۰ ر ،، آتوار پنچم
۱۴ ر ،، بیروار نوم ۳ بجے دن سے
۱۵ ر ،، شکروار دہم ۲ بجے دن سے
اسوج شکلہ پکھ۔
۵ ر اکتوبر آتوار دوئ ۲ بجے ۲۰ م دِن سے

۶ ر اکتوبر سوموار ترے ۱۰ بجے دن تک
۹ ر ،، بیروار شیٹم۔
۱۶ ر ،، بیروار چوداہ۔
کارتک کرشنہ پکھ۔
۲۲ ر اکتوبر بدھوار پنچم۔
۲۳ ر ،، بیروار شیٹم۔
کارتک شکلہ پکھ۔
۱۴ ر نومبر شکروار ترداہ۔
مارگ کرشنہ پکھ۔
۱۹ ر نومبر بدھوار ترے۔
مارگ شکلہ پکھ۔
۳ ر دسمبر بدھوار دوئے۔
۵ ر ،، شکروار چورم ۱۱ بجے سے
۱۱ ر ،، بیروار کاہ ۲ بجے دن —
ماگھ کرشنہ پکھ۔
۱۸ ر جنوری آتوار ترے ۱ بجے دن تک
۲۱ ر ،، بدھوار شیٹم۔

ماگھ شکلہ پکھ۔
۲ ر فروری سوموار چورم ۱ بجے دن سے
۸ ر ،، آتوار دہم۔
۹ ر ،، سوموار کاہ۔
پھاگن کرشنہ پکھ۔
۱۶ ر فروری سوموار ترے۔
۱۹ ر فروری بیروار شیٹم۔
پھاگن شکلہ پکھ۔
۲ ر مارچ سوموار ترے۔
۴ ر ،، بدھوار پنچم۔

زاتہ کرم (کاہ نیتھر) مہورت

چیت شکلہ پکھ۔
[illegible] ر اپریل سوموار پنچم۔ ۱۶ ر اپریل بدھوار ستم
۱۲ بجے ۱۰ م دِن سے۔
۱۷ ر اپریل بیروار اشٹم۔ ۲۰ ر اپریل سوموار باہ
۲ بجے ۵۰ م سے

ویشاکھ شکلہ پکھ۔

۱۲، مئی سوموار ترے ۹ بجے صبح تک۔

۱۴، " بدھوار پنجم۔

۱۵، " بیروار ششیم ۱۱ بجے ۵۰ م دن سے

۱۹، " سوموار دہم۔ ۲۱، مئی بدھوار باہ۔

جیٹھ کرشنہ پکھ۔

۲۸، مئی بدھوار پنجم۔

جیٹھ شکلہ پکھ۔

۱۸، جون بدھوار کاہ۔

۲۰، " شکروار ترواہ ۱ بجے ۵۰ م تک

آشاڑہ کرشنہ پکھ۔

۲۶، جون بیروار پنجم ۱ بجے تک۔

آشاڑہ شکلہ پکھ۔

۹، جولائی بدھوار دوئی۔ ۱۴، جولائی سوموار ستم

۱۸، " شکروار باہ۔

شراون کرشنہ پکھ۔

۲۳، جولائی بدھوار دوئی ۱۲ بجے دن تک۔

شراون شکلہ پکھ۔

۱۱، اگست سوموار ششیم۔ ۱۴، اگست بیروار نوم۔

اسوج شکلہ پکھ۔

۶، اکتوبر سوموار ترے۔ ۱۳، اکتوبر سوموار کاہ

کارتک کرشنہ پکھ۔

۲۲، اکتوبر بدھوار پنجم۔ ۲۳، اکتوبر بیروار پنجم

کارتک شکلہ پکھ۔

۱۳، نومبر بیروار باہ ۱۲ بجے دن سے

۱۴، " شکروار ترواہ ۲ بجے دن تک۔

مارگ کرشنہ پکھ۔

۱۹، نومبر بدھوار ترے۔ ۲۱، نومبر شکروار پنجم۔

مارگ شکلہ پکھ۔

۵، دسمبر شکروار چورم ۱ بجے ۲م دن سے

۱۱، " بیروار کاہ ۱ بجے دن سے

۱۲، " شکروار باہ ۳ بجے دن تک۔

ماگھ کرشنہ پکھ۔

۱۶، جنوری شکروار اکدو ۱۰ بجے دن سے

ماگھ شکلہ پکھ۔

۲، فروری سوموار چورم ۱ بجے ۵۰ م سے

۴، " بدھوار ششیم۔ ۵، فروری بیروار ششیم

۱۰ بجے ۱۰ م دن ۔ سے

۹، " سوموار کاہ ۳ بجے دن تک۔

۱۱، " بدھوار ترواہ ۲ بجے دن تک۔

پھاگن کرشنہ پکھ۔

۱۶، فروری سوموار ترے۔ ۱۸، فروری بدھوار

پھاگن شکلہ پکھ۔

۴، مارچ بدھوار پنجم۔ ۱۱، مارچ بدھوار باہ

تروڑا کرن (زرہ کا سیئے) مہورت

چیت شکلہ پکھ۔

۱۶، اپریل بدھوار ستم ۱ بجے ۵۹ م دن سے

۴ بجے ۱۵ م دن تک سہم لگن۔

ویشاکھ شکلہ پکھ۔

۱۲، مئی سوموار ترے ۷ بجے ۵۰ م صبح سے

۹ بجے ۴۰ م صبح تک متھن لگن۔

۲۱، مئی بدھوار باہ ۱۱ بجے ۵۰ م دن سے ۲ بجے

۶ م دن تک سہم لگن۔ سے

جیٹھ شکلہ پکھ۔

۱۸، جون بدھوار کاہ ۹ بجے ۵۹ م دن سے ۱۲ بجے

۱ م دن تک سہم لگن۔

اشاڑہ شکلہ پکھ۔

۹، جولائی بدھوار دوئی ۱۰ بجے ۴۵ م دن سے

۱ بجے ۶ م دن تک کنیا لگن۔

۱۴، " سوموار ستم ۱۰ بجے ۳۰ م دن سے ۱۲ بجے

۴۰ م دن تک کنیا لگن۔

اسوج شکلہ پکھ۔

۶، اکتوبر سوموار ترے ۱۰ بجے ۱۵ م دن سے

۱۲ بجے ۱۰ م دن تک ورچک لگن۔

۸، " بدھوار پنجم ۲ بجے ۲۵ م دن سے

۳ بجے ۱۵ م دن تک مکر لگن۔

کارتک کرشنہ پکھ۔

۲۲، اکتوبر بدھوار پنچم ۱۱ بجے ۳۰ م دن سے
۱ بجے ۲۶ م دن تک دھن لگن سم۔

مارگ کرشنہ پکھ۔

۱۹، نومبر بدھوار ترے ۱ بجے ۲۰ م دن سے
۲ بجے ۲۶ م دن تک قومبھ لگن سم۔
۲۱، ؍؍ شکروار پنچم ۱ بجے ۱۰ م دن سے ۲ بجے
۲۹ م دن تک قومبھ

ماگھ شکلہ پکھ۔

۴، فروری بدھوار شٹیم۔ ۱۱ بجے ۵۹ م دن سے
۱ بجے ۵۶ م دن تک ورلیش لگن۔
۹، ؍؍ سوموار کاہ ۱۱ بجے ۴۰ م سے ۱ بجے ۲۰ م
تک ورلیش لگن۔
۱۱، ؍؍ بدھوار ترواہ ۱ بجے ۲۰ م دن سے
۳ بجے ۴۰ م دن تک متھن لگن

پھاگن شکلہ پکھ۔

۱۱، مارچ بدھوار کاہ ۹ بجے ۵۰ م دن سے
۱۰ بجے ۳۰ م دن تک ورلیش لگن سم۔

وِدیھا آرمبھ مہورت

چیت شکلہ پکھ۔

۲۰، اپریل آتوار کاہ ۴ بجے سے

ویشاکھ کرشنہ پکھ۔

۲۷، اپریل آتوار ترے ۷ بجے صبح تک

ویشاکھ شکلہ پکھ۔

۱۱، مئی آتوار دوئی ۲ بجے دن تک
۲۱، ؍؍ بدھوار باہ۔

جیٹھ کرشنہ پکھ۔

۲۵، مئی آتوار دوئی ۲ بجے سے
۲۸، ؍؍ بدھوار پنچم۔

جیٹھ شکلہ پکھ۔

۱۸، جون بدھوار کاہ۔ ۲۰، جون شکروار ترواہ

آشاڑھ کرشنہ پکھ۔

۲۶، جون بیروار پنچم ۱ بجے دن تک۔

آشاڑھ شکلہ پکھ۔

۹، جولائی بدھوار دوئی۔ ۱۳، جولائی آتوار شٹیم
۱۷، ؍؍ بیروار ترواہ۔ ۱۸، جولائی شکروار باہ

شراون کرشنہ پکھ۔

۲۳، جولائی بدھوار دوئی ۲ بجے دن تک

شراون شکلہ پکھ۔

۸، اگست شکروار ترے۔ ۱۰، اگست آتوار پنچم
۱۴، ؍؍ بیروار نوم ۲ بجے سے
۱۵، ؍؍ شکروار دہم۔

اسُوج شکلہ پکھ۔

۵، اکتوبر آتوار دوئی۔ ۹، اکتوبر بیروار شٹیم ۱۱ بجے تک
۱۲، ؍؍ آتوار دہم۔

کارتک کرشنہ پکھ۔

۲۲، اکتوبر بدھوار پنچم ۱

کارتک شکلہ پکھ۔

۷، نومبر شکروار شٹیم۔ ۱۳، نومبر بیروار باہ
۱۲ بجے ۱۰ م دن سے
۱۴، ؍؍ شکروار ترواہ ۱ بجے دن تک

مارگ کرشنہ پکھ۔

۳، دسمبر بدھوار دوئی۔ ۴، دسمبر بیروار ترے ۲ بجے
دن تک۔
۵، ؍؍ شکروار چودم ۱۲ بجے دن سے
۱۱، ؍؍ بیروار کاہ۔ ۱۲، دسمبر شکروار باہ۔

ماگھ شکلہ پکھ۔

۴، فروری بدھوار شٹیم۔ ۸، فروری آتوار دہم
۱۱، فروری بدھوار ترواہ۔

پھاگن کرشنہ پکھ۔

۱۸، فروری بدھوار پنچم۔

پھاگن شکلہ پکھ۔

۴، مارچ بدھوار پنچم۔ ۱۱، مارچ بدھوار کاہ۔

جنیؤ - مینہ کا مہورت

بادر شکلہ پکھ۔

۷، ستمبر آتوار ترے۔ ۸، ستمبر سوموار چودم۔ ۱۰، ستمبر
بدھوار ستم۔ ۱۴، ستمبر آتوار کاہ۔ ۱۵، ستمبر سوموار باہ۔

دیپ دان مہورت۔

کارتک شکلہ پکھ
۱۴ر نومبر شکروار ترواہ ۲ بجے تک
ماگھ کرشنہ پکھ۔
۱۶ر جنوری شکروار اکدو۔ ۱۹ر جنوری سوموار
چورم ۲ بجے دن سے۔ ۲۱ر جنوری بدھوار ششٹم
۲۳ر ،، شکروار اشٹم ۱۰ بجے تک۔
۲۶ر ،، سوموار باہ۔
ماگھ شکلہ پکھ۔
۴ر فروری بدھوار ششٹم۔ ۹ر فروری سوموار کاہ
پھاگن کرشنہ پکھ۔
۱۸ر فروری بدھوار پنجم۔ ۲۳ر فروری سوموار دہم
پھاگن شکلہ پکھ۔
۴ر مارچ بدھوار پنجم۔ ۱۱ر مارچ بدھوار کاہ۔

دودھ دینے کے مہورت۔

چیت شکلہ پکھ۔
۲۲ر اپریل منگلوار ترواہ۔
ویشاکھ کرشنہ پکھ۔
۲۷ر اپریل آتوار ترے ۹ بجے صبح تک
ویشاکھ شکلہ پکھ۔
۱۳ر مئی منگلوار چورم ۴ بجے دن سے۔
۱۵ر ،، بیروار ششٹم ۱ بجے دن سے۔
۲۰ر ،، منگلوار کاہ۔
جیٹھ کرشنہ پکھ۔
۲۵ر مئی آتوار دوئی ۲ بجے دن سے۔
۸ر جون آتوار اکدو۔ ۱۰ر جون منگلوار ترے۔
۲۲ر جون آتوار پونم۔
آشاڑھ کرشنہ پکھ۔
۲۴ر جون منگلوار ترے ۵ بجے دن سے۔
آشاڑھ شکلہ پکھ۔
۸ر جولائی منگلوار اکدو۔ ۱۳ر جولائی آتوار ششٹم
۲ بجے دن سے۔ ۱۷ر جولائی بیروار کاہ ۱۰ بجے سے
شراون کرشنہ پکھ۔
۲۲ر جولائی منگلوار اکدو۔
شراون شکلہ پکھ۔
۱ر اگست آتوار پنجم۔ ۱۲ر اگست بیروار توم
اسوج شکلہ پکھ۔
۹ر اکتوبر بیروار ششٹم۔ ۱۲ر اکتوبر آتوار دہم
پھاگن شکلہ پکھ۔
۱۰ر مارچ منگلوار دہم۔

پرویش مہورت (نئے مکان میں داخل ہونے کا)

چیت شکلہ پکھ۔
۱۷ر اپریل بیروار اشٹم ۱۲ بجے ۱۵م دن سے ۱ بجے
۵۰م تک کرکٹ لگن۔
۲۱ر اپریل سوموار باہ ۹ بجے ۱۱م دن سے ۱۱ بجے ۵م
تک متھن لگن۔
ویشاکھ شکلہ پکھ۔
۱۲ر مئی سوموار ترے ۷ بجے ۵۰م صبح سے ۹ بجے
۴۰م دن تک متھن لگن سم۔
۱۹ر مئی سوموار دہم ۷ بجے ۲۰م صبح سے ۹ بجے
۱۰م دن تک متھن لگن
۲۱ر ،، بدھوار باہ ۷ بجے ۲۶م سے ۹ بجے ۶م
تک متھن لگن۔
۹ بجے ۵۰م دن سے ۱۱ بجے ۴۰م دن تک کرکٹ لگن۔
جیٹھ کرشنہ پکھ۔
۲۹ر مئی بیروار ششٹم ۸ بجے ۵۰م صبح سے ۱۱ بجے
۲م دن تک کرکٹ لگن سم۔
جیٹھ شکلہ پکھ۔
۱۸ر جون بدھوار کاہ ۲ بجے ۴۰م دن سے
۵ بجے تک تول لگن۔
آشاڑھ شکلہ پکھ۔
۹ر جولائی بدھوار دوئی ۵ بجے ۵۸م صبح سے
۸ بجے ۱۰م تک متھن لگن۔
۱۲ر ،، سنیچروار پنجم ۱۲ بجے ۵۹م دن سے ۳ بجے
۴۴م دن تک تول لگن۔
۱۴ر ،، سوموار ستم ۱۲ بجے ۵۰م دن سے ۲ بجے ۴۴م تک تول لگن۔

اسوج ش۔ پکھ

۶ر اکتوبر س۔ ترے ۱۲ بجے ۳۰م دِن سے ۲ بجے

۱ دِن تک دھن لگن سم۔

۔گ کرشنہ پکھ۔

۱۹ر نومبر بدھوار ترے ۱ بجے ۱۵م سے ۲ بجے ۲۰م

تک قومبھ لگن۔

مارگ شکلہ پکھ۔

۱۱ر دسمبر بیروار کاہ ۱۱ بجے ۵۶م دِن سے ۱ بجے

۲م دِن تک قومبھ لگن۔

پھاگن کرشنہ پکھ۔

۱۶ر فروری سوموار ترے ۱۲ بجے ۵۹م دِن سے

۳ بجے ۱۰م دِن تک مِتھن لگن۔

شُشتر لاگوُن مہورت

پوہ کرشنہ پکھ۔

۱۸ر دسمبر بدھوار دوئی۔ ۱۹ر دسمبر شکروار ترے

۲۴ر ؍؍ بدھوار اشٹم۔ ۲۶ر دسمبر شکروار دہم۔

۲۸ر دسمبر آتوار باہ۔

پوہ شکلہ پکھ۔

۲ر جنوری شکروار ترے۔ ۱۲ر جنوری سوموار ترواہ

وِمن واستو۔ چُولہا بنانے یا تپانے کا مہورت

چیت شکلہ پکھ۔

۱۷ر اپریل بیروار اشٹم۔ ۲۱ر اپریل سوموار باہ

ویشاکھ کرشنہ پکھ۔

۲۵ر اپریل شکروار اکدو ۴ بجے دن سے

ویشاکھ شکلہ پکھ۔

۱۲ر مئی سوموار ترے ۱۰ بجے دن تک۔

۲۱ر ؍؍ بدھوار باہ ۴ بجے ۵م دِن سے

جیٹھ کرشنہ پکھ۔

۲۸ر مئی بدھوار پنچم۔

جیٹھ شکلہ پکھ۔

۱۸ر جون بدھوار کاہ۔ ۲۰ر جون شکروار ترواہ

آشاڑھ شکلہ پکھ۔

۹ر جولائی بدھوار دوئی۔ ۱۱ر جولائی شکروار

چورم ۳ بجے ۵۰م دِن سے۔

۱۴ر جولائی سوموار ستم۔ ۱۸ر جولائی شکروار کاہ

شراون کرشنہ پکھ۔

۲۳ر جولائی بدھوار دوئی ۱۲ بجے ام تک

شراون شکلہ پکھ۔

۸ر اگست شکروار ترے ۲ بجے ۳۰م دِن سے

۱۴ر ؍؍ بیروار نوم ۲ بجے ۵۰م دِن سے

۱۵ر ؍؍ شکروار دہم ۳ بجے دِن تک

اسوُج شکلہ پکھ۔

۶ر اکتوبر سوموار ترے۔ ۸ر اکتوبر بدھوار پنچم۔

۱۳ر ؍؍ سوموار کاہ ۱۱ بجے دِن تک۔

کارتک کرشنہ پکھ۔

۲۲ر اکتوبر پنچم ۱۲ بجے دِن سے۔

مارگ کرشنہ پکھ۔

۱۹ر نومبر بدھوار ترے۔ ۲۱ر نومبر

شکروار پنچم۔

مارگ شکلہ پکھ۔

۵ر دسمبر شکروار چورم ۱۲ بجے دن سے

ماگھ شکلہ پکھ۔

۲ر فروری شکروار کاہ ۳ بجے دن تک۔

۱۱ر ؍؍ بدھوار ترواہ ۴ بجے دِن تک۔

پھاگن کرشنہ پکھ۔

۱۶ر فروری سوموار ترے۔

پھاگن شکلہ پکھ۔

۱۱ر مارچ بدھوار کاہ۔

شنکھو پرتِشٹھا۔ بُنیاد مکان۔

پوُرب پچھم مُکھ

شراون کرشنہ پکھ۔

۲۳ر جولائی بدھوار دوئی ۱۲ بجے ۲۲م دِن سے

۲ بجے ۲م دِن تک تول لگن۔

شراون شکلہ پکھ۔

۱۱ر اگست سوموار شِشٹم ۱۱ بجے ۲م دِن سے

ا بجے ۲ م دِن تک تول لگن سم۔

بادار شکلہ پکھ۔

۶ ر ستمبر سینچروار دوئے ۹ بجے ۳۰ م دِن سے
۱۱ بجے ۴۶ م دِن تک تول لگن سم
۲ بجے ۱۰ م دن سے ۴ بجے دِن تک دھن لگن۔

۸ ر ستمبر سوموار چورم ۹ بجے ۱۰ م دِن سے
۱۱ بجے ا م دِن تک تول لگن سم۔
ا بجے ۵۶ م دِن سے ۳ بجے ۴۹ م
دِن تک دھن لگن سم۔

۱۵ ر ستمبر سوموار یاہ ۴ بجے ۱۴ م دِن سے
۵ بجے ۱۱ م دِن تک مکر لگن سم۔

ماگھ شکلہ پکھ۔

۹ ر فروری کاہ سوموار ۸ بجے ۵۵ م صبح سے
۹ بجے ۵ م صبح تک مین لگن۔
۱۱ بجے ۴۰ م دِن سے ا بجے ۲۰ م دِن
تک وریش لگن۔

۱۱ ر فروری ترواہ بدھوار ۱۱ بجے ۳۰ م دن سے
ایک بجے ۲۰ م دن تک وریش لگن سم۔

پھاگن کرشنہ پکھ۔

۱۶ ر فروری سوموار ترے ۱۲ بجے ۵۹ م سے
۳ بجے ۱۵ م تک متھن لگن سم۔

۱۹ ر فروری بیروار شٹیم ۱۲ بجے ۵۰ م سے
۲ بجے ۵۹ م تک متھن لگن سم۔

شکھو پرتشٹھا۔ دکھن اُتر مکھ۔

چیت شکلہ پکھ

۱۶ ر اپریل بدھوار ستم ۱۰ بجے ۵۰ م دِن سے
۱۱ بجے ۴۱ م دِن تک متھن لگن سم۔

۱۷ ر اپریل بیروار اشٹم۔ ۹ بجے ۵۶ م دن سے
۱۱ بجے ۲۰ م دِن تک متھن لگن۔

۲۱ ر اپریل سوموار یاہ ا بجے ۴۰ م دِن سے
۴ بجے ۷ م دِن تک سہم لگن سم۔

ویشاکھ شکلہ پکھ۔

۱۲ ر مئی سوموار ترے ۵ بجے ۱۵ م صبح سے
۷ بجے ۲۰ م صبح تک وریش لگن سم۔
۷ بجے ۵۰ م صبح سے ۹ بجے ۴۴ م دن تک
متھن لگن سم۔

۱۹ ر مئی سوموار دہم ۱۱ بجے ۵۶ م دِن سے
۲ بجے ۲۰ م دِن تک سہم لگن۔

۲۱ ر مئی بدھوار یاہ ۱۱ بجے ۵۰ م دن سے
۲ بجے ا م دِن تک سہم لگن۔

کارتک کرشنہ پکھ۔

۲۲ ر اکتوبر بدھوار پنچم۔ ۱۱ بجے ۵۶ م سے
ا بجے ۲۰ م تک دھن لگن سم۔

۲۳ ر اکتوبر بیروار پنچم ۹ بجے ۲ م دِن سے
۱۱ بجے ا م دِن تک ورچک لگن۔

کارتک شکلہ پکھ۔

۱۴ ر نومبر شکروار ترواہ ۷ بجے ۳۳ م صبح سے
۸ بجے ۵۶ م صبح تک ورچک لگن سم۔

مارگ کرشنہ پکھ۔

۱۹ ر نومبر بدھوار ترے۔ ۱۱ بجے ۵۱ م دِن سے
ا بجے ۱۰ م دِن تک مکر لگن سم۔

۲۱ ر نومبر شکروار پنچم ۱۱ بجے ۳۲ م دِن سے
ا بجے ۶ م دِن تک مکر لگن سم۔

مارگ شکلہ پکھ۔

۱۱ ر دسمبر بیروار کاہ ۸ بجے ۱۰ م دِن سے
۱۰ بجے ۱ م دِن تک دھن لگن سم۔

سماپت تھورت
پر کرن !

گِنت کرتا جوتشی اُومکار ناتھ

جوتش شری
پنچانگ

مُول چکر برائے سمت ۲۰۴۳ بکرمی مُطابق سمت ۸۷/۱۹۸۶ عیسوی

(ب) بجے (م) منٹ

تاریخ و ماہ	ماس	آرمبھ ہونیکا وقت	مُول کا پہلا پاد (حصہ)	دوسرا پاد (حصہ)	تیسرا پاد (حصہ)	چوتھا پاد (حصہ)	سماپت و تاریخ و تیتھی۔
۲۷ر اپریل آتوار سنہ ۱۹۸۶ء	ویساکھ کرشنہ پکھ ترے	۴ بجے ۵۳م رات سے	۱۰ بجے ۲۰م صبح تک	۴ بجے ۷م دن تک	۹ بجے ۴۴م شام تک	۳ بجے ۴۲م رات تک	۲۸ر اپریل سوموار چودم ۳ بجے ۲۴م رات سے
۲۵ر مئی آتوار	جیٹھ کرشنہ پکھ دوئی	۱ بجے ۲م دن سے	۶ بجے ۳۷م شام تک	۱۱ بجے ۱۲م رات تک	۵ بجے ۴۷م صبح تک	۱۱ بجے ۲۳م دن تک	۲۶ر مئی سوموار ترسے ۱۱ بجے ۳۳م دن سے
۲۱ر جون سنیچروار	جیٹھ شکلہ پکھ چودواہ	۹ بجے ۱۱م شام سے	۲ بجے ۴۷م رات تک	۸ بجے ۴۲م صبح تک	۲ بجے ۱م دن تک	۷ بجے ۲۸م شام تک	۲۲ر جون آتوار پُونم ۷ بجے ۲۸م شام سے
۱۹ر جولائی سنیچروار	اشاڑھ شکلہ پکھ تردواہ	۵ بجے ۲۱م صبح سے	۱۰ بجے ۵۷م دن تک	۴ بجے ۳۲م دن سے	۱۰ بجے ۹م شام تک	۳ بجے ۴۵م رات تک	۲۰ر جولائی آتوار چودواہ ۳ بجے ۴۵م رات سے
۱۵ر اگست شکروار	شراون شکلہ پکھ دہم	۱ بجے ۲۳م دن سے	۷ بجے ۱م شام تک	۱۲ بجے ۳۹م رات	۶ بجے ۱۸م صبح	۱۱ بجے ۵۵م دن تک	۱۶ر اگست سنیچروار کاہ ۱۱ بجے ۵۶م دن تک
۱۱ر ستمبر بیروار	بادر شکلہ پکھ اشٹم	۹ بجے ۴۰م رات سے	۳ بجے ۴۰م رات تک	۹ بجے ۴۰م صبح تک	۳ بجے ۴۰م دن	۹ بجے ۴۰م رات تک	۱۲ر ستمبر شکروار نوم ۹ بجے ۴۰م رات سے
۹ر اکتوبر بیروار	اسوج شکلہ پکھ ششم	۵ بجے ۱م صبح سے	۱۰ بجے ۴۹م دن تک	۴ بجے ۲۵م دن تک	۱۰ بجے ۲م رات تک	۴ بجے ۱۲م رات تک	۱۰ر اکتوبر شکروار ستم ۴ بجے ۱۲م رات سے
۵ر نومبر بدھوار	کارتک شکلہ پکھ چورم	۲ بجے ۱م دن سے	۷ بجے ۳۶م شام تک	۱ بجے ۱۲م رات تک	۶ بجے ۷ ۴م صبح تک	۱۲ بجے ۲۴م دن تک	۶ر نومبر بیروار پنچم ۱۲ بجے ۲۴م دن سے
۲ر دسمبر منگلوار	مارگ شکلہ پکھ اکدو	۱۰ بجے ۱۰م رات سے	۳ بجے ۴۵م رات تک	۹ بجے ۲۰م صبح تک	۲ بجے ۵۶م رات تک	۸ بجے ۳۱م شام تک	۳ر دسمبر بدھوار دوئی ۸ بجے ۳۱م شام تک
۲۹ر دسمبر سوموار	پوہ کرشنہ پکھ تردواہ	۶ بجے ۲۱م رات سے	۱۱ بجے ۵۶م رات تک	۵ بجے ۳۱م صبح تک	۱۱ بجے ۶م رات تک	۴ بجے ۴۱م رات تک	۳۰ر دسمبر منگلوار چودواہ ۴ بجے ۴۱م رات سے
۲۶ر جنوری سوموار	ماگھ کرشنہ پکھ باہ	۲ بجے ۲۰م دن سے	۷ بجے ۵۸م شام	۱ بجے ۳۶م رات تک	۷ بجے ۴۱م صبح تک	۱۲ بجے ۵۳م دن تک	۲۷ر جنوری منگلوار تردواہ ۱۲ بجے ۵۲م دن سے
۲۲ر فروری آتوار	پھاگن کرشنہ پکھ نوم	۱۰ بجے ۳۹م رات سے	۴ بجے ۱۴م رات	۹ بجے ۹م صبح تک	۳ بجے ۲۵م دن تک	۹ بجے ۱م رات تک	۲۳ر فروری سوموار دہم ۹ بجے ۱م رات سے
۲۲ر مارچ آتوار	چیت کرشنہ پکھ ستم	۶ بجے ۴۸م صبح سے	۱۲ بجے ۲۴م دن سے	۶ بجے ۱م شام تک	۱۱ بجے ۲۷م رات تک	۵ بجے ۱۲م رات تک	۲۳ر مارچ سوموار اشٹم ۵ بجے ۱۳م رات سے

(نوٹ): مول نکھتر میں اکثر پیدا ہوا لڑکا یا لڑکی ہانی کارک ہوتے ہیں۔ مگر مول شانتی کرنے سے شبھ پھل دایک ہوتے ہیں۔ مول کی شانتی اگر کرنی ہو تو شکلہ پکھ میں جس دن مول نکھتر ہو اُسی دن شانتی کرنی چاہئے رگنت کرتا۔ جیوتشی اُوم کار ناتھ جیوتش وشارد ھبوری کدل سرینگر کشمیر۔

ورگ گنت کے آدھار پر آمدنی و خرچ کا بابت سال سمت ۲۰۴۳ ب عیسوی سمت ۸۷/۱۹۸۶

راشیاں	میش	ورِش	مِتھن	کرکٹ	سِہم	کن	تول	ورچِک	دھن	مکر	کومبھ	مین
آمدنی	۲	۱۱	۲	۱۱	۱۴	۲	۱۱	۲	۱۴	۸	۸	۱۴
خرچ	۵	۱۱	۱۱	۵	۲	۱۱	۱۱	۵	۸	۱۱	۱۱	۸
گھاتہ چندرمہ	۱	۵	۹	۲	۶	۱۰	۳	۷	۴	۸	۱۱	۱۲
گھاتہ وار	آتوار	سینچروار	سوموار	بدھوار	سینچروار	سینچروار	بیروار	شکروار	شکروار	منگلوار	ویروار	شکروار
گھاتہ نکھشتر	مگ	ہست	سوات	انرادھ	مُول	شرون	شتبھشک	ریوت	برن	روہن	آردرا	اشلیش
استری گھاتہ چندرمہ	۱	۸	۷	۹	۲	۳	۶	۲	۱۰	۱۱	۵	۱۲

نوٹ:- آمدنی و خرچ کے ہندسوں کو جمع کر کے ایک کم کریں اور باقی کو ۸ پر تقسیم کریں۔ اگر باقی ایک بچے تو سکھ اور شانتی، نوکری و کاروبار میں فائدہ ملے گا۔ اگر ۲ باقی بچیں تو منو کامنا پورن سواری کا سکھ اور اچانک یاترا ہوگی۔ اگر ۳ باقی بچیں تو دھن کا نقصان، بیماری کا خوف، دشمنوں کا خطرہ اور من میں چنچلتا بنی رہے۔ اگر ۴ رہیں تو استھان تبدیلی کا یوگ، گھریلو فکر۔ دھن کا فضول خرچ۔ دربار میں رکاوٹ۔ استری پکھ کمزور رہے گا۔ اگر ۵ بچے تو کاروبار میں رکاوٹ۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ مقدمے کا ڈر۔ سال کا پہلا حصہ خراب۔ اگر ۶ بچے تو زمین جائیداد کا سکھ۔ دربار میں راج لوگ۔ دھن کا فائدہ۔ عزت ملے۔ اگر ۷ باقی بچیں تو کاروبار اور نوکری میں اضافہ ہوگا۔ نیا کام کرنے کا یوگ۔ استری پکھ سکھ۔ برادری سے فائدہ اور سواری کا سکھ ملے گا۔ اگر صفر باقی بچے تو یہ ورش ہر طرح پریشانی کا سال ہوگا۔ کاروبار میں دوڑ دھوپ کرنی پڑے گی۔ من میں فکر اور چوٹ کا خطرہ بنا رہے گا۔ جن راشی والوں کو ورش کمزور رہتا ہے۔ انہیں نیم کے مطابق ایشٹ دیو کا پاٹھ کرنا چاہیے اور سنکلپ کی اشٹمی کو ورت رکھنا چاہیے۔ منگلوار کے دن وشنو رہنا ضروری ہے۔

ورت ایک نظر میں بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۸۷/۱۹۸۶

کمار شیٹم ورت	سنکٹ چورم ورت	اشٹمی ورت	پورنماشی ورت	اماسی ورت	سنکراتی ورت
۱۵، اپریل منگلوار شیٹم	۲۷، اپریل آتوار	۱۷، اپریل بیروار اشٹم	۲۴ اپریل بیروار پونم	۹، اپریل بدھوار	۱۴، اپریل سوموار پنچم
۱۴، مئی بدھوار	۲۶، مئی سوموار	۱۷، مئی سنیچروار اشٹم	۲۳، مئی شکروار	۸، مئی بیروار	۱۵، مئی بیروار شیٹم
۱۳، جون شکروار	۲۵، جون بدھوار	۱۵، جون آتوار	۲۴، جون آتوار پونم	۷، جون سنیچروار	۱۵، جون آتوار اشٹم
۱۲، جولائی سنیچروار	۲۴، جولائی بیروار	۱۵، جولائی منگلوار	۲۱، جولائی سوموار	۷، جولائی سوموار	۱۷، جولائی بیروار کاہ
۱۱، اگست سوموار	۲۳، اگست سنیچروار	۱۳، اگست بدھوار	۱۹، اگست منگلوار	۵، اگست منگلوار	۱۷، اگست آتوار ترواہ
۹، ستمبر منگلوار	۲۱، ستمبر آتوار	۱۱، ستمبر بیروار	۱۸، ستمبر بیروار	۴، ستمبر بیروار	۱۷، ستمبر بدھوار چوداہ
۸، اکتوبر بدھوار	۲۱، اکتوبر منگلوار	۱۱، اکتوبر سنیچروار	۱۷، اکتوبر شکروار	۳، اکتوبر شکروار	۱۸، اکتوبر سنیچروار اکدو
۷، نومبر شکروار	۲۰، نومبر بیروار	۹، نومبر آتوار	۱۶، نومبر آتوار	۲، نومبر آتوار	۱۶، نومبر آتوار پونم
۶، دسمبر سنیچروار	۲۰، دسمبر سنیچروار	۸، دسمبر سوموار	۱۶، دسمبر منگلوار	۱، دسمبر سوموار	۱۶، دسمبر منگلوار پونم
				۳۱، دسمبر بدھوار	
۵، جنوری سوموار	۱۸، جنوری اتوار	۷، جنوری بدھوار	۱۵، جنوری بیروار	۲۹، جنوری بیروار	۱۴، جنوری بدھوار پونم
۳، فروری منگلوار	۱۷، فروری منگلوار	۶، فروری شکروار	۱۳، فروری شکروار	۲۷، فروری شکروار	۱۳، فروری شکروار پورنماشی
۵، مارچ بیروار	۱۸، مارچ بدھوار	۸، مارچ آتوار	۱۵، مارچ آتوار	۲۹ مارچ آتوار	۱۵، مارچ آتوار = پونم

۹ اپریل تھال بھرون شری بھٹ دوس
۱۰ اپریل برہسپت ماس تو درگا آرمبھ نوروز نیا سال
۱۳ اپریل بیساکھی۔
۱۴ ر ؍ سنکراتی ورت۔
۱۵ ر ؍ کمار شیٹم ورت۔
۱۷ ر ؍ درگا اشٹمی۔
۱۸ ر ؍ شری رام نومی۔
۲۲ ر ؍ مہاویر جینتی۔
۲۴ ر ؍ ہنومان جینتی شب برات چاند گرہن
۲۵ ر ؍ سنکٹ چورم۔
۲۸ ر ؍ اکت سُنی استری پنچمی منگلیشور بھرو جینتی
۲۹ ر ؍ وتیال شیٹم۔ ریشہ پیر شرادھ۔
۳ ر مئی لکشمی نراین یگنہ۔
۵ ر ؍ سوامی لکشمن جی جنم۔
۸ ر ؍ ولبھا آچاریہ جنم۔
۱۱ ر ؍ پرشورام جینتی۔ روزہ شروع۔
۱۴ ر ؍ کمار شیٹم۔
۱۵ ر ؍ سنکراتی ورت۔
۲۰ ر ؍ نارہ کاہ۔ مادھوی کاہ۔
۲۴ ر ؍ گنیش چوداہ۔

اوم شری گنیشائے نمہ !!

ورت - پرو - تہوار وغیرہ یک نظر میں بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶/۸۷ شاکا سمت ۱۹۰۸

۲۳ ر مئی بدھ پورنماشی۔ بدھ جینتی۔
۲۴ ر ؍ نارد جینتی۔
۲۶ ر ؍ سنکٹ چورم۔
۳۱ ر ؍ شیتلا سفیتمی۔
۳ ر جون رتھا کاہ بدر کالی جینتی۔
۵ ر جون شب قدر۔
۶ ر ؍ برہم یگنہ جینتی۔
۷ ر ؍ وٹہ ساوتیری ورت و شنیچر اماوسی۔
۱۰ ر ؍ عید الفطر و پرتاپ جینتی۔
۱۳ ر ؍ کمار شیٹم۔
۱۵ ر ؍ سنکراتی ورت اور جیٹھہ اشٹمی کھیر بھوانی یاترا
۱۷ ر ؍ گنگا جنم۔
۲۱ ر ؍ دکھنایں میں سُریہ۔
۲۲ ر ؍ ماتا روپ بھوانی جینتی۔
۲۳ ر ؍ گرو گووند جنم۔
۲۵ ر ؍ سنکٹ چورم۔

۲ ر جولائی یوگنی کاہ۔ ۷ ر جولائی سمری اماوس
۱۲ ر ؍ کمار شیٹم ورت
۱۳ ر ؍ سوامی سوم آنند جی جنم۔ یوم شہداء
۱۵ ر ؍ آشاڑہ اشٹمی و آشاڑہ نومی اور شاریکا بھگوتی جینتی۔
۱۸ ر ؍ ہری سواپ لوکہ بھون یاترا بھگوان گوپی ناتھ جینتی۔
۲۰ ر ؍ جوالا چتر دستی کھرو یاترا۔
۲۱ ر ؍ آشاڑہ پورنماشی۔ گرو پورنماشی
۲۴ ر ؍ سنکٹ چورم۔
یکم اگست کملاہ کاہ۔
۵ ر ؍ ہریالی اماوس
۹ ر ؍ ورد گنیش چورم۔
۱۰ ر ؍ ناگ پنچمی۔ ۱۱ ر اگست کمار شیٹم۔
۱۲ ر ؍ بدھا اشٹمی و ہرد اشٹمی۔
۱۶ ر ؍ شرلون باہ۔ شوپیا یاترا۔
۱۷ ر ؍ سنکراتی ورت سنگھ آرمبھ عید الضحیٰ

۱۹ ر اگست رکھشا بندھن امرناتھ درشن گایتری جینتی۔
۲۲ ر ؍ کورم ترے۔
۲۳ ر ؍ سنکٹ چورم نو دل یاترا۔
۲۵ ر ؍ چندن شیٹم۔ ۲۷ ر جنم اشٹمی ایک۔
۴ ر ستمبر کوشا اماوسی۔
۷ ر ؍ ہرتالیکا ترے۔ ۸ ر ونایک چورم۔
۹ ر ؍ کمار شیٹم۔ ۱۱ ر گنگا اشٹمی رادھا اشٹمی
۱۴ ر ؍ نارینی کاہ گوتم ناگ یاترا۔
۱۵ ر ؍ دامن باہ۔ ۱۷ ر سنکراتی ورت انت چودہ
۱۸ ر ؍ پتر پکھ آرمبھ۔ ۲۱ ر سنکٹ چورم۔
۲۵ ر ؍ صاحب ستم۔ ۲۹ ر ایندا کاہ۔
۲ ر اکتوبر گاندھی جینتی۔ ۳ ر پتر اماوس۔
۴ ر ؍ نو درگا آرمبھ گھٹ استھاپن۔
۸ ر ؍ کمار شیٹم۔
۱۱ ر ؍ برتری درگا اشٹمی۔ جوالا مکھی جینتی
۱۲ ر ؍ وجے دشمی دسہرہ۔ گرہن گنگا بل
۱۷ ر ؍ شرد پورنماشی تونگ پورنم ملمانت چاند

۱۸ ر اکتوبر سنکراتی ورت۔
۲۱ ر ؍ کرواچوتھ کرک چترتھی سنکٹ چورم
۲۶ ر ؍ شکر پنجم میں است۔
اول نومبر دیوالی دیپ مالا۔ کملا جینتی۔ ہنومان جینتی مہاویر جینتی۔
۳ ر ؍ انہ کوٹ گوردھن پوجن بھائی دوج
۵ ر ؍ شکر اودھے پورب میں۔
۷ ر ؍ کمار شیٹم۔ ۹ ر گوپال اشٹمی
۱۶ ر ؍ سنکراتی ورت کارتک پورنماشی گرو نانک جینتی
۲۰ ر ؍ سنکٹ چورم ۲۳ ر سُریہ ستم۔
۲۴ ر ؍ مہاکال بھیرو اشٹمی۔ ۲۷ ر اتپناہ کاہ
۸ ر دسمبر بھیرو اشٹمی ۱۱ ر موکھدا کاہ گیتا جینتی
یکم ؍ سمری اماوس ۶ ر دسمبر کمار شیٹم۔
۱۴ ر ؍ عرس پیر دستگیر صاحب ۱۵ ر ماسانت
۱۶ ر ؍ سنکراتی سنگھرہ۔ ۱۷ ر ماتریکا پوجن
۲۰ ر ؍ سنکٹ چورم ۲۱ ر اترائن میں سُریہ
۲۲ ر ؍ وتیال شیٹم ۲۴ ر شری مہاکالی جنم

۲۶ ر دسمبر آستیہ لشیور بھیرو جنم ۲۷ ر سفلا کاہ
۳۰ ر ؍ لاوس چوداہ یکھیا اماوس۔ ۳۱ ر اماوس ورت
۵ جنوری کمار شیٹم چندرما ماس ۶ ر گرو گووند جنم
۷ ر ؍ بدھا اشٹمی۔
۱۴ ر ؍ سنکراتی ورت ششر سنکراتی
۱۸ ر ؍ سنکٹ چورم ۲۱ ر صاحب ستم
۲۸ ر ؍ شیو چتر دستی ماگھ کی ایک۔
۳۰ ر ؍ گاندھی انتر دھیان دوس۔
یکم فروری گوری ترے ۲ ر ترپورا چورم
۳ ر ؍ بسنت پنچم کمار شیٹم ورت ۶ ر بھشم اشٹمی
۹ ر ؍ بھیم سین کاہ ۱۲ ر ہنی چوداہ ۱۳ ر سنکراتی
ماگھ پورنماشی ماگھ اسنان۔ ۱۷ ر سنکٹ چورم
۲۱ ر ؍ ہورا اشٹمی چکریشور یاترا ۲۴ ر وجے
۲۵ ر ؍ شیوراتری ایک ۲۶ ر شیو چتر دستی ایک
۲۷ ر ؍ اماوس ورت۔ ۵ مارچ کمار شیٹم۔
تیلہ اشٹمی۔ ۸ ر ہولا اشٹمی۔ ۱۲ ر برہم سواپ
۱۴ ر ؍ ماسانت تھال بھرون۔ ۱۵ ر سنکراتی ورت
ہولی اور برہسپت است ۱۸ ر سنکٹ چورم
۲۱ ر ؍ نوروز عالم ۲۳ ر شیتلا اشٹمی ۲۵ ر پاپ موچنی
۲۹ ر ؍ ورت اماسی شری بھٹ دوس۔ چندر سمت
سر سماپت شبھم بھوتو سرو جگتام

ساڑھ ستی۔ برہت کلیانی کا وچار تول۔ ورچک۔ دھن راشی والوں کیلئے بکرمی سمت ۲۰۴۳

عیسوی سمت ۱۹۸۶/۸۷

راشی	وقت	دورہ وقت	مقررہ وقت	کس حصے پر	اصلی کب آرمبھ ہوئی ہے	پھل	اُپائے۔
تول	۴ ماگھ ۲۰۴۱	ایک سال ۸ ماہ	۴ اسوج ۲۰۴۳	پاؤں پر۔	۲۴ اسوج ۲۰۳۶	کاروبار کی حالت مدھیم۔ صحت میں کمزوری۔ دھن کا ترچ۔ چوٹ کا خوف فضول سفر۔	بھوانی سہستر نام کا پاٹھ کریں اور منگلوار کے دن میٹھا بھوجن کھائیں دیں۔ سنیچر وار کے دن کُتوں کو روٹی ڈالیں
"	۴ اسوج ۲۰۴۳	۶ ماہ ۲۰ دن	۲۴ چیت ۲۰۴۳	دائیں ہاتھ پر۔	" "	کاروبار اچھا۔ سواری کا سُکھ۔ دھن کا فائدہ۔ لین دین سے فائدہ عزت وصحت میں کمزوری۔	
ورچک	۲۶ پھاگن ۲۰۴۲	ایک سال ۱ ماہ ۱۰ دن۔	۶ بیساکھ ۲۰۴۴	بائیں ہاتھ پر۔	۲۶ پوہ ۲۰۳۸	زمین جائیداد کا سکھ۔ عزت ملے صحت میں گری مقدمے کا خوف۔ کاروبار شبھ میں خرچ سفر سے فائدہ۔	منگلوار کے دن ہنومان جی کو بھوگ رکھیں اور شنکلہ پکھ کی اشٹمی کا ورت رکھیں۔
دھن	۶ کتک ۲۰۴۲	۶ ماہ ۲۰ دن	۲۶ بیساکھ ۲۰۴۳	گوہستان پر	۶ پوہ ۲۰۴۱	کاروبار کی حالت مدھم۔ سفر سے فائدہ دشمنوں کا خوف۔ استری پکھ کمزور	ہر دن اینداکی کا پاٹھ کیا کریں۔ اور سنکراتی کا ورت ضرور رکھیں۔

لگھو کلیانی۔ ڈھیا کا وچار (۱۲) راشیوں کیلئے شنیچر کا پایا وچار بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶/۸۷ کے لئے۔

راشی	شنیچر کا پایا	پھل وغیرہ۔
میش	تامبا	عزت کاروبار اچھا۔
ورش	سونا	خوف۔ چوٹ کا خطرہ۔ دھن کا نقصان۔
متھن	چاندی	دھن کا فائدہ عزت۔ کاروبار اچھا
کرکٹ	لوہا	فضول خرچ صحت خراب۔
سمہ	تامبا	من میں فکر۔ بیماری کا خطرہ

راشی۔	وقت۔	دورہ وقت۔	مقررہ وقت۔	کس حصے پر۔	اصلی کب آرمبھ ہوئی ہے۔	پھل۔	اوپائے۔
دھن	۲۶ بیساکھ ۲۰۴۳۔	۱۰ ماہ صرف۔	۲۶ پھاگن ۲۰۴۳۔	سر پر۔	۶ پوہ ۲۰۴۱۔	کسی رشتے دار کی فکر۔ اور گرہست پکھ سے فائدہ ملے۔	ست نارائن کی پوجا کریں۔ پیلا چاول کتوں کو ڈالیں۔
"	۲۶ پھاگن ۲۰۴۳	۶ ماہ اور ۲۰ دن	۶ اسوج ۲۰۴۴	آنکھوں پر	"		

راشی	شنیچر کا پایا	پھل وغیرہ۔
کن	چاندی	راج دربار میں عزت سواری کا سکھ صحت کمزور۔
تول	سونا	سفر فکر، بے عزتی۔
ورچک	لوہا	جھگڑا، صحت خراب
دھن	سونا	دھن کا فائدہ عزت۔
مکر	تامبا	سکھ، عزت بے
قومبھ	چاندی	دھن۔ عزت
مین	لوہا	رشتہ داروں سے جھگڑا۔ دھن کی ہانی، سفر۔

(نوٹ) :۔ ساڑھے ستی کا پھل ہر ایک راشی والوں کے لئے ہانی کارک ہوتی ہے۔ جو کہ ہر ایک شخص کو ۳۰۔ ۵۹۔ ۹۰ سال کے بعد آتی ہے۔ اگر جنم کنڈلی میں شنیچر نواسش اور بلوں سے اچھا ہو اور اشٹک ورگ میں بھی ٹھیک ہو تو ساڑھے مددھم پھل دایک ہوتی ہے۔ ورنہ ساڑھے ستی کا پھل اکثر جائیداد اور صحت کا نقصان کرتی ہے۔ اِس لئے جن راشی والوں کو ساڑھے ستی ہو۔ ان کو چاہئیے کہ وہ شنیچر کا دان اور چھایا دان کریں اگر ہو سکے تو تلا بھار کرنا ضروری ہے۔ اِس کے علاوہ ہر منگل وار اور سنیچر وار کے دن شری ہنومان جی کی پوجا کرنا تتھا ہنومان چالیسا پڑھنا چاہئیے۔ منگل وار اور سنیچر وار کے دن ویشنو رہیں۔ شبھ پھل دایک رہے گا۔

گنت کرتا جیوتشی اوم کار ناتھ۔ جیوتش وشارد۔

اُوم شری گنیشائے نمہ

سپت رشی سمہ ٥٠٦٢ بکرمی سمہ ٢٠٤٣ عیسوی سمہ ١٩٨٦ چیت شکلہ پکھ ١-٣١ - ٥٢ مین میں سُریہ بدھ میش میں شکر راہ دھن میں اوم قومب میں برہسپت وِکیک میں شنیچر تول میں کیتو شاکا سمہ ١٩٠٨ ہجری سمہ ١٤٠٦

												یوگ کیفیت وغیرہ۔ بنز تھال بھرون۔ وسنت رُتھ۔ اُترائن۔ دکھن گول۔		
١٤		چیت											٦ بجے	٦ بجے
٦	٢٨	١٩	٢٧	٩	بدھوار	ریوت،	٤	٨	اماوس،	١٣	٥٤	٨ بجے ٢٠م شام سے میش راشی میں چندرمہ۔ پنچک سماپت ٢ بجے ٣م دن۔ ٣ بجے ١١م رات تک گنڈات۔ وچار ناگ یاترا۔ شری بھٹ دِوس۔ انموسم	٩	٥١
٤	٢٩	٢٠	٢٨	١٠	بیروار	اشن،	٩	٢٤	اکدو،	١٧	٢٨	٩ بجے ١م صبح سے اُدے چندرمہ۔ ٦ بجے ٥٠م صبح سے مین راشی میں بُدھ۔ برہسپت ماس۔ چاند نظر آئیگا۔ شری نودرگا آرمبھ۔ نودرشن	٨	٥٢
١	شعبان ١	٢١	٢٩	١١	شکروار	برن،	١٨	٤٤	دوی،	٢١	٥٦	مُدگرم۔ ÷ آرمبھ۔ نورہ۔ مانسم۔	٧	٥٣
٣١ ٥٨	٢	٢٢	٣٠	١٢	سینچروار	کرتک،	١٢	٣٥	ترے،	٢٦	٥٦	٧ بجے ٢٤م سے وریش راشی میں چندرمہ۔ دوزا۔	٦	٥٤
٥٦	٣	٢٣	بیساکھ	١٣	آتوار	روہن،	٦	٥	چورم،	٣٢	٥	٣ بجے ١٣م رات سے سنکراتی میش میں سُریہ۔ مہورت ٤٥ ندی۔ بیساکھی۔ پرزا تپیسیا۔	٥	٥٥
٥٣	٤	٢٤	٢	١٤	سوموار	روہن،	٠	٢٢	پنچم،	٤	٤٥	٦ بجے ٢٢م شام سے میتھن میں چندرمہ۔ سنکراتی ورت۔ پرودا۔	٤	٥٦
٥١	٥	٢٥	٣	١٥	منگلوار	مدگشور،	٦	١٩	شیٹم،	٨	٥٢	کمار شیٹم ورت۔ کھیا۔	٣	٥٧
٤٨	٦	٢٦	٤	١٦	بدھوار	آدرا،	١١	٣١	ستم،	١٢	٤	گزرا۔	٢	٥٨
٤٥	٧	٢٧	٥	١٧	بیروار	پنروس،	١٥	٤٤	اشٹم،	١٥	٣١	٥ بجے ٥٧م صبح سے کرکٹ راشی میں چندرمہ۔ شری دُرگا اشٹمی۔ شری بھوانی جنم۔ بیدا۔	١	٥٩
٤٣	٨	٢٨	٦	١٨	شکروار	تیش،	١٨	٤٥	نوم،	١٣	٢٤	شری رام نومی۔ اُوما بھگوتی جینتی۔ برارِی آنگن یاترا۔ شیوا بھگوتی جینتی۔ انموسم۔	٦ ٠	٧ ٠
٤٠	٩	٢٩	٧	١٩	سینچروار	اشلیش،	٢٠	٣٦	دہم،	١٢	٣٢	٢ بجے ٤٤م دن سے سہم راشی میں چندرمہ۔ ٨ بجے ٥م صبح سے ٨ بجے ٢٤م تک گنڈات۔ مانسم۔	٥ ٥٩	٧ ١
٣٨	١٠	٣٠	٨	٢٠	آتوار	مگ،	٢١	٩	کاہ،	١٢	٤٤	کامداکاہ۔ مدگرم۔	٥٩	١
٣٦	١١	بیساکھ	٩	٢١	سوموار	پورفا،	٢٠	٣٢	باہ،	٩	٤٢	٨ بجے ١م شام سے کنیا راشی میں چندرمہ۔ ٥ بجے ٥٦م صبح سے وریش راشی میں شکر دوزا۔	٥٨	٢
٣٤	١٢	٢	١٠	٢٢	منگلوار	اُترفا،	١٨	٥٤	ترواہ،	٥	٥٠	جینن مہاویر جینتی۔ پرزا تپیسیا۔	٥٧	٣
٣٢	١٣	٣	١١	٢٣	بدھوار	ہست،	١٦	٢٦	چوداہ،	١	٨	١١ بجے ٤٥م رات سے تلا راشی میں چندرمہ۔ ١١ بجے ٣١م رات سے پورنما میں چندرمہ۔ آنندا۔	٥٥	٥
٢٩	١٤	٤	١٢	٢٤	بیروار	چتر،	١٣	١٨	پونم،	٢٨	٤٩	ہنومان جینتی۔ شب براءت۔ چاند گرہن۔ چرا۔	٥٤	٦

شرادھ :- اکدو سے چورم تک کا پہلے ہی۔ باقی اپنے دِنوں میں۔

مدھیان :- مدھیان شرادھ اپنے دِنوں میں۔

٩ اپریل تھال بھرون۔ شری بھٹ دِوس ؛ ١٠ اپریل برہسپت ماس۔ نودرگا آرمبھ۔ نورہ۔ نیا سال آرمبھ۔ ١٣ اپریل بیساکھی۔ ١٤ اپریل سنکراتی ورت ؛ ١٥ اپریل کمار شیٹم ؛ ١٧ اپریل دُرگا اشٹمی ؛ ١٨ اپریل رام نومی ؛ ٢٢ اپریل مہاویر جینتی۔ ٢٤ اپریل ہنومان جینتی۔ شب براءت۔ چاند گرہن +

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶ ویشاکھ کرشنہ پکھ ۲۳-۶ میش میں سورج راہ دھن میں اوم مین میں بدھ قومب میں برہسپت ورش شکر وزیں حک میں شنیچر تول میں کیتو شاکا سمت ۱۹۰۸ ہجری سمت ۱۴۰۶

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۳		بیساکھ										۵ منگلیشور بھرو جنم الایکا +		
۲۷	۱۵	۵	۱۳	۲۵	شکروار	سوات د	۹	۳۸	اکدو د	۲۳	۱۰	۲ بجے ۳۵م رات ورچک میں چندرمہ۔ ۱ بجے ۵۹م رات سے بیون چندرمہ موسلم +	۵ بجے	۷ بجے
۲۵	۱۶	۶	۱۴	۲۶	سینچروار	ویشاکھ د	۵	۴۲	دوی د	۱۷	۱۳	شوولم +	۵۳	۷
۲۳	۱۷	۷	۱۵	۲۷	آتوار	انرادھ د	۱	۳۵	ترے د	۱۱	۱۱	۱۱ بجے ۱۵م رات سے گنڈات آرمبھ۔ سنکٹ چورم ورت + ۴ بجے ۵۳م رات سے دھن راشی میں چندرمہ مول آرمبھ مرتیو +	۵۳	۷
۲۱	۱۸	۸	۱۶	۲۸	سوموار	سول ر	۲	۲۶	چورم د	۵	۲۱	ترہا۔ دن کم۔ ۱۰ بجے ۳۱م دن سے گنڈات ختم۔ ۴ بجے ۲۴م رات سے مول ختم ۱۱ بجے ۵۳م دن سے اگست است شری پنچمی	۵۲	۸
۱۹	۱۹	۹	۱۷	۲۹	منگلوار	پورشار ر	۶	۵	شیٹم ر	۰	۱۰	ویتال شیٹم۔ شری رشی پیر شرادھ میترم +	۵۱	۹
۱۷	۲۰	۱۰	۱۸	۳۰	بدھوار	اترشار ر	۹	۱۷	ستم ر	۵	۱۲	۷ بجے ۵۰م صبح سے مکر راشی میں چندرمہ وزرم +	۵۰	۱۰
۱۴	۲۱	۱۱	۱۹	مئی	بیروار	شرون ر	۱۱	۵۰	اشٹم ر	۹	۳۸	۴ بجے ۳۴م دن سے میش راشی میں بدھ۔ مزور دوس وزا۔	۴۹	[illegible]
۱۲	۲۲	۱۲	۲۰	۲	جمعہ	دشٹھ ء	۱۲	۱۲	نوم ر	۱۳	۹	۱۲ بجے ۴م دن سے قومب راشی میں چندرمہ پنچیک آرمبھ ۷ بجے ۴م شام سے بدھ واست پڑا تپسیا۔	۴۸	۱۲
۱۰	۲۳	۱۳	۲۱	۳	سینچروار	شتبشک ء	۱۲	۳۹	دہم ر	۹	۳۵	شری لکھشمی نرائن یگینہ۔ یلبس لنکر۔ آنندہ +	۴۷	۱۳
۸	۲۴	۱۴	۲۲	۴	آتوار	پوربا ر	۱۳	۴۴	کاہ ء	۹	۱۹	ورتھنی کاہ ۶ بجے ۴۷م دن سے مین راشی میں چندرمہ چرا +	۴۶	۱۴
۶	۲۵	۱۵	۲۳	۵	سوموار	اتربا ر	۱۱	۵۷	باہ ء	۱۰	۳۱	سوامی لکشمن جی جنم نشاط۔ موسلم +	۴۵	۱۵
۴	۲۶	۱۶	۲۴	۶	منگلوار	ریوت ر	۸	۵۵	ترواہ ء	۱۲	۵۵	۹ بجے ۲۲م شام سے گنڈات آرمبھ۔ ۳ بجے ۱۵م رات سے میش میں چندرمہ پنچیک ختم شوولم +	۴۴	-
۲	۲۷	۱۷	۲۵	۷	بدھوار	اشن ر	۴	۴۱	چوداہ ر	۱۳	۱۲	۱۰ بجے ۲۱م دن سے گنڈات ختم۔ مرتیو +	۴۴	-
۱۳	۲۸	۱۸	۲۶	۸	بیروار	اشن د	۰	۲۹	اماوس ر	۹	۴۲	۱۲ بجے ۱۴م دن سے چندرمہ است۔ مانسم +	۴۳	-
													۴۲	۱

شرادھ :- اکدو سے پنچم تک پہلے ہی، باقی اپنے دلوں میں۔

مدھیان :- ترے سے پنچم تک کا پہلے ہی، باقی اپنے دلوں میں۔

۲۷ر اپریل سنکٹ چورم ورت۔ ۲۸ر اپریل اگست است شری پنچمی منگلیشور بھرو جنم۔
۲۹ر اپریل ویتال شیٹم۔ ریشہ پیر شرادھ۔ ۳ر مئی لکشمی نرائن یگینہ۔
۵ر مئی سوامی لکشمن جی جنم۔ ۸ر مئی ولبھاچاریہ جنم۔

سپت رشی سمتہ ۵۰۶۲ بکرمی سمتہ ۱۹۶۵ عیسوی سمتہ ۱۹۰۸ ویشاکھ شکلہ پچھ ۴۳-۶ میش میں سُوریہ بدھ۔ راہ دھن میں بوم کنبھ میں برہسپت ورش میں شکر ورچک میں شنیچر تلا میں شتا کا سمتہ کیت ہجری ۱۳۲۶

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	[illegible]	[illegible]	پل	[illegible]	[illegible]	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۲		بیساکھ											۵	۰
۵۷	۲۹	۱۹	۲۷	۹	شکروار	برن	۶	۲۹	اکدو	۵	۱۸	۱۰ بجے ۳۴م دن سے مدگستور میں شکر۔ ۲ بجے ۴۴م دن سے ورکش راشی میں چندرمہ ۱ بجے ۱۲م رات سے اُودھے چندرمہ مدگرم۔	۴۱	۱۹
۵۵	۳۰	۲۰	۲۸	۱۰	سنیچروار	کرتج	۱۲	۵۵	دوی	۰	۲۰	شنیچر ماس۔ ترسپک دن ادھیک۔ چند روشن۔ دوزا۔	۴۰	۲۰
۵۳	رمضان	۲۱	۲۹	۱۱	آتوار	روہن	۱۹	۳۴	دوی	۴	۳۴	پرشورام جینتی۔ روزہ مسلم شروع۔ ۲ بجے ۱۴م رات متھن میں چندرمہ پڑا تپیسیا۔	۳۹	۲۱
۵۱	۲	۲۲	۳۰	۱۲	سوموار	مدگستور	۲۵	۲۸	تری	۹	۲۹	اکھیا ترے آنندہ۔	۳۸	۲۲
۴۹	۳	۲۳	۳۱	۱۳	منگلوار	آدرا	۳۰	۵۳	چورم	۱۳	۳۹	سورداس جینتی۔ ۱ بجے ۲۳م رات سے ماسانت آرمبھ چرا۔ ÷ چندرمہ۔ موسلم۔	۳۷	۲۳
۴۷	۴	۲۴	جیٹھ	۱۴	بدھوار	پنروس	۰	۵۶	پنچم	۱۶	۴۶	۱ بجے ۲۲م رات سے سنکرانتی ورکش راشی میں سُوریہ مہورت ۳۰ ندی۔ شنکراچاریہ جینتی۔ ۱ بجے ۲۰م دن سے کرکٹ میں +	۳۶	۲۴
۴۵	۵	۲۵	۲	۱۵	بیروار	تیش	۴	۱۱	ششم	۱۸	۴۸	سنکرانتی ورت۔ ۵ بجے ۶م صبح سے متھن میں شکر شولم۔	۳۵	۲۵
۴۳	۶	۲۶	۳	۱۶	شکروار	اشیش	۶	۲۵	ستم	۱۹	۳۷	۹ بجے ۵۹م رات سے سہم راشی میں چندرمہ۔ ۳ بجے ۴۳م دن سے ۴ بجے ۰م رات تک گنڈانت گنگا ستم۔ مریتو۔	۳۴	۲۶
۴۰	۷	۲۷	۴	۱۷	سنیچروار	مگ	۶	۵۹	اشٹم	۱۹	۱۱	۹ بجے ۴۳م شام سے ورکش میں بدھ کا میا۔	۳۳	۲۷
۳۸	۸	۲۸	۵	۱۸	آتوار	پورفا	۶	۲۴	نوم	۱۷	۲۹	۳ بجے ۵۶م رات سے کنیا راشی میں چندرمہ چتھم۔	۳۲	۲۸
۳۶	۹	۲۹	۶	۱۹	سوموار	اترفا	۵	۳	دہم	۱۴	۳۶	شری وتسا۔	۳۲	۲۸
۳۴	۱۰	۳۰	۷	۲۰	منگلوار	ہست	۲	۴۲	کاہ	۱۰	۴۶	مادھوی کاہ۔ نارو کاہ۔ سُومیا۔	۳۱	۲۹
۳۳	۱۱	۳۱	۸	۲۱	بدھوار	چتر	۳۴	۳۲	باہ	۶	۱۳	۸ بجے ۱۵م صبح سے تول راشی میں چندرمہ کال ڈنڈا۔	۳۰	۳۰
۳۲	۱۲	جیٹھ	۹	۲۲	بیروار	سوات	۳۰	۵۵	تراواہ	۰	۵۶	ترہا۔ دن کم۔ شری گنیش چترو ستی۔ ترہم چوداہ۔ ۲ بجے ۵۸م رات سے مکر راشی میں بوم ستھرا۔	۳۰	۳۰
۳۱	۱۳	۲	۱۰	۲۳	شکروار	وشاکھ	۲۶	۵۹	پونم	۴	۴۵	۱۰ بجے ۴۲م دن سے ورچک راشی میں چندرمہ۔ ۶ بجے ۱۰م صبح سے پورنماشی چندرمہ بدھ جینتی۔ بدھ پورنما ماتنگا۔	۲۹	۳۱

شرادھ:۔ ترے سے چوداہ تک پہلے ہی دن۔ باقی اپنے دِنوں میں۔

مدھیان:۔ ترے سے ستم تک اور دہم سے چوداہ تک کا پہلے ہی۔ باقی اپنے دِنوں میں۔

۱۱ مئی پرشورام جینتی۔ روزہ شروع۔ ۱۴ مئی کمار ستم ورت۔ ۱۵ مئی سنکرانتی ورت۔
۱۶ مئی گنگا ستم۔ ۲۰ مئی نارو کاہ۔ مادھوی کاہ۔ ۲۲ مئی شری گنیش چوداہ۔
۲۳ مئی بدھ پورنماشی۔ بدھ جینتی۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶ جیٹھ کرشنہ پکھ ۳۵-۰ ورِش میں سُورج۔ بدھ مکر میں بوم۔ متھن میں شُکر۔ کنبھ میں برہسپت ورچک میں شنیچر۔ میش میں راہ تلا میں کیتو شاکا سمت ۱۹۰۸ ہجری سمت ۱۴۰۶

اردو م	بجوی	بیساکھ	جیٹھ	مئی	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	لوگ کیفیت وغیرہ	طلوع	غروب
۱۲		جیٹھ												
۳۰	۱۴	۳	۱۱	۲۴	سینچروار	انرادھ د	۲۴	۱۸	اکدو ر	۱۰	۵۱	۴ بجے ۸م رات سے ہیون چندرمہ۔ نارد جینتی۔ امرتم۔	۵ بجے	۷ بجے
۲۹	۱۵	۴	۱۲	۲۵	آتوار	زلیشٹ د	۱۹	۵۲	دوی ع	۲	۴	۱ بجے ۲م دن سے دھن میں چندرمہ و مُول آرمبھ ۷ بجے ۲۶م صبح سے ۸ بجے ۳۶م شام تک گنڈات کانڈا۔	۲۹	۳۱
۲۹	۱۶	۵	۱۳	۲۶	سوموار	مُول د	۱۵	۳	تری د	۳۱	۲۷	سنکٹ چودم ورت۔ ۱۱ بجے ۲۳م دن سے مُول ختم۔ الاپکا	۲۹	۳۱
۲۸	۱۷	۶	۱۴	۲۷	منگلوار	پورشاد	۱۱	۴۴	چودم د	۲۶	۲۲	۳ بجے ۵۳م دن سے مکر راشی میں چندرمہ میترم۔	۲۹	۳۱
۲۷	۱۸	۷	۱۵	۲۸	بدھوار	اُترشاد	۹	۰	پنچم د	۲۱	۵۲	وزرام۔	۲۹	۳۱
۲۷	۱۹	۸	۱۶	۲۹	بیروار	شرون د	۷	۲	ششم د	۱۸	۱۶	۸ بجے ۴م شام سے تومبھ میں چندرمہ و پنچک آرمبھ۔ دوزا۔	۲۹	۳۱
۲۶	۲۰	۹	۱۷	۳۰	شکروار	دنشٹھ د	۶	۱۳	ستم د	۱۵	۴۲	پیزا تیپیا	۲۸	۳۲
۲۵	۲۱	۱۰	۱۸	۳۱	سینچروار	شتبتکک	۱	۴۹	اشٹم د	۱۴	۱۵	شیتلا اشٹمی ۲ بجے ۲۲م رات سے مین میں چندرمہ آنندہ۔	۲۸	۳۲
۲۴	۲۲	۱۱	۱۹	جون	آتوار	پوربہاد	۷	۵۱	نوم د	۱۴	۴	چرا	۲۸	۳۲
۲۳	۲۳	۱۲	۲۰	۲	سوموار	اُتربا د	۱۰	۳۶	دہم د	۱۵	۱۲	۱۰ بجے ۳۸م رات سے متھن راشی میں بدھ مُوسلم۔ ✣ راتھا کاہ بدر کالی جینتی شولم۔	۲۷	۳۳
۲۲	۲۴	۱۳	۲۱	۳	منگلوار	ریوت د	۱۴	۲۹	کاہ د	۱۷	۳۰	۱۱ بجے ۱۵م دن سے میش میں چندرمہ پنچک ختم۔ ۴ بجے ۴۸م صبح سے ۵ بجے ۱۴م دن تک گنڈات ✣	۲۷	۳۳
۲۱	۲۵	۱۴	۲۲	۴	بدھوار	اشن د	۱۹	۲۵	باہ د	۲۰	۴۴	مریتو۔	۲۷	۳۳
۲۱	۲۶	۱۵	۲۳	۵	بیروار	برن د	۲۴	۲۱	تروداہ د	۲۵	۴	۱۰ بجے ۴م رات سے ورِش راشی میں چندرمہ ۵ بجے ۳۲م صبح سے پچھم میں بدھ اُودے۔ شب قدر کامیا ۞	۲۶	۳۴
۲۰	۲۷	۱۶	۲۴	۶	شکروار	کرتھ د	۲۶	۳۲	چوداہ د	۲۹	۵۳	۱۱ بجے ۱۸م دن سے چندرمہ است۔ جمعۃ الوداع ۞ برہم یگینہ جینتی۔ چھترم۔	۲۶	۳۴
۱۹	۲۸	۱۷	۲۵	۷	سینچروار	روہن ۶	۲	۳۶	اماوس د	۳۴	۵۱	شنیچری اماوس۔ وٹ ساوتری ورت نندکیشور سمبھل یاترا۔ ہرشیور یاترا استری ولیسا۔	۲۶	۳۴
													۲۶	۳۴

شرادھ:- چودس سے اماوس تک پہلے ہی باقی اپنے دِنوں میں۔

مدھیان:- ستم سے کاہ تک پہلے ہی باقی اپنے دِنوں میں۔

۲۴ مئی ناردجینتی۔ ۲۶ مئی سنکٹ چودم ورت۔ ۳۱ مئی شیتلا اشٹمی۔ ۳ جون راتھا کاہ بدر کالی جینتی۔ ۵ جون شب قدر۔ ۶ جون برہم یگینہ جینتی۔ ۷ جون وٹ ساوتری ورت نندکیشور سمبھل یاترا۔ شنیچر اماوس۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶ جیٹھ شکلہ پکچھ گ ۳۵-۲۴ ورش میں سوریہ متھن ۱۸ بدھ شکر ہکر میں بوم۔ تو مبین ہسپت ورچک میں شنیچر میش میں راہو تلا میں کیتو شاکا سمت ۱۹۰۸ ہجری سمت ۱۴۰۶

[illegible]	ہجری	[illegible]	جیٹھ	جون	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۲		جیٹھ											۵ بجے	۷ بجے
۱۸	۲۹	۱۸	۲۶	۸	آتوار	مرگیشور	۸	۴۷	اکدو ء	۴	۱۰	۹ بجے ۵۹ م صبح سے متھن میں چندرمہ ۴ بجے ۵۵ م دن سے اودھے چندرمہ سومیا۔	۲۵	۲۵
۱۷	۳۰	۱۹	۲۷	۹	سوموار	آدرا ر	۱۵	۴۶	دوی ء	۸	۱۴	چندرمہ ماس۔ چاند نظر آئے گا۔ کال ڈنڈا۔	۲۵	۲۵
۱۶	شوال	۲۰	۲۸	۱۰	منگلوار	پنروس ر	۱۰	۱۴	تری ء	۱۱	۲۵	۸ بجے ۲۵ م شام سے کرکٹ میں چندرمہ ۵ بجے ۴ م صبح سے کرکٹ راشی میں شکر پرتاپ جینتی۔ عید الفطر۔ سیتھرا۔	۲۵	۳۵
۱۵	۲	۲۱	۲۹	۱۱	بدھوار	تیش ر	۵	۳۲	چورم ر	۱۳	۶	ماتنگا۔	۲۴	۳۶
۱۵	۳	۲۲	۳۰	۱۲	بیروار	اشلیش ر	۲	۲	پنجم ر	۱۱	۵	۱۱ بجے ۲۲ م رات سے گنڈات آرمبھ امرتم۔	۲۴	۳۶
۱۴	۴	۲۳	۳۱	۱۳	شکروار	اشلیش د	۰	۲۰	ششم ر	۱۰	۱۵	۱۱ بجے ۴۰ م دن سے گنڈات ختم۔ ۵ بجے ۲۲ م صبح سے سہم میں چندرمہ۔ کمار ششم ورت مرتیو۔	۲۴	۳۶
۱۳	۵	۲۴	۳۲	۱۴	سنیچروار	مگ د	۱	۲۸	ستم ر	۱۰	۳۹	ماسانت۔ کامیا۔ + اشٹمی کھیر بھوانی یاترا منز گام یاترا۔ چھترم۔	۲۳	۳۷
۱۲	۶	۲۵	ہاڑ	۱۵	آتوار	پورفاد	۱	۱۹	اشٹم ء	۹	۸	۱۱ بجے ۴۹ م دن سے کنیا میں چندرمہ ۱۱ بجے ۱۹ م دن سے سنکرانتی متھن میں سوریہ مہورت ۴۵ کناری سنکرانتی ورت۔ جیٹھ +	۲۳	۳۷
۱۲	۷	۲۶	۲	۱۶	سوموار	اترفاد	۰	۷	نوم ء	۵	۱۶	شری دتسا۔	۲۳	۳۷
۱۱	۸	۲۷	۳	۱۷	منگلوار	چیتر ر	۲	۰	دہم ء	۰	۳۴	گنگا جنم۔ ۴ بجے ۲۱ م دن سے طول میں چندرمہ ودنکھیا۔	۲۲	۳۸
۱۰	۹	۲۸	۴	۱۸	بدھوار	سولت ر	۴	۵۴	کاہ د	۳۰	۵۳	نرجلا کاہ وومیا۔	۲۲	۳۸
۹	۱۰	۲۹	۵	۱۹	بیروار	ولیشاکھ ر	۸	۲۲	باہ د	۲۵	۱۰	۶ بجے ۵۲ م شام سے ورچک میں چندرمہ پرودوا۔	۲۲	۳۸
۸	۱۱	۳۰	۶	۲۰	شکروار	انرادھ ء	۷	۵۷	ترواہ د	۱۹	۱۴	کھیا۔ ۞ شام سے ۲ بجے ۴۶ م رات تک گنڈات گزا۔	۲۱	۳۹
۸	۱۲	۳۱	۷	۲۱	سنیچروار	ذلیشٹھ ء	۳	۴۹	چوداہ د	۱۳	۱	۹ بجے ۱۱ م شام سے دھن میں چندرمہ مول آرمبھ ۸ بجے ۲۷ م دن سے دکھنایَن میں سوریہ پرویش۔ ۷ بجے ۵۴ م ۞	۲۱	۳۹
۹	۱۳	ہاڑ	۸	۲۲	آتوار	مول د	۳۵	۴۱	پونم د	۶	۵۷	ماتا روپ بھوانی جینتی۔ کبیر جینتی۔ ۹ بجے ۲۲ م دن سے کرکٹ میں بدھ۔ ۷ بجے ۴۸ م شام سے مول سماپت۔ سیدھا۔	۲۲	۳۸

شرادھ:- باہ سے پورنما تک پہلے ہی باقی اپنے دلوں میں آئے گا۔

مدھیاں:- چوداہ اور پورنما کا پہلے ہی باقی اپنے دلوں میں۔

۱۰ جون عید الفطر۔ پرتاپ جینتی۔ ۱۳ جون کمار ششم ورت۔ ۱۵ جون سنکرانتی ورت۔ جیٹھ اشٹمی میلہ کھیر بھوانی یاترا منز گام یاترا۔

۱۷ جون شری گنگا جنم۔ ۲۱ جون دکھنایَن میں سوریہ۔ ۲۲ جون ماتا روپ بھوانی جینتی۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶ اشاڑھ کرشنہ پکھ ۳۵گ۔ ۴پ متھن میں سُوریہ۔ کرکٹ میں بدھ۔ شکر۔ مکر میں لوم۔ کنبھ میں برہسپت ورچک میں شنیچر میش میں راہو۔ تلا میں کیتو۔ شاکا سمت ۱۹۰۸ ہجری ۱۴۰۶

ہمار	ہجری	[illegible]	سمہ	جون	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	لوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۲		ہار												
۱۰	۱۴	۲	۹	۲۳	سوموار	پورشاد	۳۲	۲۲	اکدو د	۱	۱۴	ترہا۔ دن کم۔ ۱۱بجے ۵۵م رات سے مکر میں چندرمہ۔ ۵بجے ۵۲م صبح سے ہیون چندرمہ گرد گو وید جنم المو سم۔	۵ بجے	۷ بجے
۱۱	۱۵	۳	۱۰	۲۴	منگلوار	اترشاد	۲۹	۲۰	ترتی ر	۴	۱	مانسم۔	۲۲	۳۸
۱۲	۱۶	۴	۱۱	۲۵	بدھوار	شرون د	۲۷	۱۴	چورم ر	۸	۳۷	سنکٹ چورم ورت۔ ۴بجے ۴۰م رات سے قومبھ میں چندرمہ پنچک آرمبھ ھیقرم۔	۲۳	۳۷
۱۲	۱۷	۵	۱۲	۲۶	بیروار	ذیشٹ د	۲۶	۳	پنچم ء	۹	۱۷	۱۲بجے ۲م دن سے مین راشی میں برہسپت شری وتستا۔	۲۳	۳۷
۱۳	۱۸	۶	۱۳	۲۷	شکروار	شیتشک د	۲۵	۵۸	ششم ء	۷	۴۴	سُومیا۔	۲۳	۳۷
۱۴	۱۹	۷	۱۴	۲۸	سنیچروار	پوربھاد	۲۷	۳	ستم ء	۷	۲۷	۱۰بجے ۲۳م دن سے مین۔ مں چندرمہ کال ڈنڈا۔	۲۳	۳۷
۱۵	۲۰	۸	۱۵	۲۹	آتوار	اتربھاد	۲۹	۲۶	اشٹم ء	۸	۲۵	ستھرا۔	۲۳	۳۷
۱۶	۲۱	۹	۱۶	۳۰	سوموار	ریوت د	۳۳	۱	نوم ء	۱۰	۳۸	۷بجے ۴۰م شام سے میش میں چندرمہ پنچک ختم۔ ۱۲بجے ۱۳م دن سے ۱۲بجے ۵۹م رات تک گنڈات ماتنگا۔	۲۳	۳۷
۱۷	۲۲	۱۰	۱۷	جولائی	منگلوار	اشن ء	۲	۱۷	دہم ر	۱۳	۵۹	امرتم۔	۲۴	۳۶
۱۸	۲۳	۱۱	۱۸	۲	بدھوار	برن ء	۷	۵۱	کاہ ر	۱۰	۴۲	یوگنی کاہ کانڈا۔	۲۴	۳۶
۱۸	۲۴	۱۲	۱۹	۳	بیروار	کرچھ ر	۱۶	۵۱	باہ ر	۶	۳۱	۵بجے ۱۸م صبح سے ورلیش میں چندرمہ الاپکا۔	۲۴	۳۶
۱۹	۲۵	۱۳	۲۰	۴	شکروار	روہن ر	۱۰	۳۱	ترواہ ر	۶	۴۱	ترسپک دن اوچک۔ یترم۔	۲۴	۳۶
۲۰	۲۶	۱۴	۲۱	۵	سنیچروار	مرگیشور ر	۴	۶	ترواہ د	۳	۶	۵بجے ۲م دن سے متھن میں چندرمہ۔ وزرم۔	۲۵	۳۵
۲۱	۲۷	۱۵	۲۲	۶	آتوار	مرگیشور د	۲	۱۳	چوداہ د	۷	۵۲	۸بجے ۱۰م شام سے چندرمہ است ۷بجے ۲۳م صبح سے سہم راشی میں شبکر سُومیا۔	۲۵	۳۵
۲۲	۲۸	۱۶	۲۳	۷	سوموار	آدرا د	۷	۵۵	اماوس د	۱۱	۵۷	سمری اماوس۔ سوم یار یاترا۔ ۴بجے ۷م رات سے کرکٹ میں چندرمہ۔	۲۶	۳۴
												کال ڈنڈا۔	۲۶	۳۴

شرادھ: اکدو سے دوئی تک اور چوداہ سے اماوس تک کا پہلے ہی باقی اپنے دنوں میں۔

مدھیان: اکدو دوئی۔ چوداہ اماوس کا پہلے ہی باقی اپنے دنوں میں آئیگا۔

۲۳ر جون گرو گووند جنم۔ ۲۵ر جون سنکٹ چورم ورت۔
۲ر جولائی یوگنی کاہ۔ ۷ر جولائی سوماوسی۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶ آشاڑھ شکلہ پکچھ ۳۵-۱۴۱ متھن سُریہ۔ کرکٹ میں بدھ۔ سہم میں شکر مکر میں لوم۔ مین میں برہسپت ورچک میں شنیچر میش میں راہو تلا میں کیت۔ شاکا سمت ۱۹۰۸ ہجری ۱۴۰۶ھ

ہاڑ	ہجری	بکرمی	شمسی	جولائی	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	طلوع آفتاب	غروب آفتاب
۱۲		ہاڑ											بجے ۵	بجے ۷
۲۳	۲۹	۱۷	۲۴	۸	منگلوار	پنروسو د	۱۲	۴۵	اکدو د	۱۵	۶	۷ بجے ۱۹م صبح سے اُودھے چندرمہ۔ چاند نظر آئیگا۔ ستھرا۔	۲۷	۳۳
۲۴	ذی القعدہ	۱۸	۲۵	۹	بدھوار	تیش د	۱۶	۲۲	دوی د	۱۷	۱۰	یدھ ماس۔ ۷ بجے ۵۲م صبح سے بدھ است۔ شری جگدیش رتھ اُتسو۔ ماتنگا۔	۲۸	۳۲
۲۵	۲	۱۹	۲۶	۱۰	بیروار	اشلیش د	۱۹	۹	تری د	۱۸	۴	۱ بجے ۷م دن سے سہم میں چندرمہ ۶ بجے ۵۵م صبح سے ۷ بجے ۲۰م شام تک گنڈات ابرتم۔	۲۸	۳۲
۲۶	۳	۲۰	۲۷	۱۱	شکروار	مگ د	۲۰	۳۱	چورم د	۱۷	۴۱	کانڑا۔	۲۸	۳۲
۲۶	۴	۲۱	۲۸	۱۲	سنیچروار	پورفا د	۲۰	۴۱	پنچم د	۱۶	۲	۷ بجے ۲۴م شام سے کنیاس چندرمہ، ۸ بجے ۲۴م صبح سے وکری برہسپت کمار شیشم۔ الایکا۔	۲۸	۳۲
۲۷	۵	۲۲	۲۹	۱۳	آتوار	اُترفا د	۱۹	۴۱	ششم د	۱۳	۱۶	یوم شہداء۔ سوامی سویم آنند جی جنم میترم۔	۲۹	۳۱
۲۸	۶	۲۳	۳۰	۱۴	سوموار	ہست د	۱۷	۴۰	ستم د	۹	۲۹	۱۲ بجے ۶م رات سے تول میں چندرمہ آشاڑھ سپتمی ورتم۔	۲۹	۳۱
۲۹	۷	۲۴	۳۱	۱۵	منگلوار	چتر د	۱۴	۵۷	اشٹم د	۴	۵۳	آشاڑھ اشٹمی ولوپی۔ ترہا۔ دن کم۔ شاریکا بھگوتی جینتی جکر۔ سُوریا یترا ودانکیا۔	۳۰	۳۰
۲۹	۸	۲۵	شراون	۱۶	بدھوار	سوات د	۱۱	۳۶	دہم ر	۰	۲۳	۳ بجے ۰م رات سے ورچک میں چندرمہ ۲ بجے ۲۹م رات سے سنکراتی کرکٹ میں سُریہ مہورت ۴۵ کناری دونیا۔	۳۰	۳۰
۳۰	۹	۲۶	۲	۱۷	بیروار	وشاکھ د	۷	۵۲	کا ۵ ر	۶	۵	سنکراتی ورت۔ دیوشینی کاہ۔ پرودا۔ ٭ہیون یوم موسلم۔	۳۰	۳۰
۳۱	۱۰	۲۷	۳	۱۸	شکروار	انراد د	۳	۴۳	باہ ر	۱۲	۱۰	۱۱ بجے ۶م رات سے گنڈات آرمبھ ہری سواپ لوکہ بھون یاترا بھگوان گوپی ناتھ جینتی کھیا۔	۳۰	۳۰
۳۲	۱۱	۲۸	۴	۱۹	سنیچروار	مول ر	۰	۲۵	ترواہ ر	۰	۲۹	۱۰ بجے ۱م دن سے گنڈات سماپت۔ ۵ بجے ۲۱م صبح سے دھن میں چندرمہ مول آرمبھ۔ ۱۱ بجے ۳۳م رات سے دھن راشی میں٭	۳۱	۲۹
۳۳	۱۲	۲۹	۵	۲۰	آتوار	پورشار	۴	۲۶	چوداہ د	۲۹	۵۲	۳ بجے ۴۵م رات سے مول ختم۔ جوالا چیتر دستی۔ کھیرلو یاترا اشولم۔	۳۱	۲۹
۳۴	۱۳	۳۰	۶	۲۱	سوموار	اُترشار	۸	۰	پونم د	۲۴	۳۶	۸ بجے ۲م صبح سے مکر میں چندرمہ آشاڑھ پورنماشی۔ ویاس پوجن۔ گرو پورنماشی۔ برتیو۔	۳۲	۲۸

شرادھ:۔ اکدو سے نومی تک اور پورنما کا پہلے ہی۔ باقی اپنے اپنے دنوں میں۔

مدھیان:۔ اکدو سے نومی تک کا پہلے ہی باقی اپنے دنوں میں۔

۱۲ جولائی کمار شیشم ورت۔ ۱۳ جولائی سوامی سویم آنند جی جنم۔ ۱۵ جولائی اشاڑھ اشٹمی واشاڑھ نومی۔ شاریکا بھگوتی جینتی۔
۱۷ جولائی سنکراتی ورت۔ دیوشینی کاہ۔ ۱۸ جولائی ہری سواپ لوکہ بھون یاترا۔ بھگوان گوپی ناتھ جینتی۔
۲۰ جولائی جوالا چتر دسی کھیرلو یاترا۔ ۲۱ جولائی آشاڑھ پورنماشی۔ گرو پورنماشی۔ ویاس پوجن۔

سپت رشی سمت ٥٠٦٢ بکرمی سمت ٢٠٤٣ عیسوی سمت ١٩٨٦ شراون کرشنہ پچھ ٤٣ گ ٣-٥٠ پ کرکٹ میں سورج ہے ہم میں شکر تول میں کیتو ورچک میں شنیچر دھن میں ہیون جاری بوم متھن میں ہیون بدھ مین میں برسپت

اردو ہم	ہجری	شمسی ماہ	شراون	جولائی	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	لوگ کیفیت وغیرہ۔ میش میں راہو شا کا سمت ١٩٠٨، ہجری سمت ١٤٠٦ھ	طلوع	غروب
١٢		ہار												
٣٥	١٤	٣١	٧	٢٢	منگلوار	شردن	١١	٥	اکدو د	١٩	٥٩	٩ بجے ٤٨م صبح سے ہیون چندرمہ ٤ بجے ٢٨ صبح سے متھن میں ہیون بدھ۔ الاپکا۔		
٣٧	١٥	شراون	٨	٢٣	بدھوار	دنشٹھ	١٠	٢٤	دوئی د	١٢	٩	١١ بجے ٥٣م دن سے توہبھ چندرمہ و پنچک آرمبھ میترم۔	٥ بجے	٧ بجے
٣٩	١٦	٢	٩	٢٤	بیروار	شتبشک	١٠	٦	ترے د	١٣	٢٣	سنکٹ چورم ورزم۔	٣٢	٢٨
٤١	١٧	٣	١٠	٢٥	شکروار	پوربا	١٠	٥٩	چورم د	١١	٤٠	٥ بجے ٤٤م دن سے مین میں چندرمہ ١١ بجے ٢٨ دن سے اودھے بدھ ودانکیا۔	٣٣	٢٧
٤٣	١٨	٤	١١	٢٦	سینچروار	اُتربا	١٤	٣٠	پنچم د	١١	١٤	ودُمیا۔	٣٤	٢٦
٤٥	١٩	٥	١٢	٢٧	آتوار	ریوت	١٢	٢٢	شیم د	١٢	٥	٧ بجے ٣٩م شام سے گنڈات آرمبھ ٢ بجے ١م رات سے میش راشی میں چندرمہ پنچک ختم پرودردا۔	٣٤	٢٦
٤٧	٢٠	٦	١٣	٢٨	سوموار	اشن	٩	٣	ستم د	١٤	١٠	٨ بجے ٢٦م صبح سے گنڈات ختم۔ کھیا۔	٣٥	٢٥
٤٩	٢١	٧	١٤	٢٩	منگلوار	برن	٤	٣٥	اشٹم د	١٧	١٨	گزرا۔	٣٦	٢٤
٥١	٢٢	٨	١٥	٣٠	بدھوار	برن د	٠	٤٧	نوم د	٢١	٢٠	١٢ بجے ٣٨م دن سے ورلیش میں چندرمہ کانڈا۔	٣٧	٢٣
٥٣	٢٣	٩	١٦	٣١	بیروار	کرتج د	٦	٥٣	دہم د	٢٦	١	الاپکا۔	٣٨	٢٢
٥٦	٢٤	١٠	١٧	اگست	شکروار	روہن د	١٣	١٨	کاہ د	٣٠	٥٥	کملاہ کاہ۔ ١٢ بجے ١٨م رات سے متھن میں چندرمہ میترم۔	٣٩	٢١
٥٨ ١٣	٢٥	١١	١٨	٢	سینچروار	مرگشیر د	١٩	٣٦	باہ ع	١	٣٨	١٢ بجے ٥٩م دن سے کرکٹ راشی میں توچاری بدھ۔ ١٢ بجے ٣٠م دن سے کنیا راشی میں شکر ورزم۔	٤٠	٢٠
٠	٢٦	١٢	١٩	٣	آتوار	آدرا د	٢٥	٢٧	ترواہ ع	٥	٥٣	ودانکھیا	٤٠	٢٠
٢	٢٧	١٣	٢٠	٤	سوموار	پنروس د	٣٠	٣٣	چوداہ ع	٩	١٥	١١ بجے ٢٧م دن سے کرکٹ میں چندرمہ ٣ بجے ١٠م رات سے چندرمہ است دُومیا۔	٤٢	١٨
٤	٢٨	١٤	٢١	٥	منگلوار	تیش ع	٠	٤٤	اماوس ع	١١	٢٣	ولیش پات یوگ۔ ہریالی اماوس۔ بوم اماوس۔ ١٢ بجے ٥٤م رات سے قومب راشی میں ہیون برسپت پرودردا۔	٤٢	١٨
													٤٣	١٧
													٤٤	١٦

شرادھ :- اکدو سے کاہ تک پہلے ہی دن۔ باقی اپنے دنوں میں۔

مدھیان :- ترے سے شٹم تک پہلے ہی دن۔ باقی اپنے ہی دن آئیگا۔

٢٤ جولائی سنکٹ چورم۔ ١ اگست کملاہ کاہ۔ ٥ اگست ہریالی اماوس۔ بوم اماوس۔

سپتت رِسی سمہ ۵۰۶۲ بکرمی سمہ ۲۰۴۳ عیسوی سمہ ۱۹۸۶ شراون شکلہ پکھ ۲۳ گتہ ۴۸-۳۴ کرکٹ میں سُریہ بُدھ دھن میں ہُون جاری لوم کومبھ میں ہیوں برسپت کنیا میں شکر ورحک میں شنیچر میش میں راہو تول میں کیتو ہجری سمہ ۱۴۰۶ شاکا سمہ ۱۹۰۸

انگریزی	ہجری	[illegible]	شراون	[illegible]	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تِتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ — دکھنا ین اُتر گول ورشا رِتو۔	طلوع آفتاب	غروب آفتاب
۱۳		شراون											بجے ۵	بجے ۷
۶	۲۹	۱۵	۲۲	۶	بدھوار	اشلیش،	۳	۴۳	اکدو،	۱۲	۳۹	۸ بجے ۵۴م شام سے سہم میں چندرمہ ۲ بجے ۲۹م دن سے ۲ بجے ۵۶م رات تک گنڈات ۱۲ بجے ۲۰م رات سے اُودھے چندرمہ کھیا۔	۴۴	۱۶
۸	۳۰	۱۶	۲۳	۷	بیروار	مگ،	۵	۲۴	دوی،	۱۲	۲۴	چاند نظر آئیگا۔ گرزا۔	۴۵	۱۵
۱۰	ذوالحج	۱۷	۲۴	۸	شکروار	پورفا،	۵	۳۵	ترے،	۱۰	۵۳	سنکرماس۔ ہریالی ترے ۳ بجے ۱۲م رات سے کنیا میں چندرمہ۔ بسیدا۔	۴۶	۱۴
۱۳	۲	۱۸	۲۵	۹	سنیچروار	اُترفا،	۵	۱۱	چورم،	۸	۱۵	وردگنیش چورم۔ المُوسم۔	۴۷	۱۳
۱۵	۳	۱۹	۲۶	۱۰	آتوار	ہست،	۳	۲۸	پنچم،	۴	۳۱	ناگ پنچمی۔ ماسم۔	۴۸	۱۲
۱۶	۴	۲۰	۲۷	۱۱	سوموار	چتر،	۰	۵۴	شیم،	۰	۲	۸ بجے ۶م صبح سے تول میں چندرمہ۔ کمار شیم ورت۔ مدگرام۔	۴۹	۱۱
۱۹	۵	۲۱	۲۸	۱۲	منگلوار	سوات،	۳۱	۳	ستم،	۲۸	۱۶	گوسوامی تلسی داس جینتی۔ دوزا۔	۵۰	۱۰
۲۱	۶	۲۲	۲۹	۱۳	بدھوار	ولیشاکھ،	۲۷	۲۰	اشٹم،	۲۲	۳۳	۱۱ بجے ۸م دن سے ورحک میں چندرمہ۔ دورواشٹمی۔ تاراجینتی۔ بُدھا اشٹمی عرس شاہمدان۔ پزاتپیا۔	۵۰	۱۰
۲۳	۷	۲۳	۳۰	۱۴	بیروار	انرادھ،	۲۳	۱۶	نوم،	۱۶	۳۲	آنندہ۔ ۲۶م دن مین میں راہو کنیا میں کیتو۔ عید الضحیٰ۔ سُتوم	۵۱	۹
۲۵	۸	۲۴	۳۱	۱۵	شکروار	ذلیشٹھ،	۱۹	۸	دہم،	۱۰	۲۴	۱ بجے ۳۲م دِن سے دھن میں چندرمہ مُول آرمبھ ۷ بجے ۵۶م صبح سے ۷ بجے ۶م شام تک گنڈات بھارت سوتنتر دوس۔ چرا۔	۵۲	۸
۲۷	۹	۲۵	۳۲	۱۶	سنیچروار	مُول،	۱۵	۵	کاہ،	۴	۱۹	ترہا۔ دِن کم۔ ۱۱ بجے ۵۶م دن تک مُول۔ پوترا کاہ۔ شراون باہ تسو پیان یاترا۔ شری کرشن پنڈت انتردھیان دوس ہوسلم۔	۵۳	۷
۲۹	۱۰	۲۶	بہادرون	۱۷	آتوار	پوشا،	۱۱	۲۳	ترواہ	۱	۲۸	۴ بجے ۱۶م دِن سے مکر میں چندرمہ۔ ۱ بجے ۵۰م دن سے سنکراتی سہم میں شریہ مہورت ۵م بہاڑی سنگھ شروع سنکراتی ورت ۲ بجے ۰	۵۴	۶
۳۱	۱۱	۲۷	۲	۱۸	سوموار	اُترشا،	۸	۹	چوداہ	۶	۴۵	مرتیو۔ + جینتی۔ لوم پرودش۔ الاپکا۔	۵۵	۵
۳۲	۱۲	۲۸	۳	۱۹	منگلوار	شرون،	۵	۳۹	پونم	۱۱	۲۵	۷ بجے ۶م شام سے کومب میں چندرمہ پنچیک آرمبھ رکھشا بندھن امرناتھ درشن تجھی واریاترا شراون پورنماشی گایتری +	۵۶	۴

شرادھ:۔ اشٹمی سے باہ تک پہلے ہی۔ باقی اپنے دِنوں میں۔

مدھیان:۔ دشمی سے باہ تک پہلے ہی باقی اپنے دِنوں ہیں۔

۹ اگست وردگنیش چورم۔ ۱۰ اگست ناگ پنچمی۔ ۱۱ اگست کمار شیم۔ ۱۳ اگست بُدھا اشٹمی۔ دورواشٹمی۔

۱۶ اگست شراون باہ۔ ۱۷ اگست سنکراتی ورت سنگھ آرمبھ۔ کنیا میں کیتو۔ مین میں راہو۔ عید الضحیٰ۔

سپت رشی سمہ ۵۰۶۲ بکرمی سمہ ۲۰۴۳ عیسوی سمہ ۱۹۸۶ بادر کرشنہ پچھ ۳۲-۵۰ سہم میں سُریہ دھن میں آیا ہیون لوم اگر کٹ بدھ کن شکر کیتو ورچک میں شنی سحر مین میں راہو وبھ میں برہسپت شاکا سمہ ۱۹۰۸ ہجری سمہ ۱۴۰۶ھ

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	انگریزی	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل
۱۲		شراون									
۳۵	۱۳	۲۹	۴	۲۰	بدھوار	دنشٹھ د	۳	۵۷	اکدوۓ	۹	۲
۳۸	۱۴	۳۰	۵	۲۱	بیروار	شتبشک د	۳	۲۱	دوی ۓ	۷	۲۷
۴۰	۱۵	۳۱	۶	۲۲	شکروار	پوربا د	۳	۵۲	ترے ۓ	۷	۳
۴۲	۱۶	بہادون	۷	۲۳	سینچروار	اُتربا د	۵	۳۹	چورم ۓ	۷	۵۷
۴۵	۱۷	۲	۸	۲۴	آتوار	ریوت د	۸	۴۰	پنچم ۓ	۱۰	۴
۴۷	۱۸	۳	۹	۲۵	سوموار	اشن د	۱۲	۵۲	شیم ۓ	۱۳	۱۹
۵۰	۱۹	۴	۱۰	۲۶	منگلوار	برن د	۱۸	۱	ستم ر	۱۴	۲۱
۵۲	۲۰	۵	۱۱	۲۷	بدھوار	کرتج د	۲۳	۵۹	اشٹم ر	۱۰	۱۲
۵۵	۲۱	۶	۱۲	۲۸	بیروار	روہن د	۳۰	۲۰	نوم ر	۵	۳۰
۵۷	۲۲	۷	۱۳	۲۹	شکروار	مرگشیر ۓ	۴	۳۸	دہم ر	۰	۳۰
۱ ۰	۲۳	۸	۱۴	۳۰	سینچروار	آدرا ۓ	۱۰	۴۸	دہم د	۴	۲۰
۲	۲۴	۹	۱۵	۳۱	آتوار	پنروس ۓ	۱۷	۱۷	کاہ د	۸	۳۷
۵	۲۵	۱۰	۱۶	ستمبر	سوموار	تیش ر	۱۲	۳	باہ د	۱۱	۵۹
۸	۲۶	۱۱	۱۷	۲	منگلوار	اشلیش ۓ	۷	۴۹	ترواہ د	۱۴	۱۶
۱۰	۲۷	۱۲	۱۸	۳	بدھوار	مگ ر	۴	۴۰	چوداہ د	۱۵	۲۳
۱۳	۲۸	۱۳	۱۹	۴	بیروار	پورفا ر	۲	۴۶	اماوس د	۱۵	۱۳

لوگ کیفیت وغیرہ۔

۶ بجے ۵۳م دن سے ہیون چندرمہ میترم
۱ بجے ۳۰م رات سے مین میں چندرمہ وزرم۔
کورم ترے۔ دوانکیبا۔
سنکٹ چورم ورت۔ لوذل یاترا۔ ۳ بجے ۶م رات سے گنڈات آرمبھ ووُمیا۔
۹ بجے ۲۸م صبح سے میش میں چندرمہ پنچک ختم۔ ۳ بجے ۵۳م دن سے گنڈات ختم۔ پروردا۔
چندن شیئم ورت چندرمہ اودھے رات ۱۰ بجے ۴م کھیا۔
شیتلا سفتیمی۔ ۲ بجے ۴۵م دن سے سہم راشی میں بدھ ۷ بجے ۴۸م شام سے وریش میں چندرمہ گزا۔
دودوا اشٹمی۔ شری کرشن جنم اشٹمی ایک چندرمہ اودھے ۱۲ بجے ۷م سیدھا۔
۸ بجے ۳۰م صبح سے بدھ است انوسم۔
ترسیک۔ دن زیادہ۔ ۷ بجے ۳۰م صبح سے متھن میں چندرمہ مانسم۔
مکر گرم۔
۶ بجے ۷م دن سے کرکٹ میں چندرمہ۔ اجاکاہ گووتستا پوجن دوزا۔
۱۰ بجے ۳۰م دن سے طول راشی میں شکر پزاپتیبا
۱۰ بجے ۱م رات سے گنڈات آرمبھ۔ ۴ بجے ۲۰م رات سے سہم راشی میں چندرمہ کلہ یگ جنم آنندہ۔
۱۰ بجے ۴۲م دن سے گنڈات ختم۔ ۴ بجے ۱۲م دن سے چندرمہ است چرا۔
کوشا اماوسی۔ گنڈ کی یاترا۔ پھٹوری اماوس۔ نوسلم۔

[illegible]	[illegible]
۵ بجے	۷ بجے
۵۷	۳
۵۸	۲
۵۹	۱
۵۹	۱
۶ ۰	۷ ۰
۶ ۱	۶ ۵۹
۱	۵۹
۲	۵۸
۳	۵۷
۴	۵۶
۵	۵۵
۶	۵۴
۷	۵۳
۸	۵۲
۹	۵۱
۱۰	۵۰
۱۱	۴۹

شراودھ :- کاہ سے اماوسی تک پہلے ہی دن باقی اپنے دن پر۔

مدھیان :- کاہ سے اماوس تک پہلے ہی باقی اپنے دنوں میں۔

۲۲ر اگست کورم ترے۔ ۲۳ر اگست سنکٹ چورم لوذل یاترا۔ ۲۵ر اگست چندن شیئم۔
۲۷ر اگست جنم اشٹمی ورت۔ ۳۱ر اگست گووتستا پوجن۔ ۴ر ستمبر کوشا اماوس۔

سپت رشی سمبت ۵۰۶۲ بکرمی سمبت ۲۰۴۳ عیسوی سمبت ۱۹۸۶ بادر سکلہ پکھ ۳۱-۲۰ ہہم میں وُشتر بدھ دھن بوم اول شکر ورچک میں شنیچر کنیا میں کیتو قومبھ میں ہیون بر سپتیلین میں راہو شا کا سمبت ۱۹۰۸ ہجری سمبت ۱۴۰۷

[illegible]	ہجری	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	لوگ کیفیت وغیرہ	[illegible]	[illegible]
۱۴		بہادرون												
۱۵	۲۹	۱۴	۲۰	۵	شکروار	اُترفا ر	۲	۴	اکدو د	۱۳	۴۸	۱۱ بجے ۲۲م دن سے کنیا میں چندرمہ۔ ۵ بجے ۲۲م دن سے اُدھے چندرمہ۔ چندر ورشن شوکم۔	۶ بجے	۶ بجے
۱۸	محرم	۱۵	۲۱	۶	سینچروار	ہست ر	۲	۲۷	دوی د	۱۱	۱۰	مریتو۔	۱۲	۴۸
۲۱	۲	۱۶	۲۲	۷	آتوار	چتر ر	۴	۱۲	ترے د	۷	۳۴	۴ بجے ۶م دن سے طول میں چندرمہ سُریہ ماس۔ ہرتالیکا ترے وراہ جینتی۔ کلنک چورم کامیا۔	۱۳	۴۷
۲۳	۳	۱۷	۲۳	۸	سوموار	سوات ر	۶	۳۸	چورم د	۳	۸	ترہا دن کم۔ وینایک چورم وراہ پنچمی۔ کرنک ترتھ شرادھ۔ ریشی پنچمی۔ چترم۔	۱۴	۴۶
۲۶	۴	۱۸	۲۴	۹	منگلوار	ویشاکھ ر	۹	۴۴	شیم ر	۱	۵۹	کمار شیم۔ ۷ بجے ۱۷م رات سے ورچک میں چندرمہ۔ سوریہ شیم۔ تری وتستا۔	۱۵	۴۵
۲۸	۵	۱۹	۲۵	۱۰	بدھوار	انرادھ ر	۱۳	۲۵	ستم ر	۷	۳۷	برھم سرودر شرادھ سومیا۔ + رادھیا۔ اشٹمی یگنہ اُوما بھگوتی اومانگری۔ کال ڈنڈا۔	۱۶	۴۴
۳۱	۶	۲۰	۲۶	۱۱	بیروار	ذیشٹھ ء	۷	۲۷	اشٹم ر	۱۳	۳۹	۹ بجے ۲۴م رات سے دھن میں چندرمہ و مول آرمبھ ۴ بجے ۲۴م دن سے ۳ بجے ۲۴م رات تک گنڈات گنگا اشٹمی +	۱۷	۴۳
۳۴	۷	۲۱	۲۷	۱۲	شکروار	مول ء	۷	۳۹	نوم ء	۳	۲۷	۹ بجے ۴۰م رات سے مول ختم۔ ۸ بجے ۷م صبح سے مکر میں سوچاری بوم ۵ بجے ۳۰م دن سے کنیا میں بدھ۔ سُتھرا۔	۱۸	۴۲
۳۶	۸	۲۲	۲۸	۱۳	سینچروار	پورشاد	۳۰	۳۱	دہم د	۲۸	۳۸	۱۲ بجے ۱۱م رات سے مکر میں چندرمہ ماتنگا۔	۲۰	۴۰
۳۹	۹	۲۳	۲۹	۱۴	آتوار	اُترشاد	۲۷	۱۰	کاہ د	۲۳	۲۲	نارائنی کاہ۔ گوتم ناگ یاترا۔ امرتم۔	۲۱	۳۹
۴۱	۱۰	۲۴	۳۰	۱۵	سوموار	بترون د	۲۴	۳۰	باہ د	۱۸	۴۶	شراون باہ۔ ایندرہ باہ۔ وامن باہ بھونیشوری جینتی۔ ۲ بجے ۴۴م رات سے قومبھ چندرمہ پنچک آرمبھ۔ مجرا سیدا۔	۲۲	۳۸
۴۴	۱۱	۲۵	۳۱	۱۶	منگلوار	دنشٹھ د	۲۲	۳۷	ترواہ د	۱۴	۵۹	وتستا ترواہ۔ ویتھ وتری یاترا۔ ماسانت انوکم۔ ۞ یاترا پاپہ ہرن سالی انت ناگ۔	۲۳	۳۷
۴۶	۱۲	۲۶	اکتوبر	۱۷	بدھوار	شتبشک د	۲۱	۱۴	چوداہ د	۱۲	۹	۲ بجے ۲۳م دن سے سنکراتی کنیا میں سوریہ مہورت ۱۵ اسمندری سنکراتی ورت انت چوداہ۔ انت ناگ یاترا مانسم ۞	۲۴	۳۶
۴۹	۱۳	۲۷	۲	۱۸	بیروار	پوربا د	۲۲	۰	پونم د	۱۰	۲۶	۹ بجے ۱۳م دن سے مین راشی میں چندرمہ۔ پتر پکھ آرمبھ۔ مدگرم۔	۲۵	۳۵
													۲۶	۳۴

شرادھ :- اکدو سے پنچم تک اور کاہ سے پورنماشی تک پہلے ہی باقی اپنے دِنوں میں۔

مدھیان :- اکدو سے پنچم تک اور چوداہ سے پورنما تک پہلے ہی باقی اپنے دِنوں میں۔

۷ ستمبر ہرتالیکا ترے۔ ۸ ستمبر وینایک چورم۔ ریشی پنچمی۔ ۹ ستمبر کمار شیم۔ ۱۱ ستمبر شری گنگا اشٹمی۔ رادھا اشٹمی۔
۱۴ ستمبر نارائنی کاہ۔ گوتم ناگ یاترا۔ ۱۵ ستمبر وامن باہ۔ ۱۷ ستمبر سنکراتی ورت انت چوداہ۔ ۱۸ ستمبر پتر پکھ آرمبھ۔

سپتارشی سمہ ۵۰۶۲ بکرمی سمہ ۲۰۴۳ عیسوی سمہ ۱۹۸۶ اسوج کرشنہ پکھ ۳۰-۱۶ اکن میں سُریہ بدھ مکر میں سوچاری لوم طول شکرور حکیپ بہ شنچر قومہابر بہسپت مین میں راہو کنیا میں کیتو شاکا سمہ ۱۹۰۸ ہجری سمہ ۱۴۰۷

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	۔لوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۴		بھادوں											بجے ۶	بجے ۶
۵۲	۱۴	۲۸	۳	۱۹	شکروار	اُترباد	۲۳	۳۷	اکدو د	۹	۵۹	شری وتستا۔	۲۷	۳۳
۵۴	۱۵	۲۹	۴	۲۰	سنیچروار	ریوت د	۲۶	۹	دوی د	۱۰	۵۱	۴ بجے ۵۵م دن سے میش میں چندرمہ و پنچک ختم۔ ۱۱ بجے ۲م دن سے ۱۱ بجے ۴۴م رات تک گنڈات پترا تپسیا۔	۲۸	۳۲
۵۷	۱۶	۳۰	۵	۲۱	آتوار	اشن ء	۰	۱	ترے د	۱۲	۵۶	سنکٹ چورم۔ ۸ بجے ۱۳م شام سے اگست اُودھے۔ آنندہ۔	۲۹	۳۱
۵۹	۱۷	۳۱	۶	۲۲	سوموار	برن ء	۵	۲	چورم د	۱۶	۷	۳ بجے ۳م رات سے وریش میں چندرمہ چرا۔	۳۰	۳۰
۱	۱۸	اسوج	۷	۲۳	منگلوار	کرتح ء	۱۰	۵۱	پنچم د	۲۰	۱۸	دن رات برابر۔ ۸ بجے ۱۴م دن سے وشوپد میں سُریہ۔ موسلم۔	۳۰	۳۰
۴	۱۹	۲	۸	۲۴	بدھوار	روہن ر	۱۹	۲۱	ششم د	۲۵	۵	شولم۔	۳۲	۲۸
۶	۲۰	۳	۹	۲۵	بیروار	مرگیشور ر	۱۲	۵۴	ستم ء	۰	۲۱	۲ بجے ۴۳م دن سے متھن میں چندرمہ۔ صاحب ستم شولم۔	۳۳	۲۷
۹	۲۱	۴	۱۰	۲۶	شکروار	آدرا ر	۶	۳۱	اشٹم ء	۵	۲۱	مہالکشمی اشٹمی کا میا۔	۳۴	۲۶
۱۲	۲۲	۵	۱۱	۲۷	سنیچروار	پنروس ر	۰	۲۵	نوم ء	۹	۵۱	۲ بجے ۸م رات سے کرکٹ میں چندرمہ چھترم۔	۳۵	۲۵
۱۴	۲۳	۶	۱۲	۲۸	آتوار	پنروس د	۵	۳	دہم ء	۱۳	۲۸	ووزا۔	۳۶	۲۴
۱۷	۲۴	۷	۱۳	۲۹	سوموار	پتش د	۹	۳۳	کاہ ر	۱۷	۶	۱۰ بجے ۱۵م رات سے تول راشی میں بدھ ایندا کاہ۔ ۵ بجے ۲۳م رات سے گنڈات آرمبھ پترا تپسیا۔	۳۷	۲۳
۱۹	۲۵	۸	۱۴	۳۰	منگلوار	اشلیش د	۱۲	۵۹	باہ ر	۱۴	۳۳	۶ بجے ۷م دن سے گنڈات ختم۔ ۱۱ بجے ۵۰م دن سے سنہم میں چندرمہ۔ سنیاسیوں کا شرادھ آنندہ۔	۳۸	۲۲
۲۲	۲۶	۹	۱۵	اکتوبر	بدھوار	مگ د	۱۵	۱۴	تروداہ ر	۱۳	۲۱	چیرا۔	۳۹	۲۱
۲۵	۲۷	۱۰	۱۶	۲	بیروار	پورفا د	۱۶	۸	چوداہ ر	۱۳	۲۹	جنم دن مہاتما گاندھی و لال بہادر شاستری۔ ۹ بجے ۹م شام سے کنیا راشی میں چندرمہ۔ ۴ بجے ۳۶م رات سے چندرمہ + ۳۰ است موسلم۔	۴۰	۲۰
۲۷	۲۸	۱۱	۱۷	۳	شکروار	اُترفا د	۱۵	۵۲	اماوس ر	۱۴	۳۷	پترا ماوس۔ پتر ترین۔ وجیشور یاترا شولم۔	۴۱	۱۹

Kakas Kambir
Talkas Magawa
Kakanio Kambir

شرادھ:۔ اکدو سے ششم تک پہلے ہی باقی اپنے دنوں میں۔

مدھیان:۔ اکدو سے چورم تک پہلے ہی باقی اپنے دنوں میں۔

۲۱ ستمبر سنکٹ چورم۔ ۲۵ ستمبر صاحب ستم۔ ۲۹ ستمبر ایندا کاہ۔
۲ اکتوبر گاندھی جینتی۔ ۳ اکتوبر پترا ماوس۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲۔ بکرمی سمت ۲۰۴۳۔ عیسوی سمت ۱۹۸۶۔ شاکا سمت ۱۹۰۸۔ اسوج شکلہ پکھ ۲۹ گ ۰ پ۔ کنیا میں سُریہ کیتو۔ تُلا میں بدھ۔ مکر میں سوچاری۔ بوم تُلا میں شکر۔ ورش میں سنیچر۔ قومبھ میں ہست۔ میون برج میں راہو۔ ہجری ۱۴۰۷

[illegible]	ہجری	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۵		اسوج											بجے ۶	بجے ۶
۳۰	۲۹	۱۲	۱۸	۴	سینچروار	بست د	۱۴	۲۹	اکدوء	۱۰	۱۰	۱۲ بجے ۸م رات سے توُل میں چندرمہ۔ شری نوُدرگا آرمبھ مریتو۔	۴۳	۱۷
۳۲	۳۰	۱۳	۱۹	۵	آتوار	چتر د	۱۲	۱۵	دوی ی	۵	۲۰	۹ بجے ۳۱م صبح سے اوُدھے چندرمہ۔ چاند نظر آئیگا۔ کامیا۔	۴۳	۱۷
۳۵	صفر	۱۴	۲۰	۶	سوموار	سوات د	۹	۱۵	ترے ی	۰	۵۰	۳ بجے ۲۵م رات سے ورچک میں چندرمہ۔ چھترم۔	۴۴	۱۶
۳۸	۲	۱۵	۲۱	۷	منگلوار	ویشاکھ د	۵	۴۴	چورم د	۲۴	۵	بوم ماس۔ شری ولستا۔	۴۵	۱۵
۴۱	۳	۱۶	۲۲	۸	بدھوار	انورادھ د	۱	۴۸	پنچم د	۱۸	۱۱	۱۲ بجے ۱۵م رات سے گنڈات آرمبھ۔ کمار شیئم ورت۔ للیتا پنچمی سوُمیا۔	۴۶	۱۴
۴۳	۴	۱۷	۲۳	۹	بیروار	موُل ر	۲	۲۰	ششم د	۱۲	۱۲	۵ بجے ۱۵م صبح سے دھن میں چندرمہ موُل آرمبھ۔ کمار جنم۔ ۱۱ بجے ۲۵م دن سے گنڈات ختم دوُمیا۔	۴۷	۱۳
۴۶	۵	۱۸	۲۴	۱۰	شکروار	پورشار	۶	۳۲	ستم د	۶	۱۶	بیرورحا۔ ۴ بجے ۱۲م رات سے موُل ختم۔	۴۸	۱۲
۴۸	۶	۱۹	۲۵	۱۱	سینچروار	اُترشار	۱۰	۳۴	اشٹم د	۰	۳۶	ترنا۔ دن کم۔ ۸ بجے ۱۹م صبح سے مکر میں چندرمہ۔ شری دُرگا اشٹمی تار اجینتی۔ جہانومی بدرکالی جینتی کھیا۔	۴۹	۱۱
۵۱	۷	۲۰	۲۶	۱۲	آتوار	شرون ر	۱۳	۵۷	دہم ر	۴	۳۶	اپرازیتا پوجن وجے دشیمی دسہرہ۔ موسلم۔	۵۰	۱۰
۵۴	۸	۲۱	۲۷	۱۳	سوموار	دنشٹھ ء	۱۲	۵۸	کاہ ر	۹	۱۲	پاپا لگو شاہ کاہ۔ جیا کاہ۔ ۱ بجے ۴۴م دن سے قومبھ میں چندرمہ پنچک آرمبھ شوم۔	۵۲	۸
۵۶	۹	۲۲	۲۸	۱۴	منگلوار	شتبسک ء	۱۱	۵۲	باہ ر	۱۲	۵۹	مرتیو۔ ✣ شردھ پورنماشی۔ والمیکی جنم۔ کھگراس چندر گرہن۔ ۱ بجے ۴۷م رات سے سنکرانتی۔ توُل میں ☉	۵۳	۷
۵۹	۱۰	۲۳	۲۹	۱۵	بدھوار	پوربا ء	۱۱	۵۶	ترواہ ر	۱۵	۴۳	۴ بجے ۵۲م دن سے مین میں چندرمہ کامیا۔ ☉ سُریہ مہورت ۳ ندی۔ ماسانت شری وتستا۔	۵۴	۶
۲	۱۱	۲۴	۳۰	۱۶	بیروار	اُترباد ء	۱۳	۱۴	چوداہ ء	۱۴	۲۵	۱۱ بجے ۵۵م دن سے پورنماشی چندرمہ۔ چھترم۔	۵۵	۵
۴	۱۲	۲۵	کتک	۱۷	شکروار	ریوت ء	۱۵	۴۶	پونم ع	۱۵	۲۸	۱۱ بجے ۲۵م رات سے میش میں چندرمہ پنچک ختم۔ ۶ بجے ۴۶م شام سے ۶ بجے ۵۰م صبح تک گنڈات۔ لونگ پورنماشی ✣	۵۶	۴

شرادھ۔ پنچم سے نومی تک کا پہلے ہی دن۔ باقی اپنے دنوں میں۔

مدھیان۔ ستم سے نومی تک کا پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں میں۔

۴ اکتوبر نودرگا آرمبھ۔ ۸ اکتوبر کمار شیئم۔ ۱۱ اکتوبر دُرگا اشٹمی۔ جہانومی بدرکالی جینتی۔
۱۲ اکتوبر وجے دشیمی۔ دسہرہ۔ ۱۷ اکتوبر۔ شردھ پورنماشی۔ لونگ پورنماشی۔ ماسانت چاند گرہن کھگراس۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶ شاکا سمت ۱۹۰۸ کارتک کرشنہ پکھ ۲۷-۴۶ طول میں اُترایہ بدھ شکر مکر میں لوم۔ ورش میں چک شنیچر مین میں راہو توو مبت ہیں ہین برز کنیا میں ہیں بسپت کیتو ہجری سمت ۱۴۰۷

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	لوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۶		اسوج												
۷	۱۳	۲۶	۲	۱۸	سنیچروار	اشن ر	۱۶	۲۷	اکرو ر	۱۶	۴۸	۹ بجے ۱م شام سے ہیون چندرمہ۔ سنکراتی ورت سُومیا۔	۶ بجے	۶ بجے
۱۰	۱۴	۲۷	۳	۱۹	آتوار	برن ر	۱۲	۴۴	ددی ر	۱۴	۲۹	کال ڈنڈا۔	۵۷	۳
۱۲	۱۵	۲۸	۴	۲۰	سوموار	کرتج ر	۷	۵۷	ترے ر	۱۱	۱۰	۱۰ بجے ۱۲م دن سے ورِیش میں چندرمہ ستھرا۔	۵۸	۲
۱۵	۱۶	۲۹	۵	۲۱	منگلوار	روہن ر	۲	۲۰	چورم ر	۶	۵۶	سنکٹ چورم۔ کروا چورم۔ ماتنگا۔	۵۹	۱
۱۸	۱۷	۳۰	۶	۲۲	بدھوار	روہن د	۳	۵۲	پنچم ر	۱	۵۹	ترسیک دن زیادہ۔ ۹ بجے ۵۱م رات سے متھن میں چندرمہ شولم۔	۷ / ۱	۵ / ۵۹
۲۰	۱۸	کتک	۷	۲۳	بیروار	مرگشیور د	۱۰	۱۹	پنچم د	۳	۱۳	مرتیو۔	۲	۵۸
۲۳	۱۹	۲	۸	۲۴	شکروار	آدرا د	۱۶	۳۱	شیٹھم د	۸	۱۵	کامیا۔	۲	۵۸
۲۵	۲۰	۳	۹	۲۵	سنیچروار	پنروس د	۲۲	۸	ستم د	۱۲	۴۱	۷ بجے ۲۲م صبح سے کرکٹ میں چندرمہ۔ ۸ بجے ۱۸م صبح سے ورچک راشی میں بدھ چھترم۔	۳	۵۷
۲۷	۲۱	۴	۱۰	۲۶	آتوار	پشں د	۲۶	۵۵	اشٹم د	۱۶	۱۶	اہوئی اشٹمی ۴ بجے ۳۰م رات سے پچھم میں شکر است شری وتستا۔	۳	۵۷
۲۹	۲۲	۵	۱۱	۲۷	سوموار	اشلیش ع	۳	۳۷	نوم د	۱۸	۴۵	۸ بجے ۲۳م صبح سے سنہم میں چندرمہ ۱ بجے ۳۰م دن سے ۱ بجے ۴۱م رات تک گنڈات سُومیا۔	۴	۵۶
۳۱	۲۳	۶	۱۲	۲۸	منگلوار	مگ ع	۶	۱۲	دہم د	۲۰	۴	کال ڈنڈا۔	۵	۵۵
۳۴	۲۴	۷	۱۳	۲۹	بدھوار	پورفا ع	۷	۳۳	کاہ د	۱۹	۵۹	ریا کاہ۔ عرس مقدوم صاحب۔ ۲ بجے ۵۶م رات سے کنیا میں چندرمہ ستھرا۔	۶	۵۴
۳۶	۲۵	۸	۱۴	۳۰	بیروار	اترفا ع	۷	۳۷	باہ د	۱۸	۴۴	ماتنگا۔	۷	۵۳
۳۸	۲۶	۹	۱۵	۳۱	شکروار	بست ع	۶	۲۶	ترواہ د	۱۶	۱۷	گھن تریورشی۔ امرتم	۸	۵۲
۴۰	۲۷	۱۰	۱۶	نومبر	سنیچروار	چتر ع	۴	۳۳	چوداہ د	۱۲	۴۸	×۔ کملا جینتی۔ بھوہیر جینتی۔ انرک چوداہ۔ ہنومان جینتی۔ کانڈا۔ ۸ بجے ۶م صبح سے تول میں چندرمہ۔	۹	۵۱
۴۲	۲۸	۱۱	۱۷	۲	آتوار	سوات ع	۱	۴۷	اماوس ح	۸	۹	۴ بجے ۸م دن سے چندرمہ است۔ دیپ مالا۔ مہالکشمی پوجن۔ دیوالی۔× ۶ بجے ۲۴م صبح سے تول راشی میں ہیون بدھ الایکا۔	۱۰	۵۰
													۱۱	۴۹

شرادھ:۔ شٹیم سے اماوس تک پہلے ہی باقی اپنے دِنوں میں۔

مدھیان:۔ شٹیم۔ ستم۔ چوداہ اور اماوس کا پہلے ہی باقی اپنے دِنوں میں۔

۱۸ر اکتوبر سنکراتی ورت۔ ۲۱ر اکتوبر کروا چوتھ۔ سنکٹ چورم۔ ۲۶ر اکتوبر شکر پچھم میں است۔
یکم نومبر دیوالی۔ دیپ مالا۔ کملا جینتی۔ بہادیر جینتی۔ ہنومان جینتی۔

سپت رشی سمہ ۵۰۶۲ بکرمی سمہ ۲۰۴۳ عیسوی سمہ ۱۹۸۶ شاکا سمہ ۱۹۰۸ کارتک شکلہ پکچھ ۲۶۔ ۳۰ طول میں سُریہ شکر بیون بدھ مکر میں لوم ورچک میں شنیچر قومبھ میں ہیون برہسپت مین میں راہو کنیا میں کیتو ہجری سمہ ۱۴۰۷

راشی	ہجری	پرویشٹے	انگریزی	تتھی	وار	نچھتر	گھڑی	پل	یوگ	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	طلوع آفتاب	غروب آفتاب
۱۶		کارتک										+ بھائی دوُج چاند نظر آئیگا۔ میترم	بجے ۷	بجے ۵
۴۵	۲۹	۱۲	۱۸	۳	سوموار	وشاکھا د	۲۶	۵۲	الکدو ر	۳	۲۸	ترہا۔ دن کم۔ ۱۱ بجے ۳۲ م دن سے ورچک میں چندرمہ۔ ۷ بجے ۳۲ م شام سے اُودھے چندرمہ۔ انہ کوٹ گوردھن پوجن ÷	۱۲	۴۸
۴۷	ربیع الاول	۱۳	۱۹	۴	منگلوار	انرادھا ر	۲۱	۳	ترے ر	۲	۱	وزرم۔	۱۳	۴۷
۴۹	۲	۱۴	۲۰	۵	بدھوار	ذیشٹھا ر	۱۷	۵۷	پورم ر	۷	۵۱	۲ بجے ۱ م دن سے دھن میں چندرمہ ومُول آرمبھ ۸ بجے ۵۰ م صبح سے ۷ بجے ۲۵ م شام تک گنڈات ۱۰ بجے ۵۰ م رات سے پورب میں شکر اُدھے ونگا	۱۴	۴۶
۵۱	۳	۱۵	۲۱	۶	بیروار	مُول د	۱۲	۴۹	پنچم ر	۱۳	۴۴	۱۲ بجے ۲۴ م دن سے مُول ختم۔ برہسپت ماس دُومیا۔	۱۵	۴۵
۵۳	۴	۱۶	۲۲	۷	شکروار	پوشاد	۸	۵۳	شیشم ء	۸	۳۳	۸ بجے ۲۶ م دن سے مکر میں چندرمہ۔ کمار شیشم ورت پروردا۔	۱۶	۴۴
۵۶	۵	۱۷	۲۳	۸	سنیچروار	اُترشاد	۵	۱۷	ستم ء	۳	۳۳	کھیا	۱۶	۴۴
۵۸	۶	۱۸	۲۴	۹	آتوار	بشرون د	۲	۱۶	اشٹم د	۲۵	۱۸	گوپال اشٹمی ۷ بجے ۱ م شام سے قومبھ میں چندرمہ بیچنک آرمبھ موسلم۔	۱۷	۴۳
۰	۷	۱۹	۲۵	۱۰	سوموار	دھنشٹھا د	۰	۱	لوم د	۲۱	۴۳	اکھیا نومی۔ ستہ یگ جنم۔ شولم۔ ⊗ کارتک پورنماشی۔ گرونانک جنم بنمارکا آچاریہ جنم۔ کال ڈنڈا۔	۱۸	۴۲
۲	۸	۲۰	۲۶	۱۱	منگلوار	پوربا ر	۱	۲۳	دہم د	۱۹	۶	۱۲ بجے ۴۲ م رات سے مین میں چندرمہ کانڈا۔	۱۹	۴۱
۵	۹	۲۱	۲۷	۱۲	بدھوار	اُترباد ر	۱	[illegible]	کاہ د	۱۷	۳۷	۲ بجے ۸ م دن سے قومبھ راشی میں لوم۔ ہری بھودھنی کاہ۔ کامیا۔	۲۰	۴۰
۷	۱۰	۲۲	۲۸	۱۳	بیروار	ریوت ر	۰	۴۸	ناہ د	۱۷	۲۴	شیو سواپ۔ ۱ بجے ۳۸ م رات سے گنڈات آرمبھ میترم۔ ⊙ پورنماشی چندرمہ شری وتستا۔	۲۱	۳۹
۹	۱۱	۲۳	۲۹	۱۴	شکروار	ریوت د	۱	۲۶	ترواہ د	۱۸	۲۸	۷ بجے ۵۶ م صبح سے میش میں چندرمہ بیچنک ختم ۲ بجے ۵ م دن سے گنڈات ختم ہنر دبال دوس۔ ۲ بجے ۴۴ م رات سے ⊙	۲۲	۳۸
۱۱	۱۲	۲۴	۳۰	۱۵	سنیچروار	اشنی د	۴	۴۹	چوواہ د	۲۰	۴۹	۱۰ بجے ۲ م دن سے شنیچر است۔ ونیکٹھ چوواہ۔ عید میلاد۔ ماسانت سُومیا۔	۲۳	۳۷
۱۳	۱۳	۲۵	مگھر	۱۶	آتوار	برن د	۹	۲۰	پونم د	۲۴	۱۶	۵ بجے ۳۸ م شام سے ورشچک میں چندرمہ۔ ۱۱ بجے ۴۴ م رات سے سنکراتی ورچک میں ستر ہیہ مہورت ۳۰ سمندری سنکراتی ورت ⊗	۲۲	۳۷

شہرادھ :۔ الکدو۔ دوی اور نومی سے پورنما کے پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں میں۔

مدھیان :۔ الکدو۔ دوی کا پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں میں۔

۳ نومبر انہ کوٹ گوردھن پوجن۔ بھائی دوُج۔ ۵ نومبر شکر اُدے مے پورب میں۔ ۷ نومبر کمار شیشم ورت۔

۹ نومبر گوپال اشٹمی۔ ۱۶ نومبر سنکراتی ورت کارتک پورنما۔ گرو نانک جنم۔ ۱۵ نومبر عید میلاد۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶ مارگ کرشنہ پکھ ۲۵-۲۸ ورچک میں سُریہ تومبھ مین لوم اتول میں ہیون بدھ شکر ورچک میں شنیچر کنیا مین کیتو تومبھ میں ہیون چاری برہسپت مین میں راہو۔ ۱۹۰۸ شاکا سمہ ہجری ۱۴۰۷

[illegible]	ہجری	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نکشتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۷		کارتک												
۱۶	۱۴	۲۶	۲	۱۷	سوموار	کرتج د	۱۴	۴۶	اکدوء	۳	۱۱	۲ بجے ۴۳م دن سے ہیون چندرمہ ستھرا۔	۷ بجے	۵ بجے
۱۸	۱۵	۲۷	۳	۱۸	منگلوار	روہن د	۲۰	۵۳	دوی ء	۸	۱۷	۵ بجے ۳۳م رات سے متھن چندرمہ ماتنگا۔	۲۴	۳۶
۲۰	۱۶	۲۸	۴	۱۹	بدھوار	مرگشیرء	۱	۵۸	تریء	۱۳	۳۷	مارگی بدھ ۱۰ بجے ۲۳م رات سے۔ ایرتم۔	۲۵	۳۵
۲۲	۱۷	۲۹	۵	۲۰	بیروار	آردراء	۸	۴۴	چورم ر	۲۱	۸	سنکٹ چورم ورت کانڈا۔	۲۶	۳۴
۲۵	۱۸	۳۰	۶	۲۱	شکروار	پنروسء	۱۴	۱۵	پنچم ر	۱۵	۵۹	۴ بجے ۳۸م دن سے کرکٹ میں چندرمہ الاپکا۔	۲۷	۳۳
۲۶	۱۹	مگھر	۷	۲۲	سنیچروار	تیش ر	۲۰	۳۵	شیشم ر	۱۱	۲۶	میترم۔	۲۸	۳۲
۲۷	۲۰	۲	۸	۲۳	آتوار	اشلیش ر	۱۵	۲۳	ستم ر	۷	۴۸	۲ بجے ۵۱م رات سے سہم میں چندرمہ ۸ بجے ۲۳م شام سے گنڈات آرمبھ سُریہ ستم ورترم۔	۲۹	۳۱
۲۸	۲۱	۳	۹	۲۴	سوموار	مگ ر	۱۱	۳۵	اشٹم ر	۵	۱۷	۹ بجے ۹م دِن سے گنڈات ختم۔ مہاکال بھروا شیٹمی دوانکیا۔	۲۹	۳۱
۲۹	۲۲	۴	۱۰	۲۵	منگلوار	پورفا ر	۸	۴۱	نوم ر	۳	۵۹	۴ بجے ۲۰م رات سے کنیا میں چندرمہ دُومیا۔	۲۹	۳۱
۳۰	۲۳	۵	۱۱	۲۶	بدھوار	اُترفا ر	۷	۱۵	دہم ر	۳	۵۹	پروردا۔	۳۰	۳۰
۳۱	۲۴	۶	۱۲	۲۷	بیروار	ہست ر	۶	۵۹	کاہ ر	۵	۱۷	اُتپناہ کاہ۔ کھیا۔	۳۰	۳۰
۳۲	۲۵	۷	۱۳	۲۸	شکروار	چتر ر	۷	۴۸	باہ ر	۷	۴۱	۴ بجے ۳م دِن سے تول میں چندرمہ ۷ بجے ۵۵م صبح سے ذیشٹھ نکتھر میں شنیچر گزا۔	۳۰	۳۰
۳۲	۲۶	۸	۱۴	۲۹	سنیچروار	سوات ر	۹	۳۹	تروداہ ر	۱۱	۹	سیدا۔	۳۱	۲۹
۳۳	۲۷	۹	۱۵	۳۰	آتوار	وشاکھ ر	۱۲	۱۹	چوداہ ر	۱۴	۴۵	۷ بجے ۲۸م شام سے ورچک میں چندرمہ ۳ بجے ۲م رات سے چندرمہ است۔ انوم۔	۳۱	۲۹
۳۴	۲۸	۱۰	۱۶	دسمبر	سوموار	انرادھ ر	۱۵	۲۳	اماوس ء	۹	۱۷	سہری اماوس۔ مانسم۔	۳۱	۲۹
													۳۲	۲۸

شرادھ:۔ اور مدھیان اپنے اپنے دِنوں میں۔

۲۰ نومبر سنکٹ چورم ورت۔ ۲۳ نومبر سُریہ سیفیتی۔ ۲۴ نومبر مہاکال بھروا شیٹمی۔ ۲۷ نومبر اُتپناہ کاہ۔ یکم دسمبر۔ سوماوسی ورت۔

سپت رشی سمہ ۵۰۶۲ بکرمی سمہ ۲۰۴۳ شاکا سمہ ۱۹۰۸ عیسوی سمہ ۱۹۸۶ مارگ شرکلہ پچھ ۲۴۔ ۵۰ ورچک میں سُتریہ سنچر قومبھ میں بوم تلا میں بدھ شکر کنیا میں کیتو قومبھ میں ہیون چاری برسپت مین میں راہو۔ ہجری سمہ ۱۴۰۷

[illegible]	ہجری	[illegible]	مگھر	دسمبر	وار	نکھشتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	لوگ کیفیت وغیرہ	طلوع آفتاب	غروب آفتاب
۱۷		مگھر											۷ بجے	۵ بجے
۲۵	۲۹	۱۱	۱۷	۲	منگلوار	دنیشٹھ ء	۱۱	۴۷	اکدو ء	۳	۲۳	مدگرم ۱۰ بجے ۱۰م رات سے دھن چندرمہ و مول آرمبھ ۴ بجے ۳۶م دن سے ۳ بجے ۵۰م رات تک گنڈات ۵ بجے ۴۴م رات سے اودھے چندرمہ۔	۳۲	۲۸
۳۶	۳۰	۱۲	۱۸	۳	بدھوار	مول ء	۷	۴۱	دوئی د	۲۲	۳۲	۸ بجے ۲۱م شام تک مول۔ چاند نظر آئے گا۔ دوزا۔	۳۲	۲۸
۳۷	ربیع الثانی	۱۳	۱۹	۴	بیروار	پورشاء	۳	۴۱	ترے د	۱۶	۴۶	۲ بجے ۵۷م رات سے مکر میں چندرمہ پڑا تپسیا۔	۳۳	۲۷
۳۸	۲	۱۴	۲۰	۵	شکروار	اترشاء	۰	۶	چورم د	۱۱	۱۷	آنندہ۔	۳۳	۲۷
۳۹	۲	۱۵	۲۱	۶	سینچروار	شتروں د	۲۱	۲۲	پنچم د	۶	۱۸	+ پنچک آرمبھ ستھرا۔ ستنچر ماس۔ ۷ بجے ۵۰م شام سے ورچک میں سوچاری بدھ کمار شیمُ ورت ۳ بجے ۱م رات سے قومبھ میں چندرمہ +	۳۴	۲۶
۴۰	۴	۱۶	۲۲	۷	آتوار	دنشٹھ د	۱۹	۱۶	شیمُ د	۱	۵۷	ترہا۔ دن کم۔ ماتنگا۔	۳۴	۲۶
۴۱	۵	۱۷	۲۳	۸	سوموار	شتبتک د	۱۷	۴۱	اشٹم ر	۱	۲۳	بھروی اسٹیمی۔ اہرتم۔	۳۵	۲۵
۴۲	۶	۱۸	۲۴	۹	منگلوار	پوربا د	۱۷	۹	نوم ر	۴	۰	۸ بجے ۲۶م صبح سے مین میں چندرمہ کانڈا۔	۳۵	۲۵
۴۲	۷	۱۹	۲۵	۱۰	بدھوار	اتربا ء	۷	۴۹	دہم ر	۵	۲۰	الاپکا۔ ⊙ ۴۵م رات تک گنڈات میترم۔	۳۵	۲۵
۴۳	۸	۲۰	۲۶	۱۱	بیروار	ریوت د	۱۹	۴۶	کاہ ر	۵	۲۴	موکھدا کاہ شری گیتا جینتی۔ ۳ بجے ۲۹م دن سے میش راشی میں چندرمہ پنچک ختم ۹ بجے ۱۵م دن سے ۹ بجے ⊙	۳۶	۲۴
۴۴	۹	۲۱	۲۷	۱۲	شکروار	اشن د	۲۲	۵۳	یاہ ر	۴	۴	وزرم۔	۳۶	۲۴
۴۵	۱۰	۲۲	۲۸	۱۳	سینچروار	برن ء	۲	۳۹	ترواہ ر	۱	۲۵	ترسپک دن ادھیک ۱۲ بجے ۵۵م رات سے ورش میں چندرمہ دوانکھیا۔	۳۶	۲۴
۴۶	۱۱	۲۳	۲۹	۱۴	آتوار	کرتج ء	۷	۵۶	ترواہ د	۲	۵	عرس پیر دستگیر صاحب۔ ۳ بجے ۵م رات سے پورتماشی میں چندرمہ۔ دُومیا۔	۳۶	۲۴
۴۷	۱۲	۲۴	۳۰	۱۵	سوموار	روہن ء	۱۳	۵۵	چوداہ د	۶	۳۶	ماسانت پروردا۔ + ترپور بھروجینتی۔ کھیا۔	۳۷	۲۳
۴۸	۱۳	۲۵	پوہ	۱۶	منگلوار	مدگیشور ر	۲۱	۲۸	پونم د	۱۱	۴۴	۱۲ بجے ۱۵م دن سے متھن میں چندرمہ ۱۱ بجے ۲۹م دن سے سنکراتی دھن میں سُتریہ مہورت ۳۰ گتاری سنکراتی ورت سنگھ آرمبھ +	۳۷	۲۳

شرادھ: ترے سے ششٹی تک۔ چوداہ سے پورنما تک پہلے ہی دن باقی اپنے دلوں میں۔

ہمیان: پنچم سے ششٹی تک اور چوداہ پونم کا پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں میں۔

۶ دسمبر کمار شیمُ ورت۔ ۸ دسمبر بھروی اشٹمی۔ ۱۱ دسمبر موکھدا کاہ شری گیتا جینتی۔ ۱۴ دسمبر عرس پیر دستگیر۔ ۱۵ دسمبر ماسانت

۱۶ دسمبر دھن میں سُتریہ۔ سنگھ آرمبھ۔ سنکراتی ورت ترپور بھروی جینتی۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶ پوہ کرشنہ پکھ ۲۴-۲۲ دھن میں سُریہ، ترتو مبھ میں بوم، ورچک میں بدھ، شنیچر، طول میں شکر، کنیا میں کیتو، تو مبھ میں بریسپت، مین میں راہو، ہجری سمت ۱۴۰۷ شاکا سمت ۱۹۰۸

[illegible]	ہجری	سنکرانت	شُدی	انگریزی	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تِتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ	سورج اُدے	سورج است
۱۷		مگھر												
۴۹	۱۴	۲۶	۲	۱۷	بدھوار	آدرا ر	۱۵	۱۳	اکدُو د	۱۷	۴	۱ بجے ۲م دن سے ہیون چندرمہ ماتریکا پوجن۔ گزا۔	۷ بجے	۵ بجے
۵۰	۱۵	۲۷	۳	۱۸	بیروار	پنروس ر	۸	۴۹	دوی د	۲۲	۸	۱۱ بجے ۵۶م رات سے کرکٹ میں چندرمہ۔ سیدا۔	۳۸	۲۲
۵۱	۱۶	۲۸	۴	۱۹	شکروار	تیش ر	۲	۵۳	ترے د	۲	۲۲	انومولم۔	۳۸	۲۲
۵۳	۱۷	۲۹	۵	۲۰	سنیچروار	تیش د	۲	۱۶	چورم د	۶	۱	۱۲ بجے ۳۲م دن سے سنیچر اُودھے ۹ بجے ۴۰م دن سے بریسپت ۳ بجے ۵۵م رات سے گنڈات آرمبھ سنکٹ چورم میترم۔	۳۸	۲۲
۵۲	۱۸	۳۰	۶	۲۱	آتوار	اشلیش د	۶	۳۲	پنچم د	۸	۳۳	۱۰ بجے ۱۶م دن سے سہم میں چندرمہ ۴ بجے ۲۷م دن سے گنڈات ختم۔ ۱۰ بجے ۳م رات سے اترائن میں سُریہ کا پرویش وزرم۔	۳۸	۲۲
۵۲	۱۹	پوہ	۷	۲۲	سوموار	مگ د	۹	۳۷	شیئم د	۹	۴۹	ویتال شیئم۔ پورن راج بھرو جنم ہول۔ ووانکھیا۔	۳۹	۲۱
۵۱	۲۰	۲	۸	۲۳	منگلوار	پورفا د	۱۱	۲۹	ستم د	۹	۴۵	۶ بجے ۲۲م شام سے کنیا میں چندرمہ وو تیا۔	۳۹	۲۱
۵۰	۲۱	۳	۹	۲۴	بدھوار	اُترفا د	۱۲	۱۷	اشٹم د	۸	۲۲	شری مہاکالی جنم۔ پروردا۔	۳۹	۲۱
۴۹	۲۲	۴	۱۰	۲۵	بیروار	ہست د	۱۱	۳۵	نوم د	۵	۵۳	۱۲ بجے ۲م رات سے طول میں چندرمہ کرسمس ڈے کھیا	۳۸	۲۲
۴۸	۲۳	۵	۱۱	۲۶	شکروار	چتر د	۹	۱۹	دہم د	۲	۲۰	۳ بجے ۳۷م دن سے دھن راشی میں بدھ آنند لیشور بھرو جنم گزا۔	۳۸	۲۲
۴۷	۲۴	۶	۱۲	۲۷	سنیچروار	سوات د	۷	۳۵	کاہ د	۲۲	۱۶	سفلا کاہ۔ ۱۱ بجے ۴۴م رات سے ورچک میں چندرمہ سیدا۔	۳۸	۲۲
۴۶	۲۵	۷	۱۳	۲۸	آتوار	ویشاکھ د	۴	۲۹	باہ د	۱۷	۱۹	۱۰ بجے ۲۲م دن سے مین راشی میں بوم انومولم۔	۳۷	۲۳
۴۵	۲۶	۸	۱۴	۲۹	سوموار	انرادھ د	۰	۴۸	تروداہ د	۱۲	۴	۱ بجے ۱۷م رات سے گنڈات آرمبھ ۶ بجے ۲۱م رات سے دھن میں چندرمہ و مُول آرمبھ ماتسم۔	۳۷	۲۳
۴۴	۲۷	۹	۱۵	۳۰	منگلوار	مُول ر	۳	۸	چوداہ د	۶	۱۹	۴ بجے ۱۴م رات سے مول ختم۔ ۱ بجے ۵۵م دن سے چندرمہ است۔ ۱۱ بجے ۵۶م دن سے گنڈات ختم لاوس چوداہ یکھیا اماوس چھترم۔	۳۶	۲۴
۴۳	۲۸	۱۰	۱۶	۳۱	بدھوار	پورشار	۷	۱۵	اماوس د	۰	۳۰	ترہا۔ دن کم۔ ۵ بجے ۳۰م رات سے اُودھے چندرمہ۔ اماوسی ورت شری وقستا۔	۳۶	۲۴
													۳۶	۲۴
													۳۵	۲۵

شرادھ:- اکدُو، دوی و باہ سے اماوس تک پہلے ہی دن۔ باقی اپنے دلوں میں۔

مدھیان:- چوداہ اماوس کا پہلے ہی دن۔ باقی اپنے دلوں پر ہو گا۔

۱۷ر دسمبر ماتریکا پوجن۔ ۲۰ر دسمبر سنکٹ چورم ورت۔ ۲۱ر دسمبر اُترائن میں سُریہ کا پرویش۔ ۲۲ر دسمبر ویتال شیئم۔
۲۴ر دسمبر شری مہاکالی جنم۔ ۲۶ر دسمبر آنند لیشور بھرو جنم۔ ۲۷ر دسمبر سفلا کاہ۔ ۳۰ر دسمبر لاوس چوداہ یکھیا اماوس۔ ۳۱ر دسمبر ورت اماوس۔

سپت رشی سمنہ ۵۰۶۲ بکرمی سمنہ ۲۰۴۳ عیسوی سمنہ شاکا سمنہ ۱۹۰۸ پلوہ شکلہ پکھ ۲۴-۶-۳۶ دھن میں تر بدھ مین میں یووار اہو ورزیں شکر چک شنیچر قومبھ میں ہیو برہسپت کنیا میں کُتو ہجری سمنہ ۱۴۲۶ھ

[illegible]	ہجری	بکرمی	[illegible]	جنوری	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۷		پلوہ										سُومیا۔	۷ بجے	۵ بجے
۴۲	۲۹	۱۱	۱۷	جنوری	بیروار	اُترشار	۱۱	۱۹	دوی ر	۵	۱۴	۸ بجے ۱۴م صبح سے مکر میں چندرمہ ۱۲ بجے ۲۲م دن سے ورچک راشی میں شکر چاند نظر آئیگا۔ جنوری ۱۹۰۸ء آرمبھ ویکانند جینتی	۳۵	۲۵
۴۱	جمیدالاول	۱۲	۱۸	۲	شکروار	بتروِن ر	۱۵	۷	ترے ر	۱۰	۴۱	دُومیا۔	۳۴	۲۶
۴۱	۲	۱۳	۱۹	۳	سنچروار	ونشٹھ ء	۱۴	۲۸	چورم ر	۱۵	۲۴	۱۲ بجے ۸م دن سے قومبھ میں چندرمہ پنچک آرمبھ پروردا۔	۳۴	۲۶
۴۰	۳	۱۴	۲۰	۴	آتوار	شتبتک ء	۱۲	۴۲	پنچم ء	۱۲	۱۵	کھیا۔	۳۴	۲۶
۳۹	۴	۱۵	۲۱	۵	سوموار	پوربا ء	۱۱	۵۶	شتیم ء	۹	۵۲	۴ بجے ۱۸م دن سے مین میں چندرمہ۔ چندرمہ ماس۔ کمار شیٹم ورت گزا۔	۳۴	۲۶
۳۸	۵	۱۶	۲۲	۶	منگلوار	اُتربا ء	۱۲	۱۸	ستم ء	۸	۴۲	گرد گوبند سنگھ جنم۔ سیدا۔	۳۳	۲۷
۳۷	۶	۱۷	۲۳	۷	بدھوار	ریوتی ء	۱۳	۵۳	اشٹم ء	۹	۴۹	۱۱ بجے ۱۴م رات سے میش راشی میں چندرمہ پنچک ختم ۴ بجے ۵۰م دن سے ۵ بجے ۱۸م رات تک گنڈانت۔ بُدھ اشٹمی انوم	۳۳	۲۷
۳۶	۷	۱۸	۲۴	۸	بیروار	اشنی ء	۱۶	۴۴	نوم ء	۱۰	۱۲	مانسم۔	۳۲	۲۸
۳۵	۸	۱۹	۲۵	۹	شکروار	برن ر	۱۸	۳۰	دہم ء	۱۲	۵۰	مُدگرم۔	۳۲	۲۸
۳۴	۹	۲۰	۲۶	۱۰	سنچروار	کرتِ ر	۱۴	۲۳	کاہ ء	۱۶	۳۳	۸ بجے ۱۸م صبح سے ورکش چندرمہ پُتروداہ کاہ دوزا۔	۳۲	۲۸
۳۳	۱۰	۲۱	۲۷	۱۱	آتوار	روہن ر	۹	۱۷	باہ ر	۱۸	۳۴	پراجا تپیا۔	۳۱	۲۹
۳۲	۱۱	۲۲	۲۸	۱۲	سوموار	مرگیشور ر	۳	۲۰	ترداہ ر	۱۳	۵۵	۱۰ بجے ۲۷م رات سے متھن میں چندرمہ ۱ بجے ۴۸م دن سے مکر راشی میں بُدھ آنتدہ۔	۳۱	۲۹
۳۲	۱۲	۲۳	۲۹	۱۳	منگلوار	مرگیشور د	۳	۲	چوداہ ر	۸	۳۳	ماسانت۔ کھیا۔ ۸ بجے ۲۲م شام سے پورنما چندرمہ گزا۔ +	۳۱	۲۹
۳۱	۱۳	۲۴	ماگھ	۱۴	بدھوار	آردا د	۹	۳۰	پونم ر	۳	۲۰	ترسیبیک دن زیادہ۔ ۷ بجے ۱۸م شام سے سنکراتی مکر میں سُریہ مہورت ۴۵ پہاڑی سنکراتی ورت۔ ششر سنکراتی +	۳۰	۳۰
۲۹	۱۴	۲۵	۲	۱۵	بیروار	پنروس د	۱۵	۳۶	پونم د	۱	۵۲	۷ بجے ۸م صبح سے کرکٹ راشی میں چندرمہ شاکمبری دیوی جینتی۔ سیدا۔	۳۰	۳۰

شرادھ و مدھیان:- اپنے اپنے دِنوں میں۔

۵ جنوری کمار شیٹم چندرمہ ماس۔ ۶ جنوری گرو گوبند جنم۔ ۷ جنوری بُدھا اشٹمی۔ ۱۴ سنکراتی ورت۔ ششر سنکراتی۔

سپت رشی سمہ ۵۰۶۲ بکرمی سمہ ۲۰۴۳ عیسوی سمہ ۱۹۸۷ شاکا سمہ ۱۹۰۸ ماگھ کرشنہ پچھ ۲۵-۴ مکر میں سُریہ بُدھ و مب پر بہسپت میں بہسپت مین۔ بوم راہو ورشچک میں شنیچر شکر کنیا میں کیتو ہجری سنہ ۱۴۰۷ ھ

رادن	ہجری	پرویشٹہ	تتھ	جنوری	وار	نکشتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	طلوع آفتاب	غروب آفتاب
۱۷		پلوه											بجے ۷	بجے ۵
۲۸	۱۵	۲۶	۳	۱۶	شکروار	تیشن د	۲۱	۵	اکدو د	۶	۱۷	۱۰ بجے ۱م دِن سے ہیون چندرمہ انوکم۔	۲۹	۳۱
۲۷	۱۶	۲۷	۴	۱۷	سینچروار	اشلیش ع	۱	۱۸	دوئ د	۹	۵۰	۶ بجے ۲م شام سے سیہم میں چندرمہ ۱۱ بجے ۳۷م دِن سے ۱۲ بجے ۲۷م رات تک گنڈات مانسم۔	۲۹	۳۱
۲۶	۱۷	۲۸	۵	۱۸	آتوار	مگ ع	۳	۵۰	ترے د	۱۲	۱۴	سنکہٹ چورم ورت ممد گرم۔	۲۸	۳۲
۲۵	۱۸	۲۹	۶	۱۹	سوموار	پورفاء	۶	۲	چورم د	۱۳	۲۱	۲ بجے ۷م رات سے کنیا میں چندرمہ دوتا۔	۲۸	۳۲
۲۴	۱۹	۳۰	۷	۲۰	منگلوار	اُترفاء	۶	۵۵	پنچم د	۱۳	۱۴	۱۱ بجے ۲م دِن سے بُدھ اُودھے پرا تیپیا۔	۲۷	۳۳
۲۱	۲۰	ماگھ	۸	۲۱	بدھوار	ہست ء	۶	۳۲	شیتم د	۱۱	۵۰	صاحب ستم۔ آنندہ۔	۲۶	۳۴
۱۹	۲۱	۲	۹	۲۲	بیروار	چتر د	۴	۵	ستم د	۹	۱۴	۷ بجے ۵۶م صبح سے تول میں چندرمہ چرا۔	۲۶	۳۴
۱۷	۲۲	۳	۱۰	۲۳	شکروار	سوات ء	۲	۴۹	اشٹم د	۵	۴۲	موسلم۔	۲۵	۳۵
۱۵	۲۳	۴	۱۱	۲۴	سینچروار	ویشاکھ د	۲۴	۳۲	نوم د	۱	۲۰	ترہا۔ دِن کم۔ ۹ بجے ۵۰م دِن سے ورچک راشی میں چندرمہ شولم۔	۲۴	۳۶
۱۳	۲۴	۵	۱۲	۲۵	آتوار	انرادھ د	۲۱	۴۱	کاہ ر	۳	۴۰	تسٹھ تِلا کاہ مرتیو۔ ** ممتتر دوس کامیا۔	۲۳	۳۷
۱۰	۲۵	۶	۱۳	۲۶	سوموار	ذیشٹھ د	۱۷	۵۰	باہ ر	۹	۴	۲ بجے ۲۰م دِن سے دھن میں چندرمہ مُول آرمبھ ۸ بجے ۵۵م صبح سے ۸ بجے ۵م شام تک گنڈات۔ بہار گن **	۲۲	۳۸
۸	۲۶	۷	۱۴	۲۷	منگلوار	مُول د	۱۳	۴۵	ترواہ ر	۱۴	۵۴	۱۲ بجے ۵۲م دن سے مُول ختم۔ یوم پرووش۔ ۱۰ بجے ۲۵م دِن سے مین راشی میں سوچاری برھسپت۔ چیتھرم۔	۲۱	۳۹
۶	۲۷	۸	۱۵	۲۸	بدھوار	پورشاد	۹	۴۶	چوداہ ع	۷	۵۰	۴ بجے ۵۰م دن سے مکر راشی میں چندرمہ شیو چتر دشی ۸ بجے ۴۴م شام سے چندرمہ است۔ شری وتستا۔	۲۰	۴۰
۴	۲۸	۹	۱۶	۲۹	بیروار	اُترشاد	۵	۵۷	اماوس ع	۲	۲۵	مونی اماوس۔ مہودتے۔ سُومیا۔	۱۹	۲۱

شرادھ :- اکدو سے دشمی تک پہلے ہی دن باقی اپنے دِنوں میں۔

مدھیان :- اکدو سے ترے تک اور ستم سے دشمی تک پہلے ہی دن باقی اپنے دِنوں پر۔

۱۸ر جنوری سنکٹ چورم ورت۔ ۲۱ جنوری صاحب ستم۔ ۲۷ر مین راشی میں برہسپت۔

۲۸ر جنوری شیو چتر دستی ایک۔ ۲۹ر جنوری اماوس ورت۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۷ شاکا سمت ۱۹۰۸ ماگھ شکلہ پکچھ ۲۵-۵۸ مکر میں سورج مین میں لوم برہسپت راہو قومبھ میں بدھ دھن میں شکر ورچک میں شنیچر کنیا میں کیتو ہجری سمت ۱۴۰۷

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	جنوری	وار	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	لوگ کیفیت وغیرہ	[illegible]	[illegible]
۱۷		ماگھ												
۱	۲۹	۱۰	۱۷	۳۰	شکروار	شرون د	۲	۳۸	اکدو د	۲۳	۳۰	۷۵م دن سے دھن راشی میں شکر چاند نظر آئیگا۔	۷ بجے	۵ بجے
۵۹	جمادی الثانی	۱۱	۱۸	۳۱	سنیچروار	شتبھک	۰	۱۰	دوی د	۱۹	۲۱	۹ بجے ۲۸م رات سے قومبھ میں چندرمہ پنچک آرمبھ۔ ۱۲ بجے ۵۹م دن سے اودھے چندرمہ ۳ بجے ۵۲م دن سے قومبھ میں بدھ ۲ بجے ۵	۱۸	۴۲
۵۷	۲	۱۲	۱۹	فروری	آتوار	پوربا	۲	۳	ترے د	۱۶	۷	آنندہ	۱۸	۴۲
۵۵	۳	۱۳	۲۰	۲	سوموار	اتربا	۳	۲	چورم د	۱۳	۵۴	گوری ترے ۱۲ بجے ۵م رات سے مین میں چندرمہ چرا۔	۱۷	۴۳
۵۲	۴	۱۴	۲۱	۳	منگلوار	ریوت	۲	۵۴	پنچم د	۱۲	۵۱	ترپورا چورم موسلم۔	۱۶	۴۴
۵۰	۵	۱۵	۲۲	۴	بدھوار	اشنی	۱	۳۳	شٹھم د	۱۳	۴	۱۲ بجے ۲۵م رات سے گنڈات آرمبھ وبسنت پنچمی کمار شٹھم شولم۔	۱۵	۴۵
۴۸	۶	۱۶	۲۳	۵	بیروار	اشن د	۱	۵	ستم د	۱۴	۳۵	۱۲ بجے ۵۰م دن سے گنڈات ختم۔ ۶ بجے ۴م صبح سے میش راشی میں چندرمہ پنچک ختم بدھ ماس اور ورش بھی۔ مرتیو۔	۱۴	۴۶
۴۶	۷	۱۷	۲۴	۶	شکروار	برن د	۴	۵۵	اشٹم د	۱۷	۱۹	مانسم۔	۱۳	۴۷
۴۴	۸	۱۸	۲۵	۷	سنیچروار	کرج د	۹	۵۱	نوم د	۲۱	۱۱	۳ بجے ۲۷م دن سے ورلیش راشی میں چندرمہ۔ بھشم اشٹمی مدگرم۔	۱۲	۴۸
۴۲	۹	۱۹	۲۶	۸	آتوار	روہن د	۱۵	۲۵	دہم د	۲۵	۴۹	دوزا۔	۱۱	۴۹
۳۹	۱۰	۲۰	۲۷	۹	سوموار	مرگشیور د	۲۱	۵۴	کاہ ء	۴	۲۲	۲ بجے ۳۸م رات سے متھن میں چندرمہ پڑا تپسیا	۱۱	۴۹
۳۷	۱۱	۲۱	۲۸	۱۰	منگلوار	آدرا ء	۱	۳۷	باہ ء	۶	۴۰	بھیم سین کاہ جیا کاہ۔ ۳ بجے ۳۷م رات سے متھن راشی میں لوم آنندہ۔	۱۰	۵۰
۳۴	۱۲	۲۲	۲۹	۱۱	بدھوار	پنروس ء	۷	۴۹	ترواہ ء	۱۴	۳۹	چرا۔ ‡ کاوپورنماشی۔ ماگھ پورنماشی ماگھ اشنان للیتا جینتی ۱ بجے ۹م رات سے سہم میں چندرمہ ۶ بجے ۳۹م شام سے ®	۹	۵۱
۳۲	۱۳	۲۳	پھاگن	۱۲	بیروار	پتش ء	۱۳	۲۴	چوداہ ر	۱۷	۲۶	۲ بجے ۲۲م دن سے کرکٹ راشی میں چندرمہ موسلم۔ ® گنڈات آرمبھ مرتیو۔	۸	۵۲
۲۹	۱۴	۲۴	۲	۱۳	شکروار	اشلیش ر	۱۹	۳۴	پونم ر	۱۴	۴	یکھنی چوداہ گرو روی داس جنم۔ ماسانت۔ شولم۔	۷	۵۳
												۵ بجے ۵۹م صبح سے سنکراتی قومبھ میں سوریہ مہورت ۱۵ اکناری سنکراتی ورت ۵ بجے ۳۶م صبح سے پورنماشی چندرمہ ‡	۶	۵۴

شرادھ :- اکدو سے دہم تک پہلے ہی باقی اپنے دنوں میں۔

مدھیان :- اپنے اپنے دنوں میں ہوگا۔

۳۰ جنوری گاندھی انتر دھیان دوس۔ یکم فروری گوری ترے۔ ۲ فروری ترپورا چورم۔ ۳ فروری بسنت پنچم۔ کمار شٹھم۔ ۶ فروری بھشم اشٹمی۔
۹ فروری بھیم سین کاہ۔ ۱۲ فروری یکھنی چوداہ۔ ۱۳ فروری سنکراتی ورت۔ ماگھ پورنماشی۔ کاو پورنماشی۔

سمپت رشی سمہ ۵۰۶۲ بکرمی سمہ ۲۰۴۳ شاکا سمہ ۱۹۰۸ عیسوی سمہ ۱۹۸۷ پھاگن کرشنا پکھ ۲۷-۴ قومبھ میں سُریہ بُدھ مین میں برہسپت راہو میش میں لوم دھن میں شکر ورچک میں شنیچر کنیا میں کیتو ہجری سمہ ۱۴۰۷

	[illegible]	ہجری	سنکرانتی	تتھی سنکھیا	فروری	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	طلوع آفتاب	غروب آفتاب
	۱۶		ماگھ											بجے	بجے
	۲۸	۱۵	۲۵	۳	۱۴	سینچروار	مگ	۱۴	۵۰	اکدو	۱۰	۴۰	۷ بجے ۳۰م صبح سے گنڈات ختم ۔ کانڈا۔	۷	۵
	۲۶	۱۶	۲۶	۴	۱۵	آتوار	پوروفا	۱۱	۱۳	دوتی	۸	۲۲	۹ بجے ۵۳م صبح سے ہیون چندرمہ چھترم۔	۵	۵۵
	۲۳	۱۷	۲۷	۵	۱۶	سوموار	اُترفا	۸	۴۸	ترے	۷	۲۲	۹ بجے ۴۳م دن سے کنیا میں چندرمہ شتری وتستا۔	۵	۵۵
	۲۱	۱۸	۲۸	۶	۱۷	منگلوار	ہست	۷	۲۸	چورم	۷	۳۹	سنکٹ چورم ۔ سوُمیا۔	۳	۵۷
	۱۹	۱۹	۲۹	۷	۱۸	بدھوار	چتر	۷	۳۲	پنچم	۸	۱۰	۳ بجے ۵۰م دن سے تول راشی میں چندرمہ کال ڈنڈا۔	۲	۵۸
	۱۶	۲۰	۳۰	۸	۱۹	بیروار	سوات	۸	۳۶	ششتم	۱۱	۵۱	سقرا۔	۲	۵۸
	۱۴	۲۱	پھاگن	۹	۲۰	شکروار	ویشاکھ	۱۰	۴۱	ستم	۱۵	۲۹	۷ بجے ۵۴م شام سے ورچک میں چندرمہ ماتنگا۔	۷ ۰	۶ -
	۱۱	۲۲	۲	۱۰	۲۱	سینچروار	انرادھ	۱۳	۲۵	اشٹم	۷	۱۲	ہورا اشٹمی ۔ سیتا جینتی ۔ چکریشور یاترا امرتم۔	۷ ۰ ۶	۶ . ۶
	۸	۲۳	۳	۱۱	۲۲	آتوار	ذیشٹھ	۱۱	۳۲	نوم	۱	۳۶	۱۰ بجے ۳۹م رات سے دھن میں چندرمہ و مُول آرمبھ ۵ بجے ۲م دن سے ۴ بجے ۵۶م رات تک گنڈات کانڈا۔	۵۸	۲
	۵	۲۴	۴	۱۲	۲۳	سوموار	مُول	۷	۲۴	دہم	۲۳	۴۳	۱۱ بجے ۲۰م رات سے بُدھ است ۔ ۹ بجے ۱م رات تک مُول الاپکا۔	۵۷	۳
	۳	۲۵	۵	۱۳	۲۴	منگلوار	پورشاد	۳	۱۶	کاہ	۱۷	۴۱	وجیا کاہ ۔ ۱۲ بجے ۵۱م رات سے مکر میں چندرمہ میترم۔	۵۶	۴
	۰	۲۶	۶	۱۴	۲۵	بدھوار	اُترشاد	۲۷	۲۰	باہ	۱۲	۱	۴ بجے ۱۷م دن سے مکر راشی میں شُکر ۔ تیسوراتری ایک وزرم۔	۵۵	۵
۱۵	۵۷	۲۷	۷	۱۵	۲۶	بیروار	بترون	۲۳	۵۲	ترواہ	۶	۴۱	تیسو چتر دستی ایک ۔ ۳ بجے ۴۸م رات سے قومبھ میں چندرمہ پنچک آرمبھ ۔ ۲ بجے ۲۶م رات سے چندرمہ است دوتنا۔	۵۵	۵
	۵۵	۲۸	۸	۱۶	۲۷	شکروار	دنشٹھ	۲۱	۱	چوداہ	۱	۴۹	ترہا۔ دن کم ۔ پترا تپسیا۔	۵۴	۶
														۵۲	۸

شراده :- ایکادشی سے اماوس تک پہلے ہی دن باقی اپنے دن ۔

مدھیان :- ترداہ سے اماوس تک کا پہلے ہی دن باقی اپنے دن ۔

۱۷ر فروری ۔ سنکٹ چورم ۔ ۲۱ر فروری ہورا اشٹمی چکریشور یاترا ۔ ۲۴ فروری وجیاہ کاہ ۔ ۲۵ فروری شیوراتری ایک ۔
۲۶ر فروری شیو چتردستی ایک ۔ ۲۷ر فروری اماوس ورت ۔

سمیت رشی سمہ ۵۰۶۲ بکرمی سمہ ۲۰۴۳ عیسوی سمہ ۱۹۸۷ شاکا سمہ ۱۹۰۸ پھاگن شکلہ پکھ ۲۸-۶ اقومبھ میں سُوریہ بدھ مین میں برہسپت راہو میش میں لوم اور ترمین حلیک شنیچر مکر میں شکر کنیا میں کیتو ہجری سنہ ۱۴۰۷ھ

[illegible]	ہجری	[illegible]	[illegible]	فروری	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۵		پھاگن											بجے ۶	بجے ۶
۵۲	۲۹	۹	۱۷	۲۸	سنیچروار	شتبشک د	۱۸	۵۴	اکدو ر	۲	۱۸	۱۱ بجے ۱۴م رات سے اودھے چندر آنندہ۔	۵۱	۹
۴۹	۳۰	۱۰	۱۸	مارچ	آتوار	پوربا د	۱۷	۴۰	دوئ ر	۵	۳۴	۸ بجے ۱م دن سے مین میں چندرمہ۔ رام کرشن پرم ہمس جینتی چاند نظر آئے گا۔ چرا۔	۵۰	۱۰
۴۷	رجب	۱۱	۱۹	۲	سوموار	اُتربا د	۱۷	۲۵	ترے ر	۷	۴۸	موسلم۔	۴۹	۱۱
۴۴	۲	۱۲	۲۰	۳	منگلوار	ریوت د	۱۸	۴۰	چوتھ ر	۸	۴۹	۲ بجے ۱۶م دن سے میش میں چندرمہ پنچک سماپت ۸ بجے ۴۶م صبح سے ۸ بجے ۲۴م شام تک گنڈات شولم۔	۴۸	۱۲
۴۱	۳	۱۳	۲۱	۴	بدھوار	اشن د	۲۱	۱	پنچم ر	۸	۳۰	مریتو۔	۴۷	۱۳
۳۹	۴	۱۴	۲۲	۵	بیروار	برن د	۲۴	۳۲	ششٹم ر	۷	۰	کمار شیم ورت ۱۰ بجے ۵۹م رات سے ورش میں چندرمہ کامیا۔	۴۷	۱۳
۳۶	۵	۱۵	۲۳	۶	شکروار	کرتک د	۰	۲۷	ستم ر	۸	۴	شکر ماس چھترم۔	۴۵	۱۵
۳۳	۶	۱۶	۲۴	۷	سنیچروار	روہن د	۵	۵۴	اشٹم ر	۰	۱۷	ترسپک۔ دن ادھیک۔ تیلا اشٹمی۔ شری وتسا۔	۴۳	۱۷
۳۱	۷	۱۷	۲۵	۸	آتوار	مرگشیر د	۱۲	۴	اشٹم د	۴	۲۱	۹ بجے ۵۲م دن سے متھن میں چندرمہ ہولا اشٹمی سومیا۔	۴۳	۱۷
۲۸	۸	۱۸	۲۶	۹	سوموار	آدرا ر	۱۸	۵۴	نوم د	۹	۳۱	کال ڈنڈا۔	۴۲	۱۸
۲۵	۹	۱۹	۲۷	۱۰	منگلوار	پنروس	۱۲	۲۶	دہم د	۱۴	۴۶	۹ بجے ۲۷م شام سے کرکٹ میں چندرمہ ستھرا۔	۴۰	۲۰
۲۳	۱۰	۲۰	۲۸	۱۱	بدھوار	تیش ر	۶	۳	کاہ د	۱۹	۴۴	املاہ کاہ ماتنگا۔ ÷ ہولی پورنماشی دھرم نوتجنم ہولیکا دہن چیتنے پربھو جینتی چھترم۔	۴۰	۲۰
۲۰	۱۱	۲۱	۲۹	۱۲	بیروار	اشلیش ر	۰	۱۴	باہ د	۲۳	۵۹	۱۱ بجے ۲۶م دن سے اودھے بدھ برہم سواپ۔ گووند دوادشی ۲ بجے ۲۹م رات سے گنڈات آرمبھ امرتم۔	۳۸	۲۲
۱۷	۱۲	۲۲	۳۰	۱۳	شکروار	اشلیش د	۴	۴۲	تروداہ د	۲۷	۱۶	۲ بجے ۵۵م دن سے گنڈات ختم۔ ۸ بجے ۲۹م دن سے سنگھ میں چندرمہ ۱۰ بجے ۳۰م رات سے پورنما میں چندرمہ مریتو۔	۳۷	۲۳
۱۵	۱۳	۲۳	چیت	۱۴	سنیچروار	مگھ د	۸	۴۰	چوداہ د	۲۹	۲۳	۱ بجے ۲۹م رات سے سنکرانتی مین میں سوریہ مہورت ۳۰ سمندرکی۔ تھال بھرون۔ ماسانت کامیا۔	۳۶	۲۴
۱۲	۱۴	۲۴	۲	۱۵	آتوار	پوروا د	۱۱	۲۶	پورنم ر	۰	۳۹	سنکرانتی ورت۔ سونتھ۔ شیر پر واہن۔ ۵ بجے ۲۰م دن سے کنیا میں چندرمہ ۱۱ بجے ۳۶م دن سے برہسپت است ÷	۳۵	۲۵

شرادھ:۔ نومی سے چوداہ تک پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں میں۔

مدھیان:۔ نوم دہم کا پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں میں۔

۵ مارچ کمار شیم۔ ۷ مارچ تیلا اشٹمی۔ ۸ مارچ ہولا اشٹمی۔ ۱۲ مارچ برہم سواپ۔ ۱۴ مارچ ماسانت تھال بھرون۔

۱۵ مارچ سنکرانتی ورت سونتھ (بسنت)، برہسپت است، ہولی پورنماشی۔

سپت رشی سمت ۵۰۶۲ بکرمی سمت ۲۰۴۳ شاکا سمت ۱۹۰۸ عیسوی سمت ۱۹۸۷ چیت کرشنہ پکھ ۲۹-۲-۴۲ مین میں سُریہ براہ بسنت رتو میش میں لوم قومبھ میں یدھ دھن میں شکر وز میں سنیچر کنیا میں کیتو ہجری سنہ ۱۴۰۷ھ

[illegible]	ہجری	پروبشٹے	[illegible]	تاریخ	وار	نکشتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	طلوع آفتاب	غروب آفتاب
۱۵		پھاگن											۶ بجے	۶ بجے
۹	۱۵	۲۵	۳	۱۶	سوموار	اُترفاد	۱۲	۵۵	اکدوء	۰	۱۰	شری وتسنا۔	۳۴	۲۶
۷	۱۶	۲۶	۴	۱۷	منگلوار	بست	۱۳	۱۳	دوی د	۲۸	۹	۱۱ بجے ۵۴م رات سے تُل میں چندرمہ ۶ بجے ۱۴م صبح سے ہیون چندرمہ سومیا۔	۳۳	۲۷
۴	۱۷	۲۷	۵	۱۸	بدھوار	چترد	۱۲	۲۳	ترے د	۲۵	۲۱	سنکٹ چورم کال ڈنڈا۔	۳۲	۲۸
۱	۱۸	۲۸	۶	۱۹	بیروار	سوات	۱۰	۳۵	چورم د	۲۱	۳۶	۳ بجے ۵۸م رات سے ورجک میں چندرمہ۔ سقرا۔	۳۱	۲۹
۰	۱۹	۲۹	۷	۲۰	شکروار	وشاکھ	۷	۵۱	پنچم د	۱۶	۵۸	۴ بجے ۴۰م دن سے ویشو یدم۔ دن رات برابر ماتنگا۔	۳۰	۳۰
۵۷	۲۰	۳۰	۸	۲۱	سنیچروار	انرادھ	۴	۳۴	ششٹم د	۱۱	۴۷	نوروزعالم۔ ڈاکٹر کرن سنگھ جنم۔ ۱ بجے ۱۲م رات سے گنڈات آرمبھ امرتم۔	۲۹	۳۱
۵۴	۲۱	چیت	۹	۲۲	آتوار	جیشٹھ د	۰	۵۲	ستم د	۶	۱۴	۶ بجے ۴۸م صبح سے دھن میں چندرمہ و مول آرمبھ ۱۲ بجے ۲۴م دن تک گنڈات کانڈا۔	۲۸	۳۲
۵۲	۲۲	۲	۱۰	۲۳	سوموار	پورشاد	۳	۷	اشٹم د	۰	۲۳	ترہا۔ دن کم۔ ۵ بجے ۱۲م رات سے مول ختم۔ ۱۲ بجے ۵۲م دن سے قومبھ راشی میں شکر شتلا اشٹمی انمولم۔	۲۷	۳۳
۴۹	۲۳	۳	۱۱	۲۴	منگلوار	اُترشار	۷	۱۳	دہم ر	۵	۲۹	۹ بجے ۱۰م دن سے مکر راشی میں چندرمہ مانسم۔	۲۶	۳۴
۴۶	۲۴	۴	۱۲	۲۵	بدھوار	شرون ر	۱۱	۱۰	کادہ ر	۱۱	۱۹	پاپ موچنی کادہ چھترم۔	۲۵	۳۵
۴۴	۲۵	۵	۱۳	۲۶	بیروار	دنشٹھ ء	۱۱	۳۹	بادہ ء	۷	۴۳	۱۱ بجے ۵۲م دن سے قومبھ میں چندرمہ و پنچک آرمبھ۔ ۷ بجے ۷م صبح سے ورشی راشی میں بوم شری وتسا۔	۲۴	۳۶
۴۱	۲۶	۶	۱۴	۲۷	شکروار	شتبھک ء	۹	۱۵	تردادہ ء	۳	۳۹	سومیا۔	۲۳	۳۷
۳۸	۲۷	۷	۱۵	۲۸	سنیچروار	پوربا ء	۷	۴۴	چوداہ ء	۰	۱۷	۳ بجے ۵۴م دن سے مین راشی میں چندرمہ ۷ بجے ۲۷م صبح سے چندرمہ است واروی پرو کال ڈنڈا۔	۲۲	۳۸
۳۶	۲۸	۸	۱۶	۲۹	آتوار	اُترباء	۷	۱۷	اماوس د	۲۸	۴۷	ورت اماوسی۔ وچار ناگ یاترا۔ شری بھٹ دوس۔ چندر سمت سرسماپت۔ ستھرا شبھم ادم۔	۲۱	۳۹
رادیم	رجب	چیت	چیت	مارچ										

شرادھ :۔ ترے سے نوم تک پہلے ہی دن باقی اپنے دِلوں میں۔

مدھیان :۔ پنچم سے نومی تک پہلے ہی دن باقی اپنے دِلوں میں۔

۱۸ مارچ سنکٹ چورم۔ ۲۱ مارچ نوروزعالم۔ ۲۳ مارچ شتیلا اشٹمی۔ ۲۵ مارچ پاپ موچنی کادہ۔
۲۹ مارچ ورت اماوس۔ شری بھٹ دوس چندر سمت سرسماپت۔

اوم شری گنیشائے نمہ

جیوتش کے آدھار پر بارہ راشیوں کا ورش پھل و ماسک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی ۱۹۸۶/۸۷ کیلئے

میش راشی کا گوچر چکر

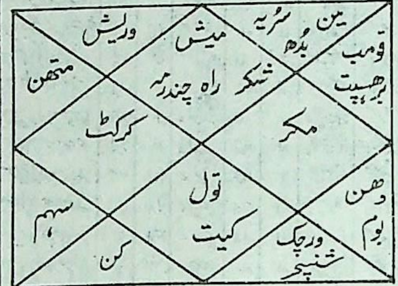

میش راشی والوں کو اس ورش لگن میں شکر چندرمہ و راہو اور لگن کا سوامی بوم ترکون میں ہے۔ گیارویں گھر میں برہسپت جو کہ کندر کو دیکھ رہا ہے۔ شنیچر ورچک راشی کا آٹھویں گھر میں بیٹھا ہوا ہے جو کہ دربارہ اور دوسرے گھر کو پوری درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔ سال کے درمیانی عرصہ میں برہسپت اور شنیچر وکری ہو رہے ہیں جو کہ ایک پرکار کا ناقص یوگ بنتا ہے۔ گرہوں کے لوتی بید اور الیسی اتصال ہونے سے میش راشی والوں کو یہ ورش مدھم پھل دایک ورش ہوگا۔ شنیچر کی ڈھیا ابھی جاری ہے۔ اس کارن سے استری پکھ اور بچوں کی طرف سے کچھ پریشانیاں بنی رہینگی۔

سال کے آخری حصے میں دھن کا فضول خرچ کسی رشتہ دار کی فکر اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف استری پکھ سے فکر اور من میں چنچلتا بنی رہے گی۔ اگرچہ برہسپت گیارویں گھر میں ہے۔ پھر بھی میش راشی والوں کو اس ورش ایک مِلاجُلا یوگ بنتا ہے۔ دوستوں سے کچھ بگاڑ اور کاروبار میں فکر زیادہ رہے گی۔ ساتویں گھر میں کیتو رہنے سے برادری سے کچھ ناراضگی یا مقدمے کا خوف استری کے کمر میں درد اور چوٹ کا خطرہ رہے گا۔ استری ورگ کے لئے یہ ورش مدھم پھل دایک رہے گا۔ اُن کو صحت میں خونی بیماری کا خوف بنا رہے گا۔ ویدھارتھی ورگ کے لئے یہ سال بہت ہی فائدہ مند ورش ہے۔ اگست کے بعد میش راشی والوں کو روزگار میں ترقی اور دھن کا ادھک فائدہ ملے گا۔ پریوار میں سُکھ شانتی بنی رہے گی۔ شبھ کاریوں میں دھن کا خرچ ہوگا۔ میش راشی والوں کو جولائی، اکتوبر اور جنوری ماس کچھ خراب ہیں۔ میش راشی والوں کو اس ورش سنیچروار کے دِن بھگوان شنکر پر جل چڑھاویں۔ اور ہنومان جی کی پوجا کریں اگر ہو سکے تو ہر شکلہ پکھ کی اشٹمی کا ورت ضرور رکھا کریں۔ شبھ پھل دایک رہے گا۔

میش راشی والوں کیلئے ماسک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی ۸۷/۱۹۸۶ء

اپریل۔ ماس کے پہلے حصے میں دھن کا فضول خرچ، کسی رشتہ دار کی فکر اور انت میں گھریلو کاموں میں خوشی، نیک کاموں میں دھن کا خرچ، سفر سے فائدہ عزت رشتہ داروں سے پریم، کاروبار کی نئے سکیم سے فائدہ۔ صحت میں گرمی۔ ۱۷-۱۸-۱۹-۲۶-۲۷ یہ تاریخ خراب ہونگے۔

مئی۔ یہ ماس میش راشی والوں کو دھن کا فائدہ۔ سواری کا سکھ۔ نصیب میں اُدھے۔ گھریلو سمسیائیں سُدھر جائینگی۔ دوستوں اور رشتہ داروں سے خوشی کا امکان۔ ماس کے درمیان کے عرصہ میں کچھ پریشانی اور سفر سے من میں فکر۔ مقدمے کا خوف، چوٹ کا خطرہ۔ چوروں سے ڈر۔ صحت میں خرابی رہے۔

جون۔ لگن کا مالک منگل کیندر میں آنے سے راج دربار میں سُکھ۔ بگڑے کام میں سُدھار اور شُبھ کاریوں میں دھن کا خرچ۔ آپ کے نصیب کا گرہ چمکے گا۔ نزدیک اور دُور سفر سے بھی دھن کا فائدہ ملے گا۔ لیکن صحت میں خون کی خرابی رہے گی۔ اس ماس کی ۲-۱۰-۱۱-۱۲-۱۳-۱۹-۲۰-۲۲ تاریخیں خراب ہیں۔

جولائی۔ اس ماس میں میش راشی والوں کو مدھم پھل دایک رہے گا۔ کام میں کچھ رکاوٹ اور من میں فکر۔ گھریلو جھنجٹ کے کارن دھن کا فضول خرچ پیدا ہوگا۔ ماس کے انت میں کسی پوجنا سے من میں خوشی۔ دوستوں اور رشتہ داروں سے پریم۔ ماں۔ باپ کو کشٹ رہے گا۔

اگست۔ دھن کا فضول خرچ۔ نیک کاموں میں دھن کا خرچ۔ استری پکھ سے فکر۔ اندرونی طور سے جھگڑے۔ کاروبار کی حالت بہتر۔ سواری کا سُکھ عزت اور دشمنوں کا ناش۔

ستمبر۔ یہ ماس کاروبار میں عزت۔ دھن کا فائدہ۔ کسی پریمی سے ملاپ۔ نصیب چمکے گا۔ بچوں کی طرف سے خوشی کا یوگ۔ سخت محنت کرنے پر بھی فائدہ ملے گا۔ ماس کے انت میں من میں کچھ فکر اور جھگڑے سے دور رہیں ۵-۱۲-۱۸ تاریخیں خراب ہیں۔

اکتوبر۔ یہ ماس بہت ہی فائدہ مند ماس ہے۔ سواری کا سُکھ عزت لین دین سے فائدہ ملے گا۔ کسی دوست سے دھوکہ جس سے لین دین میں پریشانی رہے گی۔ اچھے پرشوں سے میل ملاپ رہے گا۔

نومبر۔ دھن کا فائدہ اُوتم رہے۔ نیک کاموں میں دلچسپی رہے دشمنوں کا خوف کم رہے۔ جس کے نتیجہ میں دھن کا فائدہ ہوگا۔ یہ تاریخیں ۲-۴-۱۲-۱۳-۲۲-۲۳-۲۵ خراب ہیں۔

دسمبر۔ یہ ماس صحت کے لئے ٹھیک نہیں ہے۔ سفر سے فائدہ کم ملے گا۔ من میں فکر اور دھن کا خرچ زیادہ رہے گا۔ سنتان پکھ سے فکر۔ پریمی لوگوں سے فائدہ ملے گا۔ اور دشمنوں کا ناش رہے گا۔

جنوری۔ اس ماس کا درمیانی حصہ اُتم ہے۔ نئے یوجناؤں سے سُکھ ملے گا اور کاروبار کی حالت سُدھر جائے گی۔ استری کا سُکھ اچھا رہے گا

لیکن صحت کا خیال اس ماس میں رکھنا ضروری ہے۔ دُور سفر سے سادھان رہیں ورنہ چوٹ کا خطرہ بنا رہے گا۔

فروری - یہ ماس بہت ہی فائدہ مند ہے۔ دھن کا فائدہ سواری کا سُکھ کاروبار میں ترقی۔ نیک کاموں میں دھن کا خرچ۔ دشمنوں کا خوف کم۔ بیماری کا خوف رہے۔ وِواہ وغیرہ سے دھن کا خرچ اور پریوار سے خوشی ملی گی۔

مارچ - صحت میں گرمی۔ گھریلو سُکھ اچھا رہے۔ لین دین سے فائدہ۔ رشتہ داروں اور بزرگوں سے فائدہ۔ کاروبار میں ترقی۔ دربار میں فائدہ۔ استری اور سنتان سے فائدہ ۱۔۲۔۳۔۱۱۔۱۲۔۲۴۔۲۷ خراب ہیں۔

ورلیش راشی کا وارشک پھلادیش بکرمی سنہ ۲۰۴۳ عیسوی سنہ ۸۷/۱۹۸۶ء

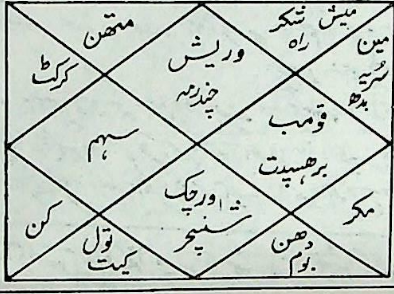

ورلیش راشی کا گوچر چکر

ورلیش راشی والوں کو لگن کا مالک شکر گوچر لگن سے بارویں راہو کے ساتھ بیٹھا ہوا ہے۔ شنیچر اور منگل کی ایسی پوتی بیدھ ہے۔ دربار کا مالک شنیچر ۷ گھر میں اور کیندر میں برہسپت بڑا ہے۔ گیارویں گھر میں سُوریہ اور بُدھ ترکون کو بھی دیکھ رہا ہے۔ شنیچر لگن اور کیندر کو پوری نظر سے دیکھ رہا ہے اِس کارن سے ورلیش راشی والوں کو انت کا حِصہ سُکھ سے گذریگا۔ درمیانی عرصہ میں کچھ پریشانیاں بنی رہیں گی۔ کیندر میں برہسپت ہونے سے روزگار میں ترقی اور کاروبار کی حالت سُدھر جانے کا یوگ بنتا ہے۔ مگر صحت میں چوٹ اور بیماری کا خوف رہیگا۔ ورلیش راشی والوں کو اس ورش صحت کا خاص خیال رکھنا ضروری ہے۔ استری کے صحت میں گرمی۔ خون کی خرابی اور آپریشن وغیرہ آنے کا اندیشہ ہے۔ جس سے پریوار میں اشانتی رہے گی۔ سال کے پہلے حصے میں چوٹ کا خوف۔ سفر سے ہانی اور فضول خرچ رہیگا۔ دوڑ دھوپ بنی رہی گی۔ مگر کاروبار کی حالت اچھی رہے گی۔ برادری سے کچھ ناراضگی رہیگی۔ دشمنوں کا خوف اس ورش کم رہیگا۔ مقدمے میں اس ورش دھن کا خرچ بھی رہیگا ورلیش راشی والوں کو بارویں گھر میں شکر اور راہو ہونے کے کارن دھن کا خرچ شبھ کاریوں پر صرف ہوگا۔ سال کے آخری حصہ میں کسی نئے یوجنا سے دھن کا فائدہ ملے گا۔ چاروں گھر میں کیتو اور شکر کے پوتی بیدھ ہونے کے کارن سے کسی رشتہ دار کی فکر اور بُری خبر ملنے کا یوگ بنتا ہے۔ جس سے من میں اشانتی رہیگی۔ سال کے پہلے حصے کی نسبت آخری حصہ سُکھ اور چین سے گذریگا۔ ماں اور باپ کی صحت خراب رہیگی۔ استری ورگ کے لئے یہ ورش مدھم پھل دایک رہیگا۔ ویدھارتھی ورگ کے لئے یہ ورش بہت فائدہ مند ورش ہے۔

اُن کو علم میں ترقی اور پڑھنے میں من لگے گا۔ ورِیش راشی والوں کو اِس ورش زیادہ سفر نہ کرنا چاہیئے۔ ورنہ چوٹ لگنے اور کسی خطرناک بیماری کے پھیلنے کا اندیشہ ہے۔ ورِیش راشی والوں کو اس ورش جولائی۔ اکتوبر۔ جنوری فروری ماس کچھ کشٹ کارک ہیں۔ اِسلئے اِس راش والوں کو منگل وار کے دن وِشنو رہنا اور ایندارکھی کا پاٹھ کرنا ضروری ہے۔ اگر ہو سکے تو ہر شکلہ پکھ کی اشٹمی کے دِن ورت رکھنا اور بھوانی شہر نام کا پاٹھ کرنا ضروری ہے جس سے اُوتم پھل کی پراپتی ہوگی۔

ورِیش راشی والوں کیلئے ماسِک پھلادیش

اپریل ۔ دھن کا اوتم فایئدہ۔ گھریلو سُکھ شانتی رہے گی۔ دربار میں عزت اور سواری کا سُکھ ملے گا۔ لین دینا سے فایئدہ ۔ رشتہ داروں سے کچھ ناراضگی۔ کسی بُرے آدمی سے من میں پریشانی۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف بنا رہے گا۔

مئی ۔ کاروبار میں عزت۔ سواری کا سُکھ ۔ دربار میں عزت نیک کاموں میں دِل چسپی رہے گی۔ نئے کام بننے سے دھن کا فایئدہ ملے گا۔ دشمنوں سے خبردار رہیں۔ سفر سے فایئدہ ملے۔ استری کا سُکھ مدھم یا بیماری کا خوف رہے گا۔

جون ۔ اِس ماس میں دھن کا خرچ مدھیم پھل دایک ہوگا۔ کھیتی باڑی اور لین دین سے فایئدہ ملے گا۔ سوچ وچار کرکے کام کرنا ضروری ہے ورنہ مقدمے کا خوف اور بے عزتی کا خوف ۔ سفر سے نقصان رہیگا۔

جولائی ۔ گھریلو سُکھ اچھا رہے گا۔ مقدمے کا خوف ۔ دھن کا فایئدہ مدھم۔ صحت سے ساودھان رہیں۔ ایک ۔ دو ۔ دس ۔ گیارہ ۔ پندرہ ۔ بیس اور ستائیس تاریخ خراب ہیں۔

اگست ۔ نئے کاموں میں رکاوٹ ۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف بنا رہے گا۔ کاروبار کی حالت گذشتہ ماس کی نسبت اچھا۔ رشتہ داروں سے یا آفیسر سے بے عزتی۔ زمین جایئداد کی فکر رہے گی ۔

ستمبر ۔ ماس کا پہلا حصہ فایئدہ مند رہیگا۔ ماس کے انت میں کچھ بے چینی اور صحت میں بیماری کا ڈر رہے گا۔ استری ورگ کیلئے فکر۔ گھریلو کاموں میں دھن کا خرچ رہیگا۔ سفر سے فایئدہ ۔

اکتوبر ۔ یہ ماہ صحت کے لئے خراب ہے۔ دھن کا فضول خرچ اور کسی پریمی سے ناراضگی۔ سفر سے پریشانی اور مقدمے کا خوف۔ سوچ وچار کرکے کام کرنا ضروری ہے ۔

نومبر ۔ دھن کا فایئدہ اوتم ۔ کاروبار کی حالت بہتر۔ سواری کا سُکھ نیک کاموں میں دھن کا خرچ۔ پریوار سے سُکھ شانتی۔ نیک آدمیوں سے میل ملاپ

دربار اچھا رہے۔ چوروں سے ساودھان رہیں۔

دسمبر۔ سفر سے فایٔدہ۔ دھن کا فایٔدہ مددھم۔ لین دین سے فایٔدہ کم۔ استری پکھ کمزوری۔ صحت میں گرمی۔ کسی سے جھگڑا۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ کاروبار کی حالت مددھم رہیگا۔

جنوری۔ نئے کاموں میں رکاوٹ۔ سوچ سمجھ کر کام کریں۔ لین دین سے فایٔدہ کم۔ دوستوں سے فایٔدہ۔ سفر سے درمیانی فایٔدہ۔ ۸۔ ۹۔ ۱۷۔ ۱۸۔ ۲۵ خراب ہیں۔

فروری۔ شبھ کاموں میں دھن کا خرچ۔ نیک لوگوں سے فایٔدہ دوستوں و رشتہ داروں سے فایٔدہ اور عزت ملے گا۔ سنتان کا سکھ اچھا ملے۔ بزرگوں سے ہمدردی۔

مارچ۔ ہر پرکار سے فایٔدہ۔ خوشی کا یوگ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ اچانک دھن کا فایٔدہ۔ دشمنوں سے بگاڑ۔ قریبی دوست سے فایٔدہ۔ بچوں کا سکھ۔ گھر میں ترچ کا یوگ زیادہ۔ واہن سکھ اور پریمی سے ملاپ رہے۔

متھن راشی کا وارشک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۸۷/۱۹۸۶

متھن راشی کا گوچر چکر

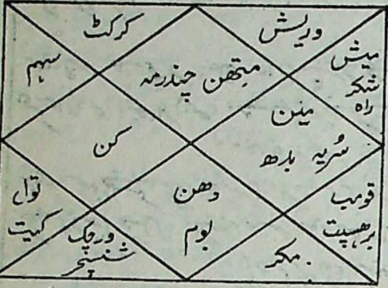

متھن راشی کا گوچر چکر کے آدھار پر لگن کا سوامی بدھ کیندر میں اور برہسپت ترکون راشی میں پڑا ہے۔ شنیسچر منگل کے گھر میں اور درباریہ کا مالک بوم ساتویں گھر میں پڑا ہے۔ سُریہ دسویں گھر میں ہو کر بھی کیندر کو پورن درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔ اس کارن متھن راشی والوں کو ایک پرکار کا ہرشل یوگ بنتا ہے۔ جس کے پھل سروپ یہ ورش بہت ہی اتم پھل دایک ورش ہے۔ دھن کا اچانک فایٔدہ۔ نصیب میں فایٔدہ۔ اور نئے کام کی یوجنا میں دھن کا خرچ ہوگا۔ مقدمے میں جیت ملے گی۔ گھریلو کاریوں میں دھن کا خرچ اور رشتہ داروں سے میل ملاپ قائم ہوگا۔ بچوں کی طرف سے اس ورش فکر اور استری پکھ کا خاص خیال رکھنا ضروری ہے۔ کیونکہ استری پکھ کا صحت کمزور رہیگا۔ سال کے پہلے حصے میں استری پکھ کی فکر رہے گی۔ اسے آگ کا ڈر اور چوٹ کا خطرہ بنا رہیگا۔ کاروبار کی حالت اس ورش اُتم پھل دایک رہے گی۔ خاص کر سفید اور لال چیزوں کے فروخت سے دھن کا فایٔدہ ملے گا۔ دھرم کے

کاریوں میں پوری طور سے کامیابی حاصل ہوگی۔ سال کے آخیر میں زمین وغیرہ کے ورشے میں کچھ پریشانی رہا کرے گی۔ اگر آپ کو اس ورش مکان وغیرہ بنانا ہو تو سوچ سمجھ کر بنانا چاہیئے۔ اور زیادہ سفر نہ کرنا چاہیئے۔ کسی نزدیکی رشتہ دار کی فکر رہے گی۔ جیسے من میں کچھ چنچلتا بنی رہے گی۔ اپریل۔ اکتوبر۔ جنوری کے ماس کچھ کشٹ دایک ہیں۔ متھن راشی والوں کو منگلوار کا ورت رکھنا اور میٹھا بوجن کرنا ضروری ہے۔ اِس کے علاوہ ایندارکھی کا پاٹھ کرنا ضروری ہے۔ ویدھارتھی ورگ کے لئے یہ سال مدھم پھل دایک ہے۔ اُن کو علم میں مدھم فائدہ ملے گا۔ استری ورگ کے لئے یہ ورش کمزور رہیگا۔ اُن کو صحت میں خون کی خرابی اور آگ کا ڈر رہے گا۔

مِتھن راشی والوں کا ماسک پھلادیش ۱۹۸۶/۸۷ء کے لئے۔

اپریل۔ صحت میں کمزوری۔ بیماری کا خوف۔ چور کا خطرہ اور اندرونی طور سے دشمنوں کا ڈر دوستوں اور رشتہ داروں سے فائدہ۔ دھن کا فائدہ مدھم۔ سفر سے خوف۔ ۱۲-۱۳-۱۴-۲۲-۲۳-۳۰ خراب ہیں۔

مئی۔ دھن کا خرچ ادھیک۔ دربار اچھا۔ نیک کاموں میں دلچسپی مقدمے کا خوف۔ سفر سے فائدہ۔ استری ورگ سے فائدہ۔ بچوں سے خوشی اور فائدہ۔

جون۔ دھن کا فائدہ اوتم۔ کاروبار کی حالت بہتر۔ رشتہ داروں کا سکھ سواری کا سکھ۔ گھریلو فکر۔ دشمنوں کا خوف کم۔ نیک خیالات۔

جولائی۔ کاروبار اچھا۔ دھن کا فائدہ۔ لین دین سے فائدہ۔ دوستوں سے ملاپ عزت اچھا۔ درمیانی عرصہ میں گرہست پکھ سے فکر۔ رشتہ دار کی فکر

اگست۔ نئے کام کی یوجنا۔ سواری کا سُکھ۔ اچھے پرشوں سے میل ملاپ۔ بزرگوں سے فائدہ۔ دھرم کے کاریوں سے فائدہ۔ سواری کا سکھ دھن کا فائدہ۔ استری ورگ سے سنتوش۔

ستمبر۔ نئے کام سے فائدہ۔ کاروبار میں ترقی۔ مہاپرشوں سے میل ملاپ۔ کیندر میں بدھ شُکر یہ کے ملاپ سے گرہست پکھ میں کچھ پریشانیاں سفر سے خوف۔ قانونی کاروائی سے بچیں۔ ۵-۶-۷-۱۴-۱۵-۲۳-۲۷ تاریخیں خراب ہیں۔

اکتوبر۔ دوستوں اور رشتہ داروں سے فائدہ۔ نیک نامی۔ کاروبار کی حالت ٹھیک۔ دھن کا فائدہ۔ دشمنوں کا خوف۔ سفر سے بچیں۔ دربار اچھا۔

نومبر۔ ماس کا پہلا حصہ اوتم رہیگا۔ ماس کے آخری حصے میں دشمنوں کا خوف۔ نصیب میں رکاوٹ۔ دھن کا خرچ فضول سفر۔ صحت میں گرمی۔ دوستوں سے فائدہ اور دھن کا لابھ۔

دسمبر۔ اس ماس کی ۲-۳-۵-۱۴-۲۳-۲۴ ہر ایک کام کے لئے شبھ

پھل دایک ہیں۔ یاترا سے فائدہ۔ کاروبار کی حالت ٹھیک۔ استری ورگ سے فائدہ۔ لین دین سے فائدہ۔ سواری کا سُکھ اور بچوں کی طرف سے سُکھ ملے گا۔

جنوری ۔ صحت میں اچانک بیماری کا خوف۔ قرضہ سے بچیں۔ من میں فکر۔ سفر سے فائدہ کم۔ کاروبار کی حالت میں سُدھار۔ دماغی کاموں سے کچھ پریشانی۔ گرہست پکھ کمزور اور فکر رہے۔ جھگڑے سے بچیں۔

فروری ۔ یہ ماس مدھم پھل دایک ہے۔ صحت میں سُدھار۔ کاروبار کی حالت بہتر۔ دربار میں عزت۔ سواری کا سُکھ۔ سفر سے فائدہ اور عزت ملے گا۔

مارچ ۔ کاروبار کی حالت ٹھیک۔ لین دین سے فائدہ اور عزت استری پکھ شبھ۔ دھن کا فائدہ۔ رشتہ داروں کا سُکھ۔ عزت اچھا ۷۔ ۱۵۔ ۱۶۔ ۱۷۔ ۲۴۔ ۲۵۔ ۲۶۔ ہانی کارک ہیں۔

مِتھن راشی والوں کو اس ورش پہلے چاول سنیچر وار کے دن کتوں کو ڈالنا ضروری ہے۔ اس کے علاوہ بھوانی سہسرنام اور ایندراکھی کا پاٹھ کرنا چاہیئے۔ کامیابی حاصل ہوگی۔

کرکٹ راشی والوں کیلئے وارشک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳

عیسوی ۸۷-۱۹۸۶ء

کرکٹ راشی کا گوچر چکر۔

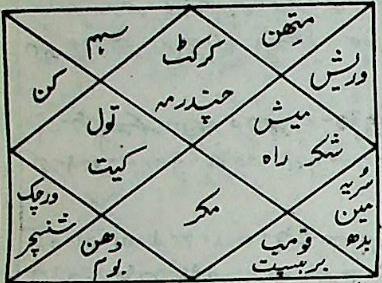

کرکٹ راشی والوں کو گوچر چکر سے شنیچر پانچ بھاؤ میں ارتھات ترکون میں سُریہ بدھ کو پورن درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔ وزیار کا سوامی منگل برہسپت کے گھر میں اور برہسپتی اندر کے گھر میں بیٹھا ہوا ہے۔ منگل لگن میں سپورن درشٹی سے بھی دیکھ رہا ہے گرہوں کے بید اور درشٹی سے کرکٹ لگن والوں کو سال کا پہلا حصہ شبھ دایک اور سال کا دوسرا حصہ کچھ چنتا جنک رہے گا۔ اس لئے کرکٹ راشی والوں کو یہ ورش مدھم پھل دایک ہے۔ سال کے پہلے حصے میں دربار میں اُتم ترقی اور نئے کام کی یوجنا۔ نوکری میں دھن کا فائدہ۔ اور عزت ملے گا۔ تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ ہوگا۔ ماں باپ اور کسی رشتہ دار کی صحت میں خرابی رہے گی۔ سال کے درمیانی حصہ میں صحت میں گرمی اور خون کی خرابی ہوگی۔ پیشاب میں گرمی رہے گی۔ گرہست پکھ کا سُکھ اچھا نہیں رہے گا۔ دشمنوں کا خوف اس ورش کم ہوگا۔

دھرم کے کاریوں میں کچھ روکاوٹ پیدا ہوگی۔ کسی سمبندھی سے دھوکہ اور مقدمے کا خوف بنا رہے گا۔ کرکٹ راشی والوں کو اگر زیادہ دور سفر کرنا ہو تو سوچ وچار کر کے کرنا چاہیئے۔ ورنہ چوٹ کا خطرہ اور نقصان ہونے کا اندیشہ بنا رہے۔ اگر زمین وغیرہ بنانے کا کام ہو تو اس ورش اچھی طرح سے کریں۔ رشتہ داروں اور دوستوں سے اس ورش فائدہ ملے گا اور کاروبار تتھا نئے کام میں کامیابی حاصل ہوگی۔ ان راشی والوں کو کسی نزدیکی رشتہ دار کی فکر سال بھر قائم رہے گی اور اُس پر دھن کا خرچ بھی ہوگا۔ برادری کے لئے یہ سال بہت ہی اچھا رہے گا اور بھائیوں سے بھی کافی فائدہ ملے گا۔ سال کے انت میں کرکٹ راشی والوں کو سوچ سمجھ کر کام کرنا ضروری ہے۔ اس لئے کرکٹ راشی والوں کو چاہیئے کہ وہ اس ورش مہا گایتری منتر کا وشاش پاٹھ کریں اور شکلہ پکھ کی اشٹمی کا ورت رکھا کریں۔ استریوں کے لئے یہ ورش بہت ہی فائدہ مند ورش ہے۔ ان کو روزگار اور گھریلو کام کاج میں سپھلتا ملے گی۔ ودیا ارتھی ورگ کے لئے یہ ورش مددھم پھل دایک ہے۔ ودیارتھی ورگ کو چاہیئے کہ وہ سنیچروار کے دن ویشنو رہیں اور اُس دن میٹھا بھوجن کھاویں۔ شبھ پھل دایک رہے گا۔

کرکٹ راشی والوں کے لئے ماسک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی ۱۹۸۶/۸۷

اپریل ۔ یہ ماس مددھم پھل دایک ہوگا۔ دشمنوں کا خوف کم رہے گا۔ دربار میں عزت، سواری کا سکھ، برادری سے پریم، نئے کام کی یوجنا صحت میں کمزوری اور دوستوں سے فائدہ ملے گا۔

مئی ۔ کاروبار میں اچانک فائدہ عزت اور لین دین سے فائدہ ملے گا۔ گرہست پکھ سے سکھ اور گھریلو کاموں میں خرچ۔ دھرم کے کاریوں میں دھن کا خرچ فضول جھگڑا اور سفر سے بچیں۔

جون ۔ یہ ماس دربار اور نوکری میں اضافہ ملے گا۔ ۸ ۔ ۹ ۔ ۱۰ ۔ ۱۱ ۔ ۱۸ ۔ ۲۰ ۔ ۲۶ ۔ یہ تاریخیں مددھم پھل دایک ہیں۔ ان دنوں سوچ وچار کر کے کام کرنا ضروری ہے۔ زیادہ دور سفر نہ کریں۔ ورنہ ہانی ہوگا۔ تتھا چوری اور چوٹ کا خطرہ بنا رہے گا۔

جولائی ۔ یہ ماس گذشتہ ماس کی نسبت اچھا رہے گا۔ صحت کا سدھار ہوگا۔ لیکن دھن کا خرچ شبھ کاریوں پر صرف ہوگا۔ راج دربار میں سکھ اور شانتی بنی رہے گی۔ آفیسر سے زیادہ فائدہ ملے گا استری پکھ کمزور رہے گی۔

اگست ۔ اس ماس میں برادری سے کچھ ناراضگی۔ دھن کا فضول خرچ۔ کسی سے جھگڑا۔ کاروبار کی حالت ٹھیک دھن کا اُتم

فایٔدہ ۔ رشتہ داروں کا سُکھ اور سواری کا سُکھ ملے گا۔ ماس کے انت میں کسی رشتہ دار کی فکر بنی رہے گی۔

ستمبر ۔ صحت میں کمزوری۔ خون کی خرابی۔ برادری سے کچھ اَن بن۔ کاروبار کی حالت مدھم اور دھن کا فضول خرچ۔ چوری کا خطرہ۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خطرہ۔ گھریلو فکر۔ یہ ماس مدھم پھل دایک ہے۔

اکتوبر ۔ دربار میں سُکھ۔ نوکری میں فایٔدہ۔ سواری کا سُکھ۔ رشتہ داروں کا سُکھ۔ سفر سے بچیں زیادہ دور سفر نہ کریں۔ اچانک فایٔدہ۔ گھریلو سُکھ اور شانتی۔ بچوں کی طرف سے فکر بنی رہے گی۔

نومبر ۔ یہ ماس بہت ہی اُتم فایٔدہ مند رہے گا۔ نیک کاموں میں دل چسپی بنی رہے گی۔ نئے کام کی یوجنا میں دھن کا خرچ ۔ برادری سے سُکھ۔ سفر سے فایٔدہ عزت۔ علم سے فایٔدہ۔ دوستوں سے میل ملاپ ہو گا۔

دسمبر ۔ یہ ماس مدھم پھل دایک ہے۔ دربار میں عزت۔ سواری کا سُکھ۔ صحت میں خرابی۔ گھریلو فکر۔ دوستوں سے فایٔدہ۔ نیک کاموں میں دھن کا فایٔدہ۔ کاروبار اچھا۔

جنوری ۔ جھگڑے سے دور رہیں۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ ۳۔۴۔۱۲۔۱۳۔۱۴۔۲۲۔۲۴ یہ تاریخیں خراب ہیں۔ من میں فکر۔ رشتہ داروں سے میل ملاپ اور ہمدردی قایٔم رہے گی۔ اِس ماس میں سوچ وچار کر کے کام کریں۔

فروری ۔ گذشتہ ماس کی نسبت مدھم پھل دایک ہے۔ پریوار میں سُکھ اور دھن کا خرچ۔ نئے کام کاج کی یوجنا سے سُکھ اور دھن کا خرچ رہے گا۔ ماس کے انت میں اچانک دھن کا فایٔدہ ملے گا۔

مارچ ۔ کام کرنے میں بے چینی۔ دربار کی حالت کمزور برادری سے جھگڑا۔ فضول خرچ۔ بچوں سے فایٔدہ۔ استری پکھ فایٔدہ مند۔ اچھے پرشوں کے میل سے فایٔدہ اور عزت۔ ماس کے انت میں دھن کا فایٔدہ۔ سفر سے فایٔدہ۔ کاروبار کی حالت اچھی رہے گی۔ کسی سے دھوکہ۔

سِنہم راشی والوں کے لئے وارشک پھلادیش

بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۸۷/۱۹۸۶ کیلئے

سہم راشی کا گوچر چکر

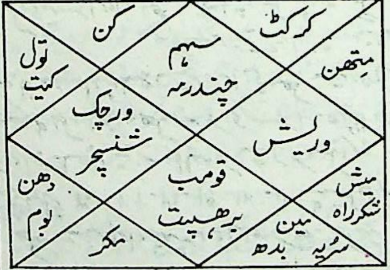

سہم راشی والوں کے گوچر چکر سے چندرمہ اور برہسپت کا پورن یوگ بنتا ہے۔ چوتھے گھر میں شنیچر دربار کو پوری طرح سے دیکھ رہا ہے۔ ورش میں آٹھویں گھر میں سُوریہ بُدھ جو کہ دوسرے گھر کو سمپورن درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔ شنیچر کی ڈھیا ابھی اس ورش پوری رہے گی۔ اور راہو کا پربھاؤ اس ورش بھی رہے گا۔ ساتویں گھر میں برہسپتی کے پربھاؤ سے دربار اور برادری میں ایک مِلا جُلا یوگ بنتا ہے۔

اِس کارن سے سہم راشی والوں کو یہ ورش برہسپتی کے پربھاؤ سے ہر طرح کا فائدہ اور سواری کا سُکھ۔ تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ رہے گا۔ سال کے آرمبھ میں من میں کچھ چنچلتا بنی رہے گی اِس ورش دوڑ دھوپ اور گھریلو فکر رہے گی۔ کسی دوست یا رشتہ دار سے ناراضگی رہے گی۔ صحت میں خون کی خرابی اور پیشاب میں گرمی۔ جوڑوں میں کشٹ رہے گا۔ بچوں اور استری ورگ کے لئے یہ ورش مدھم پھل دایک ہے۔ سہم راشی والوں کو اس ورش زیادہ دور سفر نہ کرنا چاہیئے۔ جس کے ذریعے نقصان۔ فضول خرچ اور دھن کا خرچ رہے گا۔ مقدمے میں فائدہ ملے گا۔ دھرم کے کاریوں میں کامیابی حاصل ہوگی۔ شنیچر کا زیادہ پربھاؤ جنوری ۱۲ تک رہے گا۔ جنوری کے بعد ہر ایک کام میں سکھ اور دھن کا اُتم یوگ منوکامنا پورن رہیگا۔

سہم راشی والوں کو اپریل۔ مئی اور اگست ستمبر کے ماس شبھ دایک رہیں گے۔ سہم راشی والوں کو اس ورش بہت نارائن کا ورت یا سنکرانتی ورت رکھنا ضروری ہے۔ اس کے علاوہ منگلوار اور سنیچر وار کے دنوں میٹھا بھوجن کھانا اور ہنومان جی کی آرادھنا کرنا ضروری ہے۔ استریوں کیلئے یہ ورش اُتم پھل دایک ورش ہے۔ اُن کو ہر ایک کام میں کامیابی حاصل ہوگی۔ ودیارتھی ورگ کو چاہیئے۔ کہ وہ ایندراکھی کا پاٹھ روزانہ کریں۔ جس سے ان کو علم میں کامیابی حاصل ہوگی۔

سہم راشی والوں کیلئے ماسک پھلادیش ۲۰۴۳ سنہ بکرمی

اپریل ۔ دھن کا اُوتم فایدہ۔ سواری کا سُکھ۔ کسی پریمی
مِلاپ ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ رشتہ داروں سے سُکھ
سفر سے فائدہ ۔ نئے کام کا وچار۔ گھریلو سُکھ۔ منگل کاموں
میں دھن کا خرچ۔ سفر سے فایدہ ملے گا۔

مئی ۔ کاروبار کی حالت ٹھیک۔ گھریلو سُکھ مدھم
گھر میں کسی نزدیکی رشتہ دار کی فکر۔ بچوں کی طرف سے کشٹ۔ من
میں اشانتی۔ لین دین سے فایدہ۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا
خوف۔ سفر سے خوف۔ صحت کمزور۔

جون ۔ دھن کا اوتم یوگ۔ تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ
زمین جائیداد کا سُکھ۔ دوستوں و رشتہ داروں سے سُکھ ۔
کاروبار اچھا۔ استری کشٹ ۱۱۔ ۱۲۔ ۱۹۔ ۲۱۔ ۲۹۔ ۳۰ خراب ہیں۔

جولائی ۔ ہر ایک کام میں کامیابی عزت اچھا۔ برادری
سے سکھ۔ سفر سے فائدہ۔ استری کا سکھ۔ بچوں کی طرف سے
خوشی۔ سماج میں عزت۔ کھیتی اور زمین جائیداد سے فایدہ۔
انت میں چور کا خوف ۔ مزاج تیز رہے گا۔

اگست ۔ گھریلو سُکھ شانتی ۔ بچوں اور استری پکھ شبھ
پھل دایک رہے گا۔ نیک کاموں میں دل چسپی۔ پڑوسیوں سے فایدہ
گھر میں خوشی کا امکان۔ کسی نیک آدمی سے دھن کا فایدہ۔ سفر سے فایدہ
سواری کا سُکھ۔

ستمبر ۔ دربار اچھا۔ سماج میں عزت۔ اچانک دھن کا فایدہ
نیک نامی ملے گی۔ دشمنوں کا خوف کم ہوگا۔ کاروبار کی حالت ٹھیک
۱۔ ۲۔ ۷۔ ۸۔ ۹۔ ۱۹۔ ۲۰ خراب ہیں۔

اکتوبر ۔ مانسک اشانتی۔ کاروبار کی حالت ٹھیک۔ کام
کرنے میں دل چسپی۔ عزت ملے۔ دھن کا فایدہ۔ ماس کے انت میں کچھ
فکر۔ دھن کا نقصان۔ برادری سے ناراضگی۔ سفر سے ہانی
بیماری کا خطرہ۔

نومبر ۔ اس ماس کا آخری حصہ ٹھیک رہے گا۔ کاروبار کی
حالت مدھم۔ گرہست تربل۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔
سفر سے ڈر۔ کسی سے بے عزتی۔

دسمبر ۔ تیسرے گھر میں شکر اور شنیچر بدھ کی میل سے یہ
ماس مدھم پھل دایک ہے۔ دھن کا خرچ رہے گا۔ کاروبار کی
حالت کمزور رہے گی۔ سفر سے ہوشیار۔ دشمن ورنہ ہانی کا خوف
بنا رہے گا۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔

جنوری ۔ کاروبار کی حالت ٹھیک۔ دوستوں و رشتہ داروں
سے پریم۔ استری کا سُکھ۔ سواری کا سُکھ۔ گھریلو خرچ میں
اضافہ۔ صحت میں کمزوری۔ دھرم کے کاموں میں آشش۔

فروری ۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔ یہ ماس مدھم پھل دایک ہے۔ پریوار میں کچھ اشانتی۔ سفر سے نقصان۔ دھن کا فضول خرچ۔ دوڑ دھوپ کرنا پڑے گی۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف رہیگا۔

مارچ ۔ ماس کا پہلا حصہ مدھم پھل دایک رہے۔ ماس کے آخری حصہ میں منو کامنا پورن ہوگی۔ گھریلو خرچ زیادہ رہے۔ کسی رشتہ دار سے اَن بَن۔ من میں اشانتی بنی رہے گی۔

کنیا راشی والوں کے لئے وارشک پھل بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۸۷/۱۹۸۶

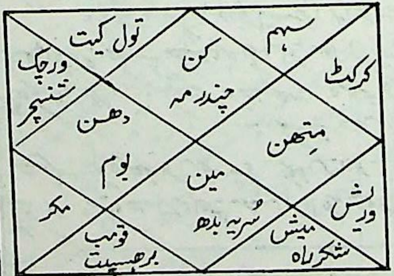

کنیا راشی کا گوچر چکر۔

کنیا راشی والوں کو گوچر چکر میں لگن کا سوامی بُدھ سُوریہ کے ساتھ کیندر میں بیٹھا ہوا ہے۔ آٹھویں گھر میں شکر کے ساتھ راہو کا یوگ ہے۔ برہسپت دریا، اور دوسرے گھر کو پورن درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔ شنیچر ورش راشی کو تھائی درشٹی سے بھی دیکھ رہا ہے۔ کنیا راشی والوں کو اس ورش شنیچر تانبے کے پایہ پر ہے۔ کنیا راشی والوں کو ورش کا پہلا حصہ بہت ہی اُتم ہے۔ کاروبار میں ترقی۔ علم میں فائدہ۔ دوستوں اور رشتہ داروں سے میل ملاپ اور سفر سے فائدہ ملے گا۔ اگر زمین وغیرہ کا کام کرنا ہو تو سال کے پہلے حصے اکتوبر ۱۵ ار تک کریں۔ ماں باپ کے لئے یہ سال مدھم پھل دایک ہے گھریلو سُکھ شانتی مدھم پھل دایک ہوگا۔ اِس ورش کنیا راشی والوں کو زیادہ دُور سفر نہ کرنا چاہیئے۔ ورنہ چوٹ کا خوف تتھا سفر میں نقصان کا اندیشہ بنا رہے گا۔ اکتوبر تک دھن میں اچانک فائدہ۔ نئے کام کی سکیم سے فائدہ ملے گا۔ لیکن اندرونی طور سے دشمنوں کا خطرہ بنا رہیگا صحت کا خاص خیال رکھنا ضروری ہے۔ کیونکہ برہسپت ۶ بھاؤ میں بڑھا ہے۔ جس سے دل کی بیماری، پیشاب میں گرمی۔ اور ہڈیوں میں درد رہے گی۔ استری سُکھ کا صحت اِس ورش کمزور رہے گا۔ مئی۔ جولائی ستمبر اور اکتوبر کے ماس کچھ خراب ہیں۔ (مہلاؤں کے) استریوں کے لئے یہ ورش سنتوش جنک ورش ہے۔ ودیارتھی کے لئے یہ ورش شبھ دایک ہے۔ اُن کو علم میں سنتوش جنک کامیابی حاصل ہوگی۔ دھرم کے کاموں میں کچھ بادھا۔ یعنی روکاٹ حاصل ہوگی۔ کنیا راشی والوں کو اس ورش اشٹمی کا ورت رکھنا ضروری ہے۔ اور منگل وار کے دن وشنو رہنا چاہیئے۔ اُسکے علاوہ ہنومان جی کی پوجا کرنا ضروری۔ تاکہ انکو کلیان اور کامیابی حاصل ہوگی

کنیا راشی والوں کے لئے ماسک پھلادیش۔

اپریل ۔ دھن کا فائدہ اُوتم رہے۔ لین دین سے فائدہ۔ سواری کا سُکھ۔ کسی سے جھگڑا۔ من میں فکر۔ دشمنوں کا خطرہ کم۔ سفر سے دھن کی ہانی اور بزرگوں سے سُکھ ملے۔

مئی ۔ چوٹ کا خطرہ۔ سفر سے دھن کی ہانی۔ صحت میں کمزوری بیماری کا خوف۔ استری اور بچوں کی طرف سے سُکھ۔ عزت اچھا نئے کام کی یوجنا سے من میں پرسنتا بنی رہے گی۔

جون ۔ تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ۔ زمین جائیداد کا سُکھ سواری کا سُکھ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ علم سے فائدہ۔ سفر سے لابھ ملے

جولائی ۔ اِس ماس میں کنیا راشی والوں کو دوڑ دھوپ کرنا پڑیگی من میں چنچلتا بنی رہے گی۔ سفر سے فائدہ۔ کسی سے بے عزتی۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا ڈر۔ بچوں اور استری پکھ سے سُکھ ملے۔

اگست ۔ گھر میں سُکھ شانتی۔ لین دین سے فائدہ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ دوستوں اور رشتہ داروں سے سُکھ شانتی۔ مزاج تیز رہیگا۔ یہ تاریخیں ۷ - ۸ - ۱۵ - ۱۶ - ۱۷ - ۲۴ - ۲۵ - خراب ہیں۔

ستمبر ۔ دھن کا خرچ ادھک۔ کسی سے جھگڑا۔ لین دین سے فائدہ کم۔ من میں اشانتی۔ استری پکھ کمزور۔ پریوار کا سُکھ مددھم۔ چوٹ کا خطرہ۔ زیادہ محنت کرنے سے فائدہ ملے گا۔

اکتوبر ۔ یہ ماس بہت ہی اُوتم فائدہ مند ہے۔ کاروبار میں ترقی مقدمے میں کامیابی۔ آفیسر سے عزت ملے۔ رشتہ داروں سے ناراضگی بزرگوں سے بے عزتی ملے۔

نومبر ۔ یہ ماس بہت ہی اچھا ہے۔ کاروبار اور دربار میں عزت اچھا ملے۔ استری پکھ سے فائدہ۔ دشمنوں کا خوف کم۔ رشتہ داروں سے پریم۔ سفر سے فائدہ۔ صحت میں بیماری کا خوف رہے۔

دسمبر ۔ دھن کا لابھ۔ مان اچھا۔ صحت میں سُدھار کاروبار کی حالت ٹھیک۔ سفر سے فائدہ۔ گھریلو خرچ زیادہ۔ نوکروں سے فائدہ ملے۔

جنوری ۔ یہ ماس مددھم پھل دایک ہے۔ کسی سے میل ملاپ۔ کاروبار اچھا۔ استری اور بچوں سے پریم۔ صحت کا خاص خیال رکھنا ضروری ہے۔

فروری ۔ گذشتہ ماس کی نسبت یہ ماس زیادہ فائدہ مند ہے دھن کا لابھ ہوگا۔ لین دین سے فائدہ۔ من میں خوشی کا امکان۔ صحت میں بیماری کا خطرہ ۔ ۴ - ۵ - ۱۴ - ۱۵ - ۲۳ - ۲۶ تاریخیں خراب ہیں۔

مالی سچ۔ گھریلو سُکھ شانتی بنی رہے گی۔ کاروبار کی حالت اچھی رہے۔ دشمنوں کا خوف کم۔ استری ورگ کے لئے فائدہ مند رہے۔ کسی رشتہ دار سے جھگڑا۔ سفر سے دھن کی ہانی۔ زیادہ دُور سفر نہ کریں۔ صحت میں کشٹ۔ چوٹ کا خطرہ۔

تُلا راشی والوں کے لئے وارشک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی ۸۷/۱۹۸۶ء

تُلا راشی کا گوچر چکر

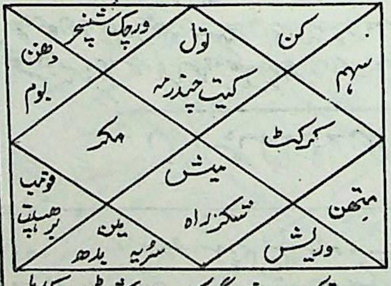

تُلا لگن والوں کو گوچر چکر میں لگن کا سوامی شکر ساتویں گھر میں راہو کے ساتھ ہے۔ دوسرے گھر میں وکری شنیچر آٹھ بھاؤ کو تیز درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔ چندرمہ لگن میں کیتو کے ساتھ ویدکرتا ہے۔ برہسپت ترکون میں نویں گھر کو ستہ درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔

اس ورش تُلا راشی والوں کو شنیچر کی ساڑھے ستی کا پربھاؤ ۱۰/ماہ ستمبر سے فائدہ مند رہے گا۔ تب تک شنیچر کا پربھاؤ تُلا راشی والوں کو ایک کرتیری بید قائم کر سکتا ہے۔ اس کارن سے تُلا راشی والوں کو اس ورش کا پہلا حصہ کچھ ناقص رہے گا۔ کاروبار میں کچھ رکاوٹ۔ صحت میں گرمی۔ مقدمے کا خوف۔ برادری سے کچھ ناراضگی۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خطرہ۔ دوڑ دھوپ۔ فضول سفر۔ کسی پریمی سے وشواس گھات۔ استری کا صحت کمزور اور آلس کا پربھاؤ۔ اس ورش کے پہلے حصے میں رہے گا۔ سال کے آخری حصہ میں کاروبار میں کچھ تبدیلی۔ اور رشتہ داروں کا سُکھ۔ دوستوں سے میل ملاپ۔ بچوں کا سُکھ۔ تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ۔ راج دربار میں عزت اور سفر سے فائدہ ملے گا۔

تُلا راشی والوں کو ستمبر تک صحت میں اندرونی گرمی۔ میدھے میں کشٹ اور استری کو خون کی کمی اور من میں زیادہ چنچلتا بنی رہے گی۔

ودیارتھی ورگ کیلئے یہ ورش فائدہ مند ورش ہے۔ اُن کو علم میں اچھی ترقی اور عزت ملے گی۔ استری ورگ کے لئے یہ ورش مدھم پھل دایک ہے۔ استریوں کو اس ورش ہڈیوں میں کمزوری اور کام کاج میں آلس رہے گا۔

تُلا راشی والوں کو اس ورش ایندرا کھی کا پاٹھ روزانہ کرنا چاہیئے۔ اور شکلہ پکھ کی اشٹمی کا ورت بھی رکھنا ضروری ہے۔ اس کے علاوہ کتّوں کو تیل

لگا کر روٹیاں ڈالنا شُبھ پھل دایک رہیگا۔ اس کے علاوہ اگر ہو سکے تو منگلوار کے دِن وِشنو رہیتا پرم آدشک ہے۔

تُلا راشی والوں کے لئے ماسِک پھلادیش۔

اپریل۔ دھن کا فایدہ۔ سواری کا سُکھ۔ یاترا کا وِچار۔ استری کا سُکھ۔ دوستوں و رشتہ داروں سے میل ملاپ۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ ۵۔ ۱۵۔ ۲۷ تاریخیں خراب ہیں۔

مئی۔ کاروبار کی فکر۔ دوڑ دھوپ زیادہ۔ فضول خرچ۔ استری کو کشٹ۔ بچوں کی فکر۔ نئے کام کا وِچار۔ کسی خاص فایدہ سے خوشی کا اِمکان۔ مقدمے میں فایدہ ملے گا۔

جون۔ ہر ایک کام میں فایدہ۔ دوستوں و رشتہ داروں سے خوشی۔ سواری کا سُکھ۔ دھن کا فایدہ۔ سفر سے فایدہ۔ گھر کا خرچ زیادہ۔ استری کا سُکھ ملے۔

جولائی۔ اِس ماس کا پہلا حصہ بہت اچھا ملے گا۔ نوکری میں سُکھ۔ آفسر سے عزت ملے۔ نئے کام کی یوجنا سے فایدہ ملے۔ لین دین سے فایدہ۔ بچوں سے سُکھ۔ ماس کا پچھلا حصہ من میں فکر۔ گھریلو فکر و رشتہ داروں کی فکر۔ چوٹ کا خطرہ بنا رہیگا۔

اگست۔ کاروبار مدھم۔ نئے کاموں میں کچھ روکاوٹ۔ کسی رشتہ دار یا بزرگ سے جھگڑا۔ استری پکھ شُبھ پھل دایک رہے گا۔

ستمبر۔ گھریلو سُکھ اُتم۔ چور کا خوف۔ صحت میں کمزوری۔ من میں فکر۔ دھن کا لابھ مدھم۔ ۵۔ ۶۔ ۷۔ ۱۴۔ ۲۳۔ ۲۴۔ ۲۷ خراب۔

اکتوبر۔ دماغی پریشانیاں۔ کسی سے جھگڑا۔ من میں چنچلتا بنی رہے گی۔ صحت بگڑنے کا امکان۔ دھن کا فضول خرچ۔ ماس کے انت میں فایدہ ملے۔

نومبر۔ دھن کا فضول خرچ۔ گھریلو فکر۔ لین دین سے فایدہ کم۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ رشتہ داروں سے میل ملاپ۔ نیک آدمیوں سے فایدہ ملے۔ ماس کے انت میں دربار اچھا۔ بچوں سے فایدہ ملے۔

دسمبر۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ استری کا سُکھ۔ مان اچھا۔ صحت میں گرمی۔ نیک کاموں کی طرف دل لگے۔ ۴۔ ۵۔ ۶۔ ۱۳۔ ۱۴۔ ۱۶۔ ۲۴ خراب

جنوری۔ کسی کے ساتھ جھگڑا۔ دل میں بے چینی۔ سفر سے فایدہ کم۔ صحت میں گرمی۔ مقدمے کا خوف۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔ ۸۔ ۰۔ ۱۲۔ ۱۷۔ ۲۳ خراب ہیں۔

فروری۔ یاترا سے فایدہ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ عزت ملے۔ پیشاب میں گرمی۔

اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ دربار اچھا رہے۔ گھریلو سُکھ مدھم رہے گا۔

مالیچ - صحت میں گرمی۔ دھن کا فضول خرچ۔ کاروبار کی حالت مدھم۔ لین دین سے فائدہ کم۔ اندرونی فکر۔ استری پکھ کمزور۔ اور رشتہ داروں سے پریم۔ سفر سے فائدہ ملے۔

ورچک راشی والوں کے لئے وارشک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی ۱۹۸۶/۸۷ء

ورچک راشی کا گوچر چکر

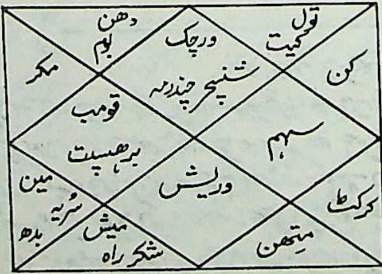

ورچک راشی والوں کو گوچر چکر میں لگن میں شنیچر چندرمہ کے ساتھ ساتویں گھر کو پوری نظر سے دیکھ رہا ہے۔ چوتھے کیندر میں برہسپت دسویں گھر میں پورن درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔ لگن کا سوامی بوم دوسرے گھر میں ترکون کو بھی دیکھ رہا ہے ساڑھے ستی کا پربھاؤ اس ورش ورچک راشی والوں کو کم ہوگا۔ صرف سال کے مدھم حصے میں شنیچر وکری روپ میں آئے گا۔ اس وقت میں کچھ پریشانیاں پیدا ہوں گی۔

ورچک راشی والوں کو اس ورش کا پہلا اور آخری حصہ بہت پھل دایک ہوگا۔ دھن کا فائدہ اوتم ملے گا۔ تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ رہے گا۔ سال کے مدھم حصے میں اچانک صحت میں گراوٹ۔ معدے میں کشٹ۔ آنکھوں میں کشٹ اور کسی سے ناراضگی۔ مقدمے کا خوف رہے گا۔

ورچک راشی والوں کو اس ورش صحت کا خاص خیال رکھنا ضروری ہے۔ ورنہ دھن کی ہانی ہونی ممکن ہے۔ استری پکھ کیلئے یہ ورش اوتم پھل دایک رہیگا۔ اگر کوئی تعمیری کام کرنا ہو تو اپریل سے جولائی تک کریں۔ اگر کوئی یاترا کرنی ہو تو سال کے آخری حصے میں کریں شبھ پھل دایک رہے گی۔ اس ورش رشتہ داروں کی بھی ادھک فکر رہے گی۔ گھریلو سُکھ مدھم پھل دایک رہے گا۔ برہسپت کے پربھاؤ سے اس ورش منگل کاریہ آرمبھ ہوں گے۔ اور استری تتھا سنتان سے بھی سُکھ ملے گا۔ استری ورگ کے لئے یہ ورش مدھم پھل دایک ورش ہوگا۔ استریوں کو اس ورش ہڈیوں میں کمزوری اور خون کی کمی کے کارن

صحت میں گراوٹ آئے گی۔ ان کو آنکھوں میں بھی کشٹ رہے گا۔ اور ودیارتھی ورگ کے لئے یہ ورش فائدہ مند ورش ہوگا۔ ان کو علم اور روزگار میں ترقی ملے گی۔ ورچک راشی والوں کو اس ورش شری مہاگنیش کی پوجا کرنا اور منگلوار کے دن میٹھا بوجن کرنا اور کتوں کو روٹی ڈالنا ضروری ہے۔ اس کے علاوہ سنیچروار کے دن بدن پر تیل ملنا اور سنان کرنا ضروری ہے۔

ورچک راشی والوں کے لئے ماسک پھلادیش۔

اپریل۔ دھن کا فائدہ۔ سواری کا سکھ۔ نیک کاموں میں دھن کا خرچ دوستوں سے جھگڑا۔ لین دین سے سکھ۔ کاروبار میں عزت اچھا۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔

مئی۔ فضول سفر سے بچیں۔ دشمنوں کا خوف۔ من میں پریشانی۔ سواری کا سکھ کم۔ کاروبار کی حالت مدھم۔ دھن کا خرچ۔ لین دین سے پریشانی۔ مزاج تیز۔ ۲-۳-۴-۱۲-۱۳-۱۴-۲۱-۲۳ خراب ہیں۔

جون۔ گت ماس کی نسبت کاروبار میں ترقی۔ دھن کا فائدہ۔ صحت خراب۔ کسی سے میل ملاپ۔ بچوں کا سکھ۔ استری کو کشٹ۔ نصیب چمکے۔

جولائی۔ صحت میں سدھار۔ راج دربار میں سکھ۔ دھن کا فائدہ۔ نیک کاموں کا وچار۔ استری اور بچوں کی طرف سے سکھ۔ کھیتی سے فائدہ۔ گھریلو سکھ ملے گا۔

اگست۔ دھن کا خرچ۔ کسی سے ناراضگی۔ برادری سے ان بن۔ من میں فکر۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ ۲-۱۱-۱۲-۱۳-۱۹-۲۰-۲۱-۲۹-۳۱ خراب ہیں۔

ستمبر۔ کاروبار کی حالت میں سدھار۔ سواری کا سکھ۔ دربار میں اچانک فائدہ۔ اولاد کی طرف سے فکر۔ استری سکھ مدھم۔ دشمنوں کا خوف کم رہے۔

اکتوبر۔ یہ ماس ورچک والوں کے لئے شبھ پھل دایک ہے۔ ہر ایک کام میں فائدہ۔ دوستوں و رشتہ داروں سے خوشی۔ دھرم کاریوں میں دھن کا خرچ۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف بنا رہے سفر کم کریں۔

نومبر۔ دھن کا خرچ۔ مزاج تیز رہے۔ گھریلو حالات میں تبدیلی۔ سفر سے ڈر۔ دوستوں سے فائدہ۔ صحت میں کمزوری۔ چوٹ کا خطرہ۔

دسمبر۔ پریوار میں سکھ شانتی بنی رہیگی۔ استری کا سکھ اچھا ہے۔ بچوں کی طرف سے خوشی ملے گی۔ کسی اجنبی سے میل ملاپ۔ بزرگ سے ہمدردی۔ صحت خراب رہے۔

جنوری۔ دھن کا فائدہ۔ دوستوں سے میل۔ گھر میں سُکھ۔ یاترا سے فائدہ
شبھ کاریوں پر دھن کا خرچ۔ کاروبار کی حالت میں بہتری فائدہ۔

فروری۔ صحت میں اچانک گراوٹ۔ دھن کا خرچ۔ مزاج میں تیزی۔
کاروبار کی حالت میں پریشانی۔ دشمنوں کا خوف۔ سفر سے بچیں۔
استری کا سُکھ اچھا ملے۔

مارچ۔ نیک کاموں کا وچار۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ بزرگوں سے
فائدہ۔ استری کا سُکھ اچھا۔ بچوں کی ... علم سے فائدہ۔
دشمنوں کا خوف کم۔

دھن راشی والوں کیلئے وارشک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۸۷/۱۹۸۶ء

دھن راشی کا گوچر چکر

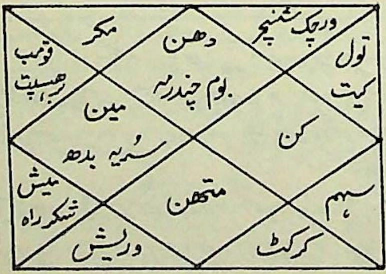

دھن راشی والوں کے گوچر چکر سے لگن کا سوامی برہسپت تیسرے گھر میں پڑا ہوا ہے

جوکہ گیارویں گھر کو بھی دیکھ رہا ہے۔ بارویں گھر میں شنیچر وکری روپ میں پڑا ہے۔ سُوریہ اور بُدھ کیندر میں تتھا شکر اور راہو ترکون میں پڑے ہوئے ہیں۔ لگن میں منگل چندرما کے ساتھ ایک پرکار کا مشرت یوگ بنتا ہے جس کے کارن دھن راشی والوں کو اس ورش کا پہلا حصہ کچھ ناقص رہے گا۔ صحت میں گڑبڑ۔ دماغی پریشانیاں اور سمرن سکتی کم رہے گی۔ پیشاب۔ خون اور میدے میں کشٹ رہیگا۔ کسی سے ناراضگی بھی ہوگی۔ جوکہ آپ کو وشواس میں دھوکہ دیگا۔ دھن کا خرچ دوائی وغیرہ پر بھی صرف ہوگا۔ سال کے پہلے حصے میں سفر نہ کریں۔ ورنہ چوٹ کا خطرہ بنا رہیگا۔ برادری کا سُکھ تو اُتم رہے گا۔ برادری سے فائدہ بھی ملے گا۔ علم کے لئے مدھم پھل دایک ہوگا۔ گرہست پکھ بھی ستمبر تک کچھ مدھم رہے گا۔ سال کے دوسرے حصے میں تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ۔ گھریلو سُکھ اور زمین جائداد کا فائدہ ملے۔ کاروبار کی حالت بھی اچھی رہے گی۔ سفر سے فائدہ اور واہن کا سُکھ بھی ملے گا۔ دھن راشی والوں کو اس ورش مقدمے کا ڈر بھی رہیگا۔ اندرونی طور دشمنوں کا خوف بھی رہے گا۔ سال کے انت میں خاص فائدہ ملے گا۔

استری ورگ کے لئے یہ ورش کٹھن سمسیاؤں کا ورش ہوگا۔ اُن کو خون کی خرابی۔ جوڑوں میں درد اور آلس بھی رہے گا۔ اکتوبر ۱۹۸۶ء کے بعد کچھ سُدھار آئیگا۔ ودیارتھی ورگ کے لئے یہ ورش مدھم

پھل دایک ورش ہوگا۔ دھن راشی والوں کو اس ورش ساڑھے ستی
کا ادھیک پربھاؤ پڑے گا۔ جس سے اُن کو من میں چنچلتا اور پریوار میں
کچھ تبدیلی آئے گی۔

دھن راشی والوں کو چاہیئے کہ وہ اماوس کا ورت رکھا کریں۔ اور
برہسپت وار کے دِن گائے کو آٹے کی روٹی کھلاویں۔ اس کے علاوہ ہر دن
بھگوان شنکر کو جل چڑھاویں شبھ پھل دایک رہیگا۔

دھن راشی والوں کا ماسِک پھلادیش۔

اپریل ۔ دھن کا خرچ زیادہ۔ کاروبار کی حالت میں خاموشی۔ دوستوں
و رشتہ داروں سے فایئدہ۔ ماس کے انت میں روزگار میں ترقی۔ سواری
کا سُکھ۔ عزت ملے۔ صحت میں کشٹ رہے۔

مئی ۔ کاروبار میں ترقی۔ نئے کام کا وچار۔ استری کا سُکھ۔ بچوں کی
طرف سے خوشی۔ صحت میں گڑبڑ۔ شبھ کاریوں میں دھن کا خرچ
لکھنے پڑھنے سے فایئدہ۔

جون ۔ نئے کام کی یوجنا۔ دوستوں سے میل ملاپ۔ برادری سے خوشی
راج دربار میں عزت۔ سفر سے فایئدہ۔ من میں خوشی کا یوگ۔ چور کا
ڈر۔ ۱۔ ۲۔ ۱۱۔ ۱۲۔ ۲۰۔ ۲۲ تاریخیں خراب ہیں۔

جولائی ۔ ہر کام میں فایئدہ۔ لین دین سے فایئدہ۔ نئے کام کا وچار۔
تعمیری کاموں میں دلچسپی۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔
چوٹ کا خطرہ۔ اولاد کی فکر۔

اگست ۔ زمین جائداد کا سُکھ۔ دھرم کے کاریوں میں دلچسپی۔ سواری
کا سُکھ۔ عزت بڑھے۔ صحت میں کشٹ۔ فضول پریشانی۔ اچھے
آدمیوں سے میل ملاپ۔

ستمبر ۔ گھر سمسایئں سُدھر جانے کا یوگ۔ دھن کا فایئدہ مدھم۔ کاروبار
کی حالت مدھم۔ دشمنوں کا خوف۔ سفر سے فایئدہ۔ صحت میں کمزوری۔

اکتوبر ۔ دھن کا خرچ کم۔ پڑوسیوں سے پریم۔ رشتہ داروں کا سُکھ
استری ورگ کی فکر۔ کاروبار اچھا۔ دوستوں سے جھگڑا۔ ۴۔
۵۔ ۶۔ ۱۳۔ ۱۵۔ ۲۵۔ ۲۶۔ ۲۷ خراب ہیں۔

نومبر ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ صحت میں سُدھار۔ سواری کا سُکھ
علم میں ترقی۔ نوکروں سے فایئدہ۔ سفر سے فایئدہ۔ اچھے لوگوں سے دھن
کا فایئدہ ملے۔

دسمبر ۔ دشمنوں کا خاتمہ۔ سواری کا سُکھ۔ دربار میں عزت کاروبار
کی حالت اچھی۔ نئے کام کا وچار۔ استری کا سُکھ اچھا
نیک کاموں کی طرف دل لگے۔

جنوری۔ یاترا سے خوف۔ چوٹ کا خطرہ۔ بیماری کا ڈر۔ مزاج تیز رہے۔ سفر سے کشٹ۔ من میں چنچلتا بنی رہے۔ ماس کا دوسرا حصہ فائدہ مند اور خوشی کا یوگ۔

فروری۔ دھرم کے کاریوں میں دل چسپی۔ پریوار میں سکھ و شانتی۔ نیک کاریوں کی طرف دھن کا خرچ۔ سواری کا سکھ۔ بچوں کی طرف سے خوشی عزت ملے۔ کسی رشتہ دار کی فکر۔

مارچ۔ سماج میں عزت ملے۔ برادری سے خوشی۔ دھرم کے کاریوں میں دھن کا خرچ۔ نصیب چمکے۔ عزت ملے۔ ماس کے انت میں کسی سے بے عزتی۔ سفر اور صحت میں خرابی رہے۔

مکر راشی کا وارشک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶/۸۷

مکر راشی والوں کو گوچر چکر میں لگن کا سوامی شنیچر منگل کے گھر میں ہے۔ جو کہ ترکون اور لگن کو پوری نظر سے دیکھ رہا ہے۔ راہو کے ساتھ شکر دربار کو دیکھ رہا ہے۔ منگل بارویں گھر میں تیسرے سورج اور بدھ ساتویں گھر کو دیکھ رہا ہے۔ شنیچر ورش کے درمیانی عرصہ میں وکری ہو رہا ہے۔ اس کارن مکر راشی والوں کو اس ورش بہت ہی ادتم پھل دایک ورش ہوگا۔

مکر راشی کا گوچر چکر۔

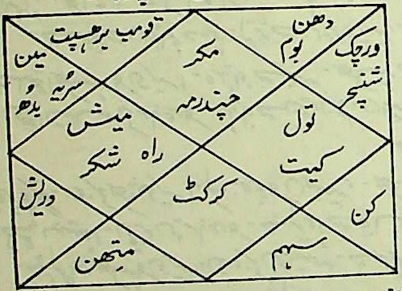

دربار میں عزت۔ سواری کا سکھ۔ کسی سے نیا میل ملاپ اور تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ زیادہ تر رہے گا۔ لکھنے پڑھنے اور دوستوں سے فائدہ ملے گا۔ بھائیوں کو کشٹ کا سامنا کرنا پڑے گا۔ سال کے درمیانی عرصہ میں صحت میں خرابی اور چوٹ کا خطرہ بنا رہیگا۔ مکر راشی والوں کو بارویں منگل ہونے سے استری پکھ تربل اور بچوں کی طرف سے کچھ فکر رہے گی۔ یہ لوگ جولائی سے لے کر اکتوبر تک کا وقت کچھ پریشانیاں پیدا ہوں گی۔ اور اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف بنا رہے گا۔ اس ورش مکر راشی والوں کو دھن کا اچھا فائدہ ملے گا۔ اکتوبر سے اپریل ۸۷ء تک کا یوگ آپ کو ادھک لین دین میں فائدہ۔ نئے کام میں تبدیلی اور سواری کا سکھ اچھا رہیگا۔ کسی نئے دوست سے ملاپ کا یوگ بنتا ہے۔ اگر یاترا کرنا ہو تو سپھلتا کارک ہوگی۔ دوسرے گھر میں برہسپت ہونے کے کارن دھرم کے کاریوں میں زیادہ لابھ ملے گا۔ سال کے درمیانی عرصہ میں کسی پریمی کی

مرتیو ہوگی۔ جولائی۔ نومبر اور مارچ کے ماس کچھ ہانی کارک ہیں۔ ویدیارتھی ورگ کے لئے یہ ورش بہت ہی اچھا ورش ہوگا۔ اُن کو علم میں ترقی کا یوگ بنتاہے۔ استری ورگ کے لئے یہ ورش مدھم پھل دایک ورش ہے۔ استریوں کو خون کی کمی اور دل کی بیماری رہے گی۔ مکر راشی والوں کو اس ورش منگلوار کا ورت رکھنا ضروری ہے۔ اور بدھوار کو دن پیلا چاول پرندوں کو ڈالنا ضروری ہے۔ اِس کے علاوہ ہر دن بھگوان شنکر جی پر جل چڑھانا ضروری ہے۔ اگر ہو سکے تو ہر دن ایندارکھی کا پاٹھ کرنا چاہیئے۔ اچھا پھل پراپت ہوگا۔

مکر راشی والوں کے لئے ماسِک پھلادیش۔

اپریل۔ دھن کا خرچ ادھک۔ دھرم کی کاریوں کچھ روکاوٹ۔ کاروبار کی حالت مدھم۔ صحت میں کمزوری۔ سفر سے نقصان۔ لین دین سے فائدہ۔ رشتہ داروں کا سُکھ۔

مئی۔ صحت میں کشٹ۔ آنکھ میں درد۔ کسی سے جھگڑا۔ دھن کا فائدہ اُتم۔ کاروبار کی حالت مدھم۔ سفر سے چوٹ کا خطرہ۔ رشتہ داروں سے فائدہ۔ کسی پریمی سے میل ملاپ۔ سواری کا سُکھ اچھا ملے۔

جون۔ دھن کا فائدہ اُتم۔ نئے کام کا وچار۔ کاروبار میں عزت اور مان اچھا۔ صحت اچھا رہے۔ ماسِک سُکھ ملے۔ استری پکھ سے فائدہ دشمنوں کا خوف کم۔

جولائی۔ علم پڑھنے سے فائدہ۔ نوکری سے سکھ۔ بچوں کی فکر۔ یاترا کا وچار۔ دھن کا فضول خرچ۔ رشتہ داروں کا سُکھ۔ سواری کا سُکھ۔ کاروبار اچھا۔

اگست۔ دھن کا فائدہ۔ کسی سے جھگڑا۔ برادری سے ناراضگی۔ کسی اُدھوری یوجنا کو پورا کرنے کی سکیم ہاتھ میں آئے گی۔ ماس کے انت میں کسی بزرگ سے دھوکہ ملے۔ صحت میں کمزوری۔ استری کا سُکھ مدھم رہے۔

ستمبر۔ یہ ماس ہر لحاظ سے اُتم ہے۔ کاروبار میں ترقی۔ نصیب چمکے۔ سواری کا سُکھ۔ دشمنوں کا خوف کم۔ استری پکھ کمزور۔ گھریلو خرچ زیادہ رہے۔

اکتوبر۔ خوشی کا اِمکان۔ لین دین سے فائدہ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ برادری سے سُکھ۔ سفر سے فائدہ۔ استری کا سُکھ اچھا ملے دوستوں اور رشتہ داروں سے پریم۔ بُرے خوابوں سے نجات ملے۔

نومبر۔ دھرم کی کاریوں میں دلچسپی۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ نیک خیالات ملے۔ استری اور بچوں کا سُکھ مدھم رہے۔ سفر سے فائدہ۔ دشمنوں کا خوف بنا رہے۔

دسمبر ۔ یہ ماس مدھم پھل دایک ہے۔ کاروبار میں کمی۔ کسی کی پریشانی ۔ دشمنوں کا خوف۔ نئے کاموں میں روکاوٹ سفر سے خوف۔ چوٹ کا خطرہ۔ صحت کمزور۔ دوستوں سے سکھ اور بزرگوں سے ہمدردی۔

جنوری۔ بزرگوں سے فائدہ۔ کاروبار کی حالت بہتر۔ بچوں کی فکر۔ دھن کا فائدہ۔ من میں خوشی کا یوگ۔ سفر سے فائدہ ملے۔

فروری۔ زیادہ دور سفر سے بچیں۔ صحت میں گرمی۔ کسی رشتہ دار کی فکر۔ من میں اشانتی۔ اچھے پرشوں سے فائدہ۔ گھر کی ذمہ داری بڑھنے کا یوگ کسی پریمی سے ان بن رہے۔ ۷۔ ۱۲۔ ۱۸۔ ۲۷ خراب۔

مارچ ۔ گھر میں جھگڑا۔ برادری سے ناراضگی۔ من میں فکر۔ آلس ۔ مزاج میں تیزی۔ ماس کے انت میں اچانک فائدہ۔ ۳۔۴۔۵۔۱۳۔۱۴۔ ۲۲۔۲۳۔ ۳۰ تاریخیں خراب ہیں۔

کومبھ راشی والوں کا وارشک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۸۷/۱۹۸۶

کومبھ راشی والوں کو گوچر چکر سے لگن کا سوامی کیندر میں ہے۔ جو چوتھے اور بارویں گھر کو پورن درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔ دوسرے گھر میں شریہ بدھ۔ تیسرے گھر میں راہو کے ساتھ شکر بھاگیہ ستھان کو دیکھ رہا ہے۔ لگن کا سوامی شنیچر

کومبھ راشی کا گوچر چکر۔

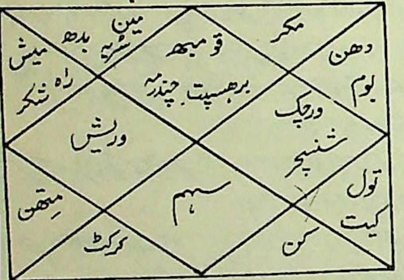

وکری ہو کر اشٹم سے ہیون ہے۔ اس کارن سے کومبھ راشی والوں کو اس ورش کسی نئے کام میں دھن کا خرچ ہوگا۔ جس سے کاروبار کی حالت اور گھریلو سکھ اور شانتی قائم رہے گی۔ لین دین سے فائدہ۔ دربار میں عزت۔ اور سال کے پہلے حصے میں منو کامنا پورن ہونے کی سمبھاونا ہے۔ کاروبار کے لئے سفر وغیرہ بھی کرنا پڑے گا۔ یا تعلیم کے لئے سفر سے فائدہ اور نوکری میں اضافہ ملے گا۔ گھر کا سکھ اچھا رہے گا۔ استری پکھ کا سکھ بھی اس ورش فائدہ مند رہیگا۔ وواہ وغیرہ شبھ کاریوں پر دھن کا خرچ ادھک رہے گا۔ بچوں کی طرف سے اس ورش ٹھیک فائدہ اور خوشی کا یوگ بنتا ہے۔ ماں کے لئے یہ ورش اچھا ہے لیکن باپ کے لئے یہ ورش مدھم پھل دایک رہیگا۔ سال کے درمیانی عرصہ میں صحت میں کچھ کشٹ اور معدے میں گرمی۔ پیشاب میں کشٹ رہے گا۔ برہسپتی کی درشٹی ساتویں گھر پر پوری طور سے ہے۔ اس کارن سے گھریلو سکھ اور دھرم کی کاریوں میں

دھن کا خرچ بھی ادھک رہیگا۔ ورش کے انت میں پیٹ میں کشٹ اور دل میں کمزوری رہے گی۔ دشمنوں کا خوف اِس ورش بالکل کم رہے گا۔ دوستوں کا سُکھ اچھا رہیگا۔ ویدارتھی ورگ کے لئے یہ ورش بہت ہی اچھا رہیگا۔ ان کو پڑھائی میں دلچسپی رہیگی اور اچھے نمبر لاکر کامیابی حاصل ہوگی۔ استری ورگ کے لئے یہ ورش اچھا رہے گا۔ پرنتو سال کے درمیانی عرصہ میں دل اور میدے کا کشٹ رہے گا۔

قومبھ راشی والوں کو اِس ورش بھوانی سہنر نام کا پاٹھ کرنا ضروری ہے۔ اور شکلہ پکھ کی اشٹمی کا ورت رکھنا ضروری۔ اسکے علاوہ ہر سنیچر وار کے دِن کتوں کو روٹی ڈالنا ضروری ہے۔

قومبھ راشی والوں کا ماسک پھلادیش۔

اپریل ۔ شبھ کاریوں میں پرورتی۔ دھن کا فائدہ۔ کاروبار کی حالت میں سُدھار۔ سواری کا سُکھ۔ من میں پرسنتا۔ زمین جائیداد کا سکھ گھریلو کاموں میں ترقی۔ بچوں کی خوشی کا امکان۔ سفر سے فائدہ ملے۔

مئی ۔ سوچ وچار کر کے کام کرنا۔ دشمنوں کا خوف۔ کاربار اچھا۔ لین دین کاریوں میں روکاوٹ۔ سفر سے خوف۔ دھن کا ادھک خرچ۔ ۱، ۲، ۹، ۱۰، ۱۹، ۲۰، ۲۷، ۲۹ خراب ہیں۔

جوُن ۔ گھریلوں پریشانیاں۔ استری کو کشٹ۔ ماں اور باپ کی فکر۔ دھن کا خرچ۔ کاروبار کی حالت مدھم۔ سواری کا سُکھ۔

جولائی۔ جھگڑے سے بچیں۔ کسی سے دھوکہ۔ کام میں روکاوٹ۔ من میں چنچلتا بنی رہے گی۔ دھن کا فضول خرچ۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔ ۳۔ ۱۱۔ ۱۲۔ ۲۶۔ ۲۹۔ خراب ہیں۔

اگست۔ لین دین کے کاموں میں کچھ روکاوٹ۔ دھن کی ہانی۔ دشمنوں سے ساودھان۔ چور کا ڈر۔ صحت میں گرمی۔ استری پکھ کمزور سفر سے خوف

ستمبر۔ دوستوں و رشتہ داروں سے میل ملاپ۔ کاروبار کی حالت میں سُدھار۔ سفر سے فائدہ۔ گھریلو سُکھ اچھا۔ بچوں سے فائدہ ملے۔

اکتوبر۔ چور کا خوف فضول خرچ۔ آمدنی میں کمی۔ دوستوں سے فایدہ کسی سے جھگڑا۔ من میں کرودھ۔ صحت خراب۔

نومبر۔ کاروبار اچھا۔ من میں خوشی کا امکان۔ دوستوں سے فائدہ۔ بچوں کا سکھ۔ سفر سے فائدہ۔ سواری کا سُکھ ملے۔

دسمبر۔ کاروبار اُوتم۔ دھن کا فائدہ۔ بزرگوں سے ہمدردی۔ دشمنوں کا خوف کم۔ پڑوسیوں سے فائدہ۔ نئے کام میں دھن کا فائدہ۔ دوستوں سے سکھ۔ استری پکھ مدھم رہے

جنوری۔ دھن کا فضول خرچ۔ من میں اشانتی۔ صحت میں خرابی۔ دوستوں سے فائدہ۔ کاروبار کی حالت مدھم رہے۔ ۱۔۲۔۶۔ ۱۰۔ ۲۰۔ ۲۸۔ ۲۹ خراب ہیں۔

فروری۔ آمدنی خرچ برابر۔ کسی سے جھگڑا۔ گھریلو سُکھ اچھا رہے۔ سواری کا سُکھ۔[۱]

[۱] کاروبار مدھم۔ من میں فکر۔ دشمنوں کا ڈر۔ استری پکھ مدھم۔ بچوں سے فائدہ۔ اور بزرگوں سے فائدہ ملے۔

مین راشی والوں کا وارشک پھلادیش بکرمی سمت ۲۰۴۳ عیسوی سمت ۱۹۸۶-۸۷

مین راشی کا گوچر چکر

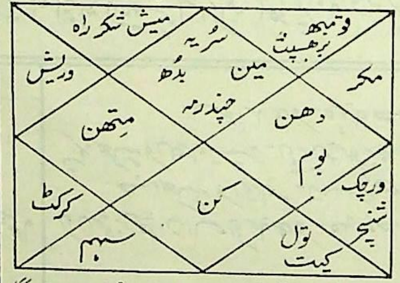

مین راشی والوں کو گوچر چکر سے لگن کا سوامی برہسپت ۱۲ گھر میں دشمن کے گھر میں پڑا ہے۔ لگن میں سُریہ بدھ اور چندرمہ دوسرے گھر میں شکر راہ اور کیندر میں بوم ترکون میں شنیچر وکری کے رُوپ میں پڑا ہے۔ اِس کارن سے مین راشی والوں کو یہ ورش مددھم پھل دایک رہیگا۔ کاروبار میں فائدہ اور نقصان مددھم رہیگا دوستوں و رشتہ داروں کا سُکھ اچھا ہے۔ استری کا سُکھ کم ملیگا۔ گھریلو سُکھ میں کچھ اشانتی بنی رہیگی۔ جس سے من میں فکر اور فضول خرچ رہیگا۔ سفر سے فائدہ۔ دوڑ دھوپ زیادہ ہوگی۔ ورش کا پہلا حصہ فائدہ مند۔ سواری کا سُکھ ملیگا۔ سنتانوں کی فکر بھی اس ورش رہیگی۔ صحت میں اس ورش کچھ کشٹ رہیگی۔ سال کے آخری حصے میں دھن کا فائدہ۔ زمین جایداد کا سُکھ۔ تعمیری کاموں میں دلچسپی اور روزگار میں ترقی ہوگی۔ مین راشی والوں کو اس ورش صحت کا خاص خیال رکھنا ضروری ہے۔ ورنہ چوٹ لگنے کا خوف رہیگا۔ بارویں گھر میں برہسپت ہونے کے کارن جوڑوں میں درد۔ پیشاب میں گرمی اور بخار وغیرہ ہونے کا امکان ہے۔ مین راشی والوں کو اس ورش راج دربار میں کافی عزت حاصل ہوگی۔ اور دوستوں سے سُکھ ملیگا۔ یہ یوگ ۱۰ ستمبر کے بعد بنتا ہے۔ اگست۔ نومبر کے ماس کچھ مددھم رہینگے۔ استریوں کے لئے یہ ورش کمزور رہیگا۔ اُن کو آگ کا خطرہ اور دل کی بیماری پیٹ میں کشٹ رہیگا۔ ویدیارتھی ورگ کیلئے یہ ورش کا مددھم حصہ کچھ ناقص رہیگا۔ اُن کو علم میں آلس بھی آئیگا۔ سال کے پہلا اور آخری حصہ شبھ پھل دایک رہیگا۔ مین راشی والوں کو اس ورش شکلہ پکھ کی اشٹمی کا ورت رکھنا ضروری ہے۔ اور بھوانی سہنر نام کا پاٹھ بھی کرنا ضروری ہے اسکے علاوہ پرندوں کو پیلا چاول سنیچر وار کے دن ڈالنا چاہیئے۔

مین راشی والوں کا ماسک پھلادیش۔

اپریل۔ کاروبار اور علم سے فائدہ۔ نئے کام میں دلچسپی۔ زمین جایداد سے فائدہ۔ گھر میں سُکھ اور شانتی۔ دوستوں سے فائدہ اور دھن کا خرچ۔

مئی۔ دھن کا فائدہ۔ عزت۔ من میں خوشی کا یوگ۔ کاروبار اچھا۔ اچانک دھن ملنے کا یوگ۔ کسی نزدیکی رشتہ دار سے دھوکہ۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ استری کمزور

جون۔ گھریلو سُکھ۔ مقدمے میں جیت۔ استری کا سُکھ۔ صحت میں کمزوری۔ اس ماس کی ۸۔۹۔۱۰۔۱۷۔۱۹۔۲۶ خراب ہیں۔ دشمنوں کا خوف۔

جولائی۔ زمین جایداد کا سُکھ۔ نصیب چمکے۔ سنتانوں کا سُکھ۔ استری کا سُکھ۔

کاروبار کی حالت اچھی۔ ست سنگ سے خوشی۔ یاترا سے فائدہ پانی سے ڈر رہے گا۔

اگست۔ صحت میں کشٹ۔ جوڑوں میں کشٹ۔ من میں فکر۔ برادری سے ناراضگی۔ ماس کے انت میں اچانک فائدہ۔ سماج میں عزت۔ استری کا سکھ۔ سواری کا سکھ۔ دشمنوں کا خوف کم۔

ستمبر۔ کاروبار میں ترقی۔ دھن کا فائدہ۔ کسی سے میل ملاپ۔ روزگار میں ترقی۔ گھریلو سکھ مددھم۔ سفر سے ہانی۔ اور دھن کا خرچ زیادہ ہو گا۔

اکتوبر۔ کام دھندھے سے فائدہ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ بچوں کی طرف سے خوشی۔ من پرسنتا۔ سواری کا سکھ رہے۔

نومبر۔ دھن کا فائدہ۔ روزگار میں ترقی۔ رشتہ داروں کا سکھ۔ عزت بڑھے۔ دوستوں سے فائدہ۔ کاروبار اچھا۔

دسمبر۔ چور کا ڈر۔ کسی سے بے عزتی۔ دھن کی ہانی۔ نصیب میں روکاوٹ۔ بچوں کی فکر۔ محنت کرنے پر بھی فائدہ مددھم۔

جنوری۔ کسی سے جھگڑا۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ سفر سے پریشانی۔ استری کچھ کمزور۔ بچوں کی فکر۔ چوٹ کا خطرہ۔ ۲۔ ۴۔ ۱۲۔ ۱۴۔ ۲۲۔ ۲۳۔ ۲۴ خراب ہیں۔

فروری۔ دھن کا فائدہ۔ سواری کا سکھ۔ کاروبار میں سدھار۔ نئے کام میں دلچسپی۔ گھریلو سکھ۔ دھرم کی کاریوں میں دھن کا خرچ۔

مارچ۔ من میں اشانتی۔ گھریلو پریشانیاں کم۔ استری کو کشٹ۔ سفر سے نقصان۔ رشتہ داروں کا لابھ۔ دھن کا خرچ ادھک۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔ اس ماس میں ۸۔ ۹۔ ۱۰۔ ۱۷۔ ۱۸۔ ۲۶۔ ۲۷۔ ۲۸ خراب ہیں۔

سوچنا! اگر آپ اپنی جنم پتری یا ورش پھل بنوا کر اپنا مستقبل جاننا چاہتے ہوں۔ تو اپنا جنم دن۔ ورش۔ سموت اور جنم کا صحیح وقت صاف ستھرا کاغذ پر لکھ کر۔ براہمن مہامنڈل کے کاریہ لیہ گنپت یار سرینگر پر شام کے ۶ بجے سے ۹ بجے تک بھیج دیں۔ مناسب وقت میں مناسب فیس ادا کرنے پر بنایا جائیگا۔

نِتیہ پاٹھ وِدھی

پورب دِشا کی طرف مکھ کر کے دھوپ دیپ جلا کر شُدھ آسن سے بیٹھ کر آدِ دیو شری گنیش بھگوان کا دھیان کر کے پڑھیں :-

(۱) شُوکلام - بَر دھرم - وِشنوم - ششِ ورنم - چتُر - بھُجم - پرسنہ وَدنم - دھیائے - سرو - وِگھنوپ - شانتیئے -

ابھِ - پریپ ارتھ - سدھیر تھم - پُوجیتو یاہ - سُورا سُر - اپی - سرو وِگھنتر - چھدیسے - تسمیے - گنا دِھپتیے - نماہ

(۲) پربھرت - وِکھنہ - ہستہ - پدمہ - یُگلے - ذنماکیہ - سُوترسے شُوبھے والمے - مُودکر - پُورنہ - پاتر - پرشو - ناگو - پردیتی تردرک - شریمان - سمہہ ایکادسناہ - شرتی - یوگے - شنکھو دمن - مولیہ - تان - دِشیات - ایشور پُتر - پی شہ - بھگوان - لمبھودرہ - شریہ ناہ -

(۳) سندُور - کونکہ مر - ہُوتاشنہ - وِدُر دمارکر - رکھتابھ - دادُمر - بھائی - چتر - نُو بھائے - ہے رمبھ - بھیرو - گنیشور - تایہ کائے - سروارتھ سدھِ - پھلہ دائی - نماہ - شولئے -

(۴) مُوکھیم - دوادشہ - ناماتی - گنے شہ سے - مہاتمناہ - یاہ پٹھت شوکھتانی - سہ - لبھیت - سدھیم - ادترمام - پرتھمم - وکرتُنڈم - تو چھیئے کہ ذنتم - مُدتی یکم - ترتی یم - کرشنہ پنگھم - تو چترتھم تو -

پُرتسے نم - لمبھودرم پنچم مم - توششہ ٹم - وِکرٹم - یودچہ پتم - وِگھنہ راجیندرم - دھُومر - ورنم - تتھا شٹم - نومم بھالہ چندرم تو - دشمم تو - ونیلیکم ایکادشم - گنہ پیتم - دوادشم منتر نالیے کم - پھُڈتے شرنُوتے - لیس تو گنیش تُوم - اوتر مم - بھار بارتھی - لبھتے - بھاریام - دھنارتھی - ویُولم - دھنم پُترارتھی لبھتے پُترم - مُوکھیارتھی - پرمم - پدم - پچھا کامم تو کامارتھی دھرمارتھی - دھرمم - اکھیے یم -

(۵) شُومُو کھش - بِچیئے کر - ذنتہ شچہ - کپلو گجہ - کرنکاہ - لمبھو دشچہ وِکٹو وِگھنہ راجو - گنا دِپاہ - دُھمر کیتو - گناہ دھیکشو بھالہ چندر دگیا نہ ناہ - دوادشیتے تانی - نامانی - گنے شہ سے مہاتمناہ - یاپھٹیت تنر نویات - وِاپی - سہ لبھیت - سدھیم - اُوتمام - وِدیار مبھے - وِواہے چہ - پرویشے - نرگھمے تتھا سنگرامے - سنکٹے چیو - وِگھنس تسیہ جایتے

سپت شلوکی گیتا

وِشنُو بھگوان کا دھیان کرتے ہوئے پڑھیں :-

(۱) اوم یتے کاکھیرم - برہمہ - دیاہرن - مام - انوسمرن - یاہ - پریاتی تجن دہیے ہم - سہ یاتی - پرمام گتم (۲) ستھانے - ہرشی کیشہ تہ و - پرکرتیا - جگت - پرہرشیتہ - نو - رجیتے چہ - رکھیانسی بھیتانی دِشو - دُرونتی - سروسے - نمہ - سینتہ - چہ - سدھہ - سنگاہ -

(۳) سروتا - پانی پادم - تت سرو تو کھیے - شرد مُوکھم - سرو تاہ - شُرتی مت لوکے - سرو م - آورتی - تشٹھتے -

(۴) کویم - پُرانم - انوشاسِتارم - انورنی یان - سم انو سمرت یاہ سروسی - دھاتارم - اچنتیہ - روپم - آدتیہ ورنم - تمساہ - پرستات

(۵) اُوردھ مُو - مُولم - ادہ - شاکھم - اشوتھم پراہور ادیم چھندانسی یسی - پرنانی یس تم - ویدسہ - وید وِت -

(۶) سرو سی - چاہم - ہردی - سم نِوشٹو - متاہ - سمرتی گیانم - اپوہنم چہ ویدیشچہ - سروئیے - اہم - ایود - دیسلے دیو - ویدانت کرت - وید - وِت - ایوچاہم

(۷) من مناہ - بھو مت بھکتو مت یاجی - مام نمس کورو مام ایو شیہ سی - یو کتیویم - آتمانم - ست - پرایناہ -

ایتی شری مت بھگوت گیتا سُو - اپنشد سُو - برہمہ ودیایام یوگ شاستہرے - شری کرشنا رجن سموادے سپت شلوکی گیتہ سماپتا -

بھگوان شنکر کا دھیان کرتے ہوئے پڑھیں :-

پرنتر تو سمی - مہادیو - پرپہ نو سمی - سداشو - نِواریہ مہا مر - تیوم مرتیو نجیئے نموستوتے (۱۰ بار پڑھیں)

(۲) مرتیو نجیہ - مہادیو - پاہی مام شرناگتم - جنم مرتیو - جرا -

پیرٹم - بھو بندھنات

(۳) کرپورہ گورم - کروناؤ تارم سنسار - سارم - بھوجگیندر ہارم سدا رمنتم - ہردیار - بندھے بھوم - بھوانی - سہیتم نمامی -

شوشٹھ اکھر ستھوتی

(۱) اومکارم - بندوسم - یکتم - نیتم - دھیاین تی - یوگناہ - کامدم موکھیدم چیو - اومکارائے نمو نماہ -

(۲) نمو تی - رشیریو - دیوا نمن تے - اپسرسام - گناہ - نراہ - نمن تی دیوسے شم - نکارائے نمو نماہ -

(۳) مہادیوم - مہاتمانم - مہادھیانم - پرانیم - مہاپاپہ ہرم - دیوم - مکارائے نمو نماہ -

(۴) شوم - شانتم - جگت ناتھم - لوکانوگرہ کارکم - شوم ایکہ - پدم نیتم - شکارائے نمو نماہ -

(۵) واہنم - ورشبھو - یہ سیے - واسوکی - کن ٹھ بھوشنم - وامے شکھتی دھرم - دیے وم - وکارائے نمو نماہ -

(۶) یتر یتر ستھتو - دیواہ - سرو - ویاپی - مہیسے شوراہ - یو - گورو سرو - دیوانام - یکارائے نمو نماہ -

(۷) شسٹھ - اکھرم - یدم - ستوترم - یاہ - پیٹھیت شو - سن ندو - شو لوکم - اواپنوتے - شوینہ سہہ - مودتے -

جگت امبھا کا دھیان کرتے پڑھیں :-

(۱) یا دیوی سرو بھوتے شو - وشنو مائی تر شبدھتا نمس تسیئے نمس تسیئے نمس تسیئے نمو نماہ (۲) یا دیوی سرو بھوتے شو - چیتہ نی تی بھدی یے تی نمس تسیئے نمس تسیئے نمس تسیئے نمو نماہ (۳) یا دیوی سرو بھوتے شو بدھی روپینہ سنستھا نمس تسیئے نمس تسیئے نمس تسیئے نمو نماہ (۴) یا دیوی سرو بھوتے شو - ندرا روپینہ سنستھا - مذکورہ (۵) یا دیوی سرو بھوتے شو کھیودھا روپینہ سنستھا - مذکورہ (۶) یا دیوی سرو بھوتے شو چھایا روپینہ سنستھا مذکورہ (۷) یا دیوی سرو بھوتے شو شکتی روپینہ سنستھا مذکورہ (۸) یا دیوی سرو بھوتے شو - ترشنا روپینہ سنستھا مذکورہ (۹) یا دیوی سرو بھوتے شو کھیانتیہ روپینہ سنستھا مذکورہ (۱۰) یا دیوی سرو بھوتے شو جاتی روپینہ سنستھا - مذکورہ - (۱۱) یا دیوی سرو بھوتے شو لجا روپینہ سنستھا - مذکورہ (۱۲) یا دیوی سرو بھوتے شو شانتی روپینہ سنستھا مذکورہ (۱۳) یا دیوی سرو بھوتے شو شردھا روپینہ سنستھا مذکورہ (۱۴) یا دیوی سرو بھوتے شو کانتی روپیہ د سنستھا مذکورہ (۱۵) یا دیوی سرو بھوتے شو لکشمی روپینہ سنستھا مذکورہ (۱۶) یا دیوی سرو بھوتے شو سمرتی روپینہ سنستھا مذکورہ (۱۷) یا دیوی سرو بھوتے شو دیا روپینہ سنستھا - (مذکورہ) (۱۸) یا دیوی سرو بھوتے شو توشٹی روپینہ سنستھا (مذکورہ) (۱۹) - یا دیوی سرو بھوتے شو ماتر روپینہ سنستھا - مذکورہ - (۲۰) یا دیوی سرو بھوتے شو بھرانتی روپینہ سنستھا نمس تسیئے - نمس تسیئے نمس تسیئے نمو نماہ +

(۲۱) آنند - سندر - پورندر - مکتہ - مالیم - مولو - ہٹینہ نہیہ تم - مہاشا سورسے - پادا بھوجم - بھوترمے - وجیائے منجو منج شنجتہ منوہرم امبھ کا یاہ .

(۲۲) ادتیتہ - ہے - مہ - ردچہ رسے - ترپورے - پونی ہے ہیچے تاہ - چرن تتم - اگوگھ - ونم - لونی ہے - کارگھے نگراہ بندھن - پیرٹر سے - تورت سم سم تو - جھٹ یتی سے - نگرہاس - تردٹن تو -

(۲۳) مایا کنڈلینی - کریا - مدھومتی - کالی - کلا - مالینی - ماتنگی - وجیا - جیا بھگوتی - دیوی - شوا - شامبھوی شکتی شنکر ولبھا - تری نیناہ - واک وادنی - بھیروی - ہریم کاری - ترپورا - پراپرمئی - ماتا کماری تیمسی

(۲۴) مہابھلے - مہوتسائے - مہابھیئے - وتاشینہ - ترائی مام - دیوی دوش پری کھیئے - شترو تام بھیئے وردیینی -

(۲۵) سرو منگلہ - منگلے - بشوے سرو ارتھ - سادھکے - شرنیے - تر مبھیے گوری ناراینی نمو ستھتے -

یندراکھی

یندراکھی - نامہ سادیوی - دیوتا سُم اوداہرتاہ - گوری - شاکمبری -
دیوی - دُرگانامنی تی - وِشروتا - کاتیاینی مہادیوی - چنڈگھنٹا مہا تپا -
ساوتری - سادِ گایتری - برھمانی - برھم وادنی - نارایتی بھدر کالی رودُرانی
کرشنہ پنگلا - اگنی جوالا - رُودر مُوکھی - کالہ راتری تپر سیونی - میگھ شیاما -
سہسر اکھی - وِشنو مایا - جلودری - مہودری - مُوکھتہ - کیشی - گور - رُوپا
مہا بھلا - آنندا - بھدر جا نندا روگ ہرتری - شِو - پریا - شِو دُوتی - کرالی چہ
پرتیکھشہ پرمیشوری - یندرانی - چندر رُوپا چہ - یندر شکھتی پرایتا -
مہیشہ سُور - سمہ ہرتری چامُونڈا گربھ - دیوتا - واراہی - نارسِمہی چہ
بھیما - بھیرو - نادے نی - شُرتی سمرتی - دھرتی - مے دھا - وِدھیا
شکھتی سرسوتی - انن تا - وِجیا - پُورنا - مِلس توشا - پراجتا - بھوانی -
پاروتی - دُورگا - ہیمے - مر - و - تمبیکا شوا - شوا - بھوانی - رودرانی
شنکراردھ - شری رنی -

شری گنیش استوتی

ا - ہیم زاسُوتم - بھجے - گنیشم ایشم - بند نیم
ایکر - دنتر - دِیرہ - تُندرہ - ناگر - یگیہ - سُوتر کم
رکبتہ - گاترہ - دُومرہ - نیترہ - شوکلہ وسترہ تُندےتم

کلپہ، ورکھ، بکھتہ، رکھیے نموستوتے گزانتہ

(۲) پاشہ - پلنے - چکر پانے - مُوخشہ کادِی - رُوہنیم
اگنی کُرٹے - بُریہ جُوتے - وزرہ - کُرٹے - نزلم
چترمالہ بکھتی جالہ - بھالہ چندرہ - بشو بھتم
کلپہ - ورکھ - بھکتہ رکھیے نموستوُتے گزانتہ

(۳) پُوتر - لوے - ہوئے کرے بھرگو - بھارگو ارچیم
دلیے - دہنتے - کالہ - جالہ - لوکر پالہ - ویندے تام
پُورنہ - برھمہ - سُوریہ - ورنہ - پُورشم - پُوراکھم
کلپہ - ورکھ - بھکتہ - رکھیے نموستوُتے گزانتہ

وِشنو - وِریہ - وِشنو سُریہ - وِشنو کرمہ - نرملم
وِشنو - ہرتا - وِشنو کرتا - بتر - تترہ پُوجتم
چُترمکھم - چُتر بھُوجم - سیوتم - چُتر یگم
کلپہ ورکھے - بھکتہ رکھیے نموستُوتے گزانتہ

شنکر استوتی

(۱) ناگیندر ہارانی - تِرلوچنائے بھسانگر راگائی مہیشورائے
دیوادِ - دیوانی - دِگمبرائے تسمیئے نکارائی نماہ شوائے
(۲) ماتنگہ - چرماں بھرت - بھُوشنائے سمستہ گرونتہ - گنار چتائے
ترلوکیہ - ناتھائی - پُورانتکائے - تسمیئے مکارائی نماہ شوائے

(۳) شوا، مُوکھا بھُوجہ - وِکاسنائے، دکھیسی یگیہ سی وِناشکائے
چندر راکرہ - ورشوا - ترلوچنائے - تسمیئے شکارائی نماہ شوائے
(۴) وشیشٹھ کنبھوت - بھو - گوتم ادی مُنرنیند وندیائی گرشوائے
شری نیلہ کنٹھائی - سورشا - دونرلائے تسمیئے وکارائے نماہ شوائے
(۵) یگیہ سُوروپائے - جٹادھرائے - پناکہستائے، سناتنائے
نتایہ شُدھائی - نرنجنائے تسمیئے یکارائے - نماہ شوائے

وِشنُو استوتی

جے نارائنہ، جے پرشوتمہ - جے وامنہ کمسارے
اُودھر - مامہ - سُوریشہ - وِناشن - پتر توہم سنسارے
گھورم ہرمہ - نرکہ رِپو، کیشو کلمشہ بھارم
مام - انو کمپیہ - دینم - اناتھم - کورُو بھو ساگر پارم
جے جے دیوجیا - سُور - سُودنہ - جے کیشو - جے وِشنو
جے لکھشمی - مُوکھ کملہ - مدھُورت - جے دکھہ کندم جشنو
گھورم - برمہ (مذکورہ)

یدپی - سکلم - اہم - کلیامی ہرے - نہیں کم - اپی - سر - ستوم
تت - اپی - سنر - مُونچیتہ - مام - یدم - اچُوتر - پُرسکلتر ممہ تو مم گھم
پُنر - اپی - جننم - پُنر اپی - مرنم - پُنر - اپی - گربھ نواسم
سُودُھم - الم - پُنر - اسمین - مادھو - مام اُودھر نجر داسم - گھم

توم - جنترنی - جنکاہ - پربھور - اچوتہ - توم سوہرت - کولمیترم

توم شرنم شرناگتہ - وتسلہ - توم - بھو - جلہ پروہیترم - گھورم مذکورہ

جنکہ - سوتا - پتی - چرتہ - پرابنہ - شنکر - مونی ورگیتم

دھاریہ - منہ سی - کرشنہ - پرشوتمہ واریہ سرتی بھیتم - گھورم مذکورہ

گوری ستوتی

۱ - لیلا - ربھرس - بتھاپت - لوپتا کھلہ لوکام - لوکاتی تیئے، یوگھیر انتر ہردی مرگیام - بالادیتے - شری نی سمانہ - دیوتی - پونجام - گورم ابھام ابھورہ ہاکھیم، اہم - ایڈے -

(۲) آشاپاشہ - کلیشہ - وناشم - وددانام - پادامبھوجہ دھیانہ - پرانام پرشانام - ایشم - ایشا نگاردھ - ہرام - تام تنو - مدھیام - گورم ابھام - ابھورو - ہاکھیم - اہم - ایڈی -

(۳) پرتیاہار دھیانہ - سمادھے ستھتی - بھاجام - بنیتم چتے بزورتی کاشھام کلہ ین تم - ستیہ - گیانہ - نند - مریم - تام - ترلت آبھام گورم (مذکورہ)

(۴) چندرا - پیڑا - نندتہ - مند - سمتہ - وکترام - چندرا - پیڑا - لنکرت لوکر - لکہ - بھارام - پندرو - پندرا - دیرچتہ - پادا - مبھوجہ یگمام - مذکورہ

(۵) ناناکاریئے شکتی کد مبھے - بھونانی - دیاپلے - سیرم - کری دلستے یاشو - سویم - ایکا - کلیانم - تام - کلپہ - لتام - آنہ تی بھاجام - گورم مذکورہ (۶) مولادھارات، ادتھہ تہ، دن تم - ودی رندرم - سوترم چاندرم دھامہ ولمئے - جولت تم - ستھولام - شوکھمام - شوکھمہ ترام - تام ابھیہ وندیام - گورم ابھام (مذکورہ)

(۷) آدسے - کھیانتام - اکھر - مورتیا - دلہ سن تم - بھوستے بھوستے بھوتہ - کدمبم برسر وترم - شبدھ - برہانند مریم - تام ابھرامام - گورم (مذکورہ)

۸ - لیسیا - گوکھیو - لینم - اکھنڈم جگت انڈم - بھولو - بھویاہ پردور، ابھوت - ایتم ایو - بھیرتر بعاندھم - تام سپھ بکار - دروہ دیمہ - رانتم - گورم (مذکورہ) ۹ - لیسیام الے تت - پروتم - اشی شم - منی مالا - سوترے - یت - وت - گواپی - چرم چاچم رم چیہ - تام ادھیاتمہ - گیانہ - پدیاگمہ نی یام - گورم (مذکورہ)

۱۰ - نتیا - ستیو - نشکلہ - ایکو - جگت الیشاہ - ساکھی لیساہ - مرگہ وِدھو، سم ہرنے چہ - وشو ترانہ - کربدھہ - شی الام - بشوپترنم - گورم (مذکورہ) - (۱۱) پوجا کلے، بھاؤ - وشودھم - دھانو - بھکتیا - نیتم جلیتی گوری دشکم یاہ - واچام - سدھیم - یمپتم - اُدیشچیئے - بشو بھکتم - تسیاہ دشم - پروتہ - پُرتری - بدھ - دھاتی -

---

اتی بھیش کٹو بھاشن یم کیتکر پٹلی

کرت تاڑن پر ریبیڈن مرنا گم سمیئے

اُمیا سہہ مم چیتسی یم شاسن نوسن

شیو شنکر ہے گنگا دھرہ ہرمے ہر دُرمیتم

اتی دُرنیہ چھوڑلینہ رپُو سنچیہ دہلے

پُونا کرکش کو جلیتی کھل گرہن چلیتو

شیو یا سہہ مم چیتسی یم شاسن نوسن

شیو شنکر بشو جی شنکر ہر سے ہر دُرمیتم

بھو بھنجن سُر رنجن کھل دنجن پُور ہن

دنو جانتک مدھو ناشک ردی جانتک بھگون

بگر جا ور کرد ناکر پرمیشور بھیہ ہن

بشو شنکر ہے گنگا دھرہ ہر سے ہر دُرمیتم

تشکر شاسن کرت شاسن چتراسن ونسیئے

کلی دگرہہ بھوہ دُرگرمہ رپو دُرلبھ سمیئے

رو جر کھیتر یہ ونیتا خشو دھر کمپتہ ہر دیلے

شیو یا سہہ مم چیتسی یم شاسن نوسن

شیو شنکر شیو جی شنکر ہرمے ہر دُرمیتم

شری کرشن ستوتر

اچیوتم کیشوم رام نارا ینم !

کرشن دامودھرم واشو دیوم ہریم

شری دھرم مادھوم گوپی کا ولبھم ۔ جانکی نایکم رام چندرم بھجے ۔

اچیوتم کیشوم ستیہ بھا مادھوم ۔ مادھوم شریدھرم رادیکا رادھیتم

اندرا مندرم چیتسا سُندرم ۔ دیوکی نندنم نندجم سندد ھے

وِشنوے جشنوے شنکھنے چکرنے ۔ رُکمنی راگنے جانکی جلنیے

ببھی ولبھا یارچتا یلتمنے ۔ کمس وِدھومسنے دمشنتے نماہ

کرشن گوویند ہے رام نارلینے ۔ شری پتے واسُدیو واجتے شری ندھے

اچیونانت ہے مادھوا دھیبو بھجے ۔ دوارکا نایک دروپدی رکھیکا

راکھشسے کھیو بتا سیتیا شوبھتو

ونڈکا رنیہ بھو پدنیہ تا کارنا !

لکشمنے نو تو دانریہ سیوِ تو !

اگستیہ سمپوجتو راگھوا پاتو مام

دھیونکا ارشٹکا نِشٹہ کرت ولیشہ ہا

کیشی ہاکمس ہرت ومشکا وادکا

پُوتنا کوپکا سُورجا کھیلنو

بال گوپالکا پاتو مام سرودا

ودھیوت اُدھیوت وَت پریسفرت واس سم

پراویڈم بھوودوت پرولست وگرہم

دُنیا مالیا شوبھتو راستھلم

لوہستانگ گردیم دارجا کہم نبھجے

کنچتا کن تیبر ۔ براجمانا نتم ۔ رتن مولیم نُست کنڈلم گنڈیو ۔ ہار کے پورکم کارکن پرجھلم ۔ کن کنی منجھولم شالم تے بھجے

(نوٹ) جو پرُش اس اتی سندر چھند والے ادرا بھیشٹھ پھلدا ایک اچیوتا اشٹک کو پریم اور شردھا سے روز پڑھتا ہے ۔ وشمبھ وشیو کرتا شری ہری جاری ہی اُس کے دشی بھوت ہو جاتے ہیں ۔

شمبھو بھوے ناتھ جی جٹا دھاری ناتھ جی آئے ہیں ہم شرن تیری کرپا کرو شیو ناتھ جی

جٹا جوٹ سے گنگا نکلی چرنوں نیر بہائے او ۔ انگ ۔ بھوت رما کر پربھو جی بیٹھے دھونی لگائے ہو

شیو مستک پر چندر وراجے ڈمرو ڈم ڈم باجے ہو ۔ کر میں لے کر ترشول پربھو جی دکھیوں کے دُکھ ہرتے ہو

ہاتھ میں کنگن کانوں میں کنڈل گلے منڈ من کی مالا ہو ۔ بھکتوں پر کر دیا پربھو جی بھکتی لا پھل دیتے ہو ۔

تم کو نش دن دھیاوت ہے جو من وانچھت پھل پاتے ہیں ۔ پاپ مٹا کر ان کے من سے چرن کمل میں رکھتے ہو ۔

اوم جے جگدیش ہرے

بھگت جنوں کے سنکٹ چھن میں دُور کرے

جو دھیاوے پھل پاوے، دُکھ بنسے من کا

مات پتا تم میرے شرن گہوں کس کی

تم پُورن پرماتم ۔ تم انتر یامی

تم کرونا کے ساگر، تم پالن کرتا

تُم ہو ایک اگوچر، سب کے پران پتی

دین بندھو دُکھ ہرتا تم رکھشک میرے

وشے وکار مٹاؤ پاپ ہرو دیوا !

اوم جے جگدیش ہرے

پربھو جے جگدیش ہرے

اوم جے جگدیش ہرے

سُکھ سمپتی گھر آئے کشٹ مٹے تن کا ۔ اوم جے جگدیش ہرے

تم بن اور نہ دُوجا آس کروں جس کی ۔ اوم جے جگدیش ہرے

پار برہم پرمیشور تم سب کے سوامی ۔ اوم جے جگدیش ہرے

میں سیوک تم سوامی کرپا کرو بھرتا ۔ اوم جے جگدیش ہرے

کس بدھ ملوں دیالو تم کو میں کمتی ۔ اوم جے جگدیش ہرے

اپنے چرن لگاؤ ۔ دوار پڑا تیرے ۔ اوم جے جگدیش ہرے

شردھا بھگتی بڑھاؤ ۔ سنتن کی سیوا

اوم جے جگدیش ہرے ۔

شبھ مہورت

بہی کھاتہ و نیا دوکان کھولنا	انراد۔ روہن۔ تیلش۔ اتر۔ مرگشور۔ تیش۔ ہست۔ چتر۔ ریوت۔ یہ نکھتر شبھ پھل دایک ہیں۔ چورم۔ چوداہ۔ ماوس۔ ماسانت سنکرانتی کو چھوڑ کر تتھیاں اور منگلوار کا دن بہی کھاتہ اور نیا دوکان کھولنے کے لئے نشید ہیں۔
چارج لین دین	اشن۔ مرگشور۔ چتر۔ ہست۔ تیش۔ انراد۔ ریوت نکھتر بدھ وار۔ گروار اور شکروار شبھ پھل دایک ہیں۔ چورم۔ چوداہ۔ ماوس ماسانت اور سنکرانتی تتھی نشید ہیں۔ باقی تتھیاں شبھ پھل دایک اور فائدہ مند ہیں۔
خرید و فروخت	ریوت۔ تین اتر۔ مرگشور۔ اشن۔ ہست۔ سوات۔ انراد۔ تیش۔ شرون۔ پور۔ یہ نکھتر اور منگلوار کو چھوڑ کر سب فروخت کے لئے اوتم ہیں۔ چورم۔ نوم۔ چوداہ۔ ماسانت اور سنکرانتی نشید ہیں۔
روپیہ قرض پر دینا اٹھوا لینا	ماوس۔ ماسانت اور سنکرانتی کو دیا ہوا دھن واپس نہیں آتا ہے منگلوار کو قرضہ ادا کرنا اچھا ہوتا ہے بدھ کو قرضہ نہیں دینا چاہیئے۔ سواتی۔ پنیروس۔ روہن۔ تین اتر۔ وشاکھ۔ تیش۔ شرون۔ دہنشٹھ۔ شتبشک اور نکھتر میں قرضہ لینا دینا شبھ پھل دایک ہے۔
نوکری ترقی وغیرہ کیلئے درخواست اور اپیل کرنا	منگلوار۔ سنیچروار کو چھوڑ کر باقی وار میں چورم نوم چوداہ ماوس ماسانت اور سنکرانتی چھوڑ کر باقی تتھیاں اشن۔ روہن۔ تیش۔ ہست۔ چتر۔ مرگشور۔ انراد۔ ریوتی۔ سوات۔ مول۔ تین اتر۔ تین پور شبھ پھل دایک ہیں۔
ہل چلانا	چورم۔ نوم۔ چوداہ۔ ماوس۔ ماسانت سنکرانتی منگلوار۔ سنیچروار اور اتوار کو چھوڑ کر اشنی۔ روہنی۔ مرگشور۔ پنروس۔ تیلش۔ تین اتر۔ ہست۔ انراد۔ سوات۔ وشاکھ۔ مول۔ شرون۔ دہنشٹھ۔ شتبشک اور ریوت نکھتر شبھ پھل دایک ہیں۔
بیج بونا	چورم نوم چوداہ ماوس سنکرانتی اور منگلوار کو چھوڑ کر باقی تتھیاں اور وار اشن مرگشور تیش۔ تین اتر۔ ہست۔ چتر۔ سوات انراد مول دہنشٹھ ریوتی اوتم نکھتر ہیں۔
فصل کاٹنا	چورم اور سنکرانتی تتھیوں کو چھوڑ کر سوموار بدھ وار گروار اور شکروار برن کر کے مرگشور اور تیش اور اسلیش۔ تین اتر اور تین پور۔ انراد۔ شرون۔ دہنشٹھ۔ مول۔ ہست۔ چتر۔ سوات شبھ پھل دایک ہیں۔
دوائی کھانے کا مہورت	چورم کی تتھی کو چھوڑ کر باقی تتھیاں سوموار۔ گروار۔ اشن۔ مرگشور۔ پنروس تیش۔ اسلیش مگ۔ تین اتر۔

تین پور۔ شرون۔ دنشٹ۔ شتبھشک اور ریوت نکھشتر دوائی استعمال کرنے کے لئے فائدہ مند رہیں گے۔

نیا اناج کھانے کا مہورت

چورم۔ نوم تتھی چھوڑ کر سوموار۔ بدھ وار گوروار۔ شکروار۔ اشن۔ مرگشر۔ پنروس۔ تیش

چتر۔ انرادھ۔ ہست۔ دنشٹ شتبھشک اور ریوت نکھشتر اوتم ہیں۔

گائے پرسوتی

ہیمنت میں شنیچروار۔ ششر میں سوموار۔ وسنت میں گوروار۔ گرمی میں اتوار۔ ورشا میں منگلوار۔ شرت میں بدھ وار اور سارے موسموں میں شکروار پر جب گائے پرسوت ہوگی۔ تب گھر کا سوامی سب پریوار کے ساتھ تکلیف میں ایک سال تک رہے گا۔

وستر سونا وغیرہ پہننے کا مہورت

اشن۔ روہن۔ پنروس۔ تیش۔ تین اترہ۔ ہست

چتر۔ سوات۔ وشاکھ۔ دنشٹ ریوت پر نکھشتر اتوار۔ بدھ وار۔ گوروار۔

شکروار، ان واروں میں چورم نوم چودہ یہ دن چھوڑ کر وستر سونا وغیرہ دھارن کرنا اچھا ہے۔ پرنتو لال ورن وستو ہو تو منگلوار اچھی ہے۔

جھولا میں رکھنے کا مہورت

۳۲، ۱۲، ۱۶، ۱۸، ۱۰، ان دنوں میں تتھا سوموار بدھوار گوروار

شکروار اور اشن۔ روہن۔ مرگشر۔ تیش۔ تین اترہ۔ ہست، چتر، انرادھ، ریوت ان نکھشتروں پر جھولا میں سلانا اچھا ہے۔

گھوڑا۔ بگی اور ہاتھی وغیرہ پر چڑھنے کا مہورت

روہن۔ پنروس۔ تیش تین اترہ۔ ہست۔ چتر

سوات، وشاکھ انرادھ۔ دنشٹ۔ شرون۔ ریوت +

شالی کاٹنے کا مہورت

بھرن، کرچ، مرگشر، آدر، تیش، اسلیش، مگھ، تین اترہ، ہست، چتر، سوات، دنشٹ، شرون، مول، شتبھشک، ریوت

ان نکھشتروں پر منگلوار سنیچروار یہ دو وار چھوڑ کر تتھا چورم نوم چودہ ماوس یا شیم ۱۱ ان

کس بھاؤ میں کیا دیکھا جائے؟

بھاؤ	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲
نام	مورتی	کوش	دھنوی	واہن	منتر	شترو	مارگ	آیو	من	دیوہار	پراپتی	اپراپتی
کیا دیکھنا	تن	دھن	پراکرم	سواری	ودیا	روگ	یاتر	مرتیو	نتہ کرن	کاروبار	لابھ	خرچ
پتا بیٹے	.		براتا	ماتا	سنتان	ماما	پتی پتنی		بھاگیہ	پیتا		

جنم لگن جاننا

جنم لگن جاننے کے لئے اگر پرشن کرے تو لگن سے ۱، ۵، ۹ میں جو راشی ملی ہو وہی جنم لگن سمجھنا یا پرشن کرتا جس انگ کو چھو کر پرشن کرے اس انگ کی راشی ہی جنم لگن ہے۔

برہمہ یگیہ جینتی [شری گنیش مہایگیہ]

جیشٹھ کرشنہ پکھ (سروشدھی چتردشی) کو براہمن مہامنڈل کشمیر کے زیر اہتمام جگت کلیان کے لئے گنپت یار سرینگر میں بڑی دھوم دھام سے رچایا جا رہا ہے اس دن جگت امبا پاروتی جی نے ہمالیہ سے جنم لیا اس دن ورت دھارن کرنے سے ناری جنم بھر سکھ اور سوبھاگیہ پراپت کرتی ہے۔ (پرکاشن وبھاگ براہمن مہامنڈل کشمیر)

مول گنڈانت پھل و مول ورکھ

گنڈانت وچار | اشن۔ ریوت۔ اسلیش۔ مگ زشٹ مول یہ گنڈانت نکھتر ہیں۔

اگر بالک کا جنم گنڈانت میں ہو تو مشکل سے ہی زندہ رہتا ہے یا روگی رہتا ہے۔ ماتا کو دکھ اور خاندان کو بھی دکھ دیتا ہے۔ اس کے لئے وشدھی سنان کا اوپائے کیا گیا ہے۔ جس سے بالک دھن دانیہ اور یش دایک ہوتا ہے۔ **مول پاد پھل**۔ مول نکھتر کے پہلے پاد میں بالک پیدا ہو تو باپ کے لئے۔ دوسرے پاد میں ماتا کے لئے۔ تیسرے پاد میں دھن کے لئے ہانی کارک ہوتا ہے۔ چوتھے پاد میں شبھ پھل دایک ہوتا ہے۔

مول نکھتر کی پہلی ۴ گھڑیوں تک مول نکھتر مول ورکھ کے جڑ پر رہتا ہے۔ پھر ۷ گھڑی تک تنے پر اور پھر ۸ گھڑی تک کھال پر۔

مول واس کا پھل | چیت۔ ساون۔ کتک اور پوہ ماس میں مول کا نواس زمین پر ہوتا ہے۔ بیساکھ۔ جیٹھ۔ مگھر اور فاگن میں مول کا واس پاتال میں ہوتا ہے۔ ہار اور بھادون اسوج اور ماگ کا نواس سورگ میں ہوتا ہے۔ سورگ میں مول ہو تو راج پراپتی۔ پاتال میں دھن پراپتی اور پرتھوی پر کشٹ۔

مول اور گنڈانت کے نوارن اوپائے | ان دوشوں کی شانتی کے لئے شانتی یاگ اور اوشدھی سنان کرنے چاہئیں۔ اگر بالک کا جنم دن میں ہو تو باپ کے ہمیت۔ اگر رات میں ہو تو ماتا کے سمیت اگر دونوں سندھیاؤں میں ہو تو ماتا پتا سمیت بالک کو اوشدھی سنان کرنا چاہیئے۔ اگر بچے کی لگن کنڈلی میں برہسپتی یا شکر۔ کیندر (۱، ۴، ۷، ۱۵) میں یا ترکون (۵، ۹) میں ٹھہرا ہو تو کچھ برائی نہیں کرتا۔ اس کے لئے سونے کی وشنو پرتیما بنا کر کانسی کے پاتر میں گھی میں ڈال کر دان کرنا چاہیئے +

بل دیکھنے کا طریقہ۔ جنم کنڈلی میں اگر کرور گرہ (سوریہ۔ منگل۔ شنی۔ راہو۔ کیتو) لگن میں چوتھے۔ ۷ویں۔ ۸ویں۔ ۱۰ویں اور ۱۲ویں ستھان میں ہوں۔

تو ایک گرہ کا ایک بل سمجھا جاتا ہے۔ اسی طرح چندرما سے بھی ۱، ۴، ۵، ۸، ۱۲ گھر میں جتنے پاپ گرہ ہوں اتنے بل ماننے چاہیئیں۔ برہسپتی اور شکر ایک گھر میں ہوں تو ایک بل۔ بھوم اور برہسپتی اکٹھے ہوں تو ایک بل مان لیجیئے۔ اس کے علاوہ لڑکے کی جنم کنڈلی میں شکر کا پاپ گرہ کے ساتھ ایک بل ہے۔ لڑکی کی جنم کنڈلی میں چندرما کو پاپ گرہ کے ساتھ ایک بل ہے اور مرد کے لئے شکر سے ۴، ۸ گرہ میں جتنے کرور گرہ ہوں۔ اُتنے بل سمجھ لو۔ راکھس جاتی بھی ایک بل ہے دونوں ور اور کنیا کے بل سمان ہونے پر وِواہ شبھ پھل دایک ہوتا ہے۔

مول نکھتر وچار

نواس	پاتال	مول نواس چکر (سورگ)	پرتھوی
جنم ماس	بیساکھ۔ جیٹھ۔ مارگ۔ پھاگن	ہاڑ۔ بھادوں۔ اسوج۔ ماگھ	چیت۔ ساون۔ کاتک۔ پوہ
لگن	متھن۔ کن۔ طول۔ مین	ورکھ۔ ورچک۔ سنگھ۔ کمبھ	میش۔ دھن۔ کرکٹ۔ مکر
پھل	اشبھ	شبھ	شبھ

دیکھنے کا طریقہ:۔ مول پر پیدا ہوئے بچے کا جنم اگر بیساکھ میں ہو تو مول کا نواس پاتال میں اگر ہاڑ میں ہو تو مول کا نواس سورگ میں۔ مول پر پیدا ہوئے بچے کا جنم متھن لگن پر ہو تو مول کا نواس پاتال میں اگر دونوں جنم لگن اور جنم ماس سے مول کا نواس پاتال میں ہو تو ادھک اشبھ پھل۔ سورگ پر مول نواس ہونے سے شبھ پھل

مول ورکھ وچار

نواس	مول	ستنبھ	توچا	شاخا	پتر	پھول	پھل	چوٹی
گھنٹہ	۲ تک	۳ تک	۴ تک	۴ تک	۴ تک	۲ تک	۱ تک	۱ تک
منٹ	۴۸	۱۲	۰	۲۴	۴۸	۰	۳۶	۱۲
پھل	ہانی	ہانی	ماتا پیڑا	مان ہانی	راج لابھ	منتری	راج لابھ	الپ آیو

دیکھنے کا طریقہ:۔ جب سے مول شروع ہو تو پہلے ۲ گھنٹہ ۴۸ منٹ تک مول کا نواس ورکھ کے مول پر ۶ گھنٹہ تک تنے پر ۹ گھنٹے سے ۱۰ گھنٹے تک توچا پر پہلے ۲ گھنٹہ ۴۸ منٹ تک مول کا نواس مول پر ہونے ہانی کارک ہے (ابھوکت مول دیکھنے کا طریقہ) مول نکھتر شروع ہونے سے پہلے ۴۸ منٹ سے ابھوکت مول شروع ہوتی ہے اور مول شروع ہونے کے پیچھے ۴۸ منٹ گذرنے پر ابھوکت مول ختم ہوتی ہے جو کہ ۱ گھنٹہ ۳۶ منٹ رہتی ہے مول کب شروع اور کب ختم ہوتی ہے۔ نکھتر پتری کے ساتھ درج ہے ابھوکت مول اتھوا مول نکھتر پر پیدا ہوئے بچے کی شانتی کرانی ضروری ہے خواہ بچے کا جنم مول کسی پاد پر کیوں نہ ہو۔ مول نکھتر پر پیدا ہوئے بچے کی شانتی ۲۷ویں دن کرنی ضروری ہے اگر کسی خاص کارن سے شانتی ۱۲، ۱۱، ۱۰ ہوسکے تو ایک ورش کے اندر سوموار بدھوار گوروار شکروار کو مول نکھتر پر ہی بھاودی شانتی کرائیں۔ اس پرکار اسلیش ۴۴

۵۴ نکھتر پر پیدا ہوئے بچہ کی شانتی اسلیش نکھتر پر ہی کرانی چاہیئے۔ مول کی پہلا پاد راتری میں ہو تو پتا کے لئے ہانی کارک نہیں۔ دوسرا پاد دن میں ہو تو ماتا کے لئے ہانی کارک نہیں ہوتا ہے۔

مدھیان دیکھنے کا طریقہ مدھیان اکثر اُسی وقت دیکھا جاتا ہے جس دن تھی دلوا ہو جس دن کا مدھیان (باقی صفحہ ۵۵ پر)

دیکھنا ہو۔ اُس دن کی تِتھا اُس دن سے پہلی کی تِتھی کے گھڑی پل جوڑ کر اگر دن مان کی گھڑی و پل سے کم ہو تو مدھیان پہلی تِتھی کو ہوتا ہے یعنی شرادھ آدی کا ورت پہلے دن ہوگا۔ اگر جوڑ کے گھڑی و پل دن مان کی گھڑی و پل سے زیادہ ہو تو ورت آدی اسی دن ہوگا۔ پہلے دن نہیں۔

شکر برہسپتی کے است تھا ملہ ماس میں نِشِدھ کاریہ

تالاب۔ کنواں اور مکان کا آرمبھ اور ان کی پرتشٹھا ورت شروع کرنا، مہا دان، جات کرم، نام کرم، منڈن سنسکار، کرن چھید، ودیا آرمبھ، دیوتا استھاپن۔ وِواہ۔ اپورو۔ دیو درشن، سنیاس، چتر ماس پر یوگ اور دوسرے شبھ کاریہ کرنا شکر است برہسپتی است اور ملہ ماس میں نشید ھ ہے۔

سنکرانتی کے مطابق اَن کا بھاؤ دیکھنا

جس نکھتر اور تِتھی پر سنکرانتی ہو اُس نکھتر تِتھی اور وار کے ہندسوں کو جوڑ کر ۳ سے ضرب دیکر ۳ سے تقسیم کریں اگر باقی جفت بچے تو ان کا بھاؤ تیز ہوگا۔ اگر طاق بچے تو سست اور اگر باقی نہ بچے تو بہت مہنگا رہے گا۔

نام راشی دیکھنے کا طریقہ

جو نام ہو اُس کا پہلا حرف چکر میں دیکھیں کہاں ہے۔ اُسی کی سیدھ میں نام راشی لکھی ہے۔ یہ نام راشی بدھ، دیوہار، لابھ دہانی، بیوپار، راج سیوا آدی میں کام آتی ہے۔

{ جنم راشی۔ وِواہ، یگیو پویت، یاترا، منڈن آدی شبھ کاریوں میں ہی دیکھی جاتی ہے }

میش	ورِش	متھن	کرکٹ	سِمہ	کن	طول	ورچک	دھن	مکر	قونب	مین	راشی
ا- لُو لے- لو لی- لا چو- چے چوم	بو- بے بو- بی ب- او ای- اے ای	ہ- کو- کے چھ- گھ کو- ک کہ	ڈو- ڈے ڈو- ڈی ڈا- ہو ہے- ہی	ٹ- ٹو ٹی- ٹا مو- مے مو- می م	پر- پلے ٹھ- تھ شھ- پو پی- ت ٹوڑھ	تے- تے تی- تا رو- ئے ری ر	یو- یی یا- تو- نی نو- ن تو	بھے پھر- دھ بھو- بھی بھا- یے بی..	گا- گی کھو- کھی کھا- جو جے- جو ج	دیھو سے- سو سی- س گے- گو	چی- چ دو- دے جھ- تھ دو- دی	نام کا پہلا حرف

سنکلپ وِدھی { جب آپ کے سامنے کارن وش گورو مہاراج نہ ہو اور آپ کو سنکلپ کرنا ہو تو ذیل کے دئے ہوئے وِدھی انوسار کاریہ کریں۔ جنیو بائیں طرف رکھ کر "تت است برہمہ ادے تا دت تتھوادے، ماس، پکھ، وار اور جس کے نِمت سنکلپ کرنا ہو اُس کا نام گوتر اچارن کر کے یِہم انم سہ لونم پتھلم سہ دکھشنا

جنم کے وقت بارہ لگنوں کا پھل

۱۔ میش لگن — اگر میش لگن ہو تو منہ کی شوبھا شام رنگ کی۔ آنکھیں کا چر چنچل والی۔ قد چھوٹا۔ پکا جسم۔ ماں کا منہ مشرق کی طرف۔ مکان پرانا۔ عورتیں طاق۔ ماں کے کپڑے لال رنگ کے ہوں۔ پہلا اچھا بھوجن کیا ہو۔ بالک جنم کے پیچھے زور کی آواز سے روتا

۲۔ ورش لگن — بالک گورے رنگ کا۔ سندر روپ والا۔ عورتیں طاق۔ ماں کا سر دکھن کی طرف۔ مکان نیا۔ ڈیوڑھی کا دروازہ دکھن کی طرف۔ ماتا کا کپڑا اسفید اور چاندی کے زیورات۔ پہلے ساگ کا بھوجن کیا ہو۔ بالک اونچی اونچی آواز سے رویا ہوگا۔

۳۔ متھن لگن — آنکھیں خونی عقل عجیب۔ مزاج چنچل۔ وات کف مزاج والی۔ عورتیں طاق۔ ماتا کا مکھ پچھم کی طرف۔ تھنوں میں دودھ تھوڑا۔ ماتا کے دائیں انگ میں نشان، پہلے نمکین بھوجن کیا ہو۔ وستر پرانا۔ مکان کا دروازہ پچھم مکھ۔ بالک نے اونچی آواز سے رویا ہوگا۔

۴۔ کرکٹ لگن — گور و ورن۔ بڑھی ناک۔ قد چھوٹا۔ کومل شریر۔ ضدی۔ ہٹی۔ کرودھی۔ اور چنچل ماتا کا مکھ دکھن کی طرف۔ سونے کے زیورات۔ بالک کے پیٹ پر نشان ؛

۵۔ سیہم لگن — بال بہت۔ ٹیڑھی ناک۔ قد چھوٹا۔ کومل شریر۔ ماتا کا مکھ دکھن کی طرف۔ سونے کے زیورات۔ کھٹا بھوجن کیا ہو۔ عورتیں طاق۔ نیا مکان۔ بالک کے پیٹ پر نشان ؛

۶۔ کن لگن — رنگ گورا۔ ٹانگ میں نشان۔ ماتا کا مکھ اتر کی طرف۔ عورتیں جفت۔ لال کپڑوں سے یُوکت ہو۔ باپ گھر سے باہر۔

۷۔ طول لگن — بالک کا رنگ زرد۔ شریر پر پھوڑے۔ دُبلا شریر۔ ماں باپ تکلیف میں۔ گھر میں لڑائی جھگڑا۔ ماں کا مکھ پچھم کی طرف۔ عورتیں ۳-۷ ایک کنواری لڑکی بھی چاہئے کا بھوجن کیا ہو۔ پرانے کپڑے پہنے ہوئے۔

۸۔ ورچیک لگن — کا چر رنگ۔ آنکھیں لمبی۔ اونچا ستنک والا۔ ماتا کے بھوشن پہنے ہوں عورتیں چار۔ ماتا کا سر پورب کی طرف۔ ماتا اور پتا تکلیف میں۔ پرانا خونی کپڑا۔ گھر کا دروازہ اتر کی طرف۔ بالک کے پیٹ میں نشان ہوں گے۔

۹۔ دھن لگن — رنگ گورا۔ سندر روپ والا۔ وشال آنکھیں۔ ماتا کا مکھ اتر کی طرف لال کپڑے چاندی کے زیورات، عورتیں چھ۔

نیا مکان۔ دروازہ دکھن کی طرف۔ پکوان بھوجن کیا ہو۔ بالک کے دل پر نشان اور بالک نے اونچی آواز سے رویا ہو۔

۱۰۔ مکر لگن — بہت کیش والا۔ موٹی ناک والا۔ اونچے بال۔ ماتا کا سر دکھن کی طرف۔ پرانا کپڑا۔ ساگ بھوجن و صاف جل بھی ہو۔ عورتیں چار یا چھ۔ پرانا گھر۔ دروازہ اُتر کی طرف۔ بالک نے تھوڑا شبد کیا ہو۔

۱۱۔ قونب لگن — قد چھوٹا۔ ہونٹ موٹے۔ لمبے بال۔ آنکھوں میں روگ۔ ماتا کا مُنہ پچھم کی طرف۔ عورتیں تین۔ تساک کا بھوجن کیا ہو۔ باپ گھر میں نہ ہو۔ بالک نے تھوڑا رویا ہوگا۔

۱۲۔ مین لگن — چپٹی ناک۔ بال اونچے۔ کا تیز آنکھیں۔ ماتا کا مکھ اُتر کی طرف۔ باپ گھر میں پہلے ۲ عورتیں ہوں بعد میں ۵ عورتیں آئی ہوں۔ پلنگ کا پایا ٹوٹا ہوا ہو۔ بالک نے دیر سے رویا ہوگا۔

اوستھا چکر

۳۰	۲۴	۱۸	۱۲	۶	انش
مرت اوستھا	اوستھا وردھ	یووا اوستھا	کمار اوستھا	بال اوستھا	وشم راشی
بال اوستھا	کمار اوستھا	"	اوستھا وردھ	مرت اوستھا	سم راشی

گرہوں کے نام

کیت	راہ	شنیچر	شکر	برہسپت	بدھ	بھوم	چندرما	سوریہ	ہندی
ذنب	راس	زحل	زہرہ	مشتری	عطارد	مریخ	قمر	شمس	فارسی
ڈسنڈنگ ناڈ	اسنڈنگ ناڈ	سیٹرن	مرکری	جوپیٹر	وینس	مارس	مون	سن	انگریزی

سم وشم راشی چکر

وشم	قونب	دھن	تول	سنگھ	متھن	میش	وشم راشی
سم	مین	مکر	ورچک	کن	کرکٹ	دریش	سم راشی

گرہوں کی اوستھا

جنم پتری میں پہلا دلیش کے لئے گرہوں کی اوستھا دیکھنی بھی لازمی ہے اوستھائیں ۵ ہیں (۱) بال اوستھا (۲) کمار اوستھا (۳) یووا اوستھا (۴) وردھ اوستھا (۵) مرت اوستھا۔ بال اوستھا اور وردھ اوستھا میں گرہ کمزور رہتا ہے۔ مرت اوستھا کا گرہ نہیں کے برابر پھل رکھتا ہے۔ فرض کریں کسی جنم پتری میں منگل لگن ہے پرنتو مرت اوستھا میں ہے مرت اوستھا میں ہونے سے تنریہ کو کچھ وشیش کشٹ نہیں ہوگا ایسے ہی برہسپتی دویں گھر میں مرت اوستھا میں ہے تو دویا سنتان سکھ کے لئے لابھدایک نہیں ہے [**اوستھا دیکھنے کا طریقہ** } اوستھا دیکھنے کے لئے گرہ سپشٹ کی آوشکتا ہوتی ہے گرہ سپشٹ بنانے کا طریقہ اس جنتری میں درج ہے۔ وشم راشی میں ٹھہرا ہوا گرہ ۰ سے ۶ انش تک بال اوستھا میں ۶ سے ۱۲ انش کمار اوستھا۔ فرض کریں آپ کی جنم کنڈلی میں سوریہ میش راشی کے ۱۰ انش تک ہے میش چونکہ وشم راشی ہے ۶ انش سے ۱۲ انش تک کمار اوستھا میں ہونے سے ۱۰ انش کا سوریہ

جنم کنڈلی کے ۱۲ گھروں میں سوریہ وغیرہ گرہوں کا مختصر پھلادیش دیکھنے کا نقشہ

گرہ	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲
سوریہ	بہادر آہستہ کام کرنے والا دیا ہین	دھنوان مقدمہ بازی کرنیوالا	ادھک بدھی خوب محنت کرنے والا	ہمیشہ دکھی و چنچل من والا	سنتان ہین نردھن	دشمنوں کو جیتنے والا	عورت کے ماتحت رہنے والا	آنکھوں میں تکلیف	اولاد اور دھن کا سکھ	ہر پرکار سکھ اور شانتی	دھن والا اور فراخدل	کمینہ خیالات فضول خرچ
بھوم	شریر میں چوٹ ضدی سوبھاؤ	نیچ کے ذریعہ گذارہ چلانیوالا	//	//	//	//	//	//	پاپ کرمی دھوکہ باز	//	//	//
شنیچر	درد روگی	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//
چندرما	گونگا کرودھی آنکھوں میں تکلیف	ادھک بال بچے والا	دردری نمر دیہہ	سکھی جیون بنانے والا	اولاد سکھ اور وددوان	بہت دشمن والا	دوسروں کو دکھ دینے والا کامی	چنچل روگی رہنے والا	پترمتر رشتہ دار کو سکھ دینے والا	دھنوان دھرماتما	شہرت دھرم دھن والا	نیچ سوبھاؤ اور کسی انگ میں نقص
بدھ	وددوان	دھنوان	دشٹ	پنڈت	وزیر بدھی	//	دھرماتما	شہرت والا	اولاد سکھ دھرماتما	سکھی	دھنا ڈھیہ	کمینہ خیالات والا
برہسپت	وددوان	میٹھا بولنے والا	کنجوس	سکھی	//	//	سپوت	نیچ کرمی	تپسوی	دھنوان	//	//
شکر	کامی	//	//	سکھی	سکھی	//	جھگڑالو کامی	//	//	//	//	//

دیکھنے کا طریقہ:- اگر جنم کنڈلی میں سوریہ پہلا ہو تو بہادر آہستہ کام کرنے والا دیا ہین چندرما پہلا ہو تو گونگا کرودھی آنکھوں میں تکلیف نوکری کرنے والا اگر ۹ واں ہو تو متر

کس گرہ کا پھل کس کام کے لئے دیکھنا چاہیئے

سوریہ	چندرما	بھوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر	راہو	کیتو
افسر کے پاس جانے کے لئے	ہر ایک شبھ کام کے لئے	لڑائی - جھگڑا مقدمہ	تعلیم وغیرہ کے لئے	یگیہ پویت دواہ کے لئے	یاترا کے لئے	گورو منتر کے لئے	کوئی نیچ کام	کوئی نیچ کام

درشٹی چکر

درشٹی	سوریہ	چندرما	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر
پرتکھشیہ متر درشٹی	۵ ۹	۵ ۹	۵ ۹	۵ ۹	۵ ۹	۵ ۹	۵ ۹
گپت " "	۳ ۱۱	۳ ۱۱	۳ ۱۱	۳ ۱۱	۳ ۱۱	۳ ۱۱	۳ ۱۱
پرتکھشیہ شترو "	۱ ۷	۱ ۷	۱ ۷	۱ ۷	۱ ۷	۱ ۷	۱ ۷
گپت " "	۴ ۱۰	۴ ۱۰	۴ ۱۰	۴ ۱۰	۴ ۱۰	۴ ۱۰	۴ ۱۰

دیکھنے کا طریقہ:- ورش کنڈلی میں سوریہ چندرہ وغیرہ گرہ جس گھر میں ٹھہرے ہوں وہاں سے گرہ، ۵ ویں، ۹ ویں گھر کو پرتکھشیہ متر درشٹی سے دیکھتا ہے متر درشٹی کے پڑنے سے گرہ بلی ہو جاتا ہے جب اس گرہ کی دشا آتی ہے تو وہ گرہ ہر پرکار سے لابھدایک ہوتا ہے گپت متر درشٹی بھی شبھ پھلدایک رہتی ہے پرتکھشیہ شترو درشٹی سے گرہ نربل ہو جاتا ہے۔ شبھ گرہ ہونے پر بھی اشبھ پھل دیتا ہے۔ گپت شترو درشٹی سے بھی شبھ گرہ ۵ بگڑ جاتا

گرہ کا ایک راشی میں ٹھہرنے اور پھل دینے کا وقت

گرہ	سوریہ	چندرما	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر	راہ	کیت
راشی میں ٹھہرنے کا مقررہ وقت	۱ ماہ	۲½ دن	۱½ ماہ	۱ ماہ	۱۳ ماہ	۱ ماہ	۲½ ورش	۱۸ ماہ	۱۸ ماہ
پھل دینے کا وقت	شروع میں	انت میں	آرمبھ میں	ہمیشہ	درمیان میں	درمیان میں	انت میں	انت میں	انت میں
اگلے راشی میں جانے سے پہلے پھل کا وقت	۵ دن	۳ گھڑی	۸ ماہ	۷ دن	۲ ماہ	۷ دن	۶ ماہ	۳ ماہ	۳ ماہ

دیکھنے کا طریقہ:- سوریہ ایک مہینہ ایک راشی میں ٹھہرتا ہے اور شروع میں پھل دیتا ہے سوریہ اگلی راشی میں جانے سے ۵ دن پہلے اپنا پھل پرگٹ کرتا ہے جو راشی میں ٹھہرنے کا مقررہ وقت دکھایا گیا ہے۔ اس میں کمی بیشی ہو جاتی ہے۔

یوگنی دشا چکر

دشا	منگلا	پنگلا	دھنیا	برامری	بھدریکا	اولکا	سدھا	سنکٹا
گرہ	چندرما	سوریہ	بدھ	بوم	برہسپت	شنیچر	شکر	راہو
ورش	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸
نکھشتر[1]	ادرا چترا شرون	پنردس سوات دنشٹ	تیش وشاک شتبشک	اشون اسلیش پوربا انراد	برن مگ زشٹ اترہبا	کرچ پورفا مول ریوت	روہن اترفا پورفا	مرگشور ہست اترفا

۱ جس دشا کے نیچے آپ کا جنم نکھشتر لکھا ہو وہ آپ کی پہلی دشا ہوگی جیسے ادرا نکھشتر والے کو ایک ورش کے لئے منگلا دشا اس کے پیچھے دو ورش کے لئے سوریہ دشا ایسے ہی ۳۶ ورش تک راہو دشا ختم ہو
... دشا آرمبھ ہوگی +

لگن سارنی

راشی	۰	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴
میش	۲ ۴۰	۲ ۳۸	۲ ۴۵	۲ ۵۱	۲ ۵۸	۳ ۴	۳ ۱۱	۳ ۱۸	۳ ۲۵	۳ ۲۳	۳ ۴۱	۳ ۴۹	۳ ۵۶	۴ ۴	۴ ۱۲
ورش	۶ ۱۶	۶ ۲۴	۶ ۲۳	۶ ۳۹	۶ ۴۷	۶ ۵۵	۷ ۳	۷ ۱۱	۷ ۳۰	۷ ۳۰	۷ ۴۰	۷ ۵۰	۸ ۰	۸ ۱۰	۸ ۲۰
متھن	۰ ۵۸	۱۱ ۷	۱۱ ۱۷	۱۱ ۲۷	۱۱ ۳۷	۱۱ ۴۷	۱۱ ۵۵	۱۲ ۷	۱۲ ۸	۱۲ ۳۷	۱۲ ۴۳	۱۲ ۵۳	۱۳ ۵	۱۳ ۱۷	۱۳ ۲۸
کرک	۱۶ ۳۵	۱۶ ۴۷	۱۶ ۵۸	۱۷ ۱۰	۱۷ ۲۲	۱۷ ۲۳	۱۷ ۴۵	۱۷ ۵۷	۱۸ ۹	۱۸ ۲۱	۱۸ ۳۳	۱۸ ۴۵	۱۸ ۵۸	۱۹ ۱۰	۱۹ ۲۲
سنگھ	۲۲ ۳۶	۲۲ ۴۹	۲۳ ۱	۲۳ ۱۳	۲۳ ۱۵	۲۳ ۳۷	۲۳ ۵۰	۲۴ ۲	۲۴ ۱۴	۲۴ ۲۶	۲۴ ۳۸	۲۴ ۴۹	۲۵ ۰	۲۵ ۱۲	۲۵ ۲۵
کنیا	۲۸ ۳۶	۲۸ ۴۸	۲۹ ۰	۲۹ ۱۲	۲۹ ۲۴	۲۹ ۳۶	۲۹ ۴۰	۳۰ ۰	۳۰ ۱۲	۳۰ ۲۴	۳۰ ۳۶	۳۰ ۴۹	۳۰ ۵۹	۳۱ ۱۱	۳۱ ۳۳
تلا	۳۴ ۳۴	۳۴ ۴۶	۳۴ ۵۸	۳۵ ۱۰	۳۵ ۲۰	۳۵ ۳۴	۳۵ ۴۶	۳۵ ۵۸	۳۶ ۱۰	۳۶ ۲۲	۳۶ ۳۴	۳۶ ۴۶	۳۶ ۵۸	۳۷ ۱۱	۳۷ ۲۳
ورشچک	۴۰ ۳۷	۴۰ ۴۹	۴۱ ۲	۴۱ ۱۴	۴۱ ۲۶	۴۱ ۲۸	۴۱ ۵۰	۴۲ ۲	۴۲ ۱۴	۴۲ ۲۶	۴۲ ۲۸	۴۲ ۵۰	۴۳ ۱	۴۳ ۱۴	۴۳ ۲۲
دھن	۴۶ ۳۷	۴۶ ۴۳	۴۶ ۵۴	۴۷ ۶	۴۷ ۱۸	۴۷ ۲۹	۴۷ ۴۱	۴۷ ۵۳	۴۸ ۲	۴۸ ۱۲	۴۸ ۲۲	۴۸ ۳۳	۴۸ ۴۲	۴۸ ۵۲	۴۹ ۲
مکر	۵۱ ۳۹	۵۱ ۴۹	۵۱ ۵۹	۵۲ ۹	۵۲ ۱۹	۵۲ ۲۹	۵۲ ۳۹	۵۲ ۴۹	۵۲ ۵۹	۵۳ ۴	۵۳ ۱۲	۵۳ ۲۲	۵۳ ۲۵	۵۳ ۳۵	۵۳ ۴۲
کنبھ	۵۵ ۴۷	۵۵ ۵۵	۵۶ ۳	۵۶ ۱۰	۵۶ ۱۸	۵۶ ۲۶	۵۶ ۳۴	۵۶ ۴۲	۵۶ ۴۸	۵۶ ۵۷	۵۷ ۱	۵۷ ۸	۵۷ ۱۵	۵۷ ۲۱	۵۷ ۲۸
مین	۵۹ ۱۳	۵۹ ۲۰	۵۹ ۲۰	۵۹ ۳۳	۵۹ ۴۰	۵۹ ۴۶	۵۹ ۵۳	۰ ۰	۰ ۶	۰ ۱۳	۰ ۱۹	۰ ۲۶	۰ ۳۳	۰ ۳۹	۰ ۴۶

راشی	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹
میش	۴ ۲۰	۴ ۲۷	۴ ۳۸	۴ ۴۳	۴ ۵۱	۴ ۵۸	۵ ۱۶	۵ ۱۴	۵ ۲۲	۵ ۳۰	۵ ۲۷	۵ ۴۵	۵ ۵۳	۶ ۱	۶ ۸
ورش	۸ ۲۹	۸ ۳۹	۸ ۴۹	۸ ۵۹	۹ ۹	۹ ۱۸	۹ ۲۹	۹ ۳۹	۹ ۴۸	۹ ۵۸	۱۰ ۸	۱۰ ۱۸	۱۰ ۲۸	۱۰ ۳۸	۱۰ ۴۹
متھن	۱۳ ۴۰	۱۳ ۵۲	۱۴ ۰	۱۴ ۱۵	۱۴ ۲۷	۱۴ ۳۸	۱۴ ۵۰	۱۵ ۲	۱۵ ۱۳	۱۵ ۲۵	۱۵ ۳۷	۱۵ ۴۸	۱۶ ۱	۱۶ ۱۲	۱۶ ۲۳
کرک	۱۹ ۳۳	۱۹ ۴۶	۱۹ ۵۸	۲۰ ۱۰	۲۰ ۲۲	۲۰ ۳۴	۲۰ ۴۶	۲۰ ۵۸	۲۱ ۱۱	۲۱ ۲۲	۲۱ ۲۵	۲۱ ۴۸	۲۱ ۱۰	۲۲ ۱۲	۲۲ ۲۴
سنگھ	۲۵ ۳۷	۲۵ ۵۰	۲۶ ۰	۲۶ ۱۴	۲۶ ۲۶	۲۶ ۲۷	۲۶ ۴۹	۲۷ ۰	۲۷ ۱۳	۲۷ ۲۵	۲۷ ۳۷	۲۷ ۴۹	۲۸ ۱	۲۸ ۱۲	۲۸ ۲۴
کنیا	۳۱ ۳۶	۳۱ ۴۸	۳۱ ۵۹	۳۲ ۱۱	۳۲ ۲۳	۳۲ ۳۵	۳۲ ۴۸	۳۲ ۵۹	۳۳ ۱۰	۳۳ ۲۳	۳۳ ۳۵	۳۳ ۴۸	۳۳ ۵۹	۳۴ ۱۰	۳۴ ۲۲
تلا	۳۷ ۳۵	۳۷ ۴	۳۷ ۵۹	۳۸ ۱۱	۳۸ ۲۵	۳۸ ۲۱	۳۸ ۴۸	۳۹ ۰	۳۹ ۱۲	۳۹ ۲۴	۳۹ ۳۶	۳۹ ۴۸	۴۰ ۰	۴۰ ۱۳	۴۰ ۲۵
ورشچک	۴۳ ۳۶	۴۳ ۴۸	۴۳ ۵۹	۴۴ ۱۳	۴۴ ۲۴	۴۴ ۳۶	۴۴ ۴۸	۴۴ ۵۹	۴۵ ۹	۴۵ ۲۱	۴۵ ۳۳	۴۵ ۴۴	۴۵ ۵۲	۴۶ ۸	۴۶ ۲۰
دھن	۴۹ ۱۲	۴۹ ۲۱	۴۹ ۳۱	۴۹ ۴۱	۴۹ ۵۱	۵۰ ۱	۵۰ ۱۱	۵۰ ۲۱	۵۰ ۳۱	۵۰ ۴۱	۵۰ ۵۱	۵۱ ۹	۵۱ ۱	۵۱ ۲۱	۵۱ ۳۰
مکر	۵۳ ۵۱	۵۳ ۵۸	۵۴ ۶	۵۴ ۱۸	۵۴ ۲۲	۵۴ ۲۹	۵۴ ۳۵	۵۴ ۴۵	۵۴ ۵۳	۵۵ ۱	۵۵ ۸	۵۵ ۱۶	۵۵ ۲۴	۵۵ ۳۲	۵۵ ۴۰
کنبھ	۵۷ ۳۴	۵۷ ۴۱	۵۷ ۴۸	۵۷ ۵۴	۵۸ ۱	۵۸ ۸	۵۸ ۱۴	۵۸ ۲۱	۵۸ ۲۷	۵۸ ۳۴	۵۸ ۴۰	۵۸ ۴۷	۵۸ ۵۴	۵۹ ۰	۵۹ ۷
مین	۰ ۵۲	۰ ۵۹	۰ ۶	۱ ۳	۱ ۰	۱ ۲۵	۱ ۳۲	۱ ۳۸	۱ ۴۵	۱ ۵۲	۱ ۵۸	۲ ۵	۲ ۱۲	۲ ۱۸	۲ ۲۰

ورش پھل بنانے کا طریقہ :- جس سال کا ورش نکالنا ہو اس سال میں جنم کا سموت گھٹنے سے جو رہے وہ گت ورش جانو اور سارنی میں دیکھیں جتنے گت ورش ہوں ان کو میں جنم کا وار اشٹ کی گھڑی پل جوڑنے سے وہ ورش کا وار اور اشٹ کے گھڑی پل جانو۔ اس اشٹ کے مطابق لگن سارنی سے لگن دیکھنا +

سنت مہاتماؤں کے یگیہ شرادھ تتھا جینتی

چندری گام مہاتما یگیہ چیتر شکلہ پکھ شیم
سوامی آتما رام گوسائی گنڈہ کارتک شدے کاہ
شری اشوکا نند ناگ ڈنڈی پورہ شدے اکدو
شری بون کاک جی شرادھ۔ ویشاکھ
کرشنہ پکھ چورم۔
شری کیلاش کول بھانہ محلہ پوہ
دوے اماوس۔
سوامی نند لعل (بب) اسوج شدے ترواہ
سوامی گوپی ناتھ (بب) جیٹھ شدے دوئے
سوامی کیشو ناتھ وڈی پورہ چیتر دوے نوم
بھگوان گوپی ناتھ جینتی آشاڑھ شکلہ پکھ باہ
سوامی ودھیادھر جی یگیہ۔ آشاڑھ شکلہ پکھ ترواہ
سوامی لال جی جینتی۔ شراون شکلہ پکھ تری
سوامی پرشاد کول (گرٹہ بب) ساون
دوے باہ۔
شریمتی ستی دیدی۔ اسوج شدے باہ
سوامی رام تھو آشرم فتح کدل ماگھ دوے چوداہ

سوامی گاشہ کاک جی گوتم ناگ چیت
ودے اماوس۔
سوامی آفتاب رام کارہ بامہ انتر دھیال
دیوس۔ ماگھ کرشنہ پکھ پنجمی۔
جوتشی کیشو بھٹ۔ پتر پکھ دوی
شری برہ بھٹ شاستری۔ آشاڑھ
شدے چوداہ۔
شری گوبند کول یگیہ۔ بھادر
کرشنہ پکھ چوداہ۔
شری شنکر صاحب بٹہ گنڈ۔ اسوج
کرشنہ پکھ اکدہ۔
سوامی برے کشن یگیہ۔
اسوج شکلہ پکھ دوی۔
سوامی سروانند یگیہ۔ ماگ کرشنہ

پکھ ترواہ۔
شری جیون صاحب یگیہ۔ مارگ
شکلہ پکھ دوی۔
سوامی ودھیادھر جینتی مارگ
شکلہ پکھ تری۔
سوامی نندہ لال یگیہ مارگ
شکلہ پکھ تری۔
سوامی برے کرشن جینتی۔ کارتک
شکلہ پکھ کاہ۔
سوامی نند لال جینتی۔ پھاگن
شکلہ پکھ اشٹمی۔
سوامی لشہ کاک۔ چیت
کرشنہ پکھ نوم۔
سوامی ہرہ کاک جی مہاراج

انتر دھیان دوس چیت کرشنہ
پکھ ستم۔
سوامی ہرہ کاک جی مہاراج جنم دن پتر
پکھ ترواہ۔
شری درگا مندر لال نگر ستھانپا
دیوس آشاڑھ شکلہ پکھ کدو۔
شری شاردا ماتا جینتی پوہ کرشنہ
پکھ ستم۔
شری سوامی ویویکانند جینتی
ماگھ کرشنہ پکھ ستم
شری پرم ہنس رام کرشن جینتی
پھاگن شکلہ پکھ دوی۔

(نوٹ)

اگر شرادھ تتھی دیوا ہو تو شرادھ
پہلے ہی دن آئیگا۔

گرہوں کا اُچ نیچ مول ترکون دیکھنے کا نقشہ

گرہ	سوریہ	چندرما	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر	راہ	کیت
اُچ	میش	ورلش	مکر	کن	کرکٹ	مین	طول	دھن	متھن
نیچ	طول	ورچک	کرکٹ	مین	مکر	کن	میش	متھن	دھن
انش	۱۰ تک	۳ تک	۲۸	۱۵	۵	۲۷	۲۰	×	×
مول ترکون	سمہ	ورلش	میش	کن	دھن	طول	قونب	کرکٹ	سمہ
انش	۲۰ تک	۳ سے	۱۲ تک	۱۵ سے	۱۰ تک	۱۵ تک	۲۰ سے	×	×
سوکھیتر	سمہ	کرکٹ	میش ورچک	کن متھن	دھن مین	طول ورلش	مکر قونب	سکن	راہ

ونشوتری دشا چکر!

مقررہ وقت	۶ ورش	۱۰ ورش	۷ ورش	۱۸ ورش	۱۶ ورش	۱۹ ورش	۱۷ ورش	۷ ورش	۲۰ ورش
گرہ	سوریہ	چندرما	بوم	راہ	برہسپت	شنیچر	بدھ	کیت	شکر
نکھتر	کرچ	روہن	مرگشور	ادر	پنروس	تیش	اسلیش	مگ	پورفا
	اترفا	ہست	چتر	سوات	وشاک	انراد	ارشٹ	مول	پورشا
	اترشا	شرون	دلشٹ	شتبھک	پوربابد	اترباید	ریوت	اشن	برات

دیکھنے کا طریقہ:۔ یوگنی دشا کی طرح "ونشوتری دشا" بھی دیکھی جاتی ہے جیسے کرچ نکھتر والے کو پہلے ۶ ورش کی سوریہ دشا ۱۲ ورش تک شکر دشا سمابت ہوگی۔

گرہوں کا شترو متر دیکھنے کا نقشہ

گرہ	سوریہ	چندرما	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر	راہ	کیت
متر دوست	چندرما بوم برہسپت	سوریہ بدھ	سوریہ بدھ	سوریہ شکر راہ	سوریہ چندرما بوم	بدھ شنیچر راہ	بدھ شنیچر راہ	بدھ شکر راہ	شکر شنیچر بدھ
شترو دشمن	شکر راہ شنیچر	× راہ	بدھ راہ	چندرما	بدھ شکر	سوریہ چندرما	سوریہ چندرما بوم	سوریہ چندرما بوم	سوریہ چندرما بوم
سم	بدھ	بوم برہسپت شکر شنیچر	شکر شنیچر	بوم برہسپت شنیچر	شنیچر راہ	بوم برہسپت	برہسپت	برہسپت	برہسپت
پاپی شبھ	پاپی	شبھ	پاپی	شبھ	شبھ	شبھ	پاپی	پاپی	پاپی
پرش استری	پرش	استری	پرش	نپنسک	پرش	استری	نپنسک	پرش	استری
مزاج	گرم	بلغمی	گرم	وات پت کف	بلغمی	بلغمی	بادی	بادی	بادی

دیکھنے کا طریقہ:۔ سوریہ جب میش راشی میں ہو تو اُچ طول میں ہو تو نیچ پرنتو ۱۰ انش تک سمہ راشی میں سوریہ ہو تو اُچ لیکن ۱۰ انش سے ۲۰ انش تک سمہ راشی کا سوریہ ہو تو مول ترکون اور ۲۰ انش سے آگے سوکھیتری ایسے ہی اور گرہوں کا وچار چکر سے کیجئے۔

گرہوں کے شترو متر دیکھنے کا طریقہ بھی ایسے ہی ہے۔ سوریہ کا چندرما بوم۔ برہسپت۔ متر شکر۔ شنیچر شترو اور بدھ سم ہے سوریہ پاپی گرہ ہے۔ مزاج اس کا گرم ہے وغیرہ۔

×۔ چندرما شبھ گرہ ہونے پر بھی جب کھین ہوگا تو پاپی گرہ ایسے ہی اگر بدھ پاپی گرہوں کے ساتھ جنم کنڈلی میں ہو تو پاپی گرہ ہی مانا جاتا ہے +

دھنشٹ پنچک یعنی درٹھہ پنچک

۵ نکھتر دلنشٹ نکھتر کے اردھ سے لیکر رلوتی تک کے انت تک پنچک کہلاتا ہے۔ پنچک میں چارپائی بنانا۔ چھت ڈالنا۔ لکڑی کیڑا وغیرہ خریدنا۔ پربت داہ۔ دکھن کی یاترا نشید ہے۔ ان پانچ کاموں کے بغیر پنچک میں کوئی کام نشید نہیں ہے۔

کرپنچک

ہست نکھتر سے لیکر انراد نکھتر یہ ۵ نکھتر کہلاتے ہیں۔ یہ ۵ نکھتر اکثر ہر شبھ کاریہ کے لئے اتم ہی مانے جاتے ہیں۔

سرواتھ سدھ یوگ تتھی کے ملاپ سے

منگلوار کو جیا تتھی بدھوار کو بدرا تتھی۔ گوروار کو پورنا تتھی سنیچروار کو رکھیتا تتھی سرواتھ سدھ یوگ کہلاتا ہے۔ اس یوگ پر ہر آرمبھ کیا ہوا کاریہ شبھ پھل کو ہی دیتا ہے۔ جیا تتھی وغیرہ نقشہ میں مندرجہ ذیل ہے۔

نندا تتھی	بھدرا تتھی	جیا تتھی	رکھیتا تتھی	پورنا تتھی
اکدو۔ شیم۔ کاہ	دوی۔ ستم۔ باہ	تری۔ اشٹم۔ ترواہ	چورم۔ نوم۔ چوداہ	پنچم۔ دسم۔ پونم

سرواتھ سدھ یوگ نکھتر کے ملاپ سے

اتوار کو مول۔ تیلش۔ اشن۔ ہست۔ اتھرفا۔ اترشا۔ اترباِ
سوموار کو ردہنی۔ مرگشور۔ تیش۔ انراد۔ شرون
منگلوار کو اشنی۔ کرتیکا۔ اسلیش۔ اتربا
بدھوار کو روہنی۔ ہست۔ کرچ۔ مرگشور۔ انراد۔ اسلیش

گوروار کو رلوت۔ انراد۔ پنروس۔ تیش۔ اشن
شکروار کو شروان۔ انراد۔ اشن۔ پنروس۔ رلوت۔ پوربا
سنیچروار کو شردان۔ سوات اور روہنی نکھتر ہو تو سرواتھ سدھ یوگ کہلاتا ہے اس یوگ پر اکثر ہر آرمبھ کیا کاریہ شبھ پھل دایک ہوتا ہے۔

ہر شبھ کاریہ کے لئے نشید

ملہ ماس۔ بانو ماس دھن راشی میں سوریہ سہم راشی میں سوریہ یعنی (سینگھ) شکروار۔ برہسپتی کا است۔ شکر برہسپتی کے است سے آگے پیچھے کے تین دن۔ چندرمہ کا است۔ پتر پکھ یعنی کانبر پچھ۔ کھیر ماس۔ ماہانت۔ سنکرانتی۔ چتر کرشنہ پکھ۔ سوریہ چندرمہ کا گرہن ۱۳ دن کا پکھش۔ تراہ۔ دن کم۔ ترسپرک (دن زیادہ) ہر کام کے لئے نشید ہے۔ پرنتو اگر تراہ (دن کم ہونا) ترسپرک (دن زیادہ ہونا) سوموار۔ بدھوار۔ گوروار۔ شکروار کو ہو تو نشید نہیں بلکہ ایسے یوگ پر آرمبھ کیا کام کلیان کاری ہوتا ہے۔

کچھ چمتکارک شبھ یوگ

ورش پھل کے کچھ چمتکارک یوگ

تبدیلی وترقی کا یوگ (۱) ورش پھل میں لگن کا سوامی اور ۹ ویں گھر کا سوامی اگر ایک ہی گھر یا میوں تو تبدیلی ترقی کے ساتھ ہوگی (۲) ورش لگن اگر چر ہو تو تبدیلی اگر دیبھاؤ ہو تو جلدی ہی واپس آنا ہوگا اور گر ورش لگن ستھر ہو تو تبدیلی کی بالکل سمبھاونا نہیں ہے۔

میکھ۔ کرکٹ تلا مکر چر راشی	ورش سہم ورچک کومبھ	متھن کنیا دھن مین ستھر راشی

راج یوگ

(۱) کرکٹ لگن ہو اور کرکٹ میں ہی برہسپتی اور چندرما ۱۱ ویں استھان میں شنکر تھا بدھ مین راشی میں سوریہ ہو تو یہ راج یوگ کہلاتا ہے (۲) کرکٹ لگن ہو اور لگن میں ہی چندرما، تلا کا شنکر دھن برہسپتی ہو تو راج یوگ (۳) مین لگن ہو لگن میں چندرما، کومبھ میں شنکر، مکر میں منگل، سہم میں سوریہ ہو تو راج یوگ (۴) میش لگن ہو لگن میں منگل، کرکٹ میں برہسپتی اور چندرما ہو تو راج یوگ (۵) چوتھے گھر میں ورت تلا میں شنکر اور باقی گرہ تیسرے ۱۱ ویں استھان میں ہو تو راج یوگ (۶) مکر لگن ہو اور اس میں شنیچر مین میں چندرما متھن میں منگل۔ کنیا میں بدھ اور دھن میں برہسپتی سوریہ اور شنکر علیحدہ علیحدہ ہو تو راج یوگ (۷) ورش لگن ہو اور اس میں چندرما، سہم میں سوریہ، ورچک میں برہسپتی اور کومبھ میں شنیچر ہو تو راج یوگ (۸) مکر لگن ہو اور اس میں منگل، تلا میں شنیچر، مکر میں منگل، میش میں سوریہ اور کرکٹ میں برہسپتی تو راج یوگ۔

سفر کے لئے سروانگ یوگ

جس وقت جانے کا ارادہ ہو تو اس وقت کی تتھ یوم نچھتر اپنے نام کے حروف کو شمار کرکے جمع کرے یعنی تتھ کو ایکم سے دن کو اتوار سے اور نچھتر کو اشونی سے شمار کرے اور اپنے نام کے حروف گن کر سب کو جمع کرکے کل مجموعہ کو ۶ پر تقسیم کرے اور باقی کچھ رہے تو جانے کا یوگ اچھا اور پھل کل جمع کو ۳ سے ضرب دیکر ۸ پر تقسیم کرے اور پھر بار سوم اسی مجموعہ کو ۴ سے ضرب دیکر پھر ۸ پر تقسیم کرے اگر تینوں دفعہ کی تقسیم سے کچھ بچتا ہے تو مبارک اگر کچھ نہ بچے تو حیرانی و پریشانی ارادہ ترک کر دے + سفر کے لئے مبارک یوگ بوقت سفر سوریہ کے نچھتر سے چندرما کے نچھتر تک شمار کرے اگر کل شمار چوتھا چھٹا ۹ واں یا ۱۲ واں ہو تو سفر کے لئے بہت مبارک ایسے وقت میں یوگنی دشاؤں کا کوئی دوش نہیں ہے۔

راشی کے مطابق چندرما کا پھل!

پہلا	دھن لابھ۔ من کی شانتی
دوسرا	من کی شانتی۔ خوشی
تیسرا	دھن اور جائیداد کا لابھ
چوتھا	کشٹ۔ لڑائی۔ جھگڑا
۵ واں	اچھے آدمیوں سے میلاپ
چھٹا	سادھارن لابھ ہے
۷ واں	اچھے پرشوں سے عزت
۸ واں	مرنے کے سمان کشٹ اور ڈر
۹ واں	دھارمک لابھ
۱۰ واں	مانسک سدھی
۱۱ واں	ہر طرح سے لابھ
۱۲ واں	طرح سے ہانی

جن ستھانوں کی یاترا سے پونیہ پھل اور مانسک شانتی ملتی ہے

ا۔ شری امرناتھ جی (۲) شری گنیش بل (۳) شری مارتنڈ (۴) گودھر (۵) پشکر (۶) شری گنگہ جبل (۷) شری کھیر بھوانی (۸) شری جوالا جی (۹) شری سرشیشور (۱۰) شری سرشیشور (۱۱) شری مہادیو جی (۱۲) شری گپت گنگا (۱۳) شری وشنو پاد (۱۴) شری ہرمکٹ گنگا (۱۵) شری بیدر کال (۱۶) شری ہاری پربت (۱۷) شری شنکر آچاریہ (۱۸) جیشٹھیشوری

شرادھ دیکھنے کا طریقہ

جس دن تتھی کے ساتھ پہ پوکھ لکھا ہو اس دن کا شرادھ اپنے ہی دن آتا ہے

جیسے اشٹم ۸۔ نوم ۹ اگر تتھی کے ساتھ دیوا (د) لکھا ہو تو اس دن کا شرادھ پہلے ہی دن آتا ہے جیسے چورم پنچم کا شرادھ بالترتیب تری اور چورم کو آئے گا جب اشٹم ۸ نوم ۹ دسم ۱۰ ایسی تتھی ہو تو اشٹمی کا شرادھ اشٹمی کو۔ نومی کا نوم کو اور دسم کا بھی دسم کو ہی ہوگا جب اشٹم د نوم ۹ تتھی ہو تو اشٹمی کا شرادھ سپتمی کو اور نوم کا نوم کو ہی ہوگا۔ جس دن دو تتھیاں ہوں گی اور پتر شرادھ ہو تو پہلی ہی تتھی کو اور اگر دیوورت یا جنم دن وغیرہ ہو تو پچھلی تتھی کو آئے گا۔ مزید حالات اور واقفیت حاصل کرنے کے لئے برہمن مہامنڈل گنپت یار کو زبانی یا کارڈ لکھیں۔

امتحان یاترا صحت مقدمہ نوکری دیکھنے کا پرشن

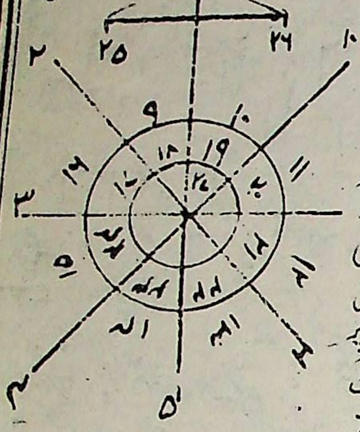

اگر آپ کو امتحان وغیرہ کا پرشن دیکھنا ہو تو جس دن آپ نے پرشن دیکھنا ہو اس دن کا نکھشتر نمبر ا پر لکھ کر اس کے آگے کے نکھشتر مسلسل لکھتے جائیے آپ کا جنم نکھشتر جس نمبر پر آئے اس کا پھل درج کیا جاتا ہے اگر آپ کا جنم نکھشتر ا، ۳، ۵، ۹، ۱۱، ۱۳، ۱۵، ۱۶، ۱۹ نمبر پر آئے گا تو امتحان میں کامیابی، یاترا میں لابھ۔ صحت جلدی ٹھیک ہوگی۔ مقدمہ میں جیت ہوگی۔ نوکری جلدی ملے گی اگر آپ کا جنم نکھشتر ۲، ۴، ۱۰، ۱۷، ۱۸، ۲۱، ۲۲، ۲۵، ۲۷ نمبر پر آئے گا تو امتحان میں ناکامی، یاترا میں نقصان، شریر کشٹ مقدمہ میں ہار۔ نوکری میں رکاوٹ۔ اگر آپ کا جنم نکھشتر ۶، ۷، ۸، ۱۲، ۱۴، ۲۰، ۲۳، ۲۴، ۲۶ کے نمبر پر آئے گا تو امتحان میں پوری کامیابی، یاترا میں لابھ اور عزت مقدمہ نقصان اور ہار صحت جلدی ٹھیک ہوگی۔ نکھشتر ۱، ۲، ۳، ۴ پر مسلسل لکھیں۔

شری پنچانگ میں وہی باتیں درج ہوتی ہیں جن کا دھرم پریمی جنتا کے روزانہ ویوہار سے سمبندھ ہے۔ برہمن مہا منڈل کشمیر نے جنتا کی سہولت کے لئے اردو زبان میں شبھ راتری پوجا چھاپی ہے۔ یہ پستک ہمارے ایجنٹوں سے ہر وقت مل سکتی ہے۔ اس کے علاوہ ہندی جنتری بھی پرنٹ کرکے تیار ہے۔ وہ بھی ہمارے ایجنٹوں سے ہر وقت مل سکتی ہے۔

نوٹ۔ جن راشی والوں کو شنی اشبھ پھل دایک ہیں اور جن کو ساڑھ ستی لگی ہو ان کو ہر روز برہمن یا آدمی کے لیے نیچے لکھے منتر کا پاٹھ کرنا چاہیئے اس سے دُکھ دایک پیڑا نہیں ہوگی۔ پیلاد اُوارچ:- اوم نمستے کون سنتھا یہ پنگلا یہ نموستوتے۔ نمستے رُودر دے ہا یہ نمستے۔ چانتر کا یہ چہ نمستے یم سندگا یہ نمستے، سوریئے وبھو نمستے مند سندگا یہ سنیچر نموستوتے پرسادم کرو دیوپشن دینسیہ پرتنسبیہ چہ۔ یہ منتر سنیچر وار کو بھوج پتر پر لکھ کر دھارن کرنے سے شنی کرت ارشٹ دُور ہوتا ہے۔

شنیچر پیڑا نوارن ینتر

۱۴	۷	۱۲
۹	۱۱	۱۳
۸	۱۵	۱۰

کاریہ سدھی کا پرشن

۶	۱	۸
۷	۵	۳
۲	۹	۴

دیوی کا سمرن کر کے ینتر پر انگلی رکھیں اگر ۱، ۵، ۹ پر رکھیں تو کام جلدی پورا ہوگا ۳، ۷ پر مدر سے کام سدھ ہوگا۔ ۴، ۶ پر رکھیں تو کام سدھ ہوگا ۲، ۸ پر انگلی رکھیں تو کام سدھ ہوگا۔

گم شُدہ چیز ملیگی؟

جب کوئی چیز گم ہو جائے تو ذیل کا نقشہ دیکھیئے جیسا کہ اشن نکھتر ہو تو چیز دکھن کی طرف گئی جو کر کوشش کرنے پر ملیگی اوپائے:- بھوجن بھوکے کو دیں اگر برن نکھتر ہو تو چیز پورب کی طرف دُور گئی ہے جس کا اوپائے نیچے درج ہے دان کرو۔ اور کسی بھوکے کو پریم سے کھانا کھلاؤ۔

نکھتر	طرف	کب ملیگا	
اشون	دکھن	کوشش سے ملیگا	بھوکے کو کھلاؤ
برن	پورب	دُور گیا ہے	دان کرو
کرچ	اتر	نہیں ملیگا	ایشور کی شرن لو
روہن	پورب	ضرور ملیگا	مانس مت کھاؤ
مرگشور	دکھن	کوشش کرو ملے گا	غریب کی مدد کرو
آدر	پچھم	دُور گیا ہے	ایشٹ دیوی پوجا
پنروس	اتر	نہیں ملیگا	والدین کی سیوا کرو
پش	پورب	ضرور ملیگا	مانس مت کھاؤ
اسلیش	دکھن	کوشش کرو ملے گا	غریب کی مدد کرو
مگ	پچھم	دُور گیا ہے	گورو کا کہا مانو
پورفا	اتر	نہیں ملیگا	منگلوار کو برت رکھو
اترفا	پورب	ضرور ملیگا	مانس مت کھاؤ
ہست	دکھن	کوشش سے ملے گا	بھوکے کو دان دو
چتر	پچھم	دُور گیا ہے	دان کرو
سوات	اتر	نہیں ملیگا	نیکی کرو
وشاکھ	پورب	ضرور ملیگا	مانس مت کھاؤ
انراد	دکھن	کوشش سے ملے گا	ان دان کرو
زیشٹ	پچھم	دُور گیا ہے	دان کرو
مول	اتر	نہیں ملیگا	دھرم پر چلو
پورشا	پورب	جلدی ملیگا	مانس مت کھاؤ
اترشا	دکھن	کوشش سے ملے گا	//
شرون	اتر	نہیں ملیگا	تیل تانبہ دان کرو
دنشٹ	پورب	جلدی ملیگا	مانس مت کھاؤ
شتشک	دکھن	کوشش سے ملے گا	غریب کی مدد کرو
پورفا	پچھم	دُور گیا ہے	جھوٹ مت بولو
اترفا	اتر	نہیں ملیگا	غصہ مت کرو
ریوت	پورب	جلدی //	ان دان کرو

شری سوامی رام جی شیو آچاریہ آپ کا جنم کرشنہ پکھ دوادشی کو کشمیر کے شیو آشرم خاص کر فتحکدل سرینگر کے شیو آشرم میں درشنوں سے منایا جاتا ہے۔ شری رام جی بھیتونی مئے شیومت کے مشہور آچاریہ تھے آپکی دیو درشٹی کے پرتکھیہ پرمانوں سے بھگت جن کافی پرچلت ہیں۔ آپ کا انتر دھیان ماگھ کرشنہ پکھ چتر دشی کو ہوا ہے۔ اسی پرکار شری سوامی ودیا دھر جی مہاراج ایک پرسدھ شیو آچاریہ تھے۔ آپکا جنم دن بھی درشنوں سے آشرم میں منایا جاتا ہے۔ آپکی دیو درشٹی کے پرتکھیہ

کام سدھ ہوگا یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ:- سوموار۔ بدھ وار۔ ویروار اور ایت وار کو دام سور چلنے کا وقت اگر پرشن ہو تو کامیابی۔ منگل۔ شنیچر اور شکر کو اگر دائیں سور چلتے وقت پرشن ہو تو کامیابی۔

کیا یہ بات سچ ہے یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ:- پرشن کے وقت کی وار نکشتر اور لوگ کے ہندسوں کو جوڑ کر تتھی کے ہندسوں سے ضرب دو۔ چار پر تقسیم کرو اگر باقی ایک یا تین بچے تو بات سچ ہے۔ نہیں تو جھوٹ۔

ودیش سے چٹھی آئے گی یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ:- پرشن لگن جو راشی کا ہو اور اس کی دوسری تیسری جگہ اچھے گرہ ہوں یا ان کی درشٹی ہو تو چٹھی جلدی آئے گی لیکن ستھر ہو تو دیر سے چٹھی آئے گی۔ اگر لگن دوِسوبھاؤ ہو تو چٹھی ملنی مشکل ہے۔ پرشن لگن میں بدھ اور چندرمہ ہو اور شبھ گرہ کی درشٹی ہو تو چٹھی آئے گی۔ اس کے خلاف ہو تو چٹھی نہیں آئے گی۔

اس چیز سے لابھ ہوگا یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ:- ایشٹ کال کی صرف چلتی گھڑیوں کو ۳ سے ضرب دیکر اس چیز کے حروف کی گنتی ملا کر ۵ اور ملائیں پر ۴ پر تقسیم کریں باقی طاق بچے تو لابھ جفت بچے تو نقصان۔

روپیہ وصول ہوگا یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ:- لین دین کرنے والے کے نام کے حروف کے ہندسوں کو ۳ سے ضرب دیکر اپنے نام کے حروف ان میں جوڑ دو۔ پھر اسی کو ۳ پر تقسیم کریں ا بچے تو روپیہ ملیگا ۲ دو بچے تو نہیں ۳ بچے تو دیر کے بعد ملے گا۔

شادی ہوگی یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ:- اگر لگن سے دوسرے، تیسرے چھٹے ۷ ویں۔ ۱۰ ویں ۱۱ ویں بھاؤ میں چندرمہ کو برہسپتی دیکھے تو شادی ہوگی اگر چندرمہ کے ساتھ پاپ گرہ ہو یا ان کی نظر ہو تو شادی نہیں ہوگی اگر لگن سے ۳، ۵، ۶، ۷، ۱۱ ویں بھاؤ میں چندرمہ کو سوریہ، بدھ، برہسپتی میں سے کسی کی نظر ہو یا ۲، ۷، ۴ راشیوں میں سے کسی ایک راشی میں چندرمہ ہو یا شکلہ

بالکوں کے دانت نکلنے کی خاصیت

اگر بچے کی پیدائش کے ایک ماہ بعد دانت نکل جائیں۔ تو بچہ مر جائے۔ دوسرے ماہ میں چھوٹے بھائی کو ہانی۔ تیسرے ماہ میں بھائی کو ہانی۔ چوتھے ماہ میں ماتا کو ناش۔ پانچویں ماہ میں بڑے بھائی کو کشٹ۔ چھٹے ماہ میں ماتا پتا کو سکھ، ۷ ویں ماہ میں پتا کے لئے سکھ ۸ ویں ماہ میں شریر سواستھ ۹ ویں ماہ میں دھن پراپتی ۱۰ ویں ۱۱ ویں اور ۱۲ ویں ماہ میں سکھ ملیگا

راشٹر بھاشا ہندی میں بھی پرنٹیڈ پنچانگ چھپکر تیار ہے۔ براہمن مہا منڈل کا یہ پرتھم سنی پریاس ہے۔ اس کو سپھل بنائیے! (سمپادک شری پنچانگ)

دن کیلئے "ویلا مہورت" یاترا مہورت نہ ہونے پر بھی جانے کا مہورت

وار	اتوار	سوموار	منگلوار	بدھوار	گوروار	شکروار	سنیچروار
پہلا حصہ	ادھیوگ ویلا	امرت ویلا	روگ	لابھ ویلا	شبھ	چنچل	کال ویلا
دوسرا حصہ	چنچل ویلا	کال	ادھیوگ	امرت	روگ	لابھ	شبھ "
تیسرا حصہ	لابھ ویلا	شبھ	چنچل	کال	ادھیوگ	امرت	روگ "
چوتھا حصہ	امرت ویلا	روگ	لابھ	شبھ	چنچل	کال	ادھیوگ
۵ واں "	کال	ادھیوگ	امرت	روگ	لابھ	شبھ	چنچل
چھٹا "	شبھ	چنچل	کال	ادھیوگ	امرت	روگ	لابھ
۷ واں "	روگ	لابھا	شبھ	چنچل	کال	ادھیوگ	امرت
۸ واں "	ادھیوگ	امرت	روگ	لابھ	شبھ	چنچل	کال

(رات کا ویلا مہورت) یاترا مہورت نہ ہونے پر بھی جانے کا مہورت

وار	اتوار	سوموار	منگلوار	بدھوار	گوروار	شکروار	سنیچروار
پہلا حصہ	شبھ	چنچل ویلا	کال	ادھیوگ	امرت	روگ ویلا	لابھ ویلا
دوسرا "	امرت	روگ	لابھ	شبھ	چنچل	کال	ادھیوگ
تیسرا "	چنچل	کال	ادھیوگ	امرت	روگ	لابھ	شبھ
چوتھا "	روگ ویلا	روگ	شبھ	چنچل	کال	ادھیوگ	امرت
۵ واں "	کال	کال	امرت	روگ	لابھ	شبھ	چنچل
۶ واں "	لابھ	شبھ	چنچل	کال	ادھیوگ	امرت	روگ
۷ واں "	ادھیوگ	امرت	روگ	لابھ	شبھ	چنچل	کال
۸ واں "	شبھ	چنچل	کال	ادھیوگ	امرت	روگ	لابھ

یاترا وچار:- یاترا کے لئے یوگنی چندرمہ جو نشیدھ ہے

دن	وار	نکھتر	سنمکھ یوگنی	دائیں یوگنی	پیچھے کا چندرمہ	بایاں چندرمہ	دشا
پورب	سوموار، سنیچر وار	زنشٹ	اکدو۔نوم	پنچم۔ترواہ	متھن طول قونب	کرکٹ ورچک مین	پورب
پچھم	اتوار شکروار منگلوار	روہن	شیم چوداہ	ددی۔دہم	میش۔سیم۔دھن	مکر۔کن۔ورلش	پچھم
دکھن	اتوار گوروار	پورفا	پنچم ترواہ	شیم۔چوداہ	کرکٹ ورچک مین	میش سیم دھن	دکھن
اتر	منگلوار بدھوار گوروار	اترفا	ددی۔دہم	اکدو۔نوم	مکر۔کن۔ورلش	متھن طول قونب	اتر

پورب کو جانے کے لئے سوموار سنیچر وار زنشٹ نکھتر متھن طول کرکٹ وغیرہ راشی میں چندرمہ اشبھ ہے۔

یاترا کے لئے یوگنی چندرمہ جو اوتم ہے!

دشا	وار	بائیں طرف یوگنی	پیچھے کی یوگنی	سنمکھ چندرمہ	داہاں چندرمہ	دشا
پورب	اتوار منگلوار بدھوار گوروار شکروار	ددی۔دہم	شیم چوداہ	میش سیم دھن	مکر کن ورلش	پورب
پچھم	سوموار بدھوار گوروار سنیچر وار	پنچم۔ترواہ	اکدو۔نوم	متھن تلا قونب	کرکٹ ورچک مین	پچھم
دکھن	سوموار منگلوار بدھ شکر سنیچر	اکدو۔نوم	دوی۔دہم	مکر۔کن۔ورلش	متھن طول قونب	دکھن
اتر	سوموار شکروار سنیچر وار اتوار	شیم۔چوداہ	پنچم۔ترواہ	کرکٹ ورچک مین	میش سیم دھن	اتر

سادھارن یاترا کے لئے مہورت نہ ہونے پر بھی یاترا کو جانے کا مہورت

اتوار	سنیچروار	شکروار	ویروار	بدھوار	منگلوار	سوموار	دن کا حصہ
تکلیف	پیڑا	سفر	لابھ	فایدہ	تکلیف	سکھ	پہلا حصہ
یاترا	لابھ	فایدہ	پیڑا	سکھ	فکر	دکھ	دوسرا 〃
لابھ	بیماری	فکر	پریشانی	مرتیو	یاترا	لابھ	تیسرا 〃
سکھ	فکر	مرتیو	یاترا	آرام	لابھ	دکھ	چوتھا 〃
دکھ	یاترا	لابھ	لابھ	دکھ	آرام	روگ	۵ واں 〃
امرت	امرت	دکھ	سکھ	فکر	دکھ	فایدہ	چھٹا 〃
روگ	سکھ	فکر	مرتیو	سفر	سکھ	یاترا	۷ واں 〃
فکر	مرتیو	سفر	فائدہ	فائدہ	فکر	آرام	۸ واں 〃

مہورت چکر دیکھنے کا طریقہ

اگر آپ کو شکر کے دن پچھم کی طرف جانا ضروری ہو شکروار کے دن پچھم کی طرف جانا منع ہے۔ اس دن سوریہ اودے سے سوریہ است تک جتنے گھنٹے ہوں اُن کو ۸ حصے کیجئے شکروار کو پہلے حصے میں سفر دوسرے میں فایدہ۔

(۱) سب سے اونچی چوٹی مونٹ ایورسٹ 29002 فٹ (۲) سب سے بڑا ریگستان صحرائے اعظم افریقہ 3 لاکھ مربع میل (۳) سب سے بڑا جہاز کوئین الزبیتھ 83673 ٹن (۴) سب سے لمبا پلیٹ فارم سون پور بہار (۵) سب سے لمبا دریا مسس پی (۶) سب سے بڑی جھیل نیٹی کاکا جنوبی امریکہ

یاترا کے لئے گھات چندرما۔ گھات وار وغیرہ دیکھنے کا نقشہ

میش	ورلش	متھن	کرکٹ	سیہم	کن	طول	ورچک	دھن	مکر	قونب	مین	
〃	کن	قونب	سیہم	مکر	متھن	دھن	ورلش	متھن	سیہم	دھن	قونب	گھات چندرما
اتوار	سنیچروار	سوموار	بدھوار	سنیچروار	سنیچروار	گوروار	سنیچروار	شکروار	منگلوار	گوروار	شکروار	گھات وار
مگ	ہست	سوات	انراد	مول	ثردان	شتبنسک	ریوت	برن	روہن	ادر	اسلیش	گھات نکھتر
اکدو	پنچم	دوی	دوی	تری	پنچم	چورم	اکدو	تری	چورم	تری	پنچم	گھات
ششم	دہم	سپتم	سپتم	اشٹم	دہم	نوم	تری	اشٹم	نوم	اشٹم	دہم	تتھیاں
کاہ	پونم	باہ	باہ	ترواہ	پونم	چوراہ	کاہ	ترواہ	چوراہ	ترواہ	پونم	

چندرماں چکر کا نقشہ !

مین متھن کرکٹ طول ورچک قونب	پورب کی طرف منع ہے
میں میش کرکٹ سیہم ورچک دھن	دکھن 〃 〃 〃 〃
میش ورلش سیہم کن دھن مکر	پچھم 〃 〃 〃
ورلش متھن کن طول مکر قونب	اتر 〃 〃 〃 〃

اس نقشہ کو دیکھ کر آپکو معلوم ہوگا کہ پورب کی طرف جانے کے لئے سوموار سنیچروار زشنٹ شرون اکدو نوم پنچم ترواہ لشید ہے میش متھن کرکٹ سیہم ورچک قونب چندرما ہوں پورب کی طرف جانے کے لئے ممنوع ہے +

(۷) سب سے بڑی دیوار (چین) ۸۔ سب سے بڑا شہر ٹوکیو (جاپان) ۹۔ سب سے چھوٹا گرہ بدھ گرہ (۱۰) سب سے زیادہ آبادی (چین) ۱۱۔ سب سے بڑا عجائب گھر برٹش لندن

یاترا مہورت کے لئے طرفین معلوم کرنے کا نقشہ!

قصبہ شہر گاؤں	سرینگر	پانپور	اونتی پورہ	بجبہاڑہ	ترال	مورن	پلوامہ	شوپیان	کولگام	اننت ناگ	کوٹھار	قاضی گنڈ	بارسنڈ	ویری ناگ	بارہمولہ	پہلگام	اچھ بل	ساگام	ہال	بانڈی پورہ	ہندوارہ	سوپور
سرینگر سے	×	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	اتر	پچھم	پچھم
پانپور سے	اتر	×	دکھن	دکھن	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//
اونتی پورہ سے	اتر	اتر	×	دکھن	//	پچھم	پچھم	پچھم	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	پچھم	//	//	//
بجبہاڑہ سے	اتر	اتر	اتر	×	اتر	//	//	//	//	پورب	//	//	//	//	//	//	پورب	//	//	//	//	//
ترال سے	پچھم	پچھم	پچھم	دکھن	//	//	//	//	//	دکھن	//	//	//	//	//	//	//	پورب	//	//	//	//
مورن سے	اتر	اتر	پورب	پورب	پورب	×	پورب	دکھن	//	پورب	//	//	//	//	//	//	//	//	دکھن	//	//	//
پلوامہ سے	//	//	//	//	//	پچھم	×	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	اتر	اتر
شوپیان سے	//	//	//	//	//	اتر	اتر	×	پورب	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	/	//	//
کولگام سے	//	//	//	//	اتر	//	//	پچھم	×	//	//	پورب	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//
اننت ناگ سے	//	//	اتر	پچھم	//	پچھم	پچھم	//	پچھم	×	پورب	دکھن	//	//	//	پورب	دکھن	دکھن	پچھم	اتر	پچھم	پچھم
کوٹھار سے	پچھم	پچھم	پچھم	//	پچھم	//	//	//	//	پچھم	×	پچھم	پچھم	//	//	اتر	پچھم	//	//	//	//	//
قاضی گنڈ سے	اتر	اتر	اتر	اتر	اتر	//	//	//	//	اتر	پورب	×	پورب	پورب	//	//	اتر	پورب	//	//	اتر	//
بارسنڈ سے	پچھم	پچھم	پچھم	//	//	//	//	//	//	//	//	پچھم	×	دکھن	//	//	دکھن	دکھن	//	//	پچھم	//
ویری ناگ سے	اتر	اتر	اتر	//	//	اتر	اتر	/	//	//	//	//	اتر	×	//	//	اتر	پورب	//	پورب	//	//
بارہمولہ سے	پورب	پورب	پورب	پورب	پورب	پچھم	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	//	دکھن	پورب	پورب	//	پورب	پورب	//	//	پچھم	اتر	اتر
پہلگام سے	دکھن	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	اتر	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	دکھن	//	دکھن	دکھن	/	×	دکھن	دکھن	//	//	پچھم	پچھم
سوپور سے	//	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	//	پورب	//	دکھن	پورب	//	دکھن	دکھن	پورب	اتر	×
ہندوارہ سے	//	/	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	دکھن
بانڈی پورہ سے	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	//	×	پچھم	پچھم

اگر آپکو سرینگر سے اننت ناگ جانا ہو تو اننت ناگ دکھن میں ہے ایسے ہی اننت ناگ سے پلوامہ پچھم میں ہے کشمیر سے لداخ پورب میں ہے اور گلگت اتر

منش کے انگوں سے سوبھاؤ کی پہچان

۱- جس منش کا سر بڑا اور گول ہو وہ اونچے خیالات والا دھنوان سرل سوبھاؤ مشہور ہوگا۔
۲- جس آدمی کا سر لمبا نتھا بڑا ہو وہ منش مورکھ۔ روگی حاسد اور آلسی اور سست ہوتا ہے۔
۳- جس آدمی کا منہ لمبا اور دبلا ہوگا اس میں تمام برے اوگن پائے جائیں گے۔ وہ روگی ہوگا۔
۴- جس آدمی کی آواز بلند اور بھاری ہوگی وہ عقلمند دیانت دار اور بدھیمان ہوتا ہے۔
۵- جس آدمی کی ناک لمبی اور پتلی ہوگی وہ سادہ دل۔ تند مزاج سوبھاؤ بدلنے والا ہوتا ہے۔
۶- جس آدمی کے ہونٹ موٹے ہوں وہ بے وقوف سست اور دھوکہ کھانے والا ہوگا۔
۷- جس آدمی کی آنکھیں بڑی بڑی ہوں اور باہر کو نکلی ہوں وہ مستقل مزاج نہیں ہوگا۔
۸- جس آدمی کی رفتار تیز ہو مگر چھوٹا قدم اٹھاتا ہو وہ دور اندیش اور ہر کام میں کامیاب ہوگا
۹- جو آدمی آہستہ چلتا ہے اس کی بدھی مند اور ہر کام میں دیر کرنے والا ہوگا۔
۱۰- جس آدمی کے بال چھوٹے اور گھنے ہوں اور آدمی دلیر بہادر کم عقل اور ودیاہین ہوتا ہے
۱۱- جس آدمی کی بھوئیں چوڑی ہوں مگر بال کم ہوں وہ کم عقل ملنسار کم علم ہوتا ہے۔
۱۲- جس آدمی کی بھوئیں خم دار ہوں وہ آدمی مغرور بدمزاج اور دولت مند ہوتا ہے۔
۱۳- جس آدمی کی بھوؤں کی درمیان کی جگہ کم ہو وہ ہر وقت پریشان اور تنگ دل ہوتا ہے۔
۱۴- جو آدمی گفتگو کے وقت پلکیں نیچے جھکالے وہ آدمی تنگ دل اور حاسد ہوتا ہے۔
۱۵- جس آدمی کی آنکھیں چھوٹی اور اندر گھسی ہوں وہ آدمی دور اندیش تردید اور عمر دراز ہوگا
۱۶- جس آدمی کے کان بڑے اور موٹے ہوں وہ حاسد اور دھوکہ دینے والا ہوتا ہے۔

ہر کام میں کامیابی اور ناکامیابی دیکھنے کا طریقہ!

کہتے ہیں کہ بادشاہ سکندر ہر مہم میں اس طریقہ پر عمل کرکے فتح و نصرت پاتا تھا۔ پس لڑائی جھگڑے یا مقدمات میں دیکھنا چاہیے کہ کون غالب اور مغلوب ہوگا۔ بلکہ ہر کام میں اس کا دیکھنا ضروری ہے۔ مثلاً عورت و خاوند میں خاوند غالب اور عورت مغلوب ہونی چاہیئے پس جو شخص اس طریقہ پر عمل کرکے اپنے آپ کو غالب اور طرف ثانی کو مغلوب دیکھ کر کام کریگا وہ ہر طرح سے کامیاب ہوگا۔ طریقہ یہ ہے کہ غالب مغلوب کے نام کے حروف مفرد لکھ کر مطابق نقشہ ذیل اعداد لکھیئے۔

ا	ب	ج	د	ہ	و	ز	ح	ط	ی	ک	ل	م	ن
۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۲۰	۳۰	۴۰	۵۰
س	ع	ف	ص	ق	ر	ش	ت	ش	خ	ذ	ض	ظ	غ
۶۰	۷۰	۸۰	۹۰	۱۰۰	۲۰۰	۳۰۰	۴۰۰	۵۰۰	۶۰۰	۷۰۰	۸۰۰	۹۰۰	۱۰۰۰

ہمارے یہاں ورش پھل۔ جاتک۔ ٹکلی وغیرہ شدھ صحیح گنت سے بنائی جاتی ہے۔ اس کے علاوہ صحیح پھلا دیش بھی بتایا جاتا ہے۔

گنت کرتا شری پنچانگ

جوتشی اومکار ناتھ بٹ (جوتش رتن) بھوریکدل سرینگر

جاتی ملاپ کے لئے جاتی ملاپ کا دیکھنا بھی ضروری ہوتا ہے جاتی نکھتر کے مطابق ہوتی ہے جیسے اشواد نکھتر والے کو دیو جاتی اور مگھا نکھتر والے کو راکھشس جاتی ہوگی۔ لڑکے لڑکی کی جاتی ایک ہی ہو تو اتم اگر ایک کی جاتی دیو اور دوسرے کی منشیہ ہو تو مدھیم ایک کی جاتی راکھشس اور دوسرے کی منشیہ اتھوا دیو جاتی ہو تو اشبھ پھل۔

ناڑی چکر نمبر ۱۔ مول۔ زنشٹ۔ ہست۔ اترفا۔ پنروس اور اشن شتبشک پوربا

ناڑی چکر نمبر ۲۔ اتریا۔ دلشٹ۔ پورشا۔ اشواد۔ چتر۔ پورفا۔ بران۔ تیش۔ مرگشور

ناڑی چکر نمبر ۳۔ ریوت۔ شروان۔ اترشا۔ وشاک سوات مگ اسلیش روہن کرتچ

اگر لڑکے اور لڑکی کا نکھتر دونوں نمبر (۱) میں ہوں تو ایک ناڑی نمبر (۲) میں ہوں تو بدھ ناڑی نمبر ۳ میں ہوں تو انتیہ ناڑی۔

گرہ دوش نوارن سات واروں کا ورت

سوموار۔ برت رکھ کر شوجی اور چندرما کا پوجن کریں سوریہ است سے پہلے بھوجن کرائیں

منگلوار۔ ہنومان جی کا پوجا کریں اور منگلوار کی کتھا سن کر شام کو میٹھا بھوجن کریں۔

بدھوار۔ وشنو جی کا پوجن کرکے بدھ وار کی کتھا سن کر شام کو میٹھا بھوجن کریں

گوروار۔ برہسپتی کا پوجن کرکے برہسپت وار کی کتھا سن کر شام کو میٹھا بھوجن کریں۔

شکروار۔ دیوی پوجن کرکے شکر کی کتھا سن کر شام کو دودھ دہی سے میٹھا بھوجن کریں

سنیچر وار۔ شنیچر پوجن کرکے شنی ستوتر پڑھ کر شام کو میٹھا بھوجن کریں۔

اتوار۔ سوریہ دیوتا کا پوجن کریں اور سوریہ است سے پہلے بھوجن کریں۔

جاتک ملاپ {ٹیکن ملناون}

بل دیکھنے کا طریقہ۔ جنم کنڈلی میں پہلے چوتھے ۷ویں ۱۰ویں گھر کو کیندر کہتے ہیں ایک پاپ گرہ کا ایک بل ہوتا ہے۔ بل دیکھنے کے لئے جنم کنڈلی کے کیندر ۸ویں ۱۲ویں گھر میں جتنے پاپ گرہ ہوں اتنے بل مانئے۔ برہسپتی شکر ایک گھر میں ہوں تو ایک بل اوپر لکھے ہوئے طریقہ سے لڑکی اور لڑکے کے دونوں کنڈلیوں کے بل دیکھے جاتے ہیں مزید لڑکے کی کنڈلی میں شکر سے ۴ ۸ویں گھر میں جتنے پاپ گرہ ہوں اتنے بل مانئے جیسے لڑکے کی جنم کنڈلی میں لگن سے کیندر میں ۸ویں ۱۲ویں میں کل ۴ پاپ گرہ ہیں چندرما سے کیندر ۸ویں نیز ۱۲ویں میں ۳ پاپ گرہ ہونے سے ۳ بل۔ شکر سے گنتے ہیں اور کوئی بل نہیں ہے۔ اس پرکار لڑکی کی جنم کنڈلی میں ۷ بل ہیں ۷ بلوں کے یوگ سے دونوں کنڈلیوں کا ملاپ ہے

جاتی (گن) چکر

راکھشس جاتی	منشیہ جاتی	دیو جاتی
مگ۔ اسلیش۔ دلشٹ کرتچ۔ زنشٹ۔ مول شتبشک۔ چتر۔ وشاک	پوربا۔ پورفا۔ پورشا۔ اترشا اتریا۔ روہن۔ بران۔ ادر۔	اشواد۔ مرگشور۔ شروان۔ پنروس ریوت۔ سوات۔ ہست تیش۔ اسلیش۔

چیزیں بیچنے کیلئے نکھتر اور وار ہیں { پورشا۔ پورفا۔ پوربا۔ وشاک۔ کرتچ۔ اسلیش بران گوروار اور سوموار چیزیں بیچنے کے لئے

گرہوں کی نظر کا نقشہ

درشٹی	سوریہ	چندرمہ	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر
پوری			۴		۵		۲
	۷	۷	۸	۷	۹	۷	۱۰
پونی	۴	۴	۵	۴	۳	۴	
	۸	۸	۹	۸	۱۰	۸	۷
آدھی	۵	۵	۳	۵		۵	۴
	۹	۹	۱۰	۹	۷	۹	۸
چوتھائی	۳	۳		۳	۴	۳	۵
	۱۰	۱۰	۷	۱۰	۸	۱۰	۹

دیکھنے کا طریقہ!

سُوریہ جنم کنڈلی کے جس گھر میں بیٹھا ہو وہاں سے ۷ ویں گھر کو پُورن درشٹی سے چوتھے اور ۸ ویں کو پونی درشٹی سے ۵ ویں ۹ ویں گھر کو آدھی درشٹی سے تیسرے اور ۱۰ ویں گھر کو چوتھائی درشٹی سے دیکھتا ہے۔

جاتی — لگن — چکر

دیو جاتی	منش جاتی	راکھشس جاتی
ازاد۔ حرگشور۔ شرون۔ ریوت۔ سوات ہست۔ تیش۔ اشن	پورفا۔ پوربا۔ اترشا۔ اتربا۔ اترفا اترشا۔ روہن۔ برن	مگ۔ اسلیش۔ دلشٹ۔ کرچ۔ زشٹ مول۔ شتبشک۔ چتر۔ دشاک

جاتک ملاپ کے لئے جاتی ملاپ کا دیکھنا بھی ضروری معلوم ہوتا ہے۔ جاتی نکھتر کے مطابق ہوتی ہے جیسے ازاد نکھتر والے کو دیو جاتی اور مگ نکھتر والے کو راکھشس جاتی ہوگی لڑکے لڑکی کی جاتی ایک ہی ہو تو اچھا اگر ایک کی جاتی دیو اور دوسرے کی منش ہو تو درمیانی لڑکی کی جاتی راکھشس ہو۔ لڑکے کی جاتی منش ہو۔ ممنوع ہے۔

ناڑی چکر۔ مول۔ زشت۔ ہست۔ اترفا۔ پترد س اور اشن (۲) اتربا۔ دلشٹ۔ پورشا۔ اترشا۔ چتر۔ پورفا۔ تیش حرگشور۔ برن (۳) ریوت۔ شرون۔ اترشا۔ دشاک۔ سوات۔ مگ۔ اسلیش روہن کرچ ÷ ایک لڑکے اور لڑکی کا نکھتر دونوں نمبر (۱) میں ہو تو ایک ناڑی اگر نمبر (۲) میں ہو تو دو ناڑی اور اگر نمبر (۳) میں ہو۔ تو انت ناڑی۔ اس کے لئے اوپائے چاندی کا سانپ بنا کر لگن کے وقت براہمن کو دان دیں۔

گرہوں کا ملانا۔ دونوں کی جنم کنڈلیوں میں اگر کرور گرہ (سوریہ بوم۔ شنیچر۔ راہ۔ کیت) لگن میں چوتھے گھر میں یا ۷ ویں ۱۰ ویں ۸ ویں استھان میں ہو تو ایک ایک گرہ کا ایک ایک بل سمجھا جاتا ہے۔ اسی طرح اس چکر میں بھی دیکھنا برہسپت شکر کو سمبوگ ہوا ایک بل ہے۔ عورت کے کرور گرہ کے ساتھ چندرمہ ایک بل ہے آدمی کو پاپ گرہ کے ساتھ ایک بل ہے صرف آدمی کے لئے شکر سے اگر چوتھے اور ۸ ویں گھر میں کرور گرہ ہو تو ایک بل وچار نا۔ راکھش جاتی بھی ایک بل ہے منگل اور برہسپتی بھی ایک بل ہے جب ان کا سمبوگ ہو۔

شری پنچانگ ہندو سنسکرتی اور سبھیتا کا دھارمک درپن ہے اسکو اپنانا استک جنتا کا کرتویہ ہے

ادھنک یگ میں کچھ نشیدھ کاریہ

چتردشی اماوسی سنکراتی دیوورت پتردرت اشٹمی - پرتپدا - ان تتھیوں کو، منگل، ایت اور شنی وار کو کرچ - نگ - ریوت - برن - تین اتر - ان نکھتروں کو جنم تتھی اور جنم وار کو سر کے بال کاٹنا منع ہے - نیز کلہ پکھ کی اشٹمی اماوس - پورنیما - سنکراتی - ایکادشی اور جنم اشٹمی کے دن مانس کھانا بالکل نشیدھ ہے،

ورش پھل بنانے کا آسان طریقہ

جس سال کا ورش بنانا ہو - اس سمت سے جنم سمت کو گھٹانے سے باقی گت ورش ہوتے ہیں - سارنی میں گت ورش کے نیچے لکھے ہوئے وار گھڑی پل کے ہندسوں کو جنم کے وار گھڑی اور پل کے ساتھ ملانے سے ورش کے وار گھڑی اور پل بنتے ہیں پھر جنم کنڈلی میں جس راشی میں سوریہ ہو اور جو ہندی تاریخ ہو اسی کے مطابق اسی دن دیکھنا وہی وار ہوگی - تاریخ میں ایک کا فرق بھی ہو سکتا ہے یعنی کبھی تاریخ ایک دن آگے یا ایک دن پیچھے آتا ہے مگر جس دن وار ہوگی اسی دن ورش کا آرمبھ جان لیں - وار کے لئے اتوار کو ایک جان لیں - مثال کے طور پر اگر گت ورش کے وار آدی کے ساتھ جنم کے وار وغیرہ جوڑ کر ۴-۲۵-۴۵ آئے تو ۴ بدھوار اور ۲۵ گھڑی ۴۵ پل ورش کا لیشٹ کال ہوگا۔ پھر جس دن ورش شروع ہو اس دن کے سموت، وار، تتھی وغیرہ لکھ کر اسی لیشٹ کال کے مطابق لگن سارنی سے لگن بنانا اس کے بعد کنڈلی میں لگن کے مطابق راشیاں اور اس دن کے گرہ لکھ کر ورش کنڈلی تیار ہو جاتی ہے

(نوٹ) گھڑی اور پل ۶۰ سے زیادہ نہیں رہتے اور وار ۷ سے زیادہ نہیں رہتی -

منتھا دیکھنا گت ورش کے ہندسوں میں جنم لگن کی گنتی (میش سے شروع ہو کر) جوڑ کر ۱۲ سے تقسیم کریں جو باقی بچے اور اسی راشی میں منتھا لکھیں جیسے گت ورش ۲۵ ہے جنم لگن فرتب لگن کی گنتی ۱۱ ہے ملا کر ۳۶ ہوئے ۱۲ پر تقسیم کیا باقی

منتھا کا پھل

منتھا	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲
پھل	دشمن کا ناش من کی اچھیا پورن - لابھ شریر سکھ	تیرتھ مگن میں اتساہ مشہوری عزت	دھن کی پراپتی مشہوری سکھ اور لابھ	شریر پیڑا دشمن کا خوف فضول خرچ متروں سے ویر	اپنی بدھی سے دھن دانیہ کی پراپتی لابھ	شریر کشٹ شترو بھئے روگ چور اور دشمن کا خوف	ستری اور پتر کشٹ - شریر پیڑا - وردھ بدھی	روگ و چور خوف - دشمن ہانی - سفر	ستری و پتر سکھ راج مان	دھن پراپتی ترقی - راج دربار میں عزت	من پرسن دھن دانیہ پراپتی ستری پتر سکھ	خرچ زیادہ دشٹ سنگ شریر پیڑا دھرم ہا

(نوٹ) جب منتھا ٹھیک نہ ہو تو ضرور [illegible]

شرادھ سنکلپ ودھی

پہلے دھوپ دیپ کریں۔

(۱) شکلام بھردھرم وشنوم ششہ ورنم چترجم پرسنہ ودنم دھیائے ئیرو وگھنوپہ شانتہ ئے (۲) ابھہ پریتیا تھ سدھیرتم پوجر تویاہ سورایراپی ابرو وگھنہ چھدرے نسمیئے۔ شری گنا دیتیئے نماہ۔ (۳) گورو برہما۔ گورور وشنو۔ گورو سا کھیات مہیشوراہ۔ گورریے وجگت سروم تسمے شری گوردیے نماہ

اپنے منہ اور پیروں کو جل سے چھڑکتے ہوئے پڑھیں:۔ ترتھلے۔ سنے یم۔ ترتم الو سمانا نام۔ بھوتی ماناہ بتشوار درودھرتی پرانگ۔ ترتسے رکھیا نو برہمرنس پاتتے۔

(پوتر دھارن کریں) وسوپوترم اسی یشتہ دھارم۔ وشونام۔ پوترم اسی سہسر دھارم ایکماہ واہ۔ پرجیاسم سرجامی۔ رایس پوشیتہ بھولا بھونیتی۔

(اپنے کو تلک لگاتے ہوئے پڑھیں) پرملتمنے برشوتمائے۔ پنچہ بھوتاتمہ کلئیے وشواتمنے منترناتھائے آتمنے نارایناے آدھار شکتے سمالہ بھتم گندھو نماہ۔ ارگھونماہ پنچھیم نماہ۔

(دیپ کو تلک لگاتے ہوئے پڑھیں) سوپرکاشو مہادیپو۔ سرو تس۔ تمراپہا ہا۔ پرسیدھہ ممہ گوبندہ۔ دیپو یم پرکلپتاہ۔

(دھوپ کو تلک پشپ) ونسپتی۔ رسو۔ دیوا۔ گندا ڈھیو گندہ اوتما آہرانم۔ سرودیوانام دھوپو یم پرتی گرہتام (سوریہ کا دھیان کرتے ہوئے ترمال میں تلک پشپ ڈالتے ہوئے پڑھیں) نمو دھرم ندھانائے نماہ شوکرت سکشنے۔ نماہ پرتیکھشنہ دیولئے شری باسکرائے نمو نماہ (کھاسو سلکے ترمال میں جل ڈالتے ہوئے پڑھیں) یتراستی ماتا۔ نہ پیتا نہ بندھو بھراتا پی نو۔ یتر سوہرت جنسنچہ۔ نہ گیا یہ تے۔ یتر دنم نہ راتری۔ تترا تمہ دیپم شرنم پر پدی۔ آتمنے نارایناے۔ آدھار شکتے دھوپ دیپہ سنکلپات بدر استو دھولونما دیپو نماہ۔

(اب بائیاں یگنیوپویت رکھ کر پڑھیں) نماہ۔ پتر بھیاہ۔ پرتیو بھیو۔ نمو دھرمائے وشنوئے۔ نمو بہائے۔ رودرائے۔ کانتارپتے نماہ۔ اوم تت ست برہم ادیے تاوت تتھوادیے مہینہ۔ پکھش تتھی وار کا نام لیکر ترپن کریں:۔ پترے۔ پتا مہائے۔ پرپتا مہائے ماترے۔ پتامہیئے۔ پرپتامہیے۔ ماتامہائے۔ پرماتامہائے۔ وردھ پرماتامہائے۔ ماتامہیئے۔ پرماتامہیئے۔ وردھ پرماتامہیئے۔ سمستہ ماتا پتر بھیاہ۔ دواادش دیوتھ باہ پتر بھیاہ دوپاسودھاہ۔ دیپاہ سودھا اوم نمو

ترپن کرتے سمئے اپنا گوتر نام کے ساتھ جوڑنا چاہیے۔ چاول وستر وغیرہ سنکلپ کرتے وقت اسی پتر کا نام گوتر سہت پڑھیں:۔ تت ست برہم ادیے تاوت تتھوادیے ماس پکھہ۔ تتھی وار انیتا یام پتو شام دربار دوازسے۔ سایانکی کنیاگی ..... کی شرادھی انم۔ وسترم۔ پھلم مولہ دکشنا سہتم سنکلپہ یامی۔

دایاں یگنیوپویت رکھ کر شدھ جل سے ترپن کریں:۔ نمو برہمنے۔ نمو استو اگنیئے نماہ پرتھوئیے نماہ او شدھی بھیاہ۔ نمو واچے۔ نمو واچسپتئے۔ نمو وشنوے برہتے کرنوی یتنے نیتاسام مہلے و۔ دیوتا۔ تانام۔ ساوختم۔ سایو مجیم۔ سامو کتام۔ سای یم اپنوتی یا میلے دم۔ وودوان۔ سوادھیا یم ادھی تی۔ اوم شانتی۔

شرادھ دیکھنے کا طریقہ

جس دن تتھی کے ساتھ دیوا (د) لکھا ہو تو اس دن کا شرادھ پہلے ہی دن آتا ہے جیسے چورم پنچم کا شرادھ بالترتیب ترنی اور چورم کو آئے گا جب اشٹم نوم مردہیم۔ ایسی تتھی ہو تو اشٹمی کا شرادھ اشٹمی کو۔ نومی کا نوم کو اور دہیم کا بھی دہیم کو ہی ہوگا۔ جب اشٹم د نوم تتھی ہو تو اشٹمی کا شرادھ سپتمی کو اور نوم کا نوم کو ہی ہوگا۔ جس دن دو تتھیاں ہوں گی اور پتر شرادھ ہو تو پہلی ہی تتھی کو اور اگر دیوورت یا جنم دن وغیرہ ہو تو پچھلی تتھی کو آئے گا ÷

مدھیان دیکھنے کا طریقہ

مدھیان اکثر اسی وقت دیکھا جاتا ہے جس دن تتھی دیوا ہو جس دن کا مدھیان دیکھنا ہو اس دن کی تتھی اس دن سے پہلی کی تتھی کے گھڑی پل جوڑ کر اگر دن مان کی گھڑی وپل سے کم ہو تو مدھیان پہلی تتھی کو ہوتا ہے یعنی شرادھ آدی کا ورت پہلے دن ہوگا۔ اگر جوڑ کے گھڑی وپل دن مان کی گھڑی وپل سے زیادہ ہو تو ورت آدی اسی دن ہوگا۔ پہلے دن نہیں ÷

پرمیپون

ایک تھالی میں نوید اور دوسری تھالی میں چھو اور ۵ نجیاں رکھ کر گنیش جی کا دھیان کر کے شدھ پانی سے اپنے آپ کو چھڑکتے ہوئے پڑھیں:- تہ تھے بسنے یم، ترتھیم ایوہ سمانانام بھوتی مازاہ نمسو اور وشو دھرتی پرانتگ مرتسے رکھیانو برہمرتس پیتے۔

اپنے آپ کو تلک لگاتے ہوئے پڑھیں:- پرماتمنے، پرشوتمائے پنچر بھوتا تمکائے وشواتمنے، منترناتھائے آتمنے نارائنائے، آدھارشکتے سمالر بنھم گندھو نماہ۔ ارگھو نماہ، پشپم نماہ۔

دیپ کو تلک لگا کر پشپ پڑھاتے ہوئے پڑھیں:- سوپرکاشو مہا دیپو سروتس۔ تمراپہاہ۔ پرسیدھ ممہ گوبندہ۔ دیپو یم پرکلپتاہ۔

(دھوپ کو تلک لگا کر پڑھیں:-)

ونسپتی۔ رسو۔ دلویو۔ گندا ڈھیو، گندہ۔ اوتما۔ آہوانم سرو دلوانام دھوپو یم۔ پرتی گرہتام۔

سوریہ کا دھیان کر کے پاتر میں تلک پشپ ڈالتے ہوئے پڑھیں:- نمو دھرم ندھائے۔ نماہ سوکرت ساکھینے۔ نماہ پرتیکھشہ دلوائے باسکرائے نمو نماہ۔

دکھوسو سے تھال میں جل ڈالتے ہوئے پڑھیں:-

پتراستی۔ ماتا۔ نہ پتا۔ نہ بندھور بھراتا پی، نو پتر۔ سوہرت خنشچہ۔ نہ گیا پیر تے۔ پتر دنم۔ نہ راتری۔ تتراتمہ دی یم۔ شرنم۔ برپدی آتمنے۔ نارائنائے آدھارشکتے دھوپ دیپ سنکلپات۔ بسدر اکتو۔ دھولیو نماہ۔ دیپو نماہ۔

نوید کی تھالی کو دونوں ہاتھ سے پکڑتے ہوئے پڑھیں:-

امرتیشہ۔ موردیا۔ امرتی۔ کرتے۔ امرتم۔ استو۔ امرتاپتام سنئے ویدیم ساوترانی ساوترسے، دلوسے تواسہ تو۔ پرسوئے شنتو۔ باہو بھیام، پوشنو ہستا بھیام۔ ادرے دہاگنہ پتئے۔ کومارائے، شرئے بیرسوتئے۔ لکھشمے۔ وشوکرمنے۔ ردار۔ دلوتا بھیاد برہم چلپتئے۔ برہمنے۔ کلشہ دلوتا بھیاہ۔ برہم ولشنو مہیشور۔ دلوتا بھیاہ۔ چاتور ویدیشورائے۔ سانوچرائے۔ رتوپتئے نارائنائے۔ دورگائے۔ ترمبھ کلائے۔ وروناے بکبیہ پورشائے۔ اگنی شواتا دھیاہ۔ پترگنہ یاگہ دلوتا بھیاہ۔ بھگوتے۔ واسدلوائے سنکرشنائے۔ پردھیومنائے۔ انرودھائے۔ ستیائے۔ پورشائے۔ اچوتائے۔ مادھوائے۔ گوبندائے۔ سہسرنامنے وشنوئے لکشمی سہتائے نارائنائے۔ بھولائے دلوائے۔ بی شانائے۔ دلوائے۔ ایشورائے دلوائے اوماسہتائے شوائے پاروتی سہتائے پرمیشورائے۔ ونایکائے ایکردنتائے کرشنہ پنگلائے۔ گزانائے لمبھودرائے بھال چندرائے ہی رمبھائے آکھور تھائے۔ وگنی شائے۔ وگنہ بھاشنائے ولبھا سہتائے شری مہا گنیشائے۔ کلیم۔ کام کوماوائے۔ شبھم کھائے۔ میور واہنائے۔ سینا دپتئے کمارائے۔ بھگوتے برام۔ ہریم ناہ سرپائے سیتا شوائے۔ ایکا شوائے۔ نیلا شوائے۔ پرتیکھشہ دلوائے پرمارتھ سارائے تیجو روپائے۔ پربھا سہتائے آدتیائے بھگوتے امائیے کاملائے۔ چارو نگئے ٹنکہ دھارنئے۔ تارائے۔ پاروتئے۔ پکھشئے۔ شری شارکا بھگوتئے۔ شری شاردھا بھگوتئے۔ وتستا بھگوتئے۔ گنگا بھگوتئے۔ یمنا بھگوتئے۔ کالیکا بھگوتئے۔ بسدھ لکشمئے۔ مہالکشمئے۔ مہاترپورسندرئے۔ سہسرنا

دیویبے بھوانیے۔ ابھینکری دیوی۔ کھیم نکری بھگوتیے۔ نستروُ گاتی نیئے۔
برانسٹر دیتیٔ تہ آنند لیشور بھیروائے۔ یندرائے۔ وجرہستائے۔ اگنیٔ۔
شکھتی ہستائے۔ یملائے دنڈ ہستائے۔ نیرتے کھڈگ ہستائے ورونائے
پاشہ ہستائے۔ وایہ وی دوشر ہستائے۔ کوُبرائے گدا ہستائے لیشانائے
ترشوُل ہستائے۔ برہمنی پدم ہستائے۔ وِشنوے چکر ہستائے۔ انن
تاہ دھبیاہ۔ اشٹا بھیاہ۔ کُلہ ناگہ دیوتا بھیاہ۔ اگنیا دیتا بھیام۔ ورونو
چندر مو بھیام۔ کماریوما بھیام۔ وِشنو بڑھا بھیام۔ یندرا برہسپتی بھیام۔
سرسوتی شُکرا بھیام۔ پرچاپتی شنچرا بھیام۔ گنہ پتی راہو بھیام۔ زودر
کیتو بھیام برہمہ دُروا بھیام۔ انن تاگستا بھیام۔ برہمنے کورماے
دُرو وائے۔ ان تن تائے۔ ہرئے۔ لکشمئے۔ کملائے۔ شکھیا دِبھیاہ
پنچہ چتوار ہشت۔ واستو شپتی یاگہ دیوتا بھیاہ۔ برہما دِبھیو۔ ماتر بھیو
گوریا دِبھیو ماتر بھیاہ۔ للتا دِبھیو ماتر بھیاہ۔ دُرگا کھیتر گنیشور
دیوتا بھیاہ۔ بامی دیوتا بھیاہ۔ رودری دیوتا بھیاہ۔ داروُنی دیوتا بھیاہ۔
برہسپتی دیوتا بھیاہ۔ اوم بھُور دیوتا بھیاہ۔ اوم سور دیوتا بھیاہ۔ اوم
بھُور بھواہ سور دیوتا بھیاہ۔ اکھنڈ برہمانڈ۔ یاگ دیوتا بھیاہ۔ دُور بھیا
اُپہ دُر بھیاہ۔ مہا گایتری۔ ساوتری۔ سرسوتئے ہیرکا دِبھیاہ وٹوکا دِبھیاہ
اُپنتم امرتم۔ دیویم۔ پراک بھرو ددھی منتھنات انم امرت روپی نہ
نئے ویدیم یرتی گرہنتام۔ اوم تت سدت برہمہ ادے تادت تتھو

ادے .... آتمنو دانگمناہ کا یُو پار جیت پا پہ نوار نارتھم ادر نمو
نویدیا می نماہ۔
چھٹو کو ہاتھ سے پکڑتے ہوئے پڑھیں :۔
یا کا چت۔ یوگنی رودرا۔ سوبیا۔ گھور ترا پرا، کھیچری۔ بھوچری راماتو شٹا
بھونتو۔ مے سدا۔ آکاش ماتر بھیو انم نماہ۔
چھٹو کو تلک لگا کر پڑھیں :۔ آکاش ماتر بھیو سمالبھنم گندو نماہ
پھول چڑھاتے ہوئے پڑھیں :۔
آکاش ماتر بھیاہ۔ ارگھو نماہ پشیم نماہ (ایک ٹکڑے کو چاول سہت
پانی ڈال کر پڑھیں) کھیام کھترا دِیتئ انم نماہ۔
دوسرے ٹکڑے کو چاول سہت پانی ڈال کر پڑھیں :۔
رام راشٹا دِیتئ۔ انم نماہ۔ سروا بھیہ ور پرداہ۔ ہمئی۔ پورشٹم
پوشٹی پہ تر دداتو۔
اب دونوں ہاتھ جوڑ کر نوید کھانے کے لئے بھگوان سے آگیا
مانگتے ہوئے پڑھیں :۔
اگیا مے دیتام ناتھ۔ نویدا سیاسی بھکشنے۔ شر بریاترا سیدھرتم
بھگون کھیتنم ارہسی۔
نمسکار کر کے پڑھیں :۔ اُدھا بھیام۔ جانو بھیام۔ پانی بھیام۔ شرسا
اُورسا۔ مُنہ سا چہ نمسکارم کرو حی نماہ +

कश्मीर ऋषिवाटिका के नाम से प्रसिद्ध है। समय समय पर यहां अनेक ऋषियों तथा मुनियों ने जन्म लिया है। इस शताब्दि में यहां भगवान श्री गोपीनाथ जी का अवतार हुआ। इनका जन्म भान-मुहल्ला, श्रीनगर, में 3 जुलाई, 1898 ई० को हुआ और 28 मई, 1968 को इन्होंने पार्थिव देह को त्याग दिया।

भगवान जी आबाल्यब्रह्मचारी थे। उन्होंने घोर तपस्या की। कभी 2 तपस्या में रत हो, हफतों क्या महीनों भर भी कुछ नहीं खाते थे।

उन्होंने कैसे दीन दुखियों एव असाहयरोगों से ग्रस्त लोगों की रक्षा की, इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं। कश्मीर तथा समूचे भारत के उत्थान एवं सुरक्षा में उनका महान अध्यात्मिक योगदान रहा। भौतिक शरीर का त्याग करने के पश्चात भी वे कैसे देश और विदेश में सत्पात्रों का अध्यात्मिक मार्ग दर्शन करते हैं, इसके भी जीते जागते उदादरण मौजूद हैं। सुरक्षा के विषय में उनकी देश पर कृपा बनी रही है।

भगवान जी के नाम पर एक रजिस्टर्ड ट्रस्ट खरयार, श्रीनगर में काम कर रहा हैं, जिसके मुख्य उद्देश्य अध्यात्मिक उन्नयन अनाथों और असहाय विधवाओं की आर्थिक सहायता एवं यथासम्भव धार्मिक ग्रन्थों और एक धार्मिक पत्रिका का प्रकाशन हैं। इस धार्मिक और सांस्कृतिक दायित्व को पूरा करने के लिए ट्रस्ट आपके सक्रिय सहयोग का प्रार्थी है।

ट्रस्ट के मुख्य प्रकाशनों का सूचीपत्र आगे वाले पृष्ठ पर दिया हुआ है।

प्रेषक :—भगवान श्री गोपीनाथ जी ट्रस्ट (रजिस्टर्ड) खरयार, हब्बाकदल, श्रीनगर (कश्मीर)

SOME PUBLICATIONS OF THE

BHAGAWAN SHRI GOPI NATH JI TRUST (Regd)

Kharyar Habbakadal Srinagar Kashmir

1. **Bhagawan Gopi Nath Ji of Kashmir** by S.N. Foledar English) ... Rs. 5.00
2. **Bhagawan Gopi Nath Ji of Kashmir** translated in to Hindi by ... Rs. 5.00
   Rama Dutt Shukla
3. **Review on the biography of Bhagwan Gopi Nath Ji of Kashmir** by Rs. 1.00
   Mr. Justice S.N. Katju & his letters Expounding Shiva-Shakti Philosopy (Eng)
4. **Sovenir in the sacred memory of Bhagawan Shri Gopi Nath Ji** ... Rs 10 00
   (1974) Editors : Shri K Nanda and Sh. R.C. Sheopuri (English)
5. **An Indigo Indian of the Mystic East** by Sh H.N Koul,
   (National Herald) (English) ... Re 1 00
6. **Momento 1978** (English & Hindi) ... Rs. 5 00
7. **Japamala** (Sanskrit) ... Re. 1 00
8. **The Saint of All Times** by Prof. K.N. Dhar(English) Rs. 20 00
9. **Guru Geeta** with an English translation by
   Prof. J N. Sharma ... Rs. 5 00
10. The Guru Geeta with English translation by Shri
    Prem Nath Handoo (In Press)
11. The toils of Religion by
    J.B Koul.
12. Religious archipaelago

श्री ज्योतिषी ओंकारनाथ,
श्री ज्योतिष विशारद